इस बार के रविवारीय संस्करण 'लोक दर्पण' में, डिजिटल और जातिगत जनगणना पहली बार व अन्य विषयों पर विशेष सामग्री दी जा रही है।

www.amritvichar.com

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

आषाढ़ शुक्ल पक्ष द्वादशी विक्रम संवत 2082

अमृत विचार

वर्ष 35, अंक 160, पृष्ठ -14+4, मूल्यः 6 रुपये

एक सम्पूर्ण अखबार

आज का मौसम 35.9° अधिकतम तापमान | 28.0° न्यूनतम तापमान | बादल छाए रहेंगे। बारिश की संभावना | सूर्योदय 05 : 21 सूर्यास्त 07 :06

लखनऊ, रविवार, 6 जुलाई 2025

अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है भारत : गोयल...12

संदेशखालि हिंसा की जांच सीबीआई ने अपने हाथ में ली

नई दिल्ली, एजेंसी

- आरोपी टीएमसी नेता सहजान शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज

केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने संदेशखालि में 2019 के चुनाव के बाद हुई हिंसा के दौरान भाजपा कार्यकर्ता प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल की हत्या के मामले की जांच अपने हाथ में ले ली है और कथित तौर पर मुख्य आरोपी एवं तृणमूल कांग्रेस के नेता सहजान शेख के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की है। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि कलकत्ता उच्च न्यायालय द्वारा 30 जून को दिए गए आदेश पर प्राथमिकी दर्ज की गई है।

न्यायमूर्ति जॉय सेनगुप्ता ने सीबीआई को मामले की अत्यंत गंभीरता से जांच करने के लिए एक विशेष जांच दल (एसआईटी) गठित करने का आदेश दिया है। अदालत ने कहा कि जांच की निगरानी संयुक्त निदेशक द्वारा की जानी चाहिए। संदेशखलि गांव में कथित तौर पर शेख के नेतृत्व में भीड़ द्वारा किए गए हमले के बाद प्रदीप मंडल, देवदास मंडल और सुकांत मंडल मृत पाए गए थे। इस मामले की जांच पश्चिम बंगाल पुलिस की सीआईडी ने की थी, हालांकि पीड़ितों के परिवारों ने सीबीआई जांच की मांग को लेकर कलकत्ता उच्च न्यायालय का दरवाजा खटखटाया था। संदेशखालि स्थित आवास पर छापेमारी के दौरान ईडी के अधिकारियों पर हमले करवाने के आरोप में शेख को पांच जनवरी 2024 को गिरफ्तार किया गया था। तब से वह न्यायिक हिरासत में है।

हड्डियों के स्वास्थ्य और विकिरण जोखिम का किया अध्ययन

शुभांशु के साथ अन्य अंतरिक्ष यात्री हुए शामिल, इससे पृथ्वी पर ऑस्टियोपोरोसिस के बेहतर इलाज की संभावना

अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन पर शुभांशु शुक्ला।

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय अंतरिक्ष यात्री शुभांशु शुक्ला और एक्सिओम-4 मिशन के अन्य यात्रियों ने एक दिन के अवकाश के बाद शनिवार को अध्ययन किया कि हड्डियां सूक्ष्मगुरुत्व स्थितियों पर किस प्रकार प्रतिक्रिया करती हैं।

यह एक ऐसा प्रयोग है, जिससे पृथ्वी पर ऑस्टियोपोरोसिस के बेहतर इलाज की संभावना बढ़ सकती है। शुक्ला एक्सिओम-4 मिशन के तहत 26 जून को आईएसएस पर पहुंचे थे। उड़ान के दसवें दिन, शुक्ला ने अंतर्राष्ट्रीय अंतरिक्ष स्टेशन (आईएसएस) पर विकिरण जोखिम की निगरानी के लिए एक प्रयोग में भी हिस्सा लिया, जो पृथ्वी से दूर लंबी अवधि के अंतरिक्ष मिशनों पर अंतरिक्ष यात्रियों की बेहतर सुरक्षा में मदद कर सकता है। एक्सिओम-4 चालक दल में शुक्ला (39) और तीन अन्य अंतरिक्ष यात्री शामिल हैं।

एक्सिओम स्पेस ने एक बयान में कहा कि शुक्ला ने अंतरिक्ष सूक्ष्म शैवाल जांच के लिए नमूने तैनात किए। ये छोटे जीव एक दिन अंतरिक्ष में जीवन को बनाए रखने में मदद कर सकते हैं, भोजन, ईंधन और यहां तक कि सांस लेने योग्य हवा भी प्रदान कर सकते हैं। इन अंतरिक्ष यात्रियों ने आईएसएस पर हड्डियों के प्रयोग में हिस्सा लिया, जिससे यह जानकारी मिली कि अंतरिक्ष में हड्डियां किस प्रकार खराब होती हैं और पृथ्वी पर वापस आने पर वे किस प्रकार ठीक हो जाती हैं।

अंतरिक्ष में डिजिटल ट्विन का निर्माण कर रहे शोधकर्ता

एक्सिओम स्पेस ने कहा कि हड्डियों के निर्माण, सूजन और वृद्धि से संबंधित जैविक मार्कर का विश्लेषण करके, शोधकर्ता एक 'डिजिटल ट्विन' का निर्माण कर रहे हैं। 'डिजिटल ट्विन' एक भौतिक वस्तु, प्रक्रिया, या प्रणाली का एक आभासी, डिजिटल रूप है। यह वास्तविक दुनिया की वस्तु के साथ वास्तविक समय में डेटा का आदान-प्रदान करके, उसके व्यवहार को समझने, समस्याओं का पता लगाने और भविष्य की योजना बनाने में मदद करता है। भारतीय अंतरिक्ष अनुसंधान संगठन (इसरो) ने कहा कि शुक्ला ने आईएसएस पर 'टार्डिग्रेड्स' से जुड़े सूक्ष्मगुरुत्व प्रयोग को सफलतापूर्वक पूरा कर लिया है। इसरो ने कहा कि अध्ययन अंतरिक्ष में उनके अस्तित्व, पुनरुत्थान और प्रजनन व्यवहार पर केंद्रित था।

एक नजर

कथक नृत्यांगना कुमकुम आदर्श का निधन

लखनऊ। प्रख्यात कथक नृत्यांगना कुमकुम आदर्श का शनिवार को निधन हो गया। लास्य सम्राट कथकाचार्य पं. लच्छू महाराज की प्रमुख शिष्या कुमकुम आदर्श लगभग 65 वर्ष की थीं। लच्छू महाराज बैले सेंटर की निदेशक कुमकुम आदर्श अपनी अंतिम सांस तक कथक नृत्य के विस्तार की कोशिश में लगी रहीं। कुछ समय से वह किडनी की समस्या से ग्रस्त थीं। उनकी डायलेसिस होती थी। शुक्रवार को वह ज्यादा बीमार हो गईं। शनिवार की सुबह उनका निधन हो गया। रविवार को सुबह 10 :30 बजे बैकुंठ धाम में उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा।

तकनीकी खराबी से थाई लायन एयर की उड़ान रद्द

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में कोलकाता के नेताजी सुभाष चंद्र बोस अंतर्राष्ट्रीय हवाई अड्डे से बैंकॉक जाने वाली थाई लायन एयर की एक उड़ान शनिवार सुबह तकनीकी खराबी के कारण रद्द कर दी गई। अधिकारियों के मुताबिक विमान में 130 यात्री और चालक दल के सात सदस्य सवार थे। इस घटना के बाद उड़ान को रद्द कर दिया गया। भारतीय विमानपत्तन प्राधिकरण के अधिकारियों के अनुसार विमान शुक्रवार देर रात करीब 1.35 बजे कोलकाता में उतरा। विमान को कोलकाता से बैंकॉक डॉन मुआंग के लिए 2.35 बजे उड़ान भरनी थी।

बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं को सरकार देगी तीर्थ यात्रा का खर्च

मुख्यमंत्री योगी ने किया बौद्ध तीर्थ दर्शन और पंच तख्त यात्रा योजना का एलान

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अपने सरकारी आवास पर धर्मार्थ कार्य विभाग की समीक्षा बैठक करते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

- श्रद्धालुओं को योगी सरकार से यात्रा की पूरी व्यवस्था और 10 हजार रुपये मिलेंगे
- धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी नई तीर्थ यात्रा योजनाएं : योगी

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने शनिवार को बौद्ध व सिख श्रद्धालुओं के लिए बौद्ध तीर्थ दर्शन और पंच तख्त यात्रा योजना का एलान किया। इसमें श्रद्धालुओं को यात्रा की पूरी व्यवस्था के साथ 10 हजार रुपये दिए जाएंगे। योगी ने कहा कि नई तीर्थ यात्रा योजनाएं धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी।

मुख्यमंत्री योगी ने शनिवार को अपने आवास पर बौद्ध और सिख धर्म के अनुयायियों के लिए तीर्थ यात्रा अनुदान के लिए धर्मार्थ कार्य विभाग की ओर से तैयार कार्य योजना का प्रस्तुतिकरण देखा। इस दौरान बौद्ध और सिख श्रद्धालुओं की धार्मिक यात्राओं की आस पूरी करने के लिए बड़ा निर्णय लिया। निर्देश दिए कि बौद्ध श्रद्धालुओं की विशिष्ट तीर्थ यात्राओं हेतु 'बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना' और सिख श्रद्धालुओं के लिए 'पंच तख्त यात्रा योजना' प्रारम्भ की जाए। इन योजनाओं के माध्यम से श्रद्धालुओं को आर्थिक सहयोग प्रदान किया जाएगा, जिससे वे अपनी आस्था के प्रमुख तीर्थस्थलों की यात्रा सुलभता से कर सकें। प्रस्तावित दोनों ही योजनाओं में प्रति व्यक्ति न्यूनतम 10 हजार की धनराशि अनुदान के रूप में दी जाएगी। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिए कि दोनों योजनाओं के लिए आवेदन की प्रक्रिया पूरी तरह ऑनलाइन रखी जानी चाहिए, श्रद्धालुओं के चयन में पूरी पारदर्शिता के साथ कमजोर आय वर्ग के लोगों को वरीयता दी जानी चाहिए। दोनों ही योजनाएं आईआरसीटीसी के सहयोग से संचालित की जाएंगी।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि ये दोनों योजनाएं श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा और धार्मिक आस्था को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए लागू की जाएं। उन्होंने यह भी कहा कि ये योजनाएं प्रदेश की समावेशी विकास नीति और सबका साथ, सबका विकास की भावना को और सशक्त करेंगी। प्रदेश की धार्मिक सहिष्णुता और पर्यटन को नया आयाम देंगी, साथ ही 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना को भी मूर्त रूप प्रदान करेंगी।

बौद्ध भिक्षुओं को दी जाएगी प्राथमिकता

मुख्यमंत्री के मंशानुसार बौद्ध तीर्थ दर्शन योजना का उद्देश्य प्रदेश के निवासी हिन्दू/बौद्ध श्रद्धालुओं को देश के विभिन्न भागों में स्थित बौद्ध तीर्थ स्थलों की यात्रा की साध पूरी कराना है। मुख्यमंत्री ने योजना के लाभार्थियों के चयन में बौद्ध भिक्षुओं को प्राथमिकता देने के निर्देश दिए।

देश के पांच पवित्र तख्त साहिब की यात्रा करेंगे सिख

योगी सरकार की पंच तख्त यात्रा योजना सिख श्रद्धालुओं के लिए होगी। इसके अंतर्गत प्रदेश के सिख श्रद्धालुओं को भारत के पांच पवित्र तख्त साहिब की यात्रा कराई जाएगी। जिसमें श्री आनंदपुर साहिब, श्री अकाल तख्त साहिब, श्री दमदमा साहिब, तलवंडी साबो, पंजाब, श्री तख्त सचखंड श्री हजूर साहिब, श्री हरमंदिर जी साहिब (पटना साहिब) शामिल हैं।

विदेशी फंडिंग से अवैध धर्मांतरण कराने वाला मौलाना गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

जमालुद्दीन

- युवतियों को बहला-फुसलाकर जबरन धर्मांतरण कराता था जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा

अमृत विचारः प्रदेश में बिना अनुमति धर्मांतरण कराने वाले बड़े गिरोह का खुलासा एटीएस ने शनिवार को किया। इस गिरोह के मास्टर माइंड बलरामपुर स्थित उतरौला कस्बा निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा को गिरफ्तार किया है। इसी मामले में दूसरी आरोपी नीतू रोहरा उर्फ नसरीन को भी गिरफ्तार किया गया है। आरोपी बलरामपुर इलाके में लंबे समय से धर्मांतरण का गिरोह चला रहा था। इस गिरोह का नेटवर्क मुस्लिम देशों में फैला है। गिरोह को मुस्लिम देशों से 100 करोड़ रुपये से अधिक की फंडिंग की गई है।

लखनऊ में तीन दिन पहले छांगुर बाबा के चंगुल में फंस कर धर्म बदलने वालों ने फिर से अपना पुराना धर्म अपना लिया था। इस दौरान ही पीड़ितों के कई चौंकाने वाले खुलासे के बाद एटीएस ने छांगुर की तलाश तेज कर दी थी। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक यूपी एटीएस को जानकारी मिली थी कि बलरामपुर के उतरौला कस्बे में जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा खुद को हाजी पीर जलालुद्दीन बताकर धर्मांतरण का गिरोह चला रहा है। छांगुर पर 50 हजार रुपये इनाम घोषित किया गया था।

50 बार मुस्लिम देशों की यात्रा, 100 करोड़ से अधिक की फंडिंग

जांच में सामने आया कि छांगुर बाबा अपने एजेंटों के जरिये युवतियों को बहला-फुसलाकर धर्मांतरण कराता था। एडीजी कानून-व्यवस्था अमिताभ यश के मुताबिक छांगुर अब तक 50 बार मुस्लिम देशों की यात्रा कर चुका है। बलरामपुर में कई संपत्तियां खरीदी है। जिसमें विदेशों से आने वाले धन का प्रयोग किया गया है। इस गिरोह का नेटवर्क पूरे देश में फैला है। गिरोह को विदेशी फंडिंग खाड़ी देशों से 100 करोड़ से अधिक की हो रही है। इन देशों से आये फंड से बाबा ने बंगले, लग्जरी गाड़ियां और शोरूम खरीदे हैं। इसके लिए गिरोह से जुड़े लोगों के खातों की जांच की जा रही है।

धर्मांतरण कराने के लिए तय होता था दाम

एटीएस अधिकारियों के मुताबिक गिरोह ने धर्मांतरण कराने के लिए दाम भी तय कर रखे हैं। यह दाम जाति व वर्ग के नाम पर तय किये गये है। अगर ब्राह्मण, क्षत्रिय, सरदार के घर की युवतियां है तो 15-16 लाख रुपये, पिछड़ी जाति की युवतियों के लिए 10-12 लाख रुपये, अन्य जातियों के लिए 8-10 लाख रुपये का दाम तय किया गया है।

नीरव मोदी का भाई निहाल अमेरिका में गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

निहाल मोदी

- पीएनबी धोखाधड़ी मामले में सीबीआई ईडी के प्रत्यर्पण अनुरोध पर कार्रवाई

अमेरिकी अधिकारियों ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) और केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) के प्रत्यर्पण अनुरोधों के आधार पर भगोड़े हीरा कारोबारी नीरव मोदी के छोटे भाई निहाल मोदी को गिरफ्तार कर लिया। अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि अमेरिकी अधिकारियों ने भारत को सूचित किया कि निहाल मोदी को शुक्रवार को हिरासत में ले लिया गया। अधिकारियों ने बताया कि मामले की सुनवाई की अगली तारीख 17 जुलाई है और उस सुनवाई में निहाल जमानत का अनुरोध कर सकता है, लेकिन अमेरिकी अभियोजक इसका विरोध करेंगे।

प्रवर्तन निदेशालय और सीबीआई द्वारा संयुक्त रूप से किए गए प्रत्यर्पण अनुरोध पर यह कदम उठाया गया। अमेरिकी अभियोजकों द्वारा प्रत्यर्पण की कार्यवाही दो आरोपों पर की गई, जिसमें धन शोधन रोकथाम अधिनियम (पीएमएलए), 2002 की धारा 3 के तहत धन शोधन का एक मामला और दूसरा भारतीय दंड संहिता की धारा 120-बी (आपराधिक साजिश) व 201 (फरार होने) के तहत आपराधिक साजिश का मामला शामिल है।

निहाल (46) पंजाब नेशनल बैंक से जुड़े कथित 13,000 करोड़ रुपये के धोखाधड़ी मामले में आरोपी है। यह मामला अब तक के सबसे बड़े धोखाधड़ी मामलों में से एक है। धोखाधड़ी का आरोप दोनों भाइयों (नीरव और निहाल मोदी) और उनके रिश्तेदार मेहुल चोकसी पर है। सीबीआई के आरोप-पत्र के अनुसार, नीरव मोदी ने अपनी कंपनियों के माध्यम से फर्जी 'लेटर ऑफ अंडरटेकिंग' (एलओयू) जारी करके पीएनबी से लगभग 6,498 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी की थी।

ब्रिटेन में रह रहा हथियार डीलर भंडारी भगोड़ा घोषित

नई दिल्ली। दिल्ली की एक विशेष अदालत ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की याचिका पर शनिवार को ब्रिटेन में रह रहे हथियार कारोबारी संजय भंडारी को भगोड़ा आर्थिक अपराधी घोषित कर दिया। अदालत ने भगोड़ा आर्थिक अपराधी अधिनियम, 2018 के तहत भंडारी को भगोड़ा घोषित किया। इस आदेश से संघीय जांच एजेंसी को मजबूती मिली है, क्योंकि अब ईडी भंडारी की करोड़ों रुपये की संपत्ति कुर्क कर सकेगी। हाल ही में ब्रिटेन की एक अदालत ने भंडारी के प्रत्यर्पण के खिलाफ फैसला सुनाया था, जिसके बाद उसके भारत आने की संभावनाएं लगभग समाप्त हो गई हैं। वर्ष 2016 में आयकर विभाग द्वारा दिल्ली में छापेमारी के तुरंत बाद भंडारी (63) लंदन भाग गया था।

फूल किसानों को बड़ी राहत मंडी शुल्क से मिली मुक्ति

- मुख्यमंत्री योगी ने लिया फैसला

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने फूल की खेती करने वाले किसानों को बड़ी राहत दी है। अब मंडी परिसर से बाहर व्यापार करने पर कोई शुल्क नहीं देना होगा, जबकि मंडी परिसर में उनसे मात्र प्रयोक्ता शुल्क लिया जाएगा। इसी के साथ मंडियों में 'शबरी कैंटीन' स्थापित होगी, जहां सस्ता और स्वास्थ्यवर्धक भोजन मिलेगा। मुख्यमंत्री ने निर्देश दिया कि मंडी परिषद की ओर से एफडीआर तकनीक से ही नई सड़कों का निर्माण हो। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई उत्तर प्रदेश राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 171वीं बैठक में सभी प्रकार के फूलों को विनिर्दिष्ट कृषि उत्पाद की श्रेणी से हटाकर गैर-विनिर्दिष्ट श्रेणी में रखने का महत्वपूर्ण निर्णय लेते हुए मंडी शुल्क से मुक्ति दे दी गई।

20 साल बाद साथ आए ठाकरे बंधु

मुंबई, एजेंसी

- उद्धव-राज की एकता से महाराष्ट्र की राजनीति में हलचल

महाराष्ट्र में एक महत्वपूर्ण राजनीतिक घटनाक्रम में चचेरे भाई उद्धव ठाकरे और राज ठाकरे का करीब 20 वर्ष बाद शनिवार को 'मिलन' हुआ और दोनों के महाराष्ट्र और मराठी-मानुष के मुद्दे पर मंच साझा करने पर राज्य में बड़े राजनीतिक बदलाव की अटकलें तेज हो गई हैं। सत्तारूढ़ महायुति और विपक्षी गठबंधन महा विकास अघाड़ी के नेता ठाकरे बंधुओं के मिलन पर बारीकी से नजर रख रहे हैं।

उद्धव ठाकरे शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) के प्रमुख हैं। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के संस्थापक अध्यक्ष राज ठाकरे फिलहाल किसी गठबंधन में शामिल नहीं हैं। राज ठाकरे ने उद्धव ठाकरे से मतभेद के बाद वर्ष 2005 में बालासाहेब ठाकरे के नेतृत्व वाली शिवसेना से खुद को अलग कर लिया था। वर्ष 2026 में शिवसेना संस्थापक बालासाहेब ठाकरे की 100वीं जयंती और शिवसेना का 60वां स्थापना वर्ष होगा।

यह तो बालासाहेब भी नहीं कर सके थे : राज

मुंबई। महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के प्रमुख राज ठाकरे ने शनिवार को विजय रैली में मजाकिया अंदाज में कहा कि महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने उन्हें और उद्धव को साथ ला दिया, यह ऐसा काम है जो बालासाहेब ठाकरे भी नहीं कर सके। विजय रैली का उद्देश्य राज्य के स्कूलों में कक्षा एक से तीसरी भाषा के रूप में हिंदी को शामिल करने संबंधी सरकार द्वारा पहले जारी किए गए आदेशों को वापस लेने का जश्न मनाना था।

श्रीराम से जुड़े तीर्थस्थलों के लिए चलेगी विशेष ट्रेन

आईआरसीटीसी ने की घोषणा

नई दिल्ली। अयोध्या में श्रीराम मंदिर की लोकप्रियता के मद्देनजर भारतीय रेलवे खानपान एवं पर्यटन निगम (आईआरसीटीसी) 25 जुलाई से श्रीरामायण यात्रा के नाम से अपनी पांचवीं विशेष ट्रेन यात्रा शुरू करने जा रहा है। यह यात्रा 22 जनवरी 2024 को राम मंदिर की प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित समारोह के बाद से शुरू हुई श्रृंखला का हिस्सा है। आईआरसीटीसी के अनुसार श्री रामायण यात्रा 25 जुलाई 2025 से शुरू होगी और इसमें भगवान राम से जुड़े 30 से अधिक स्थलों को शामिल किया जाएगा। यात्रा की शुरुआत अयोध्या से होगी और इसके बाद नंदीग्राम, सीतामढ़ी, जनकपुर, बक्सर, वाराणसी, प्रयागराज, चित्रकूट, नासिक, हम्पी और अंत में दक्षिण भारत के रामेश्वरम द्वीप तक जाएगी, जिसके बाद यह यात्रा दिल्ली लौटकर समाप्त होगी।

मानव तस्करी में एनआईए ने दो को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने अवैध मार्ग के जरिए अमेरिका में मानव तस्करी के एक मामले में कथित रूप से शामिल दो लोगों को गिरफ्तार किया है।

अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि हिमाचल प्रदेश और दिल्ली में छापेमारी के बाद ये गिरफ्तारियां की गईं। एनआईए के अनुसार आरोपियों की पहचान हिमाचल प्रदेश के कांगड़ा जिले के धर्मशाला निवासी सनी उर्फ सनी डोनकर और पंजाब के रोपड़ निवासी शुभम संधल उर्फ दीप हुंडी के रूप में हुई है।

आदित्य-एल 1 ने सूर्य के रहस्यों को खोलना किया शुरू

मिशन के शुरुआती चरण के परिणाम उत्साहवर्धक, हल्द्वानी में बना सूर्य की गतिविधि का डेटा प्रोसेसिंग केंद्र

संवाददाता, नैनीताल

सूर्य की सतह पर उभरे सौर कलंक।

अमृत विचार : भारतीय सौर मिशन आदित्य-एल1 ने सूर्य की रहस्यमय गतिविधियों की तस्वीरों को उजागर करना शुरू कर दिया है। इस सोलर साइकिल में सौर ज्वालाओं की रिकॉर्डिंग करने में शानदार सफलता हासिल की है।

अभी तक की टेस्टिंग में आदित्य एल 1 के अधिकांश उपकरणों ने सटीक रिजल्ट दिए हैं। सूर्य की गतिविधि का डेटा प्रोसेसिंग का एक केंद्र हल्द्वानी में भी बनाया गया है। आर्यभट्ट प्रेक्षण विज्ञान शोध संस्थान (एरीज) नैनीताल के पूर्व निदेशक एवं इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईआईएसटी), तिरुवनंतपुरम (केरल) के निदेशक एवं आदित्य-एल1 के सह अध्यक्ष प्रो. दीपांकर बनर्जी ने बताया कि सूर्य की गतिविधियों पर नजर रखने के लिए आदित्य-एल1 को 6 जनवरी 2024 में लैगरेंज बिंदु1 (एल1) स्थापित किया गया था। तभी से इससे टेस्टिंग कार्य को शुरू कर दिया गया था। इसका प्रमुख कार्य सूर्य में होने वाली हलचल, जैसे कि सौर ज्वाला, सौर तूफान, सौर कलंक समेत अंतरिक्ष मौसम की जानकारी जुटाना है। आदित्य के कैमरे ने एक्स फ्लेयर कही जाने वाली सबसे बड़ी ज्वालाओं को देखा और रिकॉर्डिंग की है। प्रो. बनर्जी के अनुसार प्रारंभिक जांच में अधिकांश उपकरणों ने सटीक रिजल्ट देने शुरू कर दिए हैं, जबकि अन्य उपकरणों का टेस्टिंग कार्य जारी है, जिसमें अभी समय लगेगा। हाल के दिनों में आदित्य द्वारा ली गई तस्वीरें उत्साहवर्धन करने वाली रही हैं। बहरहाल मिशन का पहला चरण सफल साबित हुआ है। तस्वीरों के डेटा प्रोसेसिंग के कार्य को लेकर विभिन्न स्थानों में प्रशिक्षण कार्यशालाएं आयोजित की जा चुकी हैं। अब डेटा प्रोसेसिंग से सामने आने वाले वैज्ञानिक निष्कर्षों का महत्वपूर्ण कार्य किया जाना है। हल्द्वानी के बीएसएनएल परिसर में भी डेटा प्रोसेसिंग सेंटर बनाया गया है।

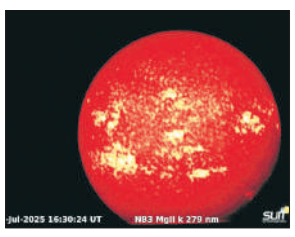

दुनिया की मदद करेगा आदित्य-एल 1

नैनीताल। प्रो. दीपांकर बनर्जी से फोन पर हुई बातचीत में उन्होंने बताया कि सूर्य की निगरानी को लेकर आदित्य एल 1 मिशन अमेरिकी अंतरिक्ष स्पेस एजेंसी नासा व यूरोपियन स्पेस एजेंसी ईसा का संयुक्त मिशन सोहो के बाद दूसरा मिशन है। सोहो का कार्यकाल बहुत कम रह गया है और आदित्य-एल1 मिशन सोहो की तरह अपना दायित्व निभाने के लिए तैयार है, जिस कारण भविष्य में दुनिया के सौर वैज्ञानिकों की नजर आदित्य एल1 पर रहेगी।

एक नजर

विश्व युवा कौशल दिवस पर दिखेगी प्रतिभाओं की चमक

अमृत विचार, लखनऊ : विश्व युवा कौशल दिवस पर 15 जुलाई को सभी जिलों में युवा प्रतिभाओं की चमक दिखेगी। इससे पहले 12 से 14 जुलाई के बीच रोजगार मेला आयोजित होगा। इसकी तैयारी में सभी जिलाधिकारियों ने नोडल अधिकारी नियुक्त कर लिए हैं। व्यावसायिक शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता विभाग के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कपिलदेव अग्रवाल ने बताया कि मुख्य कार्यक्रम में कौशल विकास की सफल कहानियां, प्रशिक्षण केंद्रों की प्रदर्शनी, प्रेरक संवाद सत्र और सांस्कृतिक प्रस्तुतियां शामिल रहेंगी। जिले के सफल प्रशिक्षुओं को सम्मानित किया जाएगा और उन्हें मंच पर अपनी कहानी साझा करने का अवसर मिलेगा। जनपद में स्थापित महत्वपूर्ण उद्योगों के प्रतिनिधियों का भी सम्मान किया जाएगा।

अयोध्या में उधैला झील का होगा सौंदर्यीकरण

अमृत विचार, लखनऊ : अयोध्या इको-पर्यटन का प्रमुख केंद्र बनेगा, इसके लिए उप्र. इको टूरिज्म डेवलपमेंट बोर्ड इसका पर्यटन विकास करेगा, उक्त क्रम में मिल्कीपुर स्थित उधैला झील को लगभग 3.81 करोड़ रुपये की लागत से इको-टूरिज्म स्थल के रूप में विकसित किया जा रहा है। इस झील में, खास तौर पर सर्दियों में प्रवासी पक्षियों की बहुलता रहती है। यह जानकारी शनिवार को पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने दी। उन्होंने बताया कि अयोध्या शहर से महज 30 किलोमीटर की दूरी पर स्थित यह स्थल आदर्श प्राकृतिक गंतव्य के रूप में विकसित हो रहा है। उप्र. ईको टूरिज्म विकास बोर्ड द्वारा यहां मुख्य प्रवेश द्वार, कैफेटेरिया, टिकट काउंटर, वॉकवे, दो विश्राम स्थल, गजेबो हट, शौचालय, बच्चों के खेलने का क्षेत्र और एक वॉच टावर आदि पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जा रहा है। पर्यटकों को झील और उसके आस-पास आने वाले रंग-बिरंगे पक्षियों का विहंगम दृश्य भी देखने को मिलेगा।

किसान बनेंगे ब्रांड एंबेसडर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- प्राकृतिक खेती करने वाले 200 किसानों का चयन
- ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स मॉडल से प्रशिक्षित होंगे किसान
- नेचुरल फार्मिंग के लिए बनाया जाएगा लोकल इंस्टीट्यूशन

अमृत विचार : प्रदेश में प्राकृतिक और जैविक खेती को बढ़ावा देने के उद्देश्य से योगी सरकार ने नई योजना शुरू की है। इसके तहत 200 प्राकृतिक खेती करने वाले किसानों का चयन किया गया है, जिन्हें अब ब्रांड एंबेसडर के रूप में तैनात किया जाएगा। इस कदम का मकसद किसानों को जागरूक बनाना और प्राकृतिक खेती को नई पहचान देना है।

इस योजना के तहत किसानों को ट्रेनिंग ऑफ ट्रेनर्स (टीओटी) मॉडल के माध्यम से प्रशिक्षित किया जाएगा। पहले बैच के प्रशिक्षकों को तैयार किया जाएगा, जो आगे मंडल और जिला स्तर पर प्रशिक्षण देंगे। इससे आधुनिक तौर तरीकों का प्रसार तेजी से होगा और प्राकृतिक खेती को व्यापक रूप से अपनाया जाएगा।

राष्ट्रीय मिशन फॉर नेचुरल फार्मिंग के तहत लोकल नेचुरल फार्मिंग इंस्टीट्यूशन किसानों को प्रशिक्षित करने और उन्हें जागरूक बनाने में मदद करेगा। इससे प्राकृतिक खेती का आधार मजबूत होगा और किसान स्वावलंबी बनेंगे।

प्रशिक्षण और तैनाती की योजना तैयार

प्रथम बैच के प्रशिक्षकों का कोर्स पूरा कराने के बाद इनकी जिला स्तरीय तैनाती का प्रारूप भी तैयार किया जा रहा है। ताकि हर जिले में प्रशिक्षित किसानों की संख्या और उनके कार्यक्षेत्र का स्पष्ट दिशा-निर्देश हो सके। इससे योजना का प्रभाव और कार्यान्वयन सुगम होगा।

छात्रवृत्ति के लिए बन रहा डिजिटल निगरानी तंत्र

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- 18 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत योजना बना रही सरकार

अमृत विचार : प्रत्येक पात्र छात्र को छात्रवृत्ति पाने का पूर्ण अधिकार है, इस मंत्र के साथ योगी सरकार प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रिफार्म, परफार्म और ट्रांसफार्म के विजन को साकार करने में जुटी है। सभी विभागों से मिलने वाली छात्रवृत्ति योजनाओं से जुड़े 18 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत कार्ययोजना तैयार हो रही है। इसके लिए जल्द ही एकीकृत पोर्टल और डिजिटल निगरानी तंत्र विकसित होगा। पोर्टल पर आवेदन से लेकर छात्रवृत्ति वितरण तक में पारदर्शिता व समयबद्धता लाकर समस्याओं का स्थाई समाधान होगा।

समाज कल्याण विभाग को नोडल बनाकर अल्पसंख्यक कल्याण, पिछड़ा वर्ग कल्याण और दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभागों के मिलकर छात्रवृत्ति योजनाओं को और प्रभावी बनाने के लिए व्यापक सुधार करने में जुटा है। 18 प्रमुख बिंदुओं पर विस्तृत योजना बन रही है। इनमें अनिश्चितता, प्रत्येक वर्ष नए आवेदन की बाध्यता, विलंबित परीक्षा परिणाम, विभिन्न वर्गों के लिए अलग-अलग मानक, निजी विश्वविद्यालयों द्वारा स्वतः फीस निर्धारण, निगरानी तंत्र की कमी, फेल्ड ट्रांजेक्शन और प्रदेश के बाहर पढ़ने वाले छात्रों की समस्याएं शामिल हैं।

रियल टाइम नोटिफिकेशन और ऑनलाइन जांच

छात्रवृत्ति प्रणाली को तकनीकी रूप से उन्नत करने के लिए एक आधुनिक एकीकृत पोर्टल विकसित किया जा रहा है, जिसमें मोबाइल ऐप, रियल टाइम नोटिफिकेशन और दस्तावेजों की ऑनलाइन जांच जैसी सुविधाएं रहेंगी। छात्रों की वास्तविक उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए फेस रिकॉग्निशन आधारित प्रणाली भी लागू की जाएगी, जिससे फर्जीवाड़े पर पूर्ण रोक लगेगी।

पारदर्शिता और समयबद्धता पर जोर : असीम अरुण

समाज कल्याण विभाग के राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) असीम अरुण ने कहा कि मुख्यमंत्री योगी की मंशा स्पष्ट है कि कोई भी पात्र छात्र धन की कमी के कारण शिक्षा से वंचित न रहे। हम छात्रवृत्ति योजनाओं को और सरल, पारदर्शी और समयबद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध हैं। उन्होंने बताया कि नियमावली में शीघ्र सुधार किया जाएगा, ताकि अधिक से अधिक छात्रों को इसका लाभ मिल सके।

पीपीपी मॉडल पर बनाएं नई मंडियां : योगी

राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की बैठक में मुख्यमंत्री ने दिए निर्देश

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी ने निर्देश दिया है कि प्रदेश में आवश्यकता के अनुसार नई मंडियों की स्थापना की जाए और इसके लिए पीपीपी मॉडल पर संभावनाएं तलाश कर योजनाएं बनाई जाएं। साथ ही, लखनऊ के विकल्प खंड, गोमतीनगर में एग्रीमॉल के निर्माण कार्य को तेजी से पूर्ण करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि अनावश्यक देरी पर जिम्मेदारों पर नियमानुसार दंडात्मक कार्रवाई की जाए।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की अध्यक्षता में शनिवार को हुई उप्र. राज्य कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की 171वीं बैठक हुई। मुख्यमंत्री ने कहा कि मंडी परिषद के पास लगभग 20 हजार किमी लंबी सड़कें हैं। नई सड़कों का निर्माण एफडीआर तकनीक से कराया जाए। प्रदेश में 10 नए मंडी एवं उपमंडी स्थलों की स्थापना की प्रक्रिया शुरू हो चुकी है, जिनमें से चार पूरी तरह बनकर तैयार हो गए हैं, जबकि शेष छह पर निर्माण कार्य तीव्र गति से चल रहा है। मुख्यमंत्री ने मंडी परिषद की सभी प्रधान कृषि मंडी स्थलों में 'शबरी कैंटीन' स्थापित करने का निर्देश भी दिया। उन्होंने कहा कि इन कैंटीनों का उद्देश्य केवल भोजन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि सेवा भावना के साथ सस्ता, स्वास्थ्यवर्धक और स्वादिष्ट भोजन सुनिश्चित करना होना चाहिए। भूमि मंडी परिषद द्वारा निःशुल्क उपलब्ध कराई जाए और संचालन गैर-सरकारी या स्वयंसेवी संस्थाओं द्वारा किया जाए। मुख्यमंत्री ने स्पष्ट कहा कि इस योजना का मूल भाव 'सेवा' हो, 'व्यापार' नहीं। इससे मंडियों में आने वाले किसानों, श्रमिकों और आगंतुकों को बड़ी राहत मिलेगी।

उप्र. कृषि उत्पादन मंडी परिषद के संचालक मंडल की बैठक करते मुख्यमंत्री योगी।

'रज्जू भइया' विवि के छात्र भी पाएंगे कृषक छात्रवृत्ति

बैठक में एक और महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया कि प्रयागराज स्थित प्रो. राजेन्द्र सिंह (रज्जू भइया) विश्वविद्यालय के कृषि संकाय के छात्र भी 'मुख्यमंत्री कृषक छात्रवृत्ति योजना' के अंतर्गत लाभान्वित होंगे। वर्तमान में यह योजना प्रदेश के 9 विश्वविद्यालयों और 60 महाविद्यालयों में संचालित है।

1994.55 करोड़ की आय दर्ज कर तोड़ा रिकॉर्ड

बैठक में बताया गया कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में मंडी परिषद ने 1994.55 करोड़ की आय दर्ज कर पिछला रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह पिछले साल से 16.2 प्रतिशत अधिक है। इस वित्तीय वर्ष में मंडी एवं उपमंडी स्थलों के निर्माण, उन्नयन और जीर्णोद्धार हेतु 195.30 करोड़ की योजनाएं स्वीकृत की गई हैं। इसके अतिरिक्त 242.27 करोड़ की लागत से नए संपर्क मार्गों के निर्माण की स्वीकृति दी गई है।

बिजली कर्मियों ने प्रदेशभर में मनाया विरोध दिवस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- निजीकरण के विरोध में 9 को सांकेतिक हड़ताल, जेल भरो आंदोलन की तैयारी तेज

अमृत विचार : ऊर्जा निगमों के निजीकरण के विरोध में बिजली कर्मियों ने शनिवार को काली पट्टी बांधकर विरोध प्रदर्शन किया और प्रदेश भर में विरोध दिवस मनाया। इस बीच, बिजली कर्मियों ने 9 जुलाई को प्रस्तावित सांकेतिक हड़ताल व जेल भरो आंदोलन की तैयारी तेज कर दी है। उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन ने भी हड़ताल की स्थिति से निपटने के लिए निर्देश जारी किये हैं।

विद्युत कर्मचारी संयुक्त संघर्ष समिति उप्र. के आह्वान पर बिजली कर्मचारियों ने दिनभर काली पट्टी बांध कर प्रदेश के सभी जिलों व परियोजनाओं पर विरोध जताया। इस दौरान निजीकरण का टेंडर होने पर जेल भरो आंदोलन की तैयारी में सभी जिला व परियोजना मुख्यालयों पर स्वेच्छा से जेल जाने वाले बिजली कर्मियों ने सूची में अपने नाम लिखवाए। संघर्ष समिति के संयोजक शैलेंद्र दुबे व अन्य पदाधिकारियों ने एक बार फिर कहा है कि अगर प्रदेश सरकार की नजर में निजीकरण के बाद पूर्वांचल और दक्षिणांचल विद्युत वितरण निगम के 42 जिलों में बिजली की आपूर्ति के लिए विश्वसनीय प्रबंधन होगा तो अखबारों में जारी विज्ञापन से स्पष्ट है कि ऊर्जा निगमों में बीते 22 वर्षों से चल रहा आईएएस प्रबंधन अविश्वसनीय है। संघर्ष समिति ने सवाल किया कि इसी अविश्वसनीय प्रबंधन की ओर से किए जा रहे निजीकरण की विश्वसनीयता क्या है?

प्रदेश में बड़े पैमाने पर होगा मंदिरों का जीर्णोद्धार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- भृगु और दुर्वासा ऋषि के आश्रम सहित जैन मंदिर का होगा कायाकल्प

अमृत विचार : योगी सरकार ने राज्य की धार्मिक और सांस्कृतिक विरासत को संरक्षित करने के लिए मंदिरों के बड़े पैमाने पर जीर्णोद्धार और पर्यटन विकास की एक महत्वाकांक्षी योजना शुरू की है। इस योजना के तहत भृगु और दुर्वासा ऋषि के आश्रमों सहित जैन मंदिर का कायाकल्प किया जाएगा।

कार्ययोजना के अनुसार, बलिया में भृगु आश्रम स्थित चित्रगुप्त मंदिर का सौंदर्यीकरण, तेंदुआ पट्टी फरसातर मौजा होलपुर में हनुमान मंदिर परिसर का पर्यटन विकास, बसंतपुर गांव में उदासीन मठ का विकास, महाराजगंज में भैरोबाबा स्थल का पर्यटन विकास, फूलपुर पवई में दुर्वासा ऋषि आश्रम का विकास, मऊ के दुआरी गांव में श्री वीरा बाबा ब्रह्म स्थान का पर्यटन विकास, आजमगढ़ के मिश्रापुर में राम जानकी मंदिर का विकास, कन्नौज के सदर में फूलमती देवी मंदिर का सौंदर्यीकरण होगा। इसके साथ ही आजमगढ़ के धन्नीपुर, सिंगपुर बांसगांव में स्वर्गीय संत परमहंस बाबा के स्थल का भी पर्यटन विकास योजना में शामिल है।

भाजपा ने कार्यक्रमों को लेकर बनाई रणनीति

अमृत विचार, लखनऊ : भाजपा ने शनिवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम से लेकर पौधरोपण और गुरुपूर्णिमा की रणनीति बनाई। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष भूपेंद्र सिंह चौधरी व प्रदेश महामंत्री (संगठन) धर्मपाल सिंह ने शनिवार को वर्चुअल माध्यम से पार्टी के प्रदेश पदाधिकारियों, क्षेत्रीय अध्यक्षों, जिला प्रभारी और जिला अध्यक्षों के साथ बैठक की। आगामी कार्यक्रमों और अभियान के संदर्भ में व्यापक स्तर पर चर्चा हुई। धर्मपाल सिंह ने कहा कि रविवार को डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर बूथ स्तर पर कार्यक्रम आयोजित करना है। जबकि 9 जुलाई को प्रदेश में पौधरोपण का बड़ा अभियान चलाया जाएगा।

आरटीई से दाखिला दिलाने में श्रावस्ती रहा अव्वल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- गोंडा को दूसरा और बस्ती को तीसरा स्थान, फिरोजाबाद और बलरामपुर भी टॉप-5 में

अमृत विचार : गरीब बच्चों को शिक्षा के अधिकार अधिनियम (आरटीई) के तहत निजी स्कूलों में दाखिला दिलाने में श्रावस्ती जिला सबसे आगे है। गोंडा को दूसरा और बस्ती को तीसरा स्थान मिला है, जबकि फिरोजाबाद को चौथा और बलरामपुर पांचवें स्थान पर है।

शासन के अधिकारियों के अनुसार, श्रावस्ती के जिलाधिकारी अजय कुमार द्विवेदी ने आरटीई के तहत स्कूलों में दाखिला के लिए आए 465 आवेदन में से 460 बच्चों का निजी स्कूलों में दाखिला कराया है। यह औसत 98.92 प्रतिशत है। जबकि गोंडा की जिलाधिकारी नेहा शर्मा ने 2079 बच्चों के आवेदन के सापेक्ष 1975 बच्चों का निजी स्कूलों में दाखिला कराया, जो 95 प्रतिशत है। इसी तरह बस्ती ने 591 लक्ष्य के सापेक्ष 553 बच्चों (93.57 प्रतिशत) का दाखिला कराकर तीसरा स्थान प्राप्त किया है। वहीं, फिरोजाबाद ने 4,358 लक्ष्य के सापेक्ष 4,060 (93.16 प्रतिशत) बच्चों का दाखिला कराकर चौथा स्थान प्राप्त किया है, जबकि पांचवें स्थान पर बलरामपुर ने 771 लक्ष्य के सापेक्ष 712 बच्चों (92.35 प्रतिशत) का दाखिला कराया।

आम महोत्सव में उत्पादक सम्मानित

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि आम महोत्सव किसानों के परिश्रम और नवाचार का उत्सव है। उप मुख्यमंत्री शनिवार को राजधानी स्थित अवध शिल्प ग्राम में आयोजित आम महोत्सव कार्यक्रम को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दीप प्रज्ज्वलित कर महोत्सव के दूसरे दिन की शुरुआत की। इस मौके पर बच्चों की प्रतियोगिता व तकनीकी सत्र आयोजित हुए।

इस मौके पर उप मुख्यमंत्री ने महोत्सव में 800 से अधिक देशी, कलमी, संकर, प्रसंस्कृत और विदेशी प्रजातियों के आमों की प्रदर्शनी का अवलोकन किया। साथ ही, आम उत्पादक लखीमपुर के हरप्रीत सिंह व बदायूं के अमरपाल सिंह को शॉल, प्रशस्ति पत्र और पौधे भेंट कर सम्मानित किया। महोत्सव के दूसरे दिन प्रदर्शनी में विभिन्न जिलों से आए किसान, बागबान व स्कूली बच्चों, नागरिकों, जनप्रतिनिधियों ने 800 से अधिक किस्मों का अवलोकन किया। टॉमी एटकिन, अरुणिमा, आम्रपाली, योगी, मोदी आदि आम की किस्मों को देखकर लोग उत्साहित दिखे।

नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा भी शाम को आम महोत्सव में पहुंचे और यहां लगी प्रदर्शनी का अवलोकन किया।

लखनऊ में चल रहे आम महोत्सव में लगी प्रदर्शनी देखते उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक।

7608 गोआश्रय स्थलों में स्थापित होंगे गोपाल वन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्यमंत्री योगी की मुहिम से जुड़ रहे हैं संत समाज व गोपालक

अमृत विचार : प्रदेश के ग्रामीण क्षेत्र में 6613 अस्थायी गोआश्रय स्थल, 387 वृहद गोसंरक्षण केंद्र, 305 कांजी हाउस तथा शहरी क्षेत्र में 303 कान्हा गोआश्रय स्थल सहित कुल 7608 गोआश्रय स्थल में 9 जुलाई को पौधरोपण कर गोपाल वन की स्थापना की जाएगी। इसके संरक्षण पर भी विशेष ध्यान रहेगा। सरकार ने इसके अतिरिक्त निजी गोपालकों से भी अनुरोध किया है कि वे भी पौधे लगाएं।

गोरक्षपीठाधीश्वर व मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की इस मुहिम से संत समाज व गोपालक भी जुड़ गए हैं। गोसेवा आयोग ने भी पौधरोपण महाभियान में सहभागिता को लेकर तैयारी कर ली है। योगी की वन नीति न सिर्फ यूपी को संवार रही है, बल्कि राजनीति करने वालों को आईना भी दिखा रही है। जिस प्रदेश में कभी 5 करोड़ पौधे नहीं मिलते थे। उस प्रदेश में योगी सरकार ने 2025 महाभियान के तहत 52.43 करोड़ पौधे तैयार कराए हैं। इसमें से 37 करोड़ पौधे यूपी में लगाए जाएंगे।

पौधरोपण महाभियान के मिशन निदेशक दीपक कुमार ने बताया कि इस बार अनेक महापुरुषों के नाम पर वनों के साथ ही गोपाल वन की भी स्थापना की जाएगी। गोशालाओं में चारा व छायादार पौधे लगाए जाएंगे। गोपाल वन की स्थापना में गोपालकों व संत समाज का भी सहयोग लिया जाएगा।

गोसेवा आयोग के अध्यक्ष श्याम बिहारी गुप्ता ने बताया कि पौधरोपण महाभियान में सहभागिता को लेकर तैयारी पूरी कर ली है। सभी गोशालाओं में सहजन, पीपल, पाकड़, बरगद आदि के पौध लगाने पर जोर दिया गया है। पूरे वर्षा काल में पौधे लगाए जाएंगे।

सांप्रदायिकता के खिलाफ लड़ेगी कांग्रेस

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- राज बब्बर ने कांग्रेस के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को दिलाई शपथ

अमृत विचार : कांग्रेस के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष पूर्व सांसद राज बब्बर ने कहा कि प्रदेश की जनता सांप्रदायिकता को बढ़ावा देने वालों को सत्ता से बाहर करेगी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस नई रणनीति के तहत कार्य कर रही है और निरंतर आगे बढ़ी रही है। पूर्व सांसद शनिवार को प्रदेश कार्यालय में लखनऊ जिला व शहर कांग्रेस के नवनिर्वाचित पदाधिकारियों को शपथ व संकल्प दिलाने के साथ पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। पूर्व सांसद ने पदाधिकारियों को कांग्रेस की विचारधारा व गांधीवादी सिद्धांतों के अनुरूप निष्ठापूर्वक कार्य करने की शपथ दिलाई।

उन्होंने कहा कि आज भाजपा शासनकाल में जिस तरह से समाज में नफरत फैलाई जा रही है, संविधान को खत्म करने का प्रयास किया जा रहा है, ऐसे दौर में कांग्रेस पार्टी की विचारधारा और गांधीवादी सिद्धांतों को अपनाकर ही हमें लड़ना होगा। शपथ ग्रहण कार्यक्रम में जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष रूद्र दमन सिंह बबलू, शहर कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष अमित श्रीवास्तव त्यागी व डॉ. शहजाद आलम समेत बूथ स्तर तक के पदाधिकारी शामिल हुए। कार्यक्रम की अध्यक्षता पूर्व मंत्री राज बहादुर ने की।

कांग्रेस प्रदेश कार्यालय में नए पदाधिकारियों को शपथ दिलाते पूर्व सांसद राज बब्बर।

सार-संक्षेप

ग्रीन हाइड्रोजन के लिए जापान जाएगा प्रतिनिधिमंडल

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार का प्रतिनिधिमंडल इस माह के अंत तक ग्रीन हाइड्रोजन के लिए जापान जाएगा। प्रतिनिधिमंडल में मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी समेत अन्य अधिकारी शामिल होंगे। शासन के अधिकारियों के अनुसार पर्यावरण के अनुकूल ऊर्जा उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए राज्य सरकार ग्रीन हाइड्रोजन की ओर देख रही है। इस क्षेत्र में जापान राज्य सरकार की मदद करेगा। जापान जाने वाले प्रतिनिधिमंडल न केवल उत्पादन तकनीक का अध्ययन करेगा, बल्कि वहां इस क्षेत्र में सक्रिय कंपनियों की प्रदेश में निवेश के लिए आमंत्रित भी किया जाएगा। अधिकारियों ने बताया कि ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन के लिए 17 कंपनियों ने राज्य सरकार को प्रस्ताव दिया है। इससे तकरीबन 1.15 लाख करोड़ रुपये का निवेश आएगा। ग्रीन हाइड्रोजन का उपयोग ऐसे उद्योगों में किया जाएगा, जो प्रदूषण की एक बड़ी वजह हैं। इनमें फर्टिलाइजर, रिफाइनरी और ऊर्जा जैसे क्षेत्र शामिल हैं। राज्य में नाइट्रोजन उर्वरकों व रिफाइनरी उद्योगों में ग्रीन हाइड्रोजन का इस्तेमाल होगा। अधिकारियों के अनुसार, राज्य सरकार ने 2029 तक सालाना एक मिलियन मीट्रिक टन ग्रीन हाइड्रोजन उत्पादन का लक्ष्य रखा है। ग्रीन हाइड्रोजन क्षेत्र में निवेश से 20,000 युवाओं को रोजगार के अवसर मुहैया होंगे।

शिक्षकों के समायोजन से मिल रहा शैक्षणिक सहयोग

अमृत विचार, लखनऊ : राज्य सरकार ने नि:शुल्क एवं अनिवार्य बाल शिक्षा अधिकार अधिनियम (2009) के तहत परिषदीय विद्यालयों में शिक्षकों के समायोजन को प्रभावी तरीके से लागू किया है। कोई भी विद्यालय एकल न रहे और हर छात्र को आवश्यक शिक्षकीय सहयोग सुलभ हो। इसके लिए न केवल नियमित शिक्षकों की तैनाती की गई है, बल्कि शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को भी सहायक कार्यों में सक्रिय किया गया है। महानिदेशक शिक्षा कंचन वर्मा ने शनिवार को बताया कि आरटीई की धारा-25 के तहत निर्णय लिया गया है कि प्रत्येक विद्यालय में न्यूनतम एक शिक्षक या सहयोगी जरूर उपलब्ध हो। जिन विद्यालयों में शिक्षक संख्या सीमित है, वहां शिक्षामित्रों और अनुदेशकों को शैक्षणिक व सहायक भूमिकाओं में लगाया गया है। उन्होंने कहा कि समायोजन के दो चरण पूरे हो चुके हैं। प्रथम चरण ने 16,646 शिक्षकों को अंतरजनपदीय एवं अंत: जनपदीय पारस्परिक स्थानांतरण का लाभ मिला है। द्वितीय चरण में 543 शिक्षकों का आकांक्षात्मक जिलों में समायोजन हो चुका है। अंत: जनपदीय ऑनलाइन आवेदन से कुल 20,182 शिक्षकों को लाभ मिला है। अब शेष सरप्लस शिक्षकों का समायोजन जिलाधिकारी की अध्यक्षता में गठित समिति द्वारा किया जाएगा, ताकि छात्र-शिक्षक अनुपात मानकों के अनुरूप सुनिश्चित हो सके।

गरीब बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की साजिश : आप

अमृत विचार, लखनऊ : प्रदेश सरकार 26 हजार सरकारी स्कूलों को बंद कर चुकी है और 27 हजार स्कूलों को और बंद करने की योजना बना चुकी है। योगी सरकार की मंशा गरीब के बच्चों को शिक्षा से वंचित करने की है, जबकि आम आदमी पार्टी (आप) की राजनीति का केंद्र बिंदु ही स्कूल है। यह बात आप के प्रदेश प्रवक्ता वंशराज दुबे ने गोमतीनगर स्थित कार्यालय में शनिवार को कही। उन्होंने कहा कि सरकार तर्क दे रही है कि बंद किए जा रहे स्कूलों की संख्या 50 से कम है। यानी सरकार मान रही है कि उसके शासनकाल में स्कूलों की इस कदर दुर्दशा हो गई है कि वहां छात्रों की संख्या 50 से कम हो गई है, इसलिए उन स्कूलों को बंद किया जा रहा है। वंशराज दुबे ने कहा कि देश के छह से 14 साल के हर एक बच्चे को नि:शुल्क और अनिवार्य शिक्षा पाने का अधिकार है, फिर वह बच्चा चाहे गरीब, शोषित, वंचित या पिछड़े वर्ग से आता हो, साथ ही बच्चे को अपने घर से एक किलोमीटर के दायरे में शिक्षा उपलब्ध कराई जाए। दरअसल बंद किए जा रहे सभी स्कूल दलित बस्तियों के, अल्पसंख्यक समाज से आने वाले गांव के हैं और पिछड़ी जातियों के समाज से जुड़े हुए गांव के है, जहां के बूथों से भाजपा पिछले चुनाव में बड़ी संख्या में हारी थी।

अखिलेश घोषित करें कि सपा सरकार में मुसलमान बनेगा मुख्यमंत्री : राजभर

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- पंचायतीराज मंत्री ने सपा प्रमुख पर साधा निशाना

अमृत विचार : पंचायतीराज मंत्री एवं सुभासपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष ओम प्रकाश राजभर ने सपा प्रमुख अखिलेश यादव को निशाने पर लिया। उन्होंने कहा कि सपा अध्यक्ष का पीडीए नकली है। यदि असली पीडीए है तो घोषणा करें कि सरकार बनी तो मुसलमान को मुख्यमंत्री बनाएंगे।

सुभासपा अध्यक्ष शनिवार को पंचायतीराज विभाग की योजनाओं की समीक्षा कर रहे थे। समीक्षा बैठक की जानकारी देते हुए उन्होंने बताया कि गांवों में चौपाल लगायी जाएगी, ग्राम चौपाल में हर समस्या का समाधान कराया जाएगा। सफाईकर्मी गांव में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहें, इसके लिए भी व्यवस्था बनाई जा रही है। ओपी राजभर ने कहा कि पंचायत सहायक और सफाईकर्मियों की आधार आधारित हाजिरी व्यवस्था लागू की जाएगी। उन्होंने कहा कि पंचायत का परिसीमन नए सिरे से होगा। आरक्षण की व्यवस्था पूर्व में तय की गई नियमावली के तहत ही की जाएगी। ओपी राजभर ने कहा कि त्रिस्तरीय पंचायत चुनाव के तहत ग्राम पंचायतों में आरक्षण की व्यवस्था 2011 की जनगणना के आधार पर होगा।

जेपीएनआईसी बर्बाद करने वाले किस मुंह से मांगेंगे वोट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा है कि जयप्रकाश नारायण ने महंगाई, बेरोजगारी और भ्रष्टाचार के खिलाफ देश भर में सम्पूर्ण क्रांति का बहुत बड़ा जन आंदोलन खड़ा किया था। उसी आंदोलन का नतीजा रहा कि नई पार्टी बनी और दिल्ली में सरकार बदल गयी। जेपी का आंदोलन बिहार से शुरू हुआ था। जिन लोगों ने जयप्रकाश नारायण इंटर नेशनल केन्द्र (जेपीएनआईसी) बर्बाद किया और खत्म किया वे बिहार में किस मुंह से वोट मांगने जाएंगे।

सपा प्रमुख शनिवार को पार्टी मुख्यालय में प्रेस कांफ्रेंस संबोधित कर रहे थे, उन्होंने कहा कि जेपी समाजवादी आंदोलन के बहुत बड़े नाम है। सपा सरकार में उनके नाम पर विश्वस्तरीय इंटरनेशनल सेंटर बनाया गया था, इसके शिलान्यास अवसर पर देश भर से बड़े-बड़े समाजवादी नेता जार्ज फर्नांडीज, मोहन सिंह, बृजभूषण तिवारी सब एकत्र हुए थे। जेपी और जेपीएनआईसी से हम समाजवादियों का वैचारिक और भावनात्मक लगाव है। इस बिल्डिंग में अन्तर्राष्ट्रीय टेनिस कोर्ट, ऑल वेदर स्वीमिंग पूल, बड़ा सेमिनार हाल, पार्किंग, कैफेटेरिया समेत तमाम सुविधाएं है। यह विश्वस्तरीय स्ट्रक्चर है। भाजपा सरकार ने नौ सालों में इसे बर्बाद कर दिया है। सपा चाहती है कि यह अब और न बर्बाद हो अगर सरकार इसे बेचना चाहती हैं तो हम समाजवादी लोग चंदा एकत्र करके खरीदने को तैयार है।

तेंदुए से लड़ने वाले मजदूर को मिला दो लाख का चेक : सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने शनिवार को पार्टी मुख्यालय में लखीमपुर में तेंदुए से लड़ने वाले साहसी मजदूर मिही लाल गौतम को बुलाकर दो लाख रूपए का चेकर सम्मानित किया।

सपा प्रमुख अखिलेश यादव।

जेपीएनआईसी अखिलेश की संपत्ति नहीं: ब्रजेश पाठक

अमृत विचार, लखनऊ : उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक ने कहा कि सपा प्रमुख अखिलेश यादव प्रदेश की जनता को छोटी याद्दाश्त वाला समझते हैं, लेकिन जनता अब जागरूक है और गुमराह नहीं होगी। उन्होंने कहा कि आपने जयप्रकाश नारायण इंटरनेशनल सेंटर (जेपीएनआईसी) को भ्रष्टाचार का गढ़ बना दिया था, जबकि यह जनता की गाढ़ी कमाई से बना केंद्र था। हमारी सरकार ने कैबिनेट से प्रस्ताव पास कर इसे एलडीए को सौंप दिया, ताकि यह संपत्ति आम लोगों की सेवा में लगे। यह आपकी निजी संपत्ति नहीं थी। उप मुख्यमंत्री ने शनिवार को सपा मुख्यालय से बयान जारी होने के बाद पलटवार करते हुए अखिलेश यादव पर सीधे आरोप लगाया। उन्होंने कहा कि 2012 से 2017 तक की सपा सरकार ने भ्रष्टाचार, परिवारवाद, जंगल कब्जा, खनन घोटाले और सरकारी संसाधनों के दुरुपयोग को संस्थागत रूप से बढ़ावा दिया।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार
अपने आसपास की घटना, आयोजन की सूचना और फोटो हमें भेजें। इसे अखबार में प्रकाशित किया जाएगा।
इमेल
lkocityreporter@amritvichar.com
व्हाट्सएप
8112979390

मौसम

हल्की से भारी बारिश होने की संभावना है।

35.9⁰ अधिकतम तापमान | 28.0⁰ न्यूनतम तापमान

अमृत विचार आपके द्वार

'अमृत विचार आपके द्वार' की टीम रविवार 10 :30 बजे बाबू बनारसी दास वार्ड के प्राइमरी स्कूल के पास खटिकाना पहुंचेगी। स्थानीय लोग और व्यापारी टीम के समक्ष अपनी समस्याएं साझा कर सकते हैं। आपकी समस्याओं को अखबार प्रमुखता से उठाएगा।

शहर में आज

- सिविल अस्पताल में श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर मुख्यमंत्री अर्पित करेंगे श्रद्धांजलि- 9 :15 बजे।
- अवध शिल्प ग्राम में आम महोत्सव का समापन- 11 : 00 बजे।
- छतर मंजिल स्थित निदेशालय में डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की जयंती पर उत्तर प्रदेश राज्य पुरातत्व निदेशालय की ओर से पुष्पांजलि व परिचर्चा- 11 :00 बजे।
- मजलिस-ए-शाम-ए-गरीबां का आयोजन इमामबाड़ा गुफरान मआब में मौलाना कल्बे जवाद का बयान- 8 :30 बजे।

एक नजर

धूप से बचने के लिए छतरी लगाकर जातीं महिलाएं।

बारिश का यलो अलर्ट जारी

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी लखनऊ के कई इलाकों में झमाझम बारिश हुई। सरोजनी नगर इलाके में मूसलाधार और कृष्णानगर में हल्की बरसात हुई। इसके चलते इन इलाकों में उमस से राहत मिली है। मौसम विभाग ने बारिश का यलो अलर्ट जारी किया गया है। अभी लगातार 3 दिन बारिश की संभावना बनी हुई है। इस बीच हल्की से भारी बारिश होगी। लखनऊ में अभी तक 17 .5 मिलीमीटर बारिश 1 जून से हुई है। सामान्य बारिश का औसत 112 .5 मिलीमीटर है। इस दौरान बरसात 84 फीसदी कम हुई है। शनिवार को राजधानी का अधिकतम तापमान 35 .9 डिग्री दर्ज किया गया यह सामान्य से 1.0 डिग्री अधिक था। वहीं न्यूनतम तापमान 28 .0 डिग्री दर्ज किया गया यह सामान्य से 2 .0 डिग्री अधिक रहा।

आज बंद रहेगी भूल भुलैया और पिक्चर गैलरी

अमृत विचार, लखनऊ : 10 मोहर्रम, 1447 हिजरी पर बड़ा इमामबाड़ा स्थित भूल भुलैया एवं बाउली तथा छोटा इमामबाड़ा स्थित शाही हम्माम और पिक्चर गैलरी पर्यटकों के लिए 6 जुलाई को बंद रहेगी। यह जानकारी अपर नगर मजिस्ट्रेट पंचम व प्रभारी अधिकारी हुसैनाबाद एवं सबद्ध ट्रस्ट ने दी।

आठ घंटे पहले बन जाएगी ट्रेनों की आरक्षण सूची

अमृत विचार, लखनऊ : पूर्वोत्तर रेलवे में आठ जुलाई से आरक्षण सूची आठ घंटे पहले बन जाएगी। इसको लेकर आदेश जारी कर दिए गए हैं। पूर्वोत्तर रेलवे मुख्यालय सहित लखनऊ, इज्जतनगर व वाराणसी मंडल में इसे लागू किया जा रहा है। इस बाबत मुख्य वाणिज्य प्रबंधक की ओर से आदेश जारी कर दिया गया है। इसके तहत तीनों मंडलों के वरिष्ठ वाणिज्य प्रबंधकों को निर्देशित किया गया है कि ट्रेनों के नए चार्टिंग सिस्टम में चार्टिंग मैनुअली की जाएगी।

इंटर की कम्पार्टमेंट परीक्षा 11 और 12 को

अमृत विचार, लखनऊ : यूपी बोर्ड इंटर की कम्पार्टमेंट परीक्षा के लिए ऑनलाइन आवेदन करने वाले परीक्षार्थियों की प्रयोगात्मक परीक्षा 11 और 12 जुलाई को होगी। डीआईओएस राकेश कुमार ने बताया कि सिटी स्टेशन स्थित राजकीय जुबिली इंटर कॉलेज को परीक्षा केन्द्र बनाया गया है। प्रधानाचार्यों को निर्देश दिये हैं कि स्कूल में कम्पार्टमेंट परीक्षा में ऑनलाइन आवेदन करने वाले परीक्षार्थियों को प्रयोगात्मक परीक्षा की जानकारी मुहैया कराएं। ताकि परीक्षा से कोई परीक्षार्थी वंचित न रहने पाए।

पार्षद के पति को पानी से भरी सड़क पर चलाया

संवाददाता, पीजीआई

- शारदा नगर द्वितीय वार्ड की चरण भट्टा रोड बन चुकी है तालाब
- 30 हजार लोगों को आवागमन में हो रही है दिक्कत
- रैली निकालकर किया हंगामा पुलिस ने समझाकर किया शांत

भट्टा रोड पर प्रदर्शन कर रहे लोगों को समझाती पुलिस। अमृत विचार

अमृत विचार: पीजीआई क्षेत्र के शारदा नगर द्वितीय वार्ड में चरण भट्टा रोड खस्ताहाल है और नालियां भी चोक हैं। जल निकासी न होने से सड़क तालाब बन गई हैं। इससे करीब 30 हजार लोग परेशान हैं। लोगों ने पार्षद, जोन कार्यालय से लेकर नगर निगम मुख्यालय तक शिकायत की लेकिन समस्या का समाधान नहीं हुआ। आक्रोशित लोगों ने रविवार को रैली निकाली निकालकर विरोध जताया। फिर पार्षद के पति मनोज रावत को मौके पर बुलाकर पानी से भरी गड्ढायुक्त सड़क पर चलवाया। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया।

स्थानीय निवासी उमा शंकर, भानू प्रताप सिंह, गौरव उपाध्याय, सुरेंद्र कटियार, ऋषि नाथ वर्मा, योगेंद्र सिंह, आर के यादव, मृत्युंजय तिवारी आदि ने बताया कि मीरा विहार, मधुबन विहार, त्रिवेणीपुरम, यमुना पुरम, गंगाजी पुरम, मवैया ग्रीन सिटी, डूडा कॉलोनी, ग्रीन ओक सोसाइटी, संगम नगर, पंचम खेड़ा, हरदास रेजीडेंसी, इंद्रपुरी कॉलोनी के लोगों का आवागमन चरण भट्टा रोड से ही होता है। इस इलाकों में संजय गांधी पीजीआई के कर्मचारी ज्यादा रहते हैं। ये मार्ग सभी कॉलोनियों को रायबरेली रोड से भी जोड़ता है, लेकिन सड़क कई वर्ष से जर्जर है। एक से दो फुट तक गड्ढे हो गए हैं। कॉलोनी की नालियों का पानी जिस तालाब में जाता है उसमें अराजकतत्वों ने अवरोध कर रखा है। नगर निगम शिकायत के बाद अमला मौके पर तो आता है, लेकिन अवरोध नहीं हटाया जाता। इससे पानी सड़क पर ही भरा रहता है।

पानी से भरे गड्ढों में गिरकर बच्चे, महिलाएं और बुजुर्ग घायल हो रहे हैं। रविवार को विरोध प्रदर्शन होने की सूचना पर पीजीआई इंस्पेक्टर धीरेंद्र सिंह मौके पर पहुंचे और लोगों को शांत कराया। पार्षद के पति ने भी जल्द समस्या के निवारण का आश्वासन दिया। फिल्हाल कॉलोनी वासियों ने पार्षद, विधायक, जोन आठ के जोनल अधिकारी, नगर आयुक्त और पीजीआई पुलिस को ज्ञापन भेजा है।

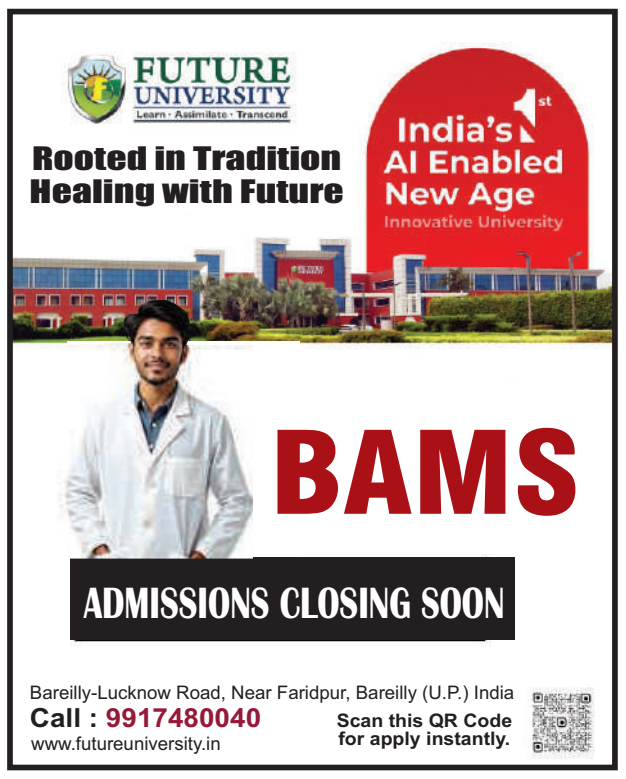

बीबीडी ग्रुप ने चपरासी के नाम खरीदे 11 भूखंड

नोटबंदी से पहले की गई खरीद, भुगतान भी नकद किया गया

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- पांच वर्ष की जांच के बाद बीबीडी ग्रुप की बेनामी संपत्तियां जब्त
- कर्मचारियों से लेकर मोहल्ले के लोगों के नाम खरीदी गईं संपत्तियां
- 2021 से चल रही जांच में सामने आई संपत्तियों की नकद खरीद

अमृत विचार: बीबीडी ग्रुप की बेनामी संपत्तियों पर आयकर विभाग ने शुक्रवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए 20 बेनामी संपत्तियों को जब्त कर लिया। इसमें 11 भूखंड ऐसे हैं, जो ग्रुप के चपरासी प्रमोद कुमार के नाम पर खरीदे गए थे।

भूखंड की खरीद नोटबंदी से पहले हुई और भुगतान नकद किया गया था। पांच वर्ष से कंपनी के खिलाफ चल रही जांच में यह भी सामने आया कि कई ऐसे लोगों के नाम से भूखंड खरीदे गये हैं, जिनका कोई पता है ही नहीं।

आयकर विभाग की जांच में सामने आया कि चिनहट इलाके में 2005 से 2015 के बीच 8 हेक्टेयर भूखंड खरीदे गये। जिनकी कीमत करीब 100 करोड़ रुपये है।

जमीनें मुख्य तौर से उत्तरधौना, जुग्गौर, टेराखास, सरायशेख और सेमरा गांवों में ख़रीदी गई थी। बीबीडी ग्रुप के दलित कर्मचारियों के नाम पर ये जमीनें खरीदी गई थी।

हालांकि, इन जमीनों के असली लाभार्थी पूर्व केंद्रीय मंत्री स्व. अखिलेश दास की पत्नी अलका दास और उनके बेटे विराज सागर दास थे। आयकर विभाग के द्वारा बेनामी संपत्तियों को लेकर 2021 से ही जांच चल रही थी।

जब 2021 में कार्रवाई शुरू हुई तो ज़मीनों को बचाने के लिए खुर्द-बुर्द करने के उद्देश्य से खरीद-फरोख्त भी की जाने लगी। हालांकि, विभाग द्वारा इन संपत्तियों के खरीद-फरोख्त पर रोक लगा दी गई। ताकि कोई आम जनता की जीवन भर की पूंजी गंवानी न पड़े।

चपरासी के तीन बैंक खातों में जमा हुए 12 करोड़

जांच में सामने आया कि चपरासी प्रमोद कुमार का पीएनबी और बैंक ऑफ बड़ौदा में तीन खाता है। इन खातों में 2020-21 में 5,81,18,678 रुपये जमा किये गये। इसके बाद दोबारा इन खातों में 69,73,500 रुपये जमा किये गये। इस तरह चपरासी के खाते में 12 करोड़ रुपये जमा किये गये। इनमें आये रुपये को किसने निकाला, कहां खर्च किया। इसकी कोई जानकारी नहीं दी गई। वहीं, प्रमोद का आईटीआर भी पांच वर्षों तक सीए ऑन लाइन दाखिल करता रहा।

संपत्ति का नियंत्रण ग्रुप के प्रभावशाली संचालकों के पास

2021 से चल रही जांच में सामने आया कि संपत्तियों की खरीद के लिए नकद लेन-देन किया गया था। भूमि के दस्तावेजों में नाम दर्ज कराने के बावजूद असली नियंत्रण बीबीडी ग्रुप के प्रभावशाली संचालकों के पास ही रहा। जिन भूखंडों की बिक्री की जा चुकी है, उनमें बैंक ट्रांजैक्शन के तुरंत बाद राशि को नगद में निकाल लिया गया, जिससे मनी ट्रेल छुपाने की कोशिश की गई। जांच में पाया कि इस योजनाओं के पीछे मकसद था कर चोरी, प्रॉपर्टी टैक्स की बचत, सरकारी सब्सिडी का अनुचित लाभ, और बेनामी कानून से बचाव। संपत्तियों के दस्तावेजों और लेनदेन के रिकार्ड की जांच में सामने आया कि इसके असली लाभार्थी अलका दास, उनके बेटे विराज सागर दास जो वर्तमान में बीबीडी ग्रुप और विराज इंफ्राटाउन प्रा. लि. के प्रमुख हैं। इसके अलावा हाईटेक प्रोटेक्शन इंडिया प्रा. लि. जो बीबीडी ग्रुप की सहायक कंपनी है। इन सभी के नामों को बेनामी लाभार्थी घोषित किया गया है।

पारा में नमकीन गोदाम में लगी आग

अमृत विचार, काकोरी: नरपतखेड़ा निवासी सैंकित गुप्ता का मुन्नूखेड़ा में नमकीन व चिप्स का गोदाम है। शुक्रवार देर रात गोदाम में आग लग गई। सूचना पर एफएसओ आलमबाग धर्मपाल सिंह दो दमकल के साथ पहुंच गए। गोदाम में धुआं भरा हुआ था। आग की विकरालता देख उन्होंने चौक फायर स्टेशन से एक दमकल और बुला दी। इस बीच गोदाम मालिक सैंकित भी पहुंच गए। दमकलकर्मियों ने दो घंटे की मशक्कत कर आग पर काबू पा लिया, लेकिन, तब तक गोदाम में रखा काफी माल जलकर बर्बाद हो चुका था। एफएसओ ने बताया कि शुरुआती जांच में शार्ट सर्किट से आग लगने की बात सामने आ रही है।

तीन युवकों को छोड़ने के नाम पर ली रिश्वत, इंस्पेक्टर निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ।

- उच्चाधिकारियों से शिकायत जांच में आरोप मिले सही
- एडीसीपी क्राइम की जांच रिपोर्ट पर पुलिस आयुक्त ने की कार्रवाई

अमृत विचार: साइबर क्राइम थाने में क्रिप्टो करेंसी की हेराफेरी में कुछ दिन पहले तीन युवकों को बैठाया गया था। जांच में आरोप सही न मिलने पर उन्हें छोड़ दिया। किंतु छोड़ने के लिए अतिरिक्त निरीक्षक ने 50 हजार रुपये रिश्वत ले ली। परिजन की शिकायत पर जांच एडीसीपी क्राइम को सौंपी गई। जांच में रिश्वत लेने के आरोप सही पाए गए। रिपोर्ट मिलते ही पुलिस कमिश्नर ने अतिरिक्त निरीक्षक अनिल मिश्रा को निलंबित कर दिया।

कुछ दिन पहले साइबर क्राइम थाने की टीम ने ट्रेडिंग के नाम पर क्रिप्टो करेंसी की हेराफेरी करने वाले 11 युवकों को अलग-अलग जगह से पकड़ा। फिर सभी से पूछताछ की गई और मोबाइल समेत अन्य इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस खंगाले। सिर्फ आठ युवक की साइबर ठगी में शामिल मिले। सूत्रों के मुताबिक सभी से अपर पुलिस उपायुक्त वंसत कुमार ने पूछताछ की थी। उन्होंने तीन लोगों को छोड़ने के साथ ही अन्य को जेल भेजने के लिए कहा था। इसी का लाभ उठाते हुए अतिरिक्त निरीक्षक अनिल मिश्रा ने तीनों युवकों को रोक लिया। इसके बाद परिजन को बुलाया। उनको छोड़ने के लिए मोटी रकम मांगी। मजबूर परिजन ने 50 हजार रुपये छोड़ने के नाम पर दे दिया। इसके बाद मामले की शिकायत उच्चाधिकारियों से शिकायत की। मामले की जांच एडीसीपी क्राइम को सौंपी गई। जांच में अतिरिक्त निरीक्षक अनिल मिश्रा पर लगे आरोप सही पाये गये। डीसीपी क्राइम कमलेश दीक्षित के मुताबिक एडीसीपी क्राइम की रिपोर्ट मिलने के बाद पुलिस कमिश्नर अमरेंद्र कुमार सेंगर ने अतिरिक्त निरीक्षक को निलंबित कर दिया।

छांगुर बाबा ने सिंधी परिवार का कराया धर्मांतरण

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: बलरामपुर के उतरौला निवासी जमालुद्दीन उर्फ छांगुर बाबा ने एक सिंधी परिवार को धर्मांतरण भी कराया था।

मुंबई निवासी नवीन घनश्याम रोहरा, उसकी पत्नी नीतू नवीन रोहरा, बेटी समाले नवीन रोहरा सिंधी हैं। तीनों का ब्रेनवॉश करके छांगुर बाबा ने इस्लाम धर्म स्वीकार करा दिया। तीनों ने अपना नाम बदलकर जमालुद्दीन, नसरीन और सबीहा रख लिया। इनके साथ छांगुर बाबा मधपुर में चांद औलिया दरगाह के पास रहने लगा। खुद को पीर बाबा व सूफी बासफा हजरत बाबा जलालुद्दीन कहता है। इसने शिजर-ए-तैय्यबा नाम से एक पुस्तक प्रकाशित करवाई गई। जिसके माध्यम इस्लाम का प्रचार करता है।

प्रेमजाल में फंसाकर धर्मांतरण

लखनऊ की गुंजा गुप्ता को आरोपी अबू अंसारी ने खुद को अमित बताकर प्रेमजाल में फंसाया और फिर छांगुर बाबा की दरगाह ले जाकर नीतू रोहरा और जमालुद्दीन की मदद से ब्रेनवॉश कर इस्लाम कबूल करवाया गया। उसका नया नाम अलीना अंसारी रखा गया। जांच में पता चला कि छांगुर बाबा ने मुंबई के निवासी नवीन घनश्याम रोहरा, उनकी पत्नी नीतू और बेटी समाले का ब्रेनवॉश कर उन्हें इस्लाम अपनाने के लिए प्रेरित किया था।

दबाव बनाकर धमकाता था गिरोह

एटीएस के मुताबिक छांगुर बाबा, महबूब, पिंकी हरिजन, हाजिरा शंकर, एमेन रिजवी (खुद को पत्रकार बताता), सगीर और नीतू रोहरा गिरोह में शामिल है। यह सब मिलकर धर्मांतरण कराते है। युवतियों पर दबाव बनाते थे। अगर युवती तैयार नहीं हुई तो उसे फर्जी मामले में फंसाने की धमकी देते थे।

पिछले साल दर्ज हुई थी रिपोर्ट

एटीएस ने छांगुर बाबा के खिलाफ धर्म परिवर्तन प्रतिषेध अधिनियम और धोखाधड़ी व सांप्रदायिकता की रिपोर्ट दर्ज की थी। छांगुर बाबा और उसकी सहयोगी मूलत: बलरामपुर के मधपुर उतरौला के रहने वाले हैं। एटीएस के मुताबिक कई पीड़ितों ने बयान दिया है कि दोनों आरोपित विधवा महिलाओं को प्रलोभन देकर, आर्थिक मदद करने के साथ ही शादी कराने का भरोसा देकर जाल में फंसाते थे। कई असहाय लोगों को धमका कर इन लोगों ने धर्म परिवर्तन कराया है। छांगुर का बेटा व साथी अप्रैल में पकड़े गए एटीएस के मुताबिक धर्मांतरण में लगे इस गिरोह का सरगना छांगुर बाबा ही है। उसका बेटा महबूब भी उसके साथ इस काम में लगा हुआ था। महबूब और उसके एक साथी नवीन उर्फ जमालुद्दीन को इसी साल आठ अप्रैल को गिरफ्तार किया जा चुका है। ये दोनों लखनऊ जेल में ही बंद हैं।

दूधिए ने दूध में थूका, कैमरे में कैद हुई घिनौनी हरकत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज आरोपी दूधिया गिरफ्तार

आरोपी दूधिया शरीफ।

अमृत विचार: गोमतीनगर स्थित विनय खंड-4 में शनिवार को एक दूधिये की घिनौती हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ। वीडियो में दिख रहा है कि दूधिए ने डिब्बे में थूककर एक घर में दूध दे दिया। गोमतीनगर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी दूधिए को गिरफ्तार कर लिया है।

विनयखंड निवासी सनातन हिन्दू महासभा के राष्ट्रीय अध्यक्ष लव शुक्ला ने बताया कि मल्हौर निवासी पप्पू उर्फ मो. शरीफ कई वर्ष से उनके घर और मोहल्ले के घरों में दूध दे रहा था।

रोजाना की तरह शनिवार सुबह करीब 11 बजे शरीफ दूध लेकर आया। घर के सामने उसने बाइक खड़ी कर घंटी बजाई। जब तक घर से कोई निकलता शरीफ ने दूध का डिब्बा खोला और उसमें थूक दिया। सीसीटीवी कैमरे का फुटेज देखकर उसकी घिनौनी हरकत सामने आई। लव ने बताया कि सीसी कैमरे में दूधिए की हरकत देख भागकर बाहर आए लेकिन तब तक वह जा चुका था।

उनका कहना है कि आरोपी न जाने कितने वर्ष से थूक कर दूध दे रहा होगा। इंस्पेक्टर गोमतीनगर बृजेश चंद्र तिवारी ने बताया कि दूध के डिब्बे में थूकने का एक वीडियो वायरल हुआ है। लव शुक्ला की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर आरोपी मो. शरीफ को गिरफ्तार कर लिया गया है।

हिन्दू संगठनों में आक्रोश : घटना का एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर प्रसारित हो गया। इसके बाद हिन्दू संगठनों ने आक्रोश जताया है। अखिल भारतीय हिन्दू महासभा के प्रवक्ता शिशिर चतुर्वेदी भी थाने पहुंचे थे। उन्होंने पुलिस से आरोपी के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की है।

कार्रवाई न होने पर धरना प्रदर्शन करने की चेतावनी भी दी है। इंस्पेक्टर ने बताया कि वीडियो करीब 43 सेकेंड का है। वीडियो वायरल होने के बाद मोहल्लेवालों में आक्रोश है। स्थानीय लोग अपने घरों में लगे सीसी कैमरों के फुटेज चेक कर रहे हैं।

पीड़ित लव शुक्ला ने बताया कि वीडियो वायरल होने के बाद कई रिश्तेदारों व परिचितों ने कॉल कर परिवार का ध्यान रखने की बात कही। स्थानीय लोगों का कहना है कि वे पैकेट वाला या डेरी पर जाकर दूध ले लेंगे लेकिन घर पर आने वाले दूधिए से नहीं लेंगे।

सपा नेता समेत आठ लोगों पर रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार, लखनऊ: भाजपा के युवा मोर्चा के नगर महामंत्री अमित त्रिपाठी ने सपा छात्र सभा के राष्ट्रीय सचिव सुजीत यादव व कार्यकर्ताओं पर पोस्टर फाड़ने का आरोप लगाया है। आरोप है कि आरोपियों ने सोशल मीडिया पर उनकी व परिवार की हत्या करने की धमकी भी दी। हजरतगंज पुलिस ने शनिवार को सुजीत यादव समेत आठ लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। जानकीपुरम सेक्टर-आई निवासी निवासी अमित त्रिपाठी ने बताया कि सुजीत यादव व सपा कार्यकर्ता पवन सरोज, मनीष यादव, दिनेश यादव, शैलेंद्र यादव, बृजमोहन यादव, बीपी रघुवंशी, इंजीनियर सुशील पांडेय व कौस्तुभ तिवारी ने सारे पोस्टर फाड़ दिए थे।

अस्पतालों में अल्ट्रासाउंड जांच को भटक रहे मरीज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मरीजों को मिल रहे तीन-चार दिनों बाद के नंबर
- चंदरनगर अस्पताल में तो रेडियोलॉजिस्ट है ही नहीं

अमृत विचार : राजधानी के सरकारी अस्पतालों में रेडियोलॉजिस्ट की कमी से अल्ट्रासाउंड के लिए मरीजों को परेशान होना पड़ रहा है। शहर के सबसे बड़े अस्पतालों में शुमार बलरामपुर और सिविल अस्पताल तक में एक-एक अल्ट्रासाउंड मशीन बंद है। चंदर नगर 50 बेड संयुक्त अस्पताल में भी रेडियोलॉजिस्ट न होने से मशीन का संचालन नहीं हो पा रहा है। अस्पताल प्रभारियों का कहना है कि शासन से रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती करने की मांग की गई है।

बलरामपुर अस्पताल की ओपीडी में प्रतिदिन चार से पांच हजार मरीज इलाज के लिए आते हैं। इसमें करीब 150-200 मरीजों को डॉक्टर अल्ट्रासाउंड जांच के लिए लिखते हैं। तीन अल्ट्रासाउंड मशीनें लगी होने के बावजूद मरीजों की तीन से चार दिन का नंबर दिया जा रहा है। ये दिक्कत रेडियोलॉजिस्ट की कमी होने से आ रही है।

अस्पताल प्रशासन का कहना है कि शासन से रेडियोलाजिस्ट की मांग की गई है। दरअसल, बलरामपुर अस्पताल में अल्ट्रासाउंड की तीन मशीनें लगी हैं और रेडियोलाजिस्ट के छह पद स्वीकृत हैं। पहले तीन रेडियोलॉजिस्ट तैनात थे। इनमें एक लोकबंधु अस्पताल चले गए। ऐसे में यहां अब दो रेडियोलॉजिस्ट ही बचे हैं।यही स्थिति सिविल अस्पताल की भी है। यहां मशीनें तो तीन लगी हैं, लेकिन रेडियोलॉजिस्ट दो ही हैं। इसमें एक स्थायी और दूसरा विशेषज्ञ रिटायरमेंट बाद संविदा पर तैनात किया गया है। यहां पर भी एक मशीन बंद है। सीएमएस डॉ. राजेश के मुताबिक, पुर्ननियुक्ति पर एक रेडियोलॉजिस्ट की जल्द तैनाती हुई है। वार्ड व इमरजेंसी मरीजों की जांच प्राथमिकता के आधार पर कराई जाती है। सामान्य मरीजों को एक दो दिन बाद बुलाया जाता है।

आलमबाग के चंदरनगर 50 बेड संयुक्त अस्पताल में तैनात रेडियोलॉजिस्ट गंभीर बीमारी के चलते अनिश्चितकालीन अवकाश पर हैं। इससे अस्पताल की अल्ट्रासाउंड मशीन करीब टिन माह से ठप है।

यहां रोजाना 15-20 मरीजों को अल्ट्रासाउंड जांच लिखी जा रही है। उन्हें जांच के लिए लोकबंधु और आरएलबी अस्पताल भेजा जाता है। वहां पहले से ही मरीजों का दबाव अधिक रहने के कारण वेटिंग रहती है। इमरजेंसी वाले मरीज बाहर से जांच कराने को मजबूर हैं। अस्पताल के सीएमएस डॉ.आनंद त्रिपाठी का कहना है कि पत्र भेजकर शासन से रेडियोलॉजिस्ट की तैनाती की मांग की गई है।

ढिलाई दो बुकलेट में अलग-अलग नियम, अधिकारियों की लापरवाही से बढ़ी परेशानी

प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदकों को अभी करना होगा इंतजार

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : पीएम आवास के लिए आवेदकों को अभी और इंतजार करना पड़ेगा। आवास विकास की लापरवाही से प्रधानमंत्री आवास के लिए बरसों से इंतजार कर रहे बड़ी संख्या में गरीब आवेदकों को झटका लगा है। अवध विहार योजना में 216 रिक्त प्रधानमंत्री आवासों के लिए खोले गए पंजीकरण में छापी गईं बुकलेट में आवास विकास नकद और किश्त का ऑप्शन ही डालना भूल गया था। अप्रैल 2024 में छापे गए फार्म में इसके लिए कोई कॉलम ही नहीं था। इसके बाद परिषद ने सुधार करते हुए दूसरी पुस्तिकाएं छपवाकर उसमें नगद और किश्त का ऑप्शन डाला, लेकिन तब तक सैकड़ों लोग फॉर्म भर चुके थे। कैश वाले काफी लोगों को मकान मिल गया। किस्त वाले जब तक मसला समझते तब तक देर हो गई। संशोधन के बाद लगभग 500 और रिक्त प्रधानमंत्री आवास इस पंजीकरण में शामिल किए गए हैं। लगभग 5000 से अधिक लोगों ने प्रधानमंत्री आवास के लिए आवेदन किया था।

लॉटरी के दिन हुआ था हंगामा

24 जून को अवध विहार योजना के अवध शिल्प ग्राम में आयोजित लॉटरी में कई पात्र आवेदनकर्ताओं ने जमकर हंगामा किया। उनका कहना था कि उन्हें फार्म में कैश का विकल्प भरने का मौका नहीं मिला। 744 प्रधानमंत्री आवास के लिए लगभग 4991 आवेदकों में से कैश विकल्प चुनने वाले 621 में से 521 लोगों को आवास आवंटित कर दिये गए। वहीं किश्त का विकल्प चुनने वाले मात्र अधिकांश आवेदकों में से केवल 167 लोगों को ही आवास आवंटित हो पाए। इससे किश्त का विकल्प चुनने वाले आवेदन कर्ताओं में आवास विकास के अधिकारियों के प्रति नाराजगी थी। कई आवेदकों के फार्म पर हाथ से लिखा था कैश 24 जुलाई को प्रधानमंत्री आवास के आवंटन के लिए लॉटरी के दौरान कई गड़बड़ी होने का भी आरोप लग रहा है। सूत्र बताते हैं कि आवेदकों के फार्म पर आवंटन में लगाये गए कुछ अधिकारियों को हाथ से कैश का विकल्प लिखा मिला। यह आवंटन की प्रक्रिया पर सवाल खड़े कर रहा है। यह भी आरोप है कि आवंटन के एक दिन पहले संपत्ति कार्यालय में लोगों की देर रात तक आवाजाही रही। इससे यह संदेह गहरा रहा है कि कार्यालय में ही फार्म में हेरफेर करके कुछ लोगों को फायदा पहुंचाया गया।

> पहली बार पंजीकरण खोलते समय जल्दबाजी में पुस्तिका पर कैश और किश्त का विकल्प नहीं छपा था। इसके बाद दोबारा पंजीकरण पुस्तिकाएं छपवाकर दोनों विकल्प फार्म में दिए गए थे। जिन 621 आवेदकों ने कैश का विकल्प चुना था उन्हें आवास आवंटित हो गए।
>
> –सुरेश पाल, सम्पत्ति प्रबंधक अवध विहार संपत्ति कार्यालय

समाधान दिवस में एडीएम पर अभद्रता का आरोप, हंगामा

मोहनलालगंज तहसील में स्कूलों के विलय के विरोध में ज्ञापन लेकर पहुंचे थे दर्जनों ग्राम प्रधान और अभिभावक

संवाददाता, मोहनलालगंज

अमृत विचार : लखनऊ के मोहनलालगंज तहसील में शुक्रवार को आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस उस वक्त हंगामे में बदल गया, जब स्कूलों के विलय के विरोध में ज्ञापन लेकर पहुंचे दर्जनों ग्राम प्रधान और अभिभावकों ने एडीएम वित्त एवं राजस्व पर अभद्रता का आरोप लगाते हुए धरने पर बैठ गए। मौके पर मौजूद एसडीएम और एसीपी ने स्थिति को संभालने की कोशिश की और समझाने-बुझाने में जुटे रहे। एडीएम ने खुद पटल से नीचे उतरकर धरने पर बैठे लोगों से बात की, इसके बावजूद भी प्रधान संघ का हंगामा देर तक चलता रहा।

धरने पर बैठे प्रधानों व अभिभावकों को समझाते अधिकारी और पुलिसकर्मी। अमृत विचार

प्रधान संघ अध्यक्ष देवेन्द्र सिंह (बब्लू) के साथ प्रधान अभय दीक्षित, सूर्य कुमार द्विवेदी, विकास पटेल, बृजेश वर्मा, सोनी रावत, नीरज सिंह सहित दर्जनों प्रधान व अभिभावक विकासखंड मोहनलालगंज के लगभग 40 परिषदीय विद्यालयों के अन्य विद्यालयों में विलय कराने की योजना समेत दूरी आदि की समस्याओं के लिए शिकायती पत्र लेकर शनिवार को तहसील में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में पहुंचे और तहसील दिवस की अध्यक्षता कर रहे एडीएम वित्त एवं राजस्व राकेश कुमार सिंह को शिकायती पत्र को देने का प्रयास किया। जिसपर आरोप है कि एडीएम ने तेज आवाज में कहा कि शिकायती पत्र जमाकर दीजिए और आप लोग सभागार से बाहर निकल जाइए। इसी से नाराज हो प्रधान व अभिभावक धरने पर बैठ गए।

पांचों तहसीलों में 151 प्रकरण निस्तारित

अमृत विचार, लखनऊ : माह के पहले शनिवार को पांचों तहसीलों में आयोजित संपूर्ण समाधान दिवस में 750 प्रार्थना पत्र आए, जिसमें 151 का मौके पर निस्तारण कर दिया गया। जिलाधिकारी की अध्यक्षता में हुए बीकेटी तहसील के समाधान दिवस में 248 शिकायतें आई, जिसमें 82 का मौके पर निस्तारण हो गया। अन्य प्रकरणों को एक सप्ताह में निस्तारित करने के संबंधित विभागों को उपलब्ध करा दिए गए। जिलाधिकारी ने फोन करके शिकायतकर्ताओं से निस्तारण का फीडबैक भी लिया। उन्होंने बताया कि सदर में 49 में 8, मलिहाबाद में 77 में 12, मोहनलालगंज में 265 में 39 और सरोजनीनगर में 111 में 10 शिकायतों का निस्तारण किया गया। पुलिस विभाग से संबंधित 130, राजस्व के 405, विकास के 53, शिक्षा और स्वास्थ्य के 3-3, समाज कल्याण के 11 तथा अन्य विभागों से संबंधित 144 प्रार्थना पत्र प्राप्त हुए। अपर जिलाधिकारी नागरिक आपूर्ति ज्योति गौतम, जिला विकास अधिकारी अजीत सिंह, उप जिलाधिकारी बीकेटी सतीश चंद्र त्रिपाठी, तहसीलदार बीकेटी, पीडी ग्राम्य विकास, पुलिस, समाज कल्याण सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

कैंसर के प्रति छात्राओं को किया जागरूक

अमृत विचार, लखनऊ : स्तुति चैरिटेबल सोसाइटी द्वारा शनिवार को मिर्जापुर के राम ललित पीजी कॉलेज में वाले सर्वाइकल कैंसर और ब्रेस्ट कैंसर पर विशेष स्वास्थ्य जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम में सोसाइटी की संस्थापक डॉ. निरुपमा सिंह ने कॉलेज की लगभग 800 छात्राओं को सरल, व्यावहारिक और वैज्ञानिक जानकारी प्रदान कर कैंसर के प्रति जागरूक किया। कार्यक्रम में कॉलेज प्रबंधन से अनमोल सिंह, भाजपा जिलाध्यक्ष बृज भूषण सिंह और कॉलेज की प्रधानाचार्या लाली सिंह सहित कई अन्य लोग मौजूद रहे।

एक्सपायरी इंजेक्शन चढ़ाने वाली नर्स निलंबित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सरोजनीनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल में मरीजों को एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ाने मामले में अस्पताल प्रशासन ने जांच में प्रथमदृष्टया दोषी पाई गई नर्स को निलंबित कर दिया है। वहीं घटना के लिए दूसरे जिम्मेदार स्टोर प्रभारी को नोटिस जारी करके जवाब तलब किया गया है। जिलाधिकारी ने पूरे मामले की रिपोर्ट तलब किया है। जिसके बाद हरकत में आए अस्पताल प्रशासन ने कार्रवाई किया है।

कार्रवाई के बजाय मामला दबाने में जुटा ईएसआईसी अस्पताल प्रशासन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : सरोजनीनगर स्थित कर्मचारी राज्य बीमा निगम (ईएसआईसी) अस्पताल में मरीजों को एक्सपायरी इंजेक्शन चढ़ाने के मामले में अस्पताल प्रशासन दोषियों पर कार्रवाई के बजाय लीपापोती में जुट गया है। जिन मरीजों को एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ाया

वार्ड में भर्ती मरीजों को एक्सपायरी इंजेक्शन चढ़ाने का मामला

महिला मरीज को दिक्कत होने पर तीमारदार की नजर इंजेक्शन पर गई तो देखा वह एक्सपायर था। जिसका बैच नंबर 0787 है। इसकी मैनुफैक्चरिंग डेट दिसंबर 2021 और एक्सपायरी डेट नवंबर 2024 दर्ज है।

तीमारदार ने इंजेक्शन चढ़ाते हुए

इंजेक्शन चढ़ाए गए थे। अस्पताल प्रशासन की ओर से कोई कार्रवाई न होते देख तीमारदारों ने सरोजनीनगर थाने में शिकायती पत्र भी दिया। शुक्रवार सुबह डॉक्टर मरीजों के बेड पर पहुंचकर उन्हें डिस्चार्ज करने लगे ताकि लापरवाही पर पर्दा डाला जा सके। तीमारदारों ने एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ने बाद हालत बिगड़ने की बात कही तब जाकर डॉक्टर

अमृत विचार में बीते शनिवार को प्रकाशित खबर।

कर्मचारी राज्य बीमा निगम अस्पताल के महिला वार्ड में गुरुवार को महिला मरीजों को नर्स ने एक्सपायरी इंजेक्शन सिप्रोफ्लॉक्सीन चढ़ा दिया था। एक तीमारदार की नजर इंजेक्शन पर गई तो देखा वह एक्सपायर हो चुका है। जिसका बैच नंबर 0787 है। इसकी मैनुफैक्चरिंग डेट दिसंबर 2021 और एक्सपायरी डेट नवंबर 2024 दर्ज है। इसे लेकर कई तीमारदारों ने स्टाफ से आपत्ति जताई। नर्स इस घोर लापरवाही को मानने की बजाय तीमारदारों से भिड़ गई थी। एक्सपायर इंजेक्शन चढ़ाने को लेकर काफी देर तक वार्ड में हंगामा हुआ था। वहीं इस पूरे मामले में जिलाधिकारी ने अस्पताल प्रभारी से रिपोर्ट तलब किया था। जिसके बाद अस्पताल प्रभारी ने नर्स को निलंबित करके रिपोर्ट भेजी है। वहीं दवा स्टोर प्रभारी को नोटिस जारी करके जवाब मांगा गया है। अफसरों का कहना है कि स्टोर प्रभारी पर भी जल्द कार्रवाई की जाएगी।

नर्सिंग संबंधी नेशनल कांफ्रेंस 13 को

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : गोमती नगर स्थित एक निजी होटल में शनिवार को आयोजित प्रेसवार्ता के दौरान टिशा केयर्स के निदेशक मनीष वैष्णव ने बताया कि टिशा केयर्स की तरफ से 13 जुलाई को अटल बिहारी वाजपेयी साइंटिफिक कन्वेंशन सेंटर में 'नेशनल कॉन्फ्रेंस ऑन नर्सिंग लीडरशिप एंड एक्सिलेंस 2025' का आयोजन किया जा रहा है। इस सम्मेलन में नर्सिंग नेतृत्व, गुणवत्ता सुधार, और दक्षता-आधारित शिक्षा का गुर सीखने के लिए करीब एक हजार नर्सिंग छात्र-छात्राएं हिस्सा लेंगे।

जानकारी देते टिशा केयर्स के पदाधिकारी।

बताया कि कार्यक्रम की मुख्य सहयोगी संस्था में ट्रेंड नर्सेज एसोसिएशन ऑफ इंडिया, क्वालिटी एंड एक्रेडिटेशन इंस्टीट्यूट और एडमी इंश्योरेंस ब्रोकर्स कंपनी रहेगी। वहीं इस सम्मेलन के मुख्य अतिथि उप मुख्यमंत्री एवं स्वास्थ्य मंत्री ब्रजेश पाठक होंगे। संस्था की सह-संस्थापक सुगंध खंडेलवाल ने बताया कि सम्मेलन में तीन लाख रुपये से अधिक की छात्रवृत्ति प्रदान की जाएगी।

सड़क हादसे बना रहे लोगों को दिव्यांग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- राष्ट्रीय पीएमआर दिवस पर लोहिया और केजीएमयू में आयोजित हुए कार्यक्रम

अमृत विचार : अनियमित जीवन शैली और बढ़ते सड़क हादसों के कारण दिव्यांगता की दर तेजी बढ़ रही है। जबकि, जीवनशैली में सुधार कर, रक्तचाप और रक्त शर्करा को नियंत्रित, दो व चार पहिया वाहन चलाते समय हेलमेट व सीट बेल्ट पहनने जैसी सावधानियों से दिव्यांगता की दर में कमी लाई जा सकती है। लोगों को इसके प्रति जागरूक होने की जरूरत है। यह जानकारी डॉ. राम मनोहर लोहिया आयुर्विज्ञान संस्थान में न्यूरोलॉजी विभाग के अध्यक्ष प्रो. डॉ. एके सिंह ने साझा की। वह संस्थान में शनिवार को राष्ट्रीय पीएमआर दिवस के अवसर पर आयोजित कार्यक्रम को बतौर मुख्य अतिथि संबोधित कर रहे थे।

'विकलांगता को होने से पहले रोकें' विषय पर आयोजित हुए इस कार्यक्रम में डॉ. एके सिंह ने बताया कि समय पर पुनर्वास चिकित्सा से कार्यात्मक परिणामों में उल्लेखनीय सुधार किया जा सकता है और दीर्घकालिक विकलांगता के बोझ को कम किया जा सकता है। पीएमआर विभाग के अध्यक्ष प्रो. वीएस गोगिया ने बताया पीएमआर विभाग में अब ऑपरेशन थिएटर (ओटी) का भी संचालन शुरू हो गया है। जिसमें पोलियो के बाद की कमजोरी, सेरेब्रल पाल्सी, क्लब फुट आदि से प्रभावित रोगियों को विशेष सर्जरी हो सकेंगी। इस मौके पर आयोजित पोस्टर प्रतियोगिता में मरीज संवर्ग में ज्योति साहू पहला, उग्रसेन दूसरा और खुशियाली ने तीसरा स्थान प्राप्त किया। वहीं,स्टाफ संवर्ग में सरस्वती प्रथम,उपासना द्वितीय और हर्षिता तीसरे स्थान पर रहीं। सभी विजयी प्रतिभागियों को सम्मानित किया गया।

लिंब सेंटर में स्थापित हुआ फुट लैब

केजीएमयू में विजयी प्रतिभागी को सम्मानित करतीं कुलपति।

अमृत विचार : किंग जार्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) के लिंब सेंटर में स्थित पीएमआर विभाग में नवस्थापित फुट लैब एवं वर्चुअल रियलिटी लैब का अनावरण शनिवार को कुलपति प्रो. सोनिया नित्यानंद ने किया। इस मौके पर कुलपति ने लैब से मरीजों को होने वाले लाभ के बारे में जानकारी साझा की। पीएमआर विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. अनिल कुमार गुप्ता ने कहा कि पीएमआर दिवस मनाने का मुख्य उद्देश्य लोगों को शारीरिक चिकित्सा और पुर्नवास के महत्व के बारे में जागरूक करना है। इस मौके पर पोस्टर प्रेजेंटेशन प्रतियोगिता कराई गई। जिसमें एमबीबीएस छात्रो, पैरामीडिकल छात्रों एवं नर्सिंग ऑफिसर्स मिलाकर कुल 51 प्रतिभागियों ने प्रतियोगिता में हिस्सा लिया। जिसमें अंकिता गुप्ता ने प्रथम, करन द्वितीय और अमन ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

कारवां टॉकीज में दिखी सेना के शौर्य की झलक

सेना भर्ती निदेशालय ने की जनजागरूकता अभियान की शुरुआत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश के दूरदराज ग्रामीण इलाकों में ग्रामीण युवाओं को भारतीय सेना में भविष्य बनाने के लिए चार दिवसीय 'कारवां टॉकीज' अभियान की शुरुआत ललितपुर में की गई। यह अभिनव पहल भारतीय सेना के भर्ती निदेशालय और मुख्यालय भर्ती जोन लखनऊ के संयुक्त तत्वावधान में एआरओ आगरा के समन्वय से संचालित किया जा रहा है।

विशेष रूप से सुसज्जित कारवां टॉकीज वैन में लगी बड़ी एलईडी स्क्रीन, सार्वजनिक उद्घोषणा प्रणाली और प्रेरणादायक पोस्टर व बैनर भारतीय सेना के जीवन, अनुशासन और सेना के शौर्य को प्रदर्शित करते हैं। वीडियो प्रस्तुतियों, डॉक्यूमेंट्री और सैनिकों की वास्तविक जीवन कहानियों के माध्यम से सैन्य अनुभवों को प्रदर्शित किया गया।

एलईडी स्क्रीन के माध्यम से युवाओं को भारतीय सेना में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करते सेना के जवान। अमृत विचार

- ग्रामीण युवाओं को भारतीय सेना में भविष्य बनाने के लिए प्रेरित करने की पहल

अभियान के पहले दिन, ऋषि राज इंटर कॉलेज, बिरारी और रघुवीर सिंह राजकीय महाविद्यालय खड़ौवारा में बड़ी संख्या में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों और ग्रामीणों ने भाग लिया और सेना की इस अनोखी जागरूकता पहल को सराहा। कार्यक्रम में क्विज प्रतियोगिता, इंटरएक्टिव गेम्स और देशभक्ति से ओत-प्रोत गतिविधियां भी आयोजित की गईं, जिससे युवाओं में और अधिक उत्साह देखने को मिला। अगले तीन दिनों में कारवां टॉकीज ललितपुर के और भी अधिक ग्रामीण क्षेत्रों में भ्रमण करेगा।

लोकबंधु अस्पताल ने लगाया रक्तदान शिविर

शिविर में रक्तदान करते युवक। अमृत विचार

अमृत विचार, आशियाना : आशियाना क्षेत्र के एलडीए मार्केट स्थित अन्नपूर्णा कॉम्प्लेक्स में शनिवार को लोकबंधु अस्पताल के चिकित्सक डॉ. पीसी तिवारी की ओर से रक्तदान शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान करीब 30 से अधिक लोग रक्तदान कर महादानी बने। इस अवसर पर अवध व्यापार मंडल के उपाध्यक्ष अमित सिंह ने अहम भूमिका निभाई। रक्तदान करने वाले लोगों को डॉक्टर और उपाध्यक्ष द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया।

अमृत विचार एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

खरीद – फरोख्त

जमीन बिकाऊ है, नेशनल हाईवे NH–2 से 127मीटर अंदर रास्ते पर दूसरी तरफ ,नहर से रास्ता है, अजीतमल में स्थित है 4एकड रकवा है।
संपर्क करें –9412273895 –7533847751, विपिन चन्द्र दुबे गोपालपुर

सूचना

मैं शशि देवी पत्नी स्व. हरी कृष्ण गोपाल अपने पुत्र शक्तिराज के गलत कृत्य एवं बुरे आचरण की वजह से अपनी चल व अचल सम्पत्ति से बेदखल करती हूँ एवं उसके गलत कार्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होगा। **शशि देवी पत्नी स्व. हरी कृष्ण गोपाल, निवासी–बहादुर खेड़ा खुजेहटा, खुजेहरा, लखनऊ, उ0प्र0**

सूचना

मेरा पुत्र गजेंद्र बाबू गलत सोहबत में पड़ गया है जो नैतिक अनैतिक कार्य करने पर आमादा है। मेरे समझाने बुझाने पर नहीं मानता इस कारण मैने उससे सम्बन्ध विच्छेद कर चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। यदि कोई व्यक्ति उससे लेनदेन करता है तो वह उसका स्वयं जिम्मेदार होगा। **महिपाल सिंह पुत्र स्व. दीनानाथ निवासी डूंगरी फ्रेंड्स कालोनी इटावा**

सूचना

सूचित किया जा रहा कि मेरे पुत्र अमीरुद्दीन व उसकी पत्नी के द्वारा आए दिन मुझे व मेरे देवर उसकी पत्नी और बेटे मानसिक रूप से प्रताड़ित कर झूठे मुकदमे में फसाने की धमकी दी जाती है। जिनकी हरकतों से परेशान होकर मैं अपने छोटे पुत्र अमीरुद्दीन व उसकी पत्नी सबाबानो को अपनी चल–अचल संपत्ति से बेदखल कर रही हूं। इनके द्वारा किए गए किसी भी प्रकार के कृत्य के यह दोनों जिम्मेदार होंगे। मुझसे व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं रहेगा। **–वहीदा बानो पत्नी स्व. कमरुद्दीन, निवासी मोहल्ला नेवातीटोला, ग्राम रौनाही थाना,रौनाही जिला अयोध्या।**

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

मैं **आलोक कुमार पांडे पुत्र श्री सुरेन्द्र नाथ पांडे निवासी–सी –2,1001 एलडएको गार्डन रायपुरवा स्टेट ,अनवरगंज कानपुर नगर ,उत्तर प्रदेश–208003** , मेरे आधार कार्ड में मेरा नाम आलोक कुमार पांडे अंकित है। जबकि लोग मुझे आलोक पांडे के नाम से भी जानते हैं । यह कि आलोक कुमार पांडे और आलोक पांडे दोनों एक ही व्यक्ति के नाम है ,और दोनों मेरे ही नाम है। मुझे इन दोनों नामों से जाना व पहचाना जाता है।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा नाम आधार कार्ड में त्रुटिवश सुरभि (SURBHI) अंकित हो गया है जबकि मेरा वास्तविक नाम शुभि (SHUBHI) है अबसे मैं सभी जगह कानूनी रूप से शुभि (SHUBHI) नाम का उपयोग करूंगी और इसी नाम से जानी जाऊँगी। **शुभि** (SHUBHI) **पुत्री गुलशन कुमार – 1/17/2, जियामऊ, हजरतगंज, लखनऊ उ0प्र0 – 226001**

APPOINTMENT नियुक्ति

VARUN ARJUN UNIVERSITY

FACULTY REQUIREMENT

Departments	Vacancies Open
Hospital Administration	Assistant Professor
Forensic Science	Assistant Professor
Computer Application	Assistant Professor
Management	Assistant Professor

Interested candidates may send their detailed resume clearly indicating the domain in the subject line within 07 days from the publication date of the advertisement through email to **varunarjuntrust@gmail.com**

Varun Arjun University, NH-24, Banthra, Shahjahanpur-242307 (UP) India

यू.पी. प्रोजेक्ट्स कारपोरेशन लि.
(उत्तर प्रदेश सरकार का उपक्रम) CIN : U15209UP1976SGC004285
कार्यालय महाप्रबन्धक, जोन-5, बॉया तट गोमती बैराज, गोमती नगर, लखनऊ-226010
दूरभाष: 0522-2307883, ई-मेल: gmzone5@gmail.com, gm_5@upprojects.org
ISO 9001 : 2015 बुलन्द इरादे, मजबूत निर्माण

पत्र सं0: 562/पी.सी.एल./महा0प्र0/जोन-5/ई-निविदा-36 दिनांक: 04.07.2025

अल्पकालीन ई-निविदा सूचना

पुलिस कमिश्नरेट कानपुर नगर के अधिकारियों के आवासीय भवनों हेतु 08 आवास टाईप-5 (एम+2) एवं 40 आवास टाइप-4 (एस+3) बहुमंजिला भवन के निर्माण कार्य हेतु इस कार्यालय की ई-निविदा सूचना सं0 36/GM-5/UPPCL/2025-26 दिनांक 04.07.2025 द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की जाती है। उक्त निविदा http://etender.up.nic.in की वेबसाइट पर दिनांक 14.07.2025 से दिनांक 24.07.2025 के अपराह्न 15:00 बजे तक डाउनलोड/अपलोड की जा सकती है। टेक्निकल बिड उसी दिन अपरान्ह 16:00 बजे अधोहस्ताक्षरी के उपरोक्त कार्यालय में खोली जानी प्रस्तावित है। ई-निविदा से सम्बन्धित अन्य विवरण, नियम एवं शर्तें कारपोरेशन की वेबसाइट www.uppprojects.org पर दिनांक 14.07.2025 से देखी जा सकती है।

महाप्रबन्धक जोन-5

कार्यालय - उपनिदेशक (नि०) मु०-अनु०
राज्य कृषि उत्पादन मण्डी परिषद, उ०प्र०
"किसान मण्डी भवन" विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ-226010
www.upmandiparishad.in

पत्रांक-मु०अनु०/ई-निविदा/ 2025-199 दिनांकः 05/7/2025

ई-निविदा सूचना

मण्डी परिषद, मुख्यालय अनुरक्षण खण्ड, लखनऊ के अर्न्तगत निम्नलिखित तालिका में अंकित कार्य की मरम्मत / अनुरक्षण हेतु ई-निविदा (E-Tendering) के माध्यम से परिषद आदेश पत्रांक-मु०अभि० (पंजी०-नि०-1168-भाग-4)/2023-217 दिनांक 29.05.2023 के क्रम में मण्डी परिषद में पंजीकृत एवं वित्तीय रूप से सुदृढ फर्म/ठेकेदारों से दिनांक 28.07.2025 को अपरान्ह 3:00 बजे तक निविदायें आमंत्रित की जाती है। ई-टेण्डरिंग के माध्यम से आनलाइन निविदा https://etender.up.nic.in पर दिनांक 06.07.2025 की पूर्वान्ह 10.00 बजे से दिनांक 28.07.2025 को अपरान्ह 3.00 बजे तक डाउनलोड कर अपलोड की जा सकती है। प्राप्त निविदाओं की तकनीकी बिड दिनांक 28.07.2025 को अपरान्ह 3.30 बजे खोली जायेंगी। तकनीकी बिड उपयुक्त पाये जाने के फलस्वरूप वित्तीय बिड खोली जायेगी। तकनीकी एवं वित्तीय बिड खोले जाने हेतु निर्धारित तिथि को सार्वजनिक अवकाश पड़ जाने की स्थिति में तकनीकी एवं वित्तीय बिड अगले कार्य दिवस में खोली जायेंगी:-

क्रं० सं०	कार्य का नाम	निविदा का मुल्य (जी०एस०टी सहित रु० में)	धरोहर धनराशि (रू० लाख में)	कार्य की अनुमानित लागत जी०एस०टी० लेबर सेस रहित (रू० लाख में)	कार्य पूर्ण करने की अवधि	पंजीकृत ठेकेदारो की श्रेणी
1	मण्डी परिषद आवासीय कालोनी विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ में निर्मित अतिथि गृह में 03 नग टायलेट की मरम्मत, क्लब भवन की मरम्मत / रंगाई-पुताई एवं अतिथि गृह के पीछे सीवर लाईन को मेनहोल से जोड़ने आदि का कार्य। 2025_RKUMP_1054533_1	800.00 + 144.00 944.00	0.39	3.87	03 माह	'द'

नियम एवं शर्ते-

1. शासनादेश सं0-415/78-2-2018-42 आई०टी०/20147/टी०सी०-49 दिनांकः-22.06.2018 के क्रम में निविदा शुल्क (नान रिफन्डेबल) उप निदेशक (नि०) मु० अनु०, मण्डी परिषद लखनऊ के भारतीय स्टेट बैंक, पिकप भवन, विभूति खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ उ0प्र0-226010 में संचालित खाता संख्याः-30394523799 तथा धरोहर धनराशि खाता संख्या-30394523937 आई०एफ०एस० कोडः SBIN0050643 में आ०टी०जी०एस०/एन०ई०एफ०टी० के माध्यम से आनलाइन जमा कराकर जमा रसीद (प्रमाण) ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य हैं।
2. फर्म/ठेकेदार द्वारा धरोहर धनराशि एवं निविदा मूल्य की धनराशि आनलाइन जमा रसीद ई-निविदा के साथ अपलोड किया जाना अनिवार्य है।
3. नवीनतम चरित्र प्रमाण पत्र (टी-4), नवीनतम हैसियत प्रमाण पत्र (टी-5) एवं शपथ पत्र (टी-6) पर स्वप्रमाणित पासपोर्ट साइज फोटो तथा मण्डी परिषद विभाग में पंजीकृत / नवीनीकरण होने का साक्ष्य ई-निविदा के साथ अपलोड करना अनिवार्य है।
4. ऐसे निविदादाता जिनका अपराधिक रिकार्ड है वह टेण्डर प्रक्रिया में भागीदारी नहीं कर सकेंगे।
5. निविदा के साथ रू0 100.00 का स्टाम्प पेपर रू0 1.00 का रसीदी टिकट लगाकर हस्ताक्षर सहित अपलोड करना अनिवार्य होगा।
6. जी०एस०टी० का भुगतान एवं आयकर की कटौती नियमानुसार चालू देयकों से की जायेगी।
7. निविदा मूल्य नान रिफण्डेबुल है।

नोटः समस्त नियम व शर्ते ई-निविदा वेबसाइड https://etender.up.nic.in पर देखी व पढ़ी जा सकती है।

उपनिदेशक (निर्माण)

लखनऊ विकास प्राधिकरण
(ISO 14001 : 2004, ISO 9001-2008 प्रमाणित संस्था)
प्राधिकरण भवन, विपिन खण्ड, गोमती नगर, लखनऊ (उ.प्र.) पीबीएक्स : 1800 1800 5000, वेबसाइट–www.ldalucknow.in

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है प्राधिकरण की आवासीय/व्यावसायिक/रेन्ट/नजूल/इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजनाओं के निम्नलिखित आवेदकों द्वारा उनके नाम के सामने अंकित सम्पत्ति का हस्तानान्तरण/नामांकरण किये जाने हेतु प्राधिकरण में प्रार्थना-पत्र प्रस्तुत किया गया है :-

क्र. सं.	मूल आवंटी का नाम	भूखण्ड/भवन संख्या	योजना का नाम	मृत्यु का दिनांक	मूल आवंटी के उत्तराधिकारी अथवा आवेदक का नाम	उत्तराधिकारी के पक्ष में अनापत्तिकर्ताओं के नाम	मूल आवंटी से (मृतक) सम्बन्ध
1	स्व0 जे0बी0 श्रीवास्तव (आवंटी)	भवन संख्या - L-VI/207/M	सेक्टर एम, अलीगंज	03.02.2019	श्रीमती माधुरी श्रीवास्तव श्री अरविन्द श्रीवास्तव	उत्तराधिकारी के अनुसार।	पत्नी/ पुत्रगण/पुत्रियां
		श्री अनुपम श्रीवास्तव, श्रीमती सरिता श्रीवास्तव, श्रीमती अनुपमा श्रीवास्तव, श्रीमती अनुराधा श्रीवास्तव					
2	श्री उमर इरशाद सिकन्दर	भूखण्ड सं- D-2/588 सेक्टर - एफ	जानकीपुरम योजना लखनऊ	19.04.2021	श्रीमती रिजवाना यूसुफ	श्री आमिर जेब सिकन्दर (पुत्र) कु0 सानिया सिकन्दर (पुत्री)	पत्नी
3	स्व0 कल्याण सिंह पुत्र स्व0 खजान सिंह	व्यवसायिक भूखण्ड सं.- सी0पी0-1	सिण्डर्स डम्प योजना	08.10.2015	वारिसान प्रमाण पत्र एवं शपथ पथ के अनुसार श्री नरेन्द्र पाल सिंह एवं श्री रवीन्द्र पाल सिंह	--	पुत्र
4	श्रीमती कुसुम अग्रवाल	भूखण्ड सं- -सी-45	ट्रांसपोर्ट नगर	19.03.2013	श्री देशराज अग्रवाल	श्री अमित अग्रवाल श्री मनीष अग्रवाल श्री दीपक अग्रवाल	पुत्र पुत्र पुत्र
5	स्व0 विवेक कुमार पाठक	भूखण्ड सं- 5/204	गोमती नगर विस्तार	12.10.2023	श्री मौसम पाठक श्रीमती छाया पाठक	सुश्री वैशाली	पुत्र पत्नी

उपर्युक्त नामान्तरण के आवेदन के सम्बन्ध में यदि किसी भी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो वह साक्ष्य सहित प्रकाशन तिथि से 30 दिनों के अन्दर अधोहस्ताक्षरकर्ता के कार्यालय में प्राप्त करा दें। निर्धारित तिथि तक कोई आपत्ति प्राप्त न होने पर प्राधिकरण अभिलेखों में कॉलम-6 पर लिखित व्यक्ति का नाम दर्ज कर लिया जायेगा तथा उसके बाद किसी भी आपत्ति पर विचार नहीं किया जायेगा।

सचिव

सार-संक्षेप

बच्चों को भोजन कराते विधायक ओपी श्रीवास्तव।

जन्मदिन पर विधायक ने बुजुर्गों को बांटे फल

अमृत विचार,लखनऊ : लखनऊ पूर्व विधानसभा के विधायक ओपी श्रीवास्तव का जन्मदिन शनिवार को मनाया गया। नगरनिगम पार्षदों, भाजपा मंडल अध्यक्ष, लखनऊ महानगर अध्यक्ष सहित क्षेत्रीय पदाधिकारियों ने उन्हें शुभकामनाएं दी। विधायक ने कहा कि हमारे दिन की शुरुआत अलीगंज स्थित हनुमान मंदिर में पूजा- अर्चना से हुई। इसके बाद वह आदिल नगर स्थित समर्पण वरिष्ठजन परिसर पहुंचे, जहां उन्होंने सभी बुजुर्गों को फल वितरित कर उनका आशीर्वाद लिया। इसके बाद वह तकरोही स्थित निर्वाण रिहैब सेंटर पर मानसिक रूप से अविकसित बच्चों को भोजन कराने के साथ और उनके साथ समय भी बिताया।

दिल्ली में रक्षामंत्री से मिलीं महापौर सुषमा खर्कवाल

अमृत विचार,लखनऊ : महापौर सुषमा खर्कवाल ने शनिवार को दिल्ली में रक्षा मंत्री एवं सांसद राजनाथ सिंह से उनके सरकारी आवास पर भेंट की। उन्होंने रक्षामंत्री को हरियाणा के मानेसर में हुए राष्ट्रीय शहरी स्थानीय निकाय अध्यक्ष सम्मेलन की जानकारी दी। लखनऊ नगर निगम की प्रस्तुतियों तथा शहर के विकास कार्यों से अवगत कराया। 4 व 5 जुलाई को हुए नेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ अर्बन अफेयर्स में देशभर के महापौर, पार्षद, जिला परिषद अध्यक्ष, शहरी नियोजन विशेषज्ञ और नगर विकास अधिकारी शामिल हुए। सम्मेलन में शहरी विकास में स्थानीय निकायों की भूमिका, लोकतांत्रिक सशक्तिकरण में नगर निकायों का योगदान और शहरी प्रशासन में नवाचार जैसे विषयों पर चर्चा हुई। महापौर ने इस अवसर पर लखनऊ में कचरा प्रबंधन के लिए 1200 से अधिक इलेक्ट्रिक वाहनों का उपयोग, स्मार्ट टॉयलेट्स, ओपन जिम, डिजिटल टैक्स प्रणाली, वॉटर एटीएम और नागरिक सहभागिता ऐप जैसे नवाचारों की जानकारी साझा की।

बिना सहकार के कोई कार्य संपन्न नहीं होता

दीप प्रज्ज्वलित कर कार्यक्रम की शुरुआत करते अतिथि।

अमृत विचार, लखनऊ : अंतरराष्ट्रीय सहकारिता दिवस के अवसर पर शनिवार को सहकार भारती उप्र. की लखनऊ शाखा द्वारा विकास भवन लखनऊ के विकासखंड चिनहट के सभागार में सहकारिता के विकास एवं समितियों का सम्मान समारोह आयोजित किया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे सहकार भारती के प्रदेश अध्यक्ष अरुण कुमार सिंह ने कहा कि मिलजुल कर कार्य करने को सहकारिता कहते हैं, बिना सहकार के कोई कार्य संपन्न नहीं होता है।कार्यक्रम का संचालन सहकार भारती लखनऊ के अध्यक्ष विवेक राय ने किया इस अवसर पर जिला को-ऑपरेटिव बैंक लखनऊ के चेयरमैन विरेन्द्र प्रताप सिंह, सहकार भारती के प्रदेश उपाध्यक्ष डीपी पाठक, यूपीसीएलडीएफ के डायरेक्टर हिरेंद्र मिश्रा एवं लखनऊ महानगर अध्यक्ष पीयूष मिश्रा आदि मौजूद रहे।

15 को प्रदर्शन करेंगे प्रदेश भर के पेंशनर्स

अमृत विचार, लखनऊ : पेंशनर संगठन के प्रदेश अध्यक्ष अमरनाथ यादव ने संगठन की जनपद शाखाओं को पत्र भेजा है। इसमें बताया कि केन्द्रीय मंत्रिमंडल ने जनवरी 2025 में 8वें केंद्रीय वेतन आयोग के गठन का निर्णय लिया था, किंतु 6 महीने बाद भी आयोग के गठन का शासनादेश जारी नहीं किया गया है। सरकार की इस उदासीनता से कर्मचारी- शिक्षक पेंसनर्स में आक्रोश बढ़ रहा है। सरकार को आयोग गठन के लिए आगाह कराने को 15 जुलाई को प्रदेश व्यापी धरना प्रदर्शन कर स्थानीय प्रशासन के माध्यम से प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ज्ञापन भेजा जाएगा। आंदोलन का नोटिस प्रधानमंत्री व मुख्यमंत्री कार्यालय भेजा जा चुका है। उत्तर प्रदेश शिक्षक महासंघ के प्रदेश अध्यक्ष डॉ. दिनेश चंद शर्मा और संयोजक सुरेश कुमार त्रिपाठी ने अपने संगठन की जनपदीय शाखाओं को निर्देश भेजकर 15 को होने वाले प्रदर्शन में पूर्ण भागीदारी करने ऐलान किया है।

लोजपा ने मनाई रामविलास पासवान की जयंती

अमृत विचार, लखनऊ : लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) लेबर सेल उत्तर प्रदेश (मध्य) ने शनिवार को पार्टी के संस्थापक पद्म भूषण स्व. रामविलास पासवान की जयंती पर कार्यक्रम किया। बुद्धेश्वर महादेव मंदिर के प्रांगण में रामविलास के चित्र पर मुख्य महंत रामू पूरी महराज ने टीका और माल्यार्पण किया। श्रमिक चौहरा पर कार्यक्रम की शुरुआत मुख्य अतिथि प्रदेश अध्यक्ष जॉय बनर्जी ने की। राष्ट्रीय उपाध्यक्ष महिला प्रकोष्ठ सुमिता बनर्जी, प्रदेश उपाध्यक्ष लेबर सेल डॉ अखिलेश रावत, प्रदेश सचिव सुभाष राम, सोनू कसेरा, मिथिलेश कुमार, पंकज कुमार, जिला अध्यक्ष उन्नाव राहुल कुमार वर्मा और जिला अध्यक्ष नागेन्द्र कुमार पासवान ने पासवान के कार्यों पर प्रकाश डाला। प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि दलितों के मसीहा, गरीब मजदूर शोषित समाज के हक के लिए जीवनोपरान्त पूर्व केन्द्रीय मंत्री संघर्षरत करते रहे।

इस्कान मंदिर में श्रीमद्भागवत पर सेमिनार आज

अमृत विचार, लखनऊ : सुशांत गोल्फ सिटी स्थित राधारमण बिहारी मंदिर (इस्कॉन) की ओर से एकादशी के अवसर पर एक दिवसीय श्रीमद्भगवत गीता सेमीनार का आयोजन रविवार को शाम 5 बजे से किया जाएगा। इस्कान के अध्यक्ष अपरिमेय श्याम दास इसमें मुख्य वक्ता होंगे। सेमिनार में अपरिमेय श्याम दास श्रीमद्भगवत गीता को वैज्ञानिक दृष्टिकोण के अनुसार परिभाषित करेंगे। कार्यक्रम इस्कान मंदिर के नित्यानंद हाल में आयोजित किया जाएगा। सेमिनार शाम को 5 बजे से 7 बजे तक होगा।

मोहर्रम पर आज बदली रहेगी यातायात व्यवस्था

सुबह 7 बजे से शुरू होगा जुलूस, देर रात तक चलेगा कार्यक्रम

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: 10वीं मोहर्रम का जुलूस रविवार सुबह 7 बजे से निकलेगा। जुलूस नाजिम साहब इमामबाडा (विक्टोरिया स्ट्रीट)से शुरू होकर मेफेयर तिराहा (अकबरी गेट), बिल्लौचपुरा, बुलाकी अड्डा, बाजारखाला होते हुए तालकटोरा कर्बला में समाप्त होगा।

डीसीपी यातायात कमलेश दीक्षित ने बताया कि इसे देखते हुए राजधानी की यातायात व्यवस्था में बदलाव किया गया है। इस दौरान इमरजेंसी में ट्रैफिक कंट्रोल रूम नंबर 9454405155 पर संपर्क करने पर विशेष इंतजाम किये जाएंगे।

यहां रहेगी रोक

- हैदरगंज तिराहे से नींबू पार्क की तरफ।
- नक्खास तिराहे से टूड़ियागंज की तरफ।
- रकाबगंज पुल चौराहा से नक्खास की तरफ।
- भूसामंडी तिराहे से एवररेडी तिराहे की तरफ।
- हैदरगंज तिराहे से मिल एरिया तिराहे की तरफ।
- हैदरगंज तिराहा से नक्खास या बुलाकी अड्डा तिराहे की तरफ।
- कमला नेहरू क्रांसिग (मेडिकल क्रास) चौराहा से नक्खास की तरफ।
- बुलाकी अड्डा तिराहे से हैदरगंज तिराहा या मिल एरिया तिराहे की तरफ।
- टूड़ियागंज तिराहा से नक्खास या लाल माधव (हैदरगंज) तिराहे की ओर।
- एवरेडी तिराहे से मिल एरिया या रणजीत सिंह बिल्डिग (बालाजी मन्दिर) तिराहे की तरफ।
- रणजीत सिंह बल्डिंग (बालाजी मन्दिर) तिराहे से एवरेडी या विक्रम काटन मिल की तरफ।
- आलमबाग से लंगडा फाटक ओवरब्रिज ढाल से विक्रम काटन मिल, एवररेडी तिराहे की तरफ।

यहां से जाएं

- ये वाहन ऐशबाग होकर।
- ये वाहन ऐशबाग होकर।
- ये वाहन ऐशबाग होकर।
- ये वाहन आलमबाग होकर।
- ये वाहन राजाजीपुरम होकर।
- ये वाहन आलमबाग होकर।
- ये वाहन आलमबाग होकर।
- ये वाहन सआदतगंज होकर।
- ये वाहन रकाबगंज पुल होकर।
- ये वाहन मेडिकल कालेज, चौक होकर।
- ये वाहन मेडिकल कालेज या नाका होकर।
- ये वाहन टिकैत राय तालाब, राजाजीपुरम होकर।

महानगर कर्बला और तेलीबाग बाजार में भी डायवर्जन

यहां रहेगी रोक

- लेखराज मार्केट तिराहे से बादशाहनगर की तरफ नहीं जा सकेंगे।
- निशातगंज पुल के नीचे चौराहे से बादशाहनगर की तरफ नहीं जा सकेंगे।
- अयोध्या रोड, कमता, जीटीआइ से बादशाहनगर की तरफ आने पर रोक।
- सेन्ट्रल बैंक तिराहा से रोडवेज/सिटी बसें निशातगंज की तरफ नहीं जा सकेंगे।
- तेलीबाग पुल से रोडवेज/सिटी बसें व तेलीबाग बाजार होकर नहीं जा सकेंगे।
- कुकरैल बंधा पुल के नीचे तिराहे से बादशाहनगर की तरफ नहीं जा सकेंगे।
- पोस्ट आफिस महानगर (कार्मल) चौराहे से बादशाहनगर की तरफ नहीं जा सकेंगे।
- सुभानीखेड़ा चौराहा से तेलीबाग बाजार की तरफ किसी भी प्रकार के वाहन नहीं जा सकेंगे।
- गोलमार्केट, पोस्ट आफिस महानगर चौराहे से बादशाहनगर की तरफ सिटी बस या कोई भी वाहन नहीं जा सकेंगे।
- हजरतगंज की तरफ से आने वाले रोडवेज/सिटी बसें सुशीला देवी स्मृतिका तिराहे से निशातगंज, गोलमार्केट की तरफ नहीं जा सकेंगे ।

यहां से जाएं

- ये वाहन बंगलाबाजार पुल होकर।
- यह बसें वायरलेस चौराहा होकर।
- ये वाहन निशातगंज पुलिस चौकी होकर।
- ये वाहन जीटीआई, गोमतीनगर होकर।
- ये वाहन पीएसी मुख्यालय या गोलमार्केट होकर।
- ये वाहन 35वीं वाहिनी पीएसी मुख्यालय होकर।
- ये वाहन कुकरैल बंधा तिराहे पीएसी मुख्यालय होकर।
- ये वाहन सुभानीखेड़ा से दाहिने देवीखेड़ा रोड होकर।
- ये वाहन कमता तिराहे से विजयीपुर अंडरपास, डिगडिगा, 1090 चौराहा होकर।
- ये बसें बंधा रोड, हनुमान सेतु, आइटी, कपूरथला, सर्वोदयनगर पुल संकल्प वाटिका, समतामूलक गोमतीनगर होकर।

निवेशकों ने मुख्यमंत्री से न्याय दिलाने की लगाई गुहार

अमृत विचार, गोसाईगंज: अंसल के दिवालिया होने से परेशान खरीदार और निवेशकों ने शनिवार को बैठक की। जिसमें होमबायर समिति के सदस्यों ने मुख्यमंत्री से न्याय दिलाने की गुहार लगाई। सुशांत गोल्फ सिटी टाउनसिप के सेक्टर 4 शॉपिंग स्क्वायर के पास पार्क में आयोजित बैठक में समिति के लोगों का कहना था कि अंसल प्रबंधन के खिलाफ 200 से अधिक एफआईआर हो चुकी हैं। अभी तक कोई कार्रवाई क्यों नहीं की गई। उनकी मांग है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण सुशांत गोल्फ सिटी के सारे होमबायर्स को टाउनशिप डेवलप करके हैंडओवर करे और अपना वायदा निभाये। समिति के गगन टण्डन ने बताया कि इस मामले में सरोजिनी नगर के विधायक डॉ. राजेश्वर सिंह पूरा सहयोग कर रहें है। हमारी मांग है कि मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ हमें न्याय दिलाएं।

जंग से पहले अमन की आखिरी कोशिश में रहे इमाम हुसैन

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: मोहर्रम की 9 तारीख को पुराना शहर कर्बला के शहीदों के गम में डूबा नजर आया। विभिन्न इमामबाड़ों में उलेमा ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों की शहादत का मंज़र बयान किया, जिसे सुनकर लोग जारो कतार रोये।

मकबरा सआदत अली खां में मजलिस को खिताब करते हुए पटना से आये मौलाना मुराद रजा ने कहा कि इमाम हुसैन ने कर्बला में इंसानियत का दर्स दिया। रोजे आशूरा हजरत इमाम हुसैन ने जो खुतबा दिया वह अमन की आखिरी कोशिश था। इमाम हुसैन ने तैयार जंग के दौरान सुलह का मौका और पैगाम देकर बताया कि अगर दुनिया को अमन की हद तक पहुंचाना है तो इमाम हुसैन के बताए रास्ते और विचारधारा को अपनाना होगा। इमामबाड़ा गुफरान मआब में मौलाना कल्बे जवाद ने कहा कि कर्बला हमें जुल्म से लड़ने का सलीक़ा सिखाती है। कर्बला को मानने वाला कभी जालिमों की हिमायत नहीं कर सकता। मौलाना ने कहा कि हम मज़लूमों का समर्थन करते हैं। इमामबाड़ा आगा बाकर में मौलाना मीसम जैदी ने हजरत मोहम्मद साहब की अजमत को बयान करते हुए कहा कि अल्लाह ने आदम को इल्म दिया तो पैगम्बर को शहर-ए-इल्म बनाया।

नाजिम साहब के इमामबाड़े से निकले गए अलम-ए-शबे आशूर जुलूस में शामिल शिया समुदाय के लोग। अमृत विचार

कभी ज़मीं को कभी आसमान को देखा

इमामबाड़ा नाजिम साहब में मर्सियाख्वानी की आखिरी मजलिस को अहसन सईद आब्दी ने खिताब किया। उन्होंने रूप कुमारी का लिखा मर्सिया पेश किया। उन्होंने सुनाया उधर से तीर चला और इधर ये हाल हुआ, कि हलक़ छिद गया मासूम खूं में लाल हुआ, दहन से ख़ून उगलने लगा निढाल हुआ, एक आह नन्ही सी की और इंतक़ाल हुआ। पिदर ने आस से नन्ही सी जान को देखा, कभी ज़मीं को कभी आसमान को देखा।

मल्लापुर हाता में जौ से बना ताजिया रखते लोग।

अलम-ए-शबे आशूर में उमड़ा जनसैलाब

अमृत विचार,लखनऊ : नौ मोहर्रम की रात को इमामबाड़ा नाजिम साहब में मौलाना कल्बे जवाद ने अलविदाई मजलिस को खिताब किया। इस मजलिस में मौलाना ने हजरत इमाम हुसैन और उनके साथियों पर यजीदी लश्कर की तरफ से किये गए जुल्मों की दास्तान सुनाई। मजलिस खत्म होते ही अलम-ए-शबे आशूर नाजिम साहब के इमामबाड़े से बाहर निकला। विक्टोरिया स्ट्रीट पर अलविदाई अलम में शामिल होने के लिए उमड़े जनसैलाब के बीच अलम आया तो उसे चूमने के लिए जो कोशिशें शुरू हुईं उससे अलम सड़क पर तैरता सा नजर आया। अलम के आगे-आगे नौजवान जंजीरों का जोरदार मातम कर रहे थे। खून में नहाए हुए अजादार या हुसैन – या अब्बास की सदाएं बलंद कर रहे थे। जुलूस में सुरक्षा के कड़े इंतजाम थे। जुलूस के रास्तों को बैरीकेडिंग के जरिये वाहनों के आवागमन से रोक दिया गया था। पुलिस व प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी जुलूस के साथ-साथ चल रहे थे। यह जुलूस नाजिम साहब के इमामबाड़े से शुरू होकर विक्टोरिया स्ट्रीट, बिलोचपुरा चौराहा, अशर्फाबाद, मंसूरनगर तिराहा, रौजा-ए-काजमैन, कर्बला दियानतुद्दौला होता हुआ दरगाह हजरत अब्बास ले जाया गया।

एलडीए के विशेष कार्याधिकारी भू-तल के कमरों में बैठेंगे

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : लखनऊ विकास प्राधिकरण के सभी विशेष कार्याधिकारी अब ग्राउंड फ्लोर पर निर्मित कमरों में बैठेंगे। इससे प्राधिकरण में अपने काम व समस्याओं के सिलसिले में आने वाले लोगों को अधिकारियों से मिलने के लिए अलग-अलग तलों के चक्कर नहीं लगाने पड़ेंगे। एलडीए उपाध्यक्ष प्रथमेश कुमार ने शनिवार को प्राधिकरण कार्यालय का निरीक्षण करके इसके लिए व्यवस्था बनाने के निर्देश दिए।

अपर सचिव ज्ञानेन्द्र वर्मा ने बताया कि सभी प्रशासनिक अधिकारी गोमती नगर स्थित प्राधिकरण भवन की नयी व पुरानी बिल्डिंग के अलग-अलग तलों पर निर्मित कार्यालय कक्ष में बैठते हैं।

जिसके चलते जन सामान्य को अधिकारियों से मिलने के लिए अलग-अलग तलों पर आना-जाना पड़ता है। इससे विशेष तौर से दिव्यांगजनों एवं वरिष्ठ नागरिकों को दिक्कत का सामना करना पड़ता है। उपाध्यक्ष ने जन सामान्य की सुविधा के लिए सभी विशेष कार्याधिकारियों को ग्राउंड फ्लोर पर बैठने के आदेश दिये हैं। उपाध्यक्ष ने कहा कि सभी विशेष कार्याधिकारियों के बैठने के लिए पुरानी बिल्डिंग के ग्राउंड फ्लोर पर कार्यालय कक्ष तैयार किये जाएं।

कार्यालय आने वालों को अलग-अलग तलों के नहीं लगाने पड़ेंगे चक्कर

सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे में 38 फाइलें निस्तारित

प्राधिकरण में शनिवार को 'सिंगल टेबल क्लीयरेंस डे' का आयोजन किया गया। समस्त अनुभागों के अधिकारी व कर्मचारी फाइलों के साथ पारिजात सभागार में उपस्थित हुए। कार्यवाही के दौरान विभिन्न प्रकरणों से संबंधित कुल 38 फाइलों का निस्तारण किया गया। जिसमें रजिस्ट्री के 14, फ्री-होल्ड के 7, नामांतरण के 11 व अभियंत्रण की 6 पत्रावलियों शामिल हैं।

प्राधिकरण कार्यालय का निरीक्षण करते एलडीए उपाध्यक्ष। अमृत विचार

मोहनलालगंज व दुबग्गा में दो प्लॉटिंग पर चला बुलडोजर

कार्यालय संवाददाता लखनऊ

अमृत विचार : अवैध निर्माण व प्लाटिंग के खिलाफ शनिवार को लखनऊ विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने मोहनलालगंज व दुबग्गा में दो अवैध प्लाटिंग के निर्माण बुलडोजर चलाकर ध्वस्त कर दिए। जोनल अधिकारी प्रवर्तन जोन-7 रवि नंदन सिंह ने बताया कि रफीक व अन्य द्वारा दुबग्गा के ग्राम-कुसमौरा हलुआपुर में लगभग 10,000 वर्गमीटर क्षेत्रफल में अवैध रूप से प्लाटिंग का कार्य करते हुए शान सिटी नाम से अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी। प्राधिकरण से ले-आउट स्वीकृत कराये बिना की जा रही उक्त अवैध प्लाटिंग में विकासकर्ताओं द्वारा विकसित की गई सड़क, नाली और बाउंड्री आदि जेसीबी की मदद से ध्वस्त कर दी।जोनल अधिकारी प्रवर्तन जोन-2 देवांश त्रिवेदी ने बताया कि राजू कुमार, अभिषेक सिंह व अन्य द्वारा मोहनलालगंज के खुजौली में न्यू जेल रोड पर सरस्वती लॉन के पीछे लगभग 16 बीघा क्षेत्रफल में अवैध तरीके से प्लाटिंग करके अवैध कालोनी विकसित की जा रही थी।

11 को रिलीज होगी फिल्म उदयपुर फाइल्स

अमृत विचार, लखनऊ: उदयपुर के दर्जी कन्हैया लाल साहू हत्याकांड पर आधारित फिल्म उदयपुर फाइल्स आगामी 11 जुलाई को देश भर के सिनेमाघरों में रिलीज होगी। 28 जून 2022 में हुआ यह हत्याकांड देश भर में चर्चित हुआ था। अमित जानी ने बताया कि यह फिल्म पीवीआर और आईनॉक्स में देखने को मिलेगी। बताया कि जब कन्हैयालाल साहू पर फिल्म बनाने की बात दिमाग में आई तो उदयपुर जाकर उनके परिवार से सम्पर्क किया। पता चला कि कई फिल्म निर्माता उनके सम्पर्क में हैं।

मकानों में दुकानें बनाने की छूट से बढ़ेंगे रोजगार के अवसर : कंछल

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल ने प्रदेश सरकार का जताया आभार

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के प्रांतीय अध्यक्ष बनवारी लाल कंछल ने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा शहरी सीमा के अंदर स्थित मकानों में दुकानें बनाने की स्वीकृति प्रदान की गयी है।

इसके लिए व्यापारी समाज प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का आभार व्यक्त करता है। यह मांग लंबे समय से संगठन उठाता रहा है। प्रदेश सरकार के इस फैसले से लोगों को बड़ी संख्या में रोजगार मिलेगा। प्रांतीय अध्यक्ष ने बताया कि इससे पूर्व किसी भी सरकार ने व्यापारी को अपने मकान में दुकान बनाने की छूट नहीं दी। इस आदेश के बाद कोई भी व्यापारी अपने मकान में दुकान बनाकर अपना व्यवसाय शुरू कर सकता है। इससे उत्तर प्रदेश के सभी जनपदों में लाखों व्यापारियों को भरपूर लाभ होगा एवं इस निर्णय से प्रदेश सरकार के राजस्व में भारी वृद्धि होगी।

सीमेंट व्यापार संघ ने मेल भेजकर जताया आभार

अमृत विचार, लखनऊ : आवासीय भवनों में व्यवसायिक गतिविधियों पर सरकार की मुहर पर उप्र. सीमेंट व्यापार संघ ने हर्ष और मेल भेजकर सरकार का आभार जताया है। बैठक में प्रदेश अध्यक्ष श्याम मूर्ति गुप्ता, प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री मनीष मोदी, वरिष्ठ उपाध्यक्ष दीपक सिंघल, लखनऊ इकाई अध्यक्ष अभिषेक मंसानी, वरिष्ठ महामंत्री जिम्मी गर्ग, कार्यवाहक अध्यक्ष आकाश भी मौजूद रहे।

श्रद्धांजलि लच्छू महाराज की प्रतिभाशाली शिष्या कुमकुम आदर्श का निधन

टूट गया कथक नृत्य की थिरकन का घुंघरू

शबाहत हुसैन विजेता, लखनऊ

अमृत विचार: लास्य सम्राट कथकाचार्य पं. लच्छू महाराज की प्रतिभाशाली शिष्या कुमकुम आदर्श का शनिवार को निधन हो गया। उनका पूरा जीवन कथक को समर्पित रहा। कथक को सम्मान दिलाने के लिए वह आख़िरी सांस तक जूझती रहीं।

कुमकुम आदर्श

अपने दम पर कथक की दुनिया में बड़ी लकीर खींचने वाली कुमकुम पिछले कुछ समय से किडनी की समस्या से जूझ रही थीं। उनकी डायलेसिस चल रही थी। शनिवार को उनकी बीमारी ने उन्हें हरा दिया। कथक का तीर्थ कालका बिंदादीन की ड्योढ़ी उदास हो गई। अंतिम दर्शन के लिए रिवर बैंक कालोनी स्थित आवास में उनका शव रखा गया है। रविवार को अंतिम संस्कार किया जाएगा।

कथक की नई पौध तैयार करने के लिए वह कथक के गढ़ लखनऊ में लच्छू महाराज बैले सेंटर का संचालन करती थीं। गुइन रोड स्थित कालका बिंदादीन की ड्योढ़ी कथक नृत्य से जुड़े कलाकारों के लिए तीर्थ की तरह से है। इस ड्योढ़ी की मिट्टी में खेलकर पले बढ़े कथक गुरु लच्छू महाराज, शम्भू महाराज, अच्छन महाराज और बिरजू महाराज के कथक के लिए योगदान को पूरी दुनिया जानती है।

इतनी बड़ी लकीर खींची कि सरकारी आयोजन लगे फीके

लच्छू महाराज ने हजारों लोगों को कथक सिखाया लेकिन लखनऊ की तीन कथक नृत्यांगनायें कुमकुम धर, कुमकुम आदर्श और कपिला राज ने ऐसे कीर्तिमान स्थापित किये कि इन्हें मील के पत्थर की तरह से देखा जाता है। कपिला राज कथक केंद्र की निदेशक रहीं। कुमकुम धर भातखंडे विश्वविद्यालय में प्रोफ़ेसर और कार्यवाहक कुलपति रहीं लेकिन कुमकुम आदर्श ने किसी सरकारी पद पर न रहते हुए भी इतनी बड़ी लकीर खींची कि सरकारी आयोजनों को भी उन्होंने फीका कर दिया। पहली सितम्बर को लच्छू महाराज का जन्मदिन सरकार भी मनाती है और कुमकुम आदर्श भी मनाती थीं लेकिन उनका कार्यक्रम सरकारी आयोजन पर भारी हो जाता था। राज्यपाल कुमकुम आदर्श के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के तौर पर पहुंचते थे।

लच्छू महाराज अवार्ड को बड़ी फिल्मी हस्तियां पहुंची थीं लखनऊ

कुमकुम आदर्श लच्छू महाराज की जयंती पर एक कथक नृत्यांगना को लच्छू महाराज अवार्ड से सम्मानित करती थीं। एक लाख रुपये और रजत प्रतिमा दी जाती थी। कथक की वजह से अभिनेत्री बनी वहीदा रहमान, वैजयन्ती माला, रेखा, श्रीदेवी और अर्चना जोगलेकर को भी लच्छू महाराज अवार्ड दिया गया। कुमकुम ने लखनऊ के अलावा दिल्ली और दूसरे शहरों में भी कथक नृत्य के कार्यक्रम आयोजित किए। लच्छू महाराज की पत्नी और प्रख्यात नृत्यांगना पद्मश्री सितारा देवी लच्छू महाराज के जन्मदिन पर हर साल कुमकुम के कार्यक्रम में शामिल होने आती थीं। कुछ साल पहले संगीत नाटक अकादमी ने लच्छू महाराज जयन्ती पर होने वाले अपने आयोजन का समय बदला ताकि सरकारी आयोजन में भी लोग शामिल हो सकें।

लापरवाही से फुंक गए 500 ट्रांसफॉर्मर

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

लोड, तेल और उपकरणों की समय पर नहीं हो रही जांच

अमृत विचार: राजधानी में लाखों रुपये खर्च कर बदले गए ट्रांसफॉर्मर अधिकारियों-कर्मचारियों की लापरवाही से फुंक रहे हैं। समय पर लोड, ऑयल की जांच और शिफ्टिंग न होने से कारण समस्या आ रही है। ट्रांसफॉर्मर फुंकने से उपभोक्ताओं को परेशानी उठानी पड़ रही है और विभाग को लाखों रुपये का नुकसान हो रहा है।

गर्मी में 24 घंटे बिजली आपूर्ति के लिए ट्रांसफॉर्मर बदलने के अलावा अन्य मरम्मत के कार्य किए गए। गर्मी के शुरु होते ही पहले सप्ताह 200 मेगावाट तक बिजली की खपत बढ़ गई। ओवरलोड़ और और खराब ट्रांसफार्मरों को बदलने के लिए करीब 800 ट्रांसफार्मर खरीदे गए थे। ट्रांसफॉर्मर बदले भी गए। किंतु समय पर लोड की जांच के अलावा ऑयल व उपकरणों की देखभाल नहीं की गई। इस लापरवाही के कारण लगभग 500 खराब हो चुके हैं।फैजुल्लागंज में 13, बीकेटी में 108, चिनहट में 73, मुंशीपुलिया 34, महानगर 21, अहिबरनपुर 18, नादरगंज 14, अलीगंज 15, राजाजीपुरम 10, मोहनलालगंज 09 सहित कई क्षेत्रों में ट्रांसफॉर्मर खराब हैं। मुख्य अभियंता सिसगोमती रजत जुनेजा ने कहा कि सुचारु बिजली आपूर्ति के लिए विभाग प्रतिबद्ध है। ट्रांसफॉर्मरों की नियमित देखभाल और चेंकिग की जा रही है। कनेक्शनों के आधार पर लोड को बांटा जा रहा है, इसीलिए ट्रांसफॉर्मरों की खरीदकर बदलने का काम किया जा रहा है।

ट्रांसफार्मर को सही रखने के लिए महत्वपूर्ण बातें

ट्रांसफॉर्मर को सही रखने के लिए तेल का स्तर, तापमान, और उस कनेक्शनों की संख्या को पर ध्यान दिया जाना चाहिए। इसके साथ ही वेंटिलेशन और नमी से बचाना चाहिए। समय-समय पर लोड रेंटिंग और फिल्टर को साफ रखने के साथ आवश्यकतानुसार बदल देना चाहिए।

एमडी मध्यांचल ने की राजस्व और वाणिज्यिक कार्यों की समीक्षा

अमृत विचार, लखनऊ : मध्यांचल विद्युत वितरण निगम की एमडी रिया केजरीवाल ने शनिवार को जानकीपुरम निगम मुख्यालय में राजस्व और वाणिज्यिक संबंधी कार्यों की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को विद्युत संयोजन एलएमवी- 2,4 और 6 के उपभोक्ताओं की संख्या 20 प्रतिशत और 10 हजार से बड़े बिजली बकाएदारों का प्रतिशत कम करने के निर्देश दिए। ग्रामीण क्षेत्रों में टर्न-अप बढ़ाने के लिए भी कहा। क्षेत्रों में बिजली रेड अभियान संबंधी अभियान को सुनिश्चित करने के आदेश दिए। अर्मड केबल का प्रयोग कर नए स्मार्ट मीटर लगाने के साथ राजस्व निर्धारण के लिए भी अधिकारियों को निर्देश दिए। समीक्षा बैठक में निदेशक (वाणिज्य) और पुरनिया के अधीक्षण अभियंता सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

समीक्षा बैठक करतीं एमडी मध्यांचल।

एक नजर

ड्यूटी पर तैनात महिला सिपाही को पति ने पीटा

अमृत विचार, लखनऊ : मोहर्रम ड्यूटी में तैनात महिला सिपाही पर नींबू पार्क के पास पति ने शुक्रवार रात जानलेवा हमला कर दिया। हमले में वह बुरी तरह घायल हो गईं। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मारपीट, हत्या का प्रयास, धमकी की रिपोर्ट दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया। इंस्पेक्टर नागेश उपाध्याय ने बताया कि गिरफ्तार आरोपी हरदोई के बेनीगंज का निवासी अभिषेक सिंह है। आरोपी की सिपाही पत्नी की ड्यूटी शुक्रवार को नींबू पार्क में लगी थी। तभी रात में ड्यूटी के दौरान अभिषेक वहां पहुंच गया। उसका पत्नी से किसी बात को लेकर विवाद हो गया। बात बढ़ने पर आरोपी पीड़ित सिपाही का हाथ पकड़कर खींचकर ले जाते हुए ड्यूटी में व्यवधान डालने की कोशिश करने लगा। सिपाही के विरोध पर आरोपी ने उस पर डंडे से हमला कर दिया। जिससे वह बुरी तरह घायल हो गयी। साथी पुलिसकर्मी मदद के लिए दौड़े तो आरोपी वहां से भाग निकला। आनन-फानन में घायल सिपाही को ट्रामा सेंटर पहुंचाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद उसे छुट्टी दे दी गयी।

सीनियर सिटीजन कोटे से सफर कर रहे युवक को पकड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : आरपीएफ ने सीनियर सिटीजन कोटो से आजमगढ़-मुंबई एक्सप्रेस में यात्रा कर रहे युवक को ऐशबाग स्टेशन से गिरफ्तार किया है। आरपीएफ इंस्पेक्टर मुकेश कुमार सिंह ने बताया कि ऐशबाग स्टेशन पर जांच की जा रही थी। इस दौरान आजमगढ़-मुंबई एक्सप्रेस के कोच एस-3 की सीट नंबर 44 पर यात्रा कर रहे सिद्धार्थनगर निवासी रियाज अहमद के टिकट की जांच की गई। टिकट का चार्ट से मिलान करने पर पता चला कि सीट सीनियर सिटीजन कोटे से बुक है। युवक ने बताया कि मुंबई के टिकट एजेंट इमरान से स्लीपर क्लास में बस्ती से लोकमान्य तिलक टर्मिनल तक का टिकट बुक कराया था।

वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थर फेंकने वाला गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : चारबाग स्टेशन के आउटर पर वंदे भारत एक्सप्रेस पर पत्थर फेंकने वाले को आरपीएफ ने गिरफ्तार कर लिया है। उसके खिलाफ कानपुर के अनवरगंज थाने में हत्या सहित अन्य कई मामलों में मुकदमे दर्ज हैं। आरपीएफ एसआई सुमित नरवाल ने बताया की आरोपी मो. आमिर मूल रूप से बिहार के रोहतास जिले का रहने वाला है। चारबाग स्टेशन से गाड़ी संख्या 22425 वंदे भारत एक्सप्रेस 28 जून की शाम सवा पांच बजे आनंद विहार जा रही थी। स्टेशन से पांच सौ मीटर आगे जब वह आउटर पर पहुंची तभी किसी ने ट्रेन के कोच सी-11 पर पत्थर फेंक दिया, जो कि सीट नंबर 30के पास की खिड़की का शीशा चटक गया। इस मामले में आरपीएफ पोस्ट यार्ड पर अज्ञात के खिलाफ मामला दर्ज किया गया था।

अभी जिंदा हूं तो जी लेने दो, 'सड़क' पर ही सही पी लेने दो

खुलेआम छलका रहे जाम, नहीं देख पा रहे हुक्काम, शराब पीने के बाद सड़क पर आए दिन होता है हुड़दंग

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- हजरतगंज जैसे पाश इलाके में खुलेआम उड़ रही नियमों की धज्जियां

अमृत विचारः सबको पता है कि सड़क पर शराब पीना मना है। कडे. नियम भी हैं। इसे रोकने के लिए पुलिस और आबकारी महकमा भी है। लेकिन सब कुछ खुलेआम होता है। स्थानीय लोगों ने अगर विरोध किया तो मारपीट पर आमादा हो जाते हैं। शहर के सभी प्रमुख चौराहों और मार्गों पर हाथों में शराब लिए लोग हुड़दंग करते नजर आएंगे।

आइए हम शहर के पाश इलाके हजरतगंज क्षेत्र का हाल दिखाते हैं। लोग सड़क पर ही खुलेआम शराब पी रहे हैं। न इन्हें पुलिस का खौफ और न आबकारी महकमे का। आए दिन होते हुड़दंग देख अमृत विचार ने शनिवार की रात हजरतगंज के नवल किशोर रोड पर पार्किंग के पास खुली दुकानों के पास का जायजा लिया तो जमकर अराजकता देखने को मिली। पेश है अमित पांडेय और छायाकार प्रमोद शर्मा की रिपोर्ट।

> मामला जानकारी में आया है। कल से सघन अभियान चला कार्रवाई की जाएगी। सड़क और चौराहे पर खुलेआम शराब पीना गलत है। ठेकेदारों पर भी कार्रवाई की जा सकती है।
>
> -करुणेन्द्र सिंह, जिला आबकारी आयुक्त

हजरतगंज में तलवार पेट्रोल पंप के सामने जस्ट मदिरा शराब की दुकान के बाहर शराब पीते लोग।

दृश्य एक

रात करीब पौने दस बजे का समय। नवल किशोर रोड पर पार्किंग के पास खुली शराब की दुकान के बाहर लोग जमा है। खुलेआम शराब पीकर गाली-गलौज कर रहे हैं। महिलाएं और लोग इनसे बचते हुए दूसरे रास्ते को विकल्प बना निकलने को मजबूर हैं। खुलेआम सड़क पर शराब का सेवन कर रहे इन लोगों को किसी का खौफ नहीं है।

दृश्य दो

हजरतगंज में तलवार पेट्रोल पंप के सामने खुली शराब की दुकान के बाहर खुली सड़क पर भी यही नजारा देखने को मिला। कोई कार के दरवाजे खोल शराब का सेवन कर रहा है तो कोई मुख्य सड़क पर 'अंग्रेजी' वाइन गटक रहा है। मुख्य मार्ग है। इसी पर आयकर, जीएसटी और रेलवे के कार्यालय हैं। लोग इस मार्ग से होते हुए गोमतीपार के इलाकों में जाते हैं। लेकिन इनकी भीड़ देख यह लोग अपने वाहन दुकान से पहले वाले मार्ग से मोड़ देते हैं। सहारागंज, सप्रू मार्ग होते हुए लोग अपनी गंतव्य की ओर जाते हैं। शराब की दुकान की तरफ आने से लोग बचते हैं ताकि कोई झमेला न हो।

ज्वलनशील पदार्थ डालकर मजदूर ने किया आत्मदाह

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद थाना क्षेत्र के रामनगर गांव में मजदूर रतिराम (48) ने शनिवार सुबह खुद पर ज्वलनशील पदार्थ डालकर आत्मदाह कर लिया। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने मामले की छानबीन की। बताया जा रहा है कि मजदूर ने पत्नी के प्रेम संबंध से परेशान होकर यह कदम उठाया था। जिंदौर गांव के रामनगर निवासी रतिराम ने शनिवार सुबह 10 बजे घर के अंदर ज्वलनशील पदार्थ खुद पर छिड़क कर आग लगा ली। चींख पुकार सुनकर पड़ोसी मदद के लिए दौड़े तो रतिराम को आग में घिरा देखा। किसी तरह आग बुझाकर एंबुलेंस से सीएचसी भेजा गया। वहां डॉक्टरों ने गंभीर हालत देखते हुए घायल को श्यामा प्रसाद मुखर्जी हॉस्पिटल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। गांव में ग्रामीणों में चर्चा है कि रतिराम की पत्नी के गांव में ही एक युवक से प्रेम प्रसंग था। वह अक्सर युवक से मोबाइल से बात करती थीं।

वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट करने वाले चार गिरफ्तार

ह्यूमन ट्रैफिकिंग और नौकरी के नाम पर जालसाजी के आरोप लगा किया डिजिटल अरेस्ट

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचारः भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान से रिटायर्ड वैज्ञानिक को सीबीआई अधिकारी बन डिजिटल अरेस्ट करने वाले गिरोह का पर्दाफाश एसटीएफ ने शनिवार को किया। इस गिरोह के चार सदस्यों को लखनऊ के गोमतीनगर इलाके से दबोचा। आरोपियों ने बरेली के रिटायर्ड वैज्ञानिक को ह्यूमन ट्रैफिकिंग और नौकरी के नाम पर जालसाजी के आरोप लगाकर डिजिटल अरेस्ट किया था। पीड़ित ने 26 जून को बरेली साइबर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराया था।

एसटीएफ के एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक पकड़े गये आरोपियों में सीतापुर के नारायन हेमपुरवा निवासी श्याम कुमार, गोंडा के मस्कनवा स्थित खाजेगांव के रजनीश द्विवेदी, गोंडा के कोडारे स्थित देवरिया मडडो का सुधीर कुमार चौरसिया और बलरामपुर के कोतवाली स्थित किठौरा का महेंद्र प्रताप सिंह उर्फ चंदन सिंह शामिल है। आरोपियों के पास से छह मोबाइल फोन, छह एटीएम कार्ड और चार चेक बुक बरामद हुआ है।

आरोपियों ने लखनऊ में बनाया था ठिकाना : एएसपी लाल प्रताप सिंह के मुताबिक टीम ने सबसे पहले श्याम कुमार को ग्वारी फ्लाईओवर के पास से गिरफ्तार किया। वह लखनऊ में मदेयगंज स्थित रूपपुर में रहता है। इसके बाद रजनीश, सुधीर कुमार और महेंद्र प्रताप को हुसड़िया चौराहे के पास दबोचा। इसमें रजनीश का लखनऊ में कोई ठिकाना नहीं है। वह इन्हीं चारों के पास रहता है। बाकी तीन श्याम कुमार मदेयगंज, सुधीर पारा के लालबाग अयोध्यापुरी कालोनी और महेंद्र प्रताप गोमतीनगर विस्तार स्थित गंगोत्री विहार फेस-2 लालकोठी में रहता है।

रिटायर्ड वैज्ञानिक को डिजिटल अरेस्ट कर ठगी करने के आरोपी।

- एसटीएफ ने लखनऊ से चार साइबर अपराधियों को दबोचा
- सीबीआई अधिकारी बनकर किया था डिजिटल अरेस्ट, ठगे थे 1.29 करोड़

तीन दिन तक रखा डिजिटल अरेस्टः एसटीएफ के इंस्पेक्टर अंजनी कुमार पांडेय के मुताबिक रिटायर्ड वैज्ञानिक शुकदेव नंदी बरेली के इज्जतनगर स्थित आरवीआरआई परिसर में परिवार समेत रहते हैं। शुकदेव ने पुलिस को बताया कि उनके मोबाइल पर 17 जून को व्हाट्सएप कॉल आई। कॉल करने वाले ने खुद को सीबीआई का अधिकारी बताया। कॉल करने वाले ने बताया कि आपके आधार कार्ड पर सिम एक्टिवेट कर ह्यूमन ट्रैफिकिंग और जॉब फ्रॉड किया गया। सीबीआई अधिकारी दयानायक से बात करने के लिए मोबाइल नंबर दिया। बात करने पर दयानायक नाम के जालसाज ने धमकाकर तीन दिन तक डिजिटल अरेस्ट रखा। इसके बाद खाते से 1.29 करोड़ रुपये ट्रांसफर करा लिये।

फर्जी कंपनी बनाकर ट्रांसफर किए थे 1.10 करोड़ रुपये

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- तीन जालसाजों ने श्री नारायणी इंफ्रा नाम से बनाई थी कंपनी
- दो वर्ष में देश के कई कोने से आये पांच करोड़ रुपये

अमृत विचार : भारतीय पशुचिकित्सा अनुसंधान संस्थान से रिटायर्ड वैज्ञानिक शुकदेव नंदी से 1.29 करोड़ ठगने वाले साइबर जालसाजों के गिरोह से जुड़े तीन सदस्यों ने फर्जी कंपनी बनाई थी। श्री नारायणी इंफ्रा नाम से बनाई गई इस कंपनी के आईसीआईसीआई बैंक खाते में इस ठगी के 1.10 करोड़ रुपये ट्रांसफर कराये गये थे। वहीं करीब 19 लाख रुपये अन्य जगह से आये थे। शुरुआती जांच में सामने आया कि दो वर्ष में इस कंपनी के खाते में देश के कई प्रदेशों से पांच करोड़ रुपये आये। यह सारी रकम साइबर ठगी के हैं। टीम कंपनी के बारे में पूरी जानकारी जुटा रही है।

इंस्पेक्टर अंजनी कुमार पांडेय के मुताबिक पकड़े गये चारों आरोपियों से पूछताछ की गई। सामने आया कि साइबर ठगी के रकम को खपाने के लिए श्री नारायणी इंफ्रा के आईसीआईसीआई बैंक खाते का प्रयोग किया जाता है। इस खाते में बड़ा रकम जमा करने का सरगना ने निर्देश दिया है। जब एसटीएफ ने इस खाते की डिटेल निकलवाई तो सामने आया कि पिछले पांच वर्षों में इस खाते में देश के कई प्रदेशों से पांच करोड़ रुपये आये हैं। एसटीएफ इस कंपनी से जुड़े लोगों के बारे में जानकारी जुटा रही है।

प्रिंटिंग प्रेस की आड़ में करते थे ठगी : एसटीएफ की पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि श्याम कुमार का गोमतीनगर इलाके में ओम प्रिंटर्स के नाम से दो प्रिटिंग प्रेस है। यहीं से चारों साइबर ठगी का काम करते थे। पूछताछ में सुधीर ने बताया कि वाराणसी के अंकित के कहने के बाद वह खाते का इंतजाम करने लगा। इसके लिए श्याम, रजनीश व महेंद्र प्रताप से कहा। सभी ने अपने परिचितों व ग्रामीण इलाकों से जुड़े लोगों के बैंक खातों का कमीशन पर इंतजाम करने लगे। एक लाख रुपये के ट्रांजेक्शन पर पांच हजार रुपये मिलते थे। जिस खाते का प्रयोग होता था उसके मालिक को दो हजार रुपये दिये जाते थे। इसके बाद बचे हुए रकम को जालसाज आपस में बांट लेते थे। जालसाजों ने बताया कि सैकड़ों खाते उपलब्ध करा चुके हैं।

सार-संक्षेप

घर में संदिग्ध हालात में मिला युवक का शव

अमृत विचार, गोसाईंगंज : थाना क्षेत्र के बेगरियामऊ गांव निवासी रामलाल के बेटे विश्राम (35) का शव शनिवार सुबह घर में जमीन पर पड़ा मिला। सूचना मिलते ही मृतक का साला व ससुर पहुंचे तो उन्होंने डायल 112 पर दामाद की हत्या की सूचना दी। जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल की तो पता चला कि सूचनाकर्ता शराब के नशे में थे। ग्रामीणों ने बताया कि विश्राम नशे का आदी था। साथ ही उसे मिर्गी के दौरे भी आते थे। विश्राम की शादी नगराम क्षेत्र के एक गांव से हुई थी। करी 10 वर्ष पूर्व पत्नी उसे छोड़कर चली गई थी। बेटी पिता के पास रहती है, जबकि बेटा ननिहाल में रहता है।

बाइक सवार बदमाशों ने महिला की लूटी चेन

अमृत विचार, गोसाईंगंज : सुशांत गोल्फ सिटी इलाके में बाइक सवार लुटेरों ने महिला की चेन लूट ली। घर पहुंचकर पीड़िता ने परिवार को वारदात के बारे में बताया। पुलिस ने बेटे की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है। फेंस कॉलोनी निवासी शैलेंद्र ने बताया कि 2 जुलाई की दोपहर मां रेनू पड़ोसी अनुपमा देवी के साथ घर आ रही थी। इसी बीच मोटरसाइकिल सवार लुटेरों ने रेनू की चेन खींच ली। इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर घटनास्थल के आसपास के सीसी कैमरों के फुटेज खंगाले जा रहे हैं।

शटरिंग मजदूर ने फंदा लगाकर की आत्महत्या

अमृत विचार, सरोजनीनगर : बिजनौर थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह शटरिंग मजदूर का शव कमरे में फंदे से लटका मिला है। पुलिस ने कमरे में छानबीन की लेकिन कोई सुसाइड नोट नहीं मिला। परवर पश्चिम गांव निवासी शटरिंग मजदूर अंशुमान द्विवेदी (22) शुक्रवार की देर रात खाना खाने के बाद कमरे में सोने चला गया था। शनिवार सुबह आठ बजे तक वह कमरे से नहीं निकला तो मां रेखा बुलाने पहुंची। जब वह कमरे में पहुंची तो अंशुमान का शव पंखे के सहारे फंदे से लटक रहा था। बताया जा रहा है कि अंशुमान की शादी नवंबर 2024 में पीजीआई के बरौना निवासी रिया से शादी हुई थी। घटना के समय रिया मायके में थी। उसके परिवार में मां के अलावा छोटा भाई सत्य प्रकाश, तीन विवाहित बहनें हैं। इंस्पेक्टर अरविंद राणा ने बताया कि अंशुमान शराब पीने का आदी था।

कीटनाशक पीने वाले युवक ने दम तोड़ा

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा में पत्नी के मायके जाने से आहत कीटनाशक पीने वाले पेंटर विशाल मौर्या (23) की तीन दिन बाद शनिवार को इलाज के दौरान मौत हो गई। बरावन खुर्द निवासी लवकुश ने बताया कि कुछ दिन पहले भाई विशाल का पत्नी कांति से किसी बात को लेकर झगड़ा हो गया था। इसके बाद कांति बच्चों कार्तिक और विनायक को लेकर उन्नाव स्थित मायके चली गई। पत्नी कांति के मायके जाने से क्षुब्ध विशाल ने बुधवार को कीटनाशक पी लिया था। उसकी हालत बिगड़ने पर निजी अस्पताल ले गए। शनिवार को तबियत ज्यादा बिगड़ने पर ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान विशाल ने दम तोड़ दिया।

छात्रा को ऑटो से अगवा कर की छेड़छाड़, दी धमकी

अमृत विचार, सरोजनीनगर : दवा लेने निकली 13 वर्षीय हाईस्कूल छात्रा संदिग्ध परिस्थितियों में लापता हो गई। परिजन ने गुमशुदगी की सरोजनीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज करायी। 24 घंटे बाद लौटी किशोरी ने आपबीती बतायी। पता चला कि मोहल्ले में रहने वाला ई-ऑटो चालक उसे हिंदू नाम बताकर अगवा कर ले गया था। विरोध पर छेड़छाड़ करते हुए धमकाया। पुलिस ने मामले में अपहरण, छेड़छाड़ और पॉक्सो एक्ट की धारा बढाते हुए आरोपी को शनिवार को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। इंस्पेक्टर राजदेव राम प्रजापति ने बताया कि 1 जुलाई को छात्रा घर से दवा लेने जा रही थी। तभी नाम बदलकर रहने वाला ई-ऑटो चालक अंसार उर्फ सोनू कुमार उसे रास्ते में मिला। तब किशोरी ने उसे थोड़ा आगे बढ़कर छोड़ने को कहा। लेकिन आरोप है कि आरोपी सोनू ने उसे ई-ऑटो से नहीं उतरने दिया। बल्कि उसे पूरी रात उसे इधर-उधर घुमाता रहा। विरोध पर छेड़छाड़ करते हुए धमकाया। 2 जुलाई की सुबह आरोपी पीड़िता को छोड़कर भाग निकला। उसके चंगुल से छूटी किशोरी किसी तरह घर पहुंची और आपबीती बतायी। शनिवार को पुलिस ने आरोपी अंसार को गिरफ्तार कर ई-ऑटो बरामद कर लिया है। आरोपी मूल रूप से मुजफ्फरपुर बिहार का रहने वाला है।

चिमटे से पति को पीटा, फोड़ा सिर

अमृत विचार, लखनऊ : तालकटोरा स्थित आलमनगर इलाके में पत्नी ने पति की चिमटे से पिटाई कर सिर फोड़ दिया ।आलमनगर स्थित अशोक विहार निवासी रोहित वर्मा ने बताया कि फरवरी 2024 में उनकी शादी मानकनगर की अकशिता उर्फ रीवा वर्मा के साथ हुई थी। शादी के बाद कुछ दिन तक सब ठीक रहा। इसके बाद अकशिता छोटी-छोटी बातों पर उनके माता- पिता से लड़ने झगड़ने लगी। रोहित ने समझाने का प्रयास किया तो वह उनसे भी मारपीट करने लगी। विरोध पर चिमटे से पिटाई कर रोहित का सिर फोड़ दिया। शोर सुनकर आसपास के लोगों ने किसी तरह बीच-बचाव कर उनकी जान बचाई। इंस्पेक्टर तालकटोरा कुलदीप दुबे ने बताया कि रिपोर्ट दर्ज कर जांच की जा रही है।

हादसे में मरने वाले अधेड़ की हुई शिनाख्त

अमृत विचार, लखनऊ : पारा थाना क्षेत्र में आगरा एक्सप्रेस-वे स्थित जीरो पॉइंट के पास शुक्रवार रात हुए सड़क हादसे में मरने वाले व्यक्ति की पहचान हो गई। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि आगरा एक्सप्रेस वे के 301 माइलस्टोन के पास सड़क पार कर करते समय शुक्रवार को एक अधेड़ की मौत हो गई थी। मृतक के बारे में जानकारी सोशल मीडिया पर अपलोड की गई थी। जिसके बाद कुछ परिजन थाने पहुंचे। परिजन ने मृतक की पहचान उन्नाव के सोहरामऊ के गजहारा गांव निवासी अजय शर्मा (50) के रूप में की है। अज्ञात वाहन की टक्कर से अजय की मौत हो गई थी। अजय एक्सप्रेस-वे पर गाइड का काम करता था।

बाइक सवार युवती पर बुर्का उतारने का बनाया दबाव, दो गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ : दुबग्गा इलाके में आईआईएम रोड पर गुरुवार दोपहर युवक के साथ बाइक से जा रही युवती का दो युवकों ने पीछा किया। उससे अभद्रता कर बुर्का उतरवाने का दबाव बनाया। युवती के विरोध पर छेड़छाड़ शुरू कर दी। शनिवार को आरोपियों की ओछी हरकत का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। पुलिस ने आरोपी दो युवकों को गिरफ्तार कर लिया है। इंस्पेक्टर दुबग्गा अभिनव कुमार वर्मा ने बताया कि गिरफ्तार कर जेल भेजे गए आरोपियों में काकोरी के हाता रहीम बासित का रहने वाला हयात और काजी गढ़ी का एजाज है। पीड़िता या उसके परिवार की तरफ से कोई तहरीर नहीं दी गयी है। जांच में सामने आया कि वायरल वीडियो आईआईएम रोड का है। गुरुवार दोपहर एक युवक बाइक पर पीछे युवती को बैठाकर आईआईएम रोड के रास्ते जा रहा था। युवती बुर्का पहने थी। जबकि युवक की बाइक में भगवा झंडा लगा था। यह देख हयात और एजाज ने दोनों को रोक लिया। बाइक सवार बढ़ने लगता है, तो उसको धमकी देते हैं चले मत जाना। इसके बाद एक बाइक सवार रोकने की वजह पूछता हैं, तो युवक युवती को बुर्का उतारकर घुमाने के लिए बोलते हैं। युवक के विरोध पर आरोपी धमकी देते हैं कि मूड अच्छा है वरना अंजाम देखते। धमकी से घबराया हुआ युवक अपने साथ वाली युवती को ई-ऑटो पर बैठा देता है और वहां से भेजना लगता है। इसके बावजूद बाइक सवार लड़के उसे रुके रहने के लिए कहते हैं। लोगों के जुटने पर बाइक सवार युवक भी चला गया। इंस्पेक्टर ने बताया कि पीड़ित युवक-युवती ने कोई लिखित में शिकायत नहीं की थी। घटना का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की गई।

पांच के खाते से उड़ाए 6.44 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- मोबाइल हैक, परिचित बन और पार्ट टाइम जॉब के नाम की ठगी
- गोमतीनगर, इंदिरानगर, सरोजनीनगर व पीजीआई थाने में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचारः साइबर जालसाजों ने डॉक्टर व दरोगा समेत पांच लोगों के खातों से 6.44 लाख रुपये उड़ा लिए। साइबर ठगी के यह मामले गोमतीनगर, इंदिरानगर, सरोजनीनगर व पीजीआई के हैं। पुलिस सभी मामलों को दर्ज कर साइबर क्राइम सेल की मदद से जांच कर रही है।

विवेक खंड-4 निवासी आहूजा अस्पताल के संचालक डॉ. संजीव आहूजा का खाता एचडीएफसी बैंक में है। उन्होंने बताया कि साइबर जालसाज ने 1 और 2 जुलाई को उनके खाते से पांच बार में 2,46,800 रुपये गायब कर दिए। पीड़ित ने गोमतीनगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं, इंदिरानगर थाने में तैनात उपनिरीक्षक विजय प्रताप सिंह और पत्नी आशा का स्टेट बैंक ऑफ इंडिया में खाता है। 25 जून को साइबर जालसाज ने दंपति के खातों से 66 हजार रुपये पार कर दिए। उपनिरीक्षक ने बताया उन्होंने किसी को भी ओटीपी या बैंक संबंधी अन्य कोई जानकारी नहीं दी गई। पीड़ित ने इंदिरानगर थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है।

इसी थाना क्षेत्र के शिवाजीपुरम निवासी दिवाकर सैनी ने बताया कि कुछ दिन पहले टेलीग्राम पर पार्ट टाइम जॉब का मैसेज आया। जिसके बाद जालसाज ने टास्क के नाम पर 1,45,600 रुपये ठग लिए। उधर, सरोजनीनगर के एलडीए कॉलोनी सेक्टर-ई निवासी वंशिका आहूजा ने बताया कि 23 जून को एक कॉल आई। फोनकर्ता ने कहा कि आपके पिता को रुपये वापस करने हैं। अकाउंट की जानकारी और क्यूआर कोड भेज दीजिए तो रुपये भेज दूं। इसके बाद जालसाज ने फर्जी क्रेडिट मैसेज भेजकर वंशिका से 87 हजार रुपये ट्रांसफर करा लिए।

इसके अलावा पीजीआई के वृंदावन योजना सेक्टर-7 बी निवासी राजेश चौहान ने बताया कि व्हाट्सएप पर ऑनलाइन जॉब का ऑफर मिला। सम्पर्क करने पर जालसाज ने गूगल पर रेटिंग का टास्क कराकर रुपये दिए। उसके बाद पैड टास्क बताकर कई बार में 99 हजार रुपये ऐंठ लिए।

केले के पौधे बेचने का झांसा देकर फर्म मालिक से ऐंठे 22.75 लाख

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचारः केले के पौधे बेचने का झांसा देकर एक फर्म मालिक को साइबर जालसाजों ने फेसबुक और व्हाट्सएप पर मैसेज व वीडियो भेजकर फंसाया। बुकिंग करते ही डिलीवरी का झांसा देकर कई बार में 22.75 लाख रुपये ट्रांसफर करा लिए। डिलीवरी न मिलने पर पीड़ित ने पड़ताल की तो ठगी का पता चला। एसीपी गोसाईगंज ऋषभ रूनवाल के निर्देश पर गोसाईगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है। इंस्पेक्टर बृजेश कुमार त्रिपाठी ने बताया कि मामले की जांच की जा रही है।

कासिमपुर बिरुहा निवासी अवधेश कुमार की बालाजी बायोटेक के नाम से फर्म है। उक्त फर्म के माध्यम से वे केले के पौधे बेचते हैं। उन्होंने बताया कि 22 जून को फेसबुक मैसेंजर और व्हाट्सएप पर मैसेज आया। मैसेज में केले के पौधों की फोटो और वीडियो भेज गए। पीड़ित ने बताया कि जालसाज ने एक कंपनी एफएसी बायोप्लांट प्राइवेट लिमिटेड का फर्जी डीबीटी सर्टिफिकेट भी भेजा। जालसाज ने बुकिंग करते ही पौधे भेजने की बात कही।

दावा किया रुपये बैंक अकाउंट में ट्रांसफर होते ही वह केले के पौधों की डिलीवरी कर देंगे। जाल में फंसे पीड़ित ने 23 जून को दिए गए खाते में 4 लाख रुपये ट्रांसफर कर दिया। जालसाज ने कंपनी के खाते में रुपये नहीं आने की बात कही। इसपर पीड़ित ने फिर से 7.75 लाख रुपये भेज दिए।

इसके बाद साइबर जालसाज ने पीड़ित को वीडियो कॉल करके बताया कि एयरपोर्ट पर उनका माल लोड हो रहा है। पीड़ित को और केले के पौधों की जरूरत थी। इसलिए उन्होंने केले के पौधे खरीदने के लिए 11 लाख रुपये और ट्रांसफर कर दिए। रुपये भेजने के बावजूद भी पीड़ित को अभी तक केले के पौधों की डिलीवरी नहीं मिली है। छानबीन करने पर ठगी का पता चला। पीड़ित ने एसीपी गोसाईंगंज से मिलकर शिकायत की। निर्देश पर गोसाईंगंज पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

अपराध दिल्ली के तिहाड़ जेल में बंद हैं सीरियल किलर भाई सलीम और रुस्तम

पत्नी के साथ फरार हुआ पैरोल पर छूटा सीरियल किलर सोहराब

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

- यूपीएसटीएफ और दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल तलाश में जुटी

अमृत विचारः सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब का दहशत राजधानी ही नहीं बल्कि प्रदेश के कई जिलों में है। पिछले कई सालों से तीनों दिल्ली की तिहाड़ जेल में बंद है। कुछ दिन पहले कोर्ट ने सीरियल किलर भाइयों में सबसे छोटे सोहराब को पैरोल दिया। जेल से रिहा होने के बाद वह पत्नी से मिला। पैरोल अवधि तीन पहले खत्म हुई, लेकिन वह वापस नहीं आया। इस पर तिहाड़ जेल से दिल्ली पुलिस को सूचना दी गई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क किया। पिछले तीन दिन से दोनों टीमें तलाश में जुटी है।

कैंट के सदर बाजार निवासी सीरियल किलर भाइयों सलीम, रुस्तम और सोहराब ने राजधानी में कई दुस्साहसिक वारदातों को अंजाम दिया। 2004 में रमजान के महीने में सलीम, सोहराब और रुस्तम के सबसे छोटे भाई शहजादे की हुसैनगंज इलाके में कुछ दबंगों ने हत्या कर दी। भाई की हत्या का बदला सलीम, सोहराब और रुस्तम ने ठीक उसी दिन लिया जब ठीक एक साल पहले शहजादे को मौत के घाट उतारा गया था।

तीनों भाइयों में दुस्साहस इतना था कि वारदात को अंजाम देने के बाद तत्कालीन एसएसपी लखनऊ आशुतोष पांडेय को फोन कर वारदात की जानकारी दी।

दिल्ली में दिन दहाड़े डाली थी ज्वेलरी शोरूम में डकैती

एक साथ तीन हत्या करने के बाद सलीम, सोहराब और रुस्तम सीरियल किलर भाइयों के नाम से कुख्यात हो गये। दिल्ली में दिन दहाड़े ज्वेलरी शोरूम में डाका डाल दिया। वहीं, वजीरगंज इलाके में बसपा सरकार के दौरान स्वास्थ्य कर्मचारी और समाजसेवी सैफी की दिन दहाड़े हत्या कर दी। सपा की सरकार आई तो अमीनाबाद में भाजपा पार्षद पप्पू पांडे की अपने खास गुर्गे सुनील शर्मा से हत्या करवा दी। डाका डालने के मामले में दिल्ली पुलिस ने तीनों को आठ वर्ष पूर्व गिरफ्तार किया। इसके बाद से तीनों तिहाड़ जेल में बंद है। वीडियो कांफ्रेंसिंग के जरिये कोर्ट में पेश होते हैं। पुलिस के मुताबिक कुछ दिन पहले सोहराब ने पैरोल के लिए कोर्ट में आवेदन किया था। कोर्ट ने मंजूरी दे दी। इसके बाद उसे तिहाड़ जेल से रिहा कर दिया गया। एक जुलाई को उसकी पैरोल अवधि पूरी होने के बाद भी वह तिहाड़ जेल वापस नहीं गया। इसकी जानकारी तिहाड़ जेल के अधीक्षक ने दिल्ली पुलिस को दी। इसके बाद उसकी तलाश शुरू हुई। दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने यूपी एसटीएफ से संपर्क कर उसके बारे में जानकारी दी। जिसके बाद यूपी एसटीएफ की टीम को सोहराब की तलाश में लगाया गया।

पूर्व सांसद के नाती को चौक में गोलियों से भूना

संभल के पूर्व सांसद शफीकुर्रहमान बर्क के नाती फैज की चौक इलाके में गोलियों से भून कर हत्या करवा दी थी। इसकी वजह सलीम, सोहराब और रुस्तम के परिवार की महिला से मारे गए फैज की नजदीकियां बढ़ने लगी थीं। इसके अलावा सलीम, सोहराब और रुस्तम ने लखनऊ, कानपुर, प्रयागराज, वाराणसी से लेकर दिल्ली में तक व्यापारियों से रंगदारी वसूली और रंगदारी न देने पर जान से मारने के लिए हमले करवाए। तिहाड़ जेल में रहने के बावजूद सलीम, सोहराब, रुस्तम अपराध की दुनिया में अपने रसूख को कायम किए रहे और मामूली घटनाओं में पेशी के जरिए कई बड़ी साजिशों को रचा और अंजाम दिलवाया। बताया जा रहा है कि सलीम, सोहराब और रुस्तम पर लखनऊ से लेकर दिल्ली तक दो दर्जन से अधिक मामले दर्ज हैं जिसमें हत्या, हत्या का प्रयास, रंगदारी वसूली, डकैती जैसी जघन्य वारदातें शामिल हैं।

एक नजर

लखनऊ पहुंचा अमेरिकी दल

अमृत विचार, लखनऊ : अमेरिका के मोन्टेना राज्य का दस-सदस्यीय छात्र दल शैक्षिक व सांस्कृतिक एक्सचेंज प्रोग्राम के तहत सिटी मोन्टेसरी स्कूल की शैक्षिक यात्रा पर लखनऊ पहुंच गया है। इस पांच दिवसीय शैक्षिक यात्रा के दौरान अमेरिकी छात्र व शिक्षक सीएमएस के विभिन्न कैम्पसों का भ्रमण कर सीएमएस की शिक्षा पद्धति से रूबरू हो रहे हैं। सीएमएस संस्थापिका-निदेशिका डा. भारती गांधी बताया कि यह शैक्षिक यात्रा दोनों देशों के छात्रों को आमने-सामने विचारों के आदान-प्रदान का अभूतपूर्व अवसर उपलब्ध करा रही है।

सर्पदंश से महिला की मौत

अमृत विचार, मलिहाबाद : रहीमाबाद के भदौरिया गांव में शुक्रवार शाम धान की रूपाई के दौरान सर्पदंश से रामदेवी (40) की मौत हो गयी। बेटे मुकेश ने बताया कि गांव के निकट खेत में धान रुपाई का कार्य चल रहा था। धान की बेड़ खेत की मेड़ पर घास में रखी हुई थी। जिसको उठाने के दौरान घास में बैठे सांप ने मां रामदेवी के हाथ में काट लिया। परिजन ने सीएचसी माल में भर्ती कराया। गंभीर अवस्था में केजीएमयू में भर्ती कराया, जहां डॉक्टरों ने रामदेवी को मृत घोषित कर दिया।। परिवार में बेटा लवकुश, मुकेश हैं।

गैलेक्सी स्टेडियम में हुआ रोहित का स्वागत

अमृत विचार, लखनऊ : स्पोर्ट्स गैलेक्सी एकेडमी की देखरेख में शनिवार को बीसीसीआई के अंपायर पैनल की परीक्षा पास करने वाले रोहित यादव का स्वागत किया गया। स्पोर्ट्स गैलेक्सी स्टेडियम में खिलाड़ियों और क्रिकेट एसोसिएशन लखनऊ के पदाधिकारियों ने उन्हें बधाई दी। रोहिय यादव ने यहां पर केक काटा। सभी ने उनको मिली इस सफलता के लिए शुभकामनाएं दी। इस अवसर पर एसोसिएशन सचिव केएम खान, राकेश सिंह, विकास पाण्डेय, सुभांशु कुमार, स्पोर्ट्स गैलेक्सी के कोच और खिलाड़ी मौजूद रहे।

छात्रों को अब मिलेगा होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड

कार्यशाला में प्रगति पत्र को विकसित करने पर होगी चर्चा

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी बोर्ड के कक्षा नौ से 12वीं तक के छात्रों को अब होलिस्टिक प्रोग्रेस कार्ड (प्रगति पत्र) दिया जाएगा। इसके लिए राष्ट्रीय शैक्षिक अनुसंधान एवं प्रशिक्षण परिषद (एनसीईआरटी) और यूपी बोर्ड के संयुक्त तत्वावधान में सात से 11 जुलाई तक झुंसी स्थित जीबी पंत सामाजिक विज्ञान संस्थान में प्रस्तावित कार्यशाला में बहुआयामी प्रगति पत्र को विकसित करने पर चर्चा होगी। यह प्रगति पत्र विद्यार्थियों को वार्षिक परीक्षा के बाद मिलने वाले अंकपत्र सह प्रमाणपत्र के अलावा प्रदान किया जाएगा। इसमें विद्यार्थियों की शैक्षिक गतिविधि से इतर समग्र शिक्षणेत्तर व्यक्तित्व का मूल्यांकन अंकित किया जाएगा।

बोर्ड के सचिव भगवती सिंह ने बताया कि इसके लिए एनसीईआरटी के रिसोर्स पर्सन 60 विशेषज्ञों व अधिकारियों को प्रशिक्षण प्रदान करेंगे। कार्यशाला का उद्देश्य प्रश्नपत्रों के मानकीकरण व यूपी बोर्ड को देश के अन्य शैक्षणिक बोर्ड के समान करना है। कार्यशाला के बाद प्रश्नपत्रों के लिए दिशा-निर्देश तैयार किए जाएंगे। कार्यशाला में यूपी बोर्ड के विशेषज्ञों के अलावा राज्य विज्ञान शिक्षा संस्थान, राज्य शिक्षा संस्थान, आंग्ल भाषा शिक्षण संस्थान व राज्य हिंदी संस्थान वाराणसी के विशेषज्ञ, प्रदेश के विभिन्न जिलों से विशेषज्ञ शामिल होंगे।

छात्रों की ऑनलाइन उपस्थिति पर होगा पुनर्विचार

अमृत विचार, लखनऊ : सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों में छात्रों की ऑनलाइन उपस्थित में आ रही कठिनाइयों को देखते हुए इस पर पुनर्विचार किए जाने का आश्वासन शिक्षा निदेशक (माध्यमिक) डॉ. महेन्द्र देव ने उप्र माध्यमिक शिक्षक संघ को दिया। इस मौके पर अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी, प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ. आरपी मिश्र, महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा, कोषाध्यक्ष आरपी सिंह, जालौन के पूर्व जिलाध्यक्ष प्रताप सिंह राणा सहित 11 सदस्यीय प्रतिनिधि उपस्थित रहे। उ.प्र माध्यमिक शिक्षक संघ के प्रादेशिक उपाध्यक्ष डॉ. आरपी मिश्र और महामंत्री नरेन्द्र कुमार वर्मा ने बताया कि प्रादेशिक अध्यक्ष सुरेश कुमार त्रिपाठी ने शिक्षा निदेशक से शासनादेश में की गई व्यवस्था के अनुसार ऑफलाइन स्थानान्तरण भी किए जाने की मांग की, जिस पर शिक्षा निदेशक ने कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया। इसी के साथ पश्चिम उत्तर प्रदेश के कुछ मंडलों में नेशनल इन्क्रिमेन्ट अन्य मंडलों की भांति स्वीकृति किए जाने की मांग पर शिक्षा निदेशक ने वित्त विभाग की आपत्तियों को दूर कराकर कार्यवाही के लिए आश्वस्त किया। नवीन पेंशन योजना से पुरानी पेंशन योजना में आच्छादित किए जाने के अवशेष प्रकरणों को शासन की अनुमति मिलने के बाद तत्काल निस्तारित कराने का भी शिक्षा निदेशक ने आश्वासन दिया।

माधव ने सिल्वर और ध्रुव ने शानदार प्रदर्शन कर टील को दिलाई जीत

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

नीरू कपूर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट

अमृत विचार: सीएएल रस्ट, सीएएल टील और सीएएल सिल्वर ने नीरु कपूर मेमोरियल अंडर-12 क्रिकेट टूर्नामेंट के लीग मुकाबलों में अपने-अपने मुकाबलों में जीत दर्ज की। मैन ऑफ द मैच रहे माधव बाजपेई की शानदार गेंदबाजी के चलते सीएएल सिल्वर ने सीएएल वॉयलेट को सात विकेट से पराजित कर दिया। योगानंद मैदान पर खेले गए मैच में पहले बल्लेबाजी करते हुए वॉयलेट की टीम 37 रनों पर ढेर हो गई। टीम के सभी खिलाड़ी कुल 11 रन ही जोड़ सके, जबकि सिल्वर ने 26 रन अतिरिक्त दिये। सिल्वर की ओर से माधव ने तीन, जयनील सिंह, प्रियांशु मीना, आयुषमान मौर्य और संजय यादव ने एक-एक विकेट अपने नाम किया।

जवाब में उतरी सीएएल सिल्वर ने यह लक्ष्य तीन विकेट खोकर 38 रन बनाए। मैन ऑफ द मैच जय प्रताप सिंह की बेहतरीन गेंदबाजी के चलते सीएएल रस्ट ने सीएएल इंडिगो को तीन विकेट से शिकस्त दी। इंडिगो ने छह विकेट खोकर 75 रन बनाये। अनमोल ने 34 रनों का योगादान दिया। जवाब में सीएएल रस्ट ने सात विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया और जीत हासिल की। रस्ट की ओर से गौरव ने 15 रन बनाये। इंडिगो की ओर से तोषित ने पांच विकेट लिये लेकन रस्ट को जीत से नहीं रोक सके। योगानंद मैदा पर खेले गए मैच में ध्रुव सिंह (नाबाद 76 रन, 53 गेंद, आठ चौके, दो छक्के) की विस्फोटक बल्लेबाजी के चलते सीएएल टील ने सीएएल गोल्ड को 67 रनों के अंतर से हरा दिया। टील ने पहले बल्लेबाजी की और 25 ओवर में सात विकेट खोकर 129 रन बनाये। जवाब में गोल्ड की टीम 62 रन बनाकर सिमट गई। टील की ओर से रुद्राक्ष त्रिपाठी ने चार विकेट चटकाये

फॉल्कंस टीम में जगह बनाने के लिए खिलाड़ी लगाएंगे पूरा दम

अमृत विचार , लखनऊ : यूपी टी-20 लीग में भाग लेने वाली लखनऊ फॉल्कंस की टीम में जगह बनाने के लिए प्रदेश भर के खिलाड़ी आज से दो दिन तक पूरा दमखम लगाएंगे। फॉल्कंस खिलाड़ियों के चयन ट्रायल की तैयारी पूरी कर ली है। रविवार और सोमवार को इकाना स्टेडियम में ट्रायल आयोजित किये जायेंगे। ट्रायल के लिए प्रदेश के करीब दो हजार खिलाड़ियों ने रजिस्ट्रेशन कराया हैं। इनमें 1500 खिलाड़ी ही सही पाये गये हैं। यूपी क्रिकेट एसोसिएशन (यूपीसीए) के अनुसार ट्रायल में जुलाई 2008 के पहले जन्म लेने वाले खिलाड़ियों को ही ट्रायल में प्रवेश दिया जाएगा। ट्रायल के दौरान फॉल्कंस के चीफ कोच मो. आमिर, बल्लेबाजी कोच कमलकांत कनौजिया, गेंदबाजी कोच इम्तियाज अहमद और फील्डिंग कोच मनोज सिंह ट्रायल के दौरान खिलाड़ियों की गेंदबाजी और बल्लेबाजी की परीक्षा लेंगे। चयनित सात खिलाड़ियों को फाल्कंस टीम में शामिल किया जायेगा, जिसके बाद टीम में कुल खिलाड़ियों की संख्या 25 हो जाएगी। अगले महीने अगस्त के प्रथम सप्ताह में सभी खिलाड़ियों का कैंप इकाना स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा।

जूनियर गर्ल्स हॉकी चैंपियनशिप के लिए टीम घोषित

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: रांची (झारखंड) में आयोजित होने वाली 15वीं हॉकी इंडिया सब जूनियर वीमेन नेशनल चैंपियनशिप में भाग लेने वाली यूपी टीम की घोषणा शनिवार को की गई। टीम रांची के लिए रवाना हो गई। टीम प्रशिक्षक के अनुसार इस बार चैंपियनशिप में यूपी टीम को टक्कर देना किसी भी टीम के लिए आसान नहीं होगा। टीम का कैंप गोमती नगर स्थित विजयंत खंड स्टेडियम के पद्मश्री मो.शाहिद हॉकी स्टडियम में पर लगाया गया। कैंप में तकरीबन 25 खिलाड़ी शामिल रहे। टीम का चयन आज किया गया।

रांची में होने वाली नेशनल हॉकी चैंपियनशिप के लिए घोषित की गई यूपी गर्ल्स हॉकी टीम।

टीम में दो गोलकीपर हैं। इनमें साई की कुमकुम और स्पोर्ट्स कॉलेज की वर्षा सिंह हैं। अन्य खिलाड़ियों में मान्या, रूबी यादव, विभा कटियार (लखनऊ हास्टल), श्वेता उपाध्याय, प्रियांशी, दिव्यांशी, अराधना राजभर, पायल सोनकर, नैना, राशि (साई), अराधना यादव, दिव्या यादव, अकांक्षा मित्रा, अरिका कुमारी, ममता कुमारी, (स्पोर्ट्स कॉलेज), प्रज्ञा पटेल (टाटा), शामिल हैं। टीम के कोच जितेंद्र सिंह होंगे।

दस से शुरू होगी जिला फुटबॉल लीग

अमृत विचार, लखनऊ : राजधानी के फुटबॉल खिलाड़ियों को जिस फुटबॉल लीग का बेसब्री से इंतजार कर रहे है, उसकी उल्टी गिनती शुरू हो गई है। यह फुटबॉल लीग 10 से शहर के चौक स्टेडियम में खेली जायेगी। एक महीने तक चलने वाली इस लीग की तैयारियां अंतिम चरण में है। पिछली विजेता रही टेक्ट्रो फुटबॉल क्लब अपने खिताब को बचाए रखने के लिए मैदान पर उतरेगी, जबकि सहारा स्टेट की टीम गतवर्ष की उपविजेता रही है। लखनऊ फुटबॉल संघ के सचिव कन्हैया लाल ने बताया कि आठ जुलाई को फिक्सचर्स तय किये जायेंगे। इस बार लीग में 25 से अधिक टीमों के भाग लेने की उम्मीद है।

दिव्यांश और लक्ष्य पहुंचे क्वार्टर फाइनल में

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: यूपी स्टेट रैंकिंग टेबल टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष एकल के प्री क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के शीर्ष वरीय दिव्यांश श्रीवास्तव ने शानदार प्रदर्शन कर जीत दर्ज कर क्वार्टर फाइनल में जगह सुनिश्चित की। वहीं यूथ ब्वायज अंडर-19 बालक वर्ग में राजधानी के लक्ष्य कुमार ने बेहतरीन खेल दिखाते हुए क्वार्टर फाइलन में प्रवेश किया। इसके साथ ही सब जूनियर बालिका अंडर-15 एकल के क्वार्टर फाइनल में लखनऊ की स्वास्ति चंद्रा ने जीत अपने नाम करते हुए सेमीफाइनल में जगह बनाई । होप गर्ल्स अंडर-11 के बालिका एकल में लखनऊ की आद्या गोयल ने शानदार प्रदर्शन

जीत दर्ज करने वाले पैडलर दिव्यांश

जीत दर्ज करने वाले लक्ष्य

करते हुए सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

इंट्रीग्रल यूनिवर्सिटी में खेले जा रहे टूर्नामेंट के पुरुष वर्ग में दिव्यांश श्रीवास्तव ने शानदार खेल दिखाया। मैच के दौरान उन्होंने बेहतरीन रिटर्न के साथ ही स्पिन और शानदार ब्लॉक का खेल दिखाया। दिव्यांश ने गौतमबुद्ध नगर के युवान पांडे को सीधे तीन सेटो में 11-9, 11-7, 11-4 से हराकर चैंपियन बनने की दौड़ से बाहर कर दिया। वहीं यूथ ब्वायज अंडर-19 के एकल में राजधानी के लक्ष्य कुमार ने अलीगढ़ के आदित्य सिंह को 11-5, 11-5, 9-11, 11-7 से पराजित किया। इसके साथ ही सब जूनियर ब्वॉयज अंडर-15 एकल के क्वार्टर फाइनल में लखनऊ के शौर्य गोयल को अनय राज वर्मा ने 11-5, 11-8, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। सब जूनियर बालिका अंडर-15 के एकल वर्ग के क्वार्टर फाइनल में लखनऊ की स्वास्ति चंद्रा ने प्रयागराज की अंशिका गुप्ता को 11-9, 11-3, 4-11, 11-7 से हराकर सेमीफाइनल में जगह बनाई। होप बालिका वर्ग अंडर-11 के एकल में लखनऊ की आद्या गोयल ने सेमीफाइनल में जगह बनाई।

25 हजार का इनामी गैंगस्टर गिरफ्तार

अमृत विचार, लखनऊ: बीकेटी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार 25 हजार रुपये के इनामी को गिरफ्तार किया है। आरोपी कल्लू गौतम हरदोई के संडीला स्थित ग्राम रानीखेड़ा का रहने वाला है। इंस्पेक्टर बीकेटी संजय कुमार सिंह ने बताया कि आरोपी कल्लू के खिलाफ हरदोई व वजीरगंज में डकैती, फर्जीवाड़ा समेत तीन मामले दर्ज थे। 23 जनवरी को बीकेटी पुलिस ने आरोपी कल्लू व उसके साथियों राघवेंद्र प्रताप सिंह, उसके बेटे पंकज सिंह, पवन सिंह और रामसरन के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट की कार्रवाई की थी। वहीं, बीबीडी पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट में फरार दो आरोपियों रवि रावत उर्फ किशन और लवकुश रावत उर्फ अउवा निवासी बीबीडी को गिरफ्तार किया है।

स्पेशल एजुकेशन जोन बनाने का काम तेज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट किया गया जारी

110 एकड़ पर विकास कार्य कराए गए शुरू

अमृत विचार: राजधानी में मोहान रोड पर प्रदेश की पहली एजूकेशन सिटी बनाने की तैयारियां तेज हो गई हैं। एजुकेशन सिटी के लिए लगभग 110 एकड़ पर विकास कार्य शुरू कर दिए गए हैं। स्पेशल एजुकेशन जोन (एसईजेड) के तहत 785 एकड़ में एजूकेशन सिटी विकसित की जाएगी।

योगी सरकार ने उच्च शिक्षा प्रोत्साहन नीति-2024 में प्रदेश को वर्ल्ड क्लास क्वॉलिटी एजुकेशन का हब बनाने का लक्ष्य तय किया था। इसके लिए स्पेशल एजुकेशन जोन में शैक्षिक संस्थानों की स्थापना कर प्राथमिक से उच्च शिक्षा शिक्षा दी जाएगी। एजुकेशन सिटी के लिए एक्सप्रेशन ऑफ इंट्रेस्ट (ईओआई) जारी हो चुका है। स्पेशल एजुकेशन जोन एक मॉडल की तरह कार्य करेगा। गोरखपुर, अयोध्या, आगरा, गौतमबुद्धनगर व बुंदेलखंड में भी स्पेशल एजुकेशन जोन की स्थापना की जाएगी।

एसईजेड के तहत बनने वाली एजुकेशन सिटी में टॉप एजुकेशनल इंस्टीट्यूशंस की स्थापना हो सकेगी। इससे छात्रों को एक ही स्थान पर प्राइमरी से लेकर उच्च व अन्य प्रोफेशनल शिक्षा का लाभ मिल सकेगा।

-दीपक कुमार, अपर मुख्य सचिव शिक्षा

अयोध्या में आचार्य नरेंद्र देव यूनिवर्सिटी, आगरा में आरबीएस कॉलेज तथा गौतमबुद्धनगर में गौतमबुद्ध यूनिवर्सिटी की अप्रयुक्त भूमि को उपयोग में लाया जाएगा। गोरखपुर व बुंदेलखंड में भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया अंतिम चरण में है। इन सभी एसईजेड में अधिकतम आठ व कुल 40 शैक्षिक संस्थानों की स्थापना होगी। इससे विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध संस्थानों, पाठ्यक्रमों और सीटों की संख्या में वृद्धि होगी, जिससे प्रदेश में प्राथमिक से लेकर उच्च शिक्षा व अनुसंधान को बढ़ावा मिलेगा। एजुकेशन सिटी को राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 (एनईपी) के अनुसार बहुविषयक शिक्षा और अनुसंधान विश्वविद्यालय के तौर पर विकसित किया जाएगा।

झांसा देकर हड़पे 13 .70 लाख

अमृत विचार , लखनऊ : पारा स्थित भगवती रूप हॉस्पिटल एंड न्यूरो साइकेट्रिक सेंटर में पार्टनरशिप का प्रस्ताव देकर महिला से 13.70 लाख रुपये हड़प लिए गए। पारा पुलिस ने पीड़िता की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

आईआईएम रोड स्थित रामचंद्र मिशन निवासी सोनू सिंह ने बताया कि मनोज के माध्यम से जनवरी 2022 में महेंद्र कुमार निवासी हसनगंज से मुलाकात हुई। महेंद्र ने काकोरी मोड़ स्थित भगवती रूप हॉस्पिटल एंड न्यूरो साइकेट्रिक सेंटर में पार्टनरशिप का प्रस्ताव रखा। हामी होने पर दोनों के बीच एग्रीमेंट हुआ था। पीड़िता सोनू ने बताया कि हॉस्पिटल में 18 लाख रुपये का खर्चा आया था। जिसमें दोनों साझेदार आधे-आधे के हिस्सेदार थे। पीड़िता ने 2.30 लाख रुपये नकद और अन्य रकम ऑनलाइन दिए थे।

सोनू ने बताया कि उन्होंने महेंद्र से हिसाब मांगा तो वह गाली गलौज करने लगा। 25 अगस्त 2022 को उन्हें अस्पताल के हिसाब किताब में कुछ गड़बड़ी मिली पूछताछ पर वह हाथापाई करने लगा। किसी तरह से उन्होंने खुद को छुड़ाया। वह बुरी तरह से डर गईं। पीड़िता का आरोप है कि वह करीब सात माह तक महेंद्र से अस्पताल में खुद के लगाए गए नौ लाख रुपये व मुनाफे के 4.70 लाख रुपये मांगे, उसने नहीं दिए। हर बार टाल मटोल करता रहा। करीब 13.70 लाख की धोखाधड़ी का एहसास होने पर पीड़िता सोनू ने पारा थाने में शिकायत की। पुलिस ने तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

मोंटाना के दल ने देखा भातखण्डे संस्कृति विवि

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में शनिवार को मोंटाना (संयुक्त राज्य अमेरिका) से आए 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने परिसर का औपचारिक सांस्कृतिक भ्रमण किया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, शास्त्रीय संगीत की परंपरा और नृत्य व वादन की विधाओं का जीवंत अनुभव उन्होंने प्राप्त किया।

भातखण्डे संस्कृति विश्वविद्यालय में भ्रमण को आया मोंटाना (संयुक्त राज्य अमेरिका) से आया 14 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल।

प्रतिनिधिमंडल ने विश्वविद्यालय के विभिन्न संकायों, प्रायोगिक कक्षाओं एवं प्रस्तुति स्थलों को देखा। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों द्वारा प्रस्तुत शास्त्रीय गायन, वादन और नृत्य की विविध विधाओं को देखा। जिनमें ख्याल, ठुमरी, कथक नृत्य और विभिन्न वाद्ययंत्रों की संगीतमय प्रस्तुतियां देखीं।

विदेशी अतिथियों ने इन कलाओं में निहित भाव, रागों की सूक्ष्मता एवं नृत्य की मुद्राओं को अत्यंत सराहनीय एवं गूढ़ बताया। इस शिष्टाचार मुलाक़ात एवं सांस्कृतिक आदान-प्रदान का उद्देश्य भारतीय शास्त्रीय संगीत एवं प्रदर्शन कलाओं की समृद्ध परंपरा से अंतरराष्ट्रीय मेहमानों को परिचित कराना तथा भारत-अमेरिका के बीच सांस्कृतिक संवाद को प्रोत्साहन देना था।

प्रतिनिधिमंडल का स्वागत विश्वविद्यालय की प्रोफेसर सृष्टि माथुर, परीक्षा नियंत्रक डॉ. रुचि खरे एवं ज्ञानेन्द्र दत्त बाजपेई द्वारा किया गया। इन वरिष्ठ अधिकारियों ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक संरचना, पाठ्यक्रम की विशिष्टताओं एवं प्रदर्शनकारी कलाओं की बारीकियों की विस्तार से जानकारी दी। प्रतिनिधिमंडल के सदस्यों ने विश्वविद्यालय की ऐतिहासिक इमारत, संग्रहालय एवं अभिलेखागार को देखकर भी रोमांच महसूस किया।

स्टंट करते पांच बाइकर्स गिरफ्तार, गाड़ियां सीज

संवाददाता, गोसाईंगंज

अमृत विचार : प्लासियो मॉल के पीछे सड़क पर शनिवार शाम स्पोर्ट्स बाइक से स्टंट कर रहे पांच युवकों को सुशांत गोल्फ सिटी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने बाइकों को सीज कर दिया। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

इंस्पेक्टर उपेंद्र सिंह ने बताया कि चार दिन पूर्व सोशल मीडिया पर इकाना स्टेडियम के पीछे सड़क पर एक युवक का स्टंट करते हुए वीडियो सामने आया था। वीडियो का संज्ञान लेकर पुलिस जानकारी कर रही थी। शनिवार शाम को गश्त के दौरान पांच युवक स्पोर्ट्स बाइक से स्टंट करते हुए दिखाई दिए। पुलिस ने घेराबंदी कर पांचों को रोक लिया। उनसे बाइक के कागजात मांगे तो वे नहीं दिखा सके। लिहाजा पुलिस ने पांचों युवकों को सार्वजनिक स्थान पर लापरवाही से बाइक चलाने व रील्स बनाकर सोशल मीडिया पर अपलोड करने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया। पकड़े गए आरोपियों में गौतमपल्ली दिलकुशा बंदरियाबाग निवासी छात्र विशाल कुमार, रायबरेली बछरावां निवासी छात्र धीरज निषाद, लालगंज निवासी इलेक्ट्रीशियन कुलदीप पाल, खीरो निवासी जेसीबी चालक सचिन राजपूत व बलिया निवासी छात्र विकास यादव हैं।

समस्या

निराश्रित गौवंश को लेकर प्रदेश की योगी सरकार तो काफी सजग है, इसके तहत जगह जगह पशु आश्रय स्थल बनाए गए हैं, इसके बावजूद भी गोवंश का जमावड़ा सड़क पर लगा रहता है। शनिवार को गौतम बुद्ध मार्ग पर दुर्घटना को निमंत्रण देते निराश्रित गोवंश ।

कैंसर रोगी समेत दो से ठगे 8.60 लाख, रिपोर्ट दर्ज

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

इंदिरानगर व कृष्णानगर कोतवाली में रिपोर्ट दर्ज

अमृत विचार: प्लॉट दिलाने का झांसा देकर प्रॉपर्टी डीलर ने निजी कंपनी कर्मी से 6 लाख रुपये ऐंठ लिए। एसीपी गाजीपुर अनिद्य विक्रम सिंह के निर्देश पर इंदिरानगर पुलिस ने दो भाइयों समेत चार के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। वहीं, कृष्णानगर कोतवाली में महिला कैंसर रोगी ने पूर्व सहकर्मी पर प्लॉट के नाम पर 2.60 लाख की ठगी की रिपोर्ट दर्ज कराई है।

तकरोही स्थित बुद्ध विहार में किराए पर रहने वाले राहुल तिवारी एक प्लॉट खरीदने के इच्छुक थे। उन्होंने बताया कि औरंगाबाद जागीर निवासी राम नरेश मेडिकल स्टोर चलाने के साथ ही प्रॉपर्टी डीलिंग का काम करता है। पीड़ित ने प्लॉट के लिए संपर्क किया तो आरोपी ने उनकी मुलाकात भाई धर्मपाल, पिता जंगली प्रसाद निवासी रायबरेली व रिश्तेदार प्रेम शंकर निवासी निशातगंज से करायी। बातचीत में आरोपियों ने सस्ते में प्लॉट दिलाने का झांसा दिया था।

जाल में फंसे पीड़ित ने कई बार में करीब 6 लाख रुपये नकद व खाते में दिए थे। रजिस्ट्री में टालमटोल देख पीड़ित ने छानबीन की तो पता चला कि आरोपी राम

नरेश ने जमीन की जाली खतौनी दिखाकर ठगी की है। पीड़ित ने रुपये वापस मांगे तो आरोपियों ने गाली-गलौज कर धमकाया। इंदिरानगर पुलिस ने चारों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

वहीं, सरोजनीनगर के हिंदनगर निवासी कैंसर रोगी तेजस्वनी सिंह रायबरेली रोड स्थित एक बेकरी में काम करती है। पीड़िता ने बताया कि पूर्व में वह जिस फैक्ट्री में काम करती थी, वहां सुमित कुमार निवासी कैंट भी नौकरी करता था। जनवरी 2024 में सुमित ने कम कीमत पर 500 वर्ग फीट का प्लॉट पीजीआई इलाके में दिलाने का झांसा दिया। वीडियो में प्लॉट देखने के बाद पीड़िता ने भरोसा कर कई बार में 2.60 लाख रुपये ऑनलाइन ट्रांसफर कर दिए। साल भर से बैनामे के नाम पर टालमटोल देख पीड़िता ने रुपये वापस मांगे तो आरोपी ने धमकाया। पीड़िता ने उसके परिजन से शिकायत की लेकिन सभी ने टालमटोल की। पीड़िता ने कृष्णानगर कोतवाली में सुमित कुमार, भाई रवि, बहन खुशबू, मां सुमन और जीतू के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है।

सेकुलर शब्द... अर्थ और अनर्थ

हृदय नारायण दीक्षित
पूर्व विधानसभा अध्यक्ष उ.प्र.

चर्च की अंध आस्थावादी तानाशाही और संसारवाद की लड़ाई में यथार्थवाद की जीत हुई। 1870 में पोप के रोम पर इटली का अधिकार हो गया। इटली की संसद (1871) ने 'ला आफ पेपर गारंटीज' पारित किया। पोप को उनका पड़ोसी क्षेत्र 'वेटिकन' देकर सर्वोच्च शासक माना गया।

संविधान की उद्देशिका में सेकुलर शब्द आपातकाल में जोड़ा गया था। संविधान के मूल पाठ में भी इसका अंग्रेजी शब्दानुवाद 'सेकुलर' नहीं था। प्रो. के.टी. शाह ने संविधान सभा में इसे दो दफा जोड़वाने की कोशिश की। 15 नवंबर 1948 के दिन अनु. 1 में 'सेकुलर' शब्द जोड़ने का उनका प्रस्ताव गिर गया। फिर 25 नवंबर 1948 को एक अन्य प्रस्ताव में 'सेकुलर' शब्द का प्रस्ताव औंधे मुंह गिरा। आपातकाल (1976) में श्रीमती इंदिरा गांधी ने 42वें संविधान संशोधन के जरिए 'सेकुलर' जोड़ा। इसका अधिकृत हिंदी पाठ धर्मनिरपेक्षता न होकर पंथनिरपेक्षता है। धर्म की धारणा पंथ, मत, रिलीजन या आस्था विश्वास से भिन्न है। धर्म हरेक वस्तु या प्राणी का स्वभाव है, आस्था नहीं। अग्नि का धर्म ताप और जल का धर्म है रस। पृथ्वी का गुण कर्म धर्म है-गुरूत्वाकर्षण। पंथ, मत, मजहब आस्था विश्वास हैं। धर्म आस्थामुक्त है। यहां कोई एक देवदूत नहीं। कोई एक आस्थाग्रंथ नहीं। भारत के लोगों की विवेकशील जीवनशैली का नाम है धर्म। धर्म यानी सनातन सत्य। इसलिए भारत धर्मनिरपेक्ष नहीं हो सकता। पंथनिरपेक्षता भारत के धर्म का ही स्वाभाविक प्रवाह है। अवसरवादी राजनीति सेकुलर का अनुवाद धर्मनिरपेक्ष करती है और इसी बहाने देश के बहुसंख्यक समाज को अपमानित करती है।

प्रत्येक शब्द का अर्थ होता है। अर्थ की विकृति में अनर्थ होता है। हरेक शब्द के जन्म का एक इतिहास भी होता है। एक विशेष परिस्थिति और संस्कृति में शब्द का विकास होता है। जर्मन दार्शनिक वाल्टेयर ने इसीलिए 'तर्क से पहले शब्दों की परिभाषा' को जरूरी बताया था। सेकुलर विचार का जन्म यूरोपीय पंथिक राज्य की तानाशाही की प्रतिक्रिया में हुआ। प्राचीन भारतीय इतिहास में पंथ/आस्था की तानाशाही वाला कोई राजा या राज्य नहीं हुआ। इस्लामी राज में बेशक औरंगजेब जैसे कई बादशाहों ने मजहब आधारित राजव्यवस्था चलाने के प्रयास किए, लेकिन भारत के धर्म की स्वाभाविक पंथनिरपेक्ष जीवनशैली के चलते सारे प्रयास असफल रहे। लेकिन इसी समय यूरोप में चर्च की पंथ आधारित तानाशाही चली। आमजनों के साथ-साथ राजा और राज्यव्यवस्थाएं भी बिलबिला गईं। भारत धर्म क्षेत्र होकर भी धार्मिक तानाशाही से मुक्त रहा। यूरोप कथित विवेक विज्ञान से लैस होकर भी अंधआस्थावाद के जबड़ों में पिसा। यूरोपीय मध्यकाल अंधकार युग है, भारतीय मध्यकाल में मजहबी बादशाहत के बावजूद ज्ञान-विज्ञान और तर्क सम्मत धर्म विवेक का प्रवाह है।

छद्म सेकुलरवाद या कथित धर्मनिरपेक्षता सड़ागला विदेशी माल है। पश्चिम में चर्च की तानाशाही और राजा की राजशाही के बीच लंबी लड़ाई चली। पोप इन्नोसेन्ट तृतीय के समय (1198-1216) चर्च के सामने राजा की ताकत नगण्य थी। इंग्लैंड और फ्रांस के राजा उसके दबदबे में थे। इटली उसके नियंत्रण में था। पोप से फ्रांस के राजा फिलिप का विवाद हुआ। मूल प्रश्न था कि सत्ता राजा चलाएगा? या पोप की पंथिकसत्ता? फ्रांस के राजा फिलिप ने पादरी समुदाय पर भी कर लगाया। पोप ने विरोध किया। पोप ने आदेश पत्र में कहा कि राजा और राज्य भी पोप-चर्च के अधीन हैं। चर्च की संपत्ति या लोग सांसारिक राज्य के अधीन नहीं आते। यही आदेश इंग्लैंड के लिए भी था। इंग्लैंड में काफी जद्दोजेहद के बाद राजा का आदेश माना गया, पादरी झुक गए। फ्रांस में पोप के आदेश के विरुद्ध राजा ने पोप के लोगों का फ्रांस प्रवेश रोक दिया। पोप और फ्रांस के राजा के बीच की टकराहट बढ़ती गई। राजा ने देश के बुद्धिजीवियों, सामाजिक कार्यकर्ताओं की बैठक बुलाकर तय किया, "हम सांसारिक मामलों में किसी अन्य सत्ता के अधीन नहीं हैं।" इंग्लैंड के राजा हेनरी सप्तम और हेनरी अष्टम भी चर्च के आधिपत्य से लड़े। हेनरी अष्टम के सहायक और हाउस आफ लार्डस के सदस्य कार्डीनल वूल्जे ने बाइबिल के हवाले से कहा, "जो ईश्वर का है, उसे ईश्वर को दो और जो राजा का है वह राजा को।" सिद्धांत यह बना कि सभी सांसारिक विषयों पर सत्ता का अधिकार है और ईश आस्था से जुड़े कार्य चर्च के हैं।

चर्च की अंध आस्थावादी तानाशाही और संसारवाद की लड़ाई में यथार्थवाद की जीत हुई। 1870 में पोप के रोम पर इटली का अधिकार हो गया। इटली की संसद (1871) ने 'ला आफ पेपर गारंटीज' पारित किया। पोप को उनका पड़ोसी क्षेत्र 'वेटिकन' देकर सर्वोच्च शासक माना गया। बाकी रोम अलग हो गया। 1905 में फ्रांस ने भी कानून बनाकर भौतिक विषयों पर राज्यव्यवस्था का एकाधिकार मजबूत किया। सारांश यह कि राजकाज के संचालन में संगठित पंथ से भिन्न व्यक्ति की गरिमा ही सेकुलरवाद है। लेकिन भारतीय राजनीति के कथित सेकुलर मजहबी कट्टरपंथ और धर्मांतरणवादी ईसाइयत को सेकुलरवाद बताते हैं। वेटिकन दुनिया का सबसे छोटा देश है। पोप पंथिक राष्ट्राध्यक्ष हैं। सारी दुनिया को ईसाई बनाना उनका लक्ष्य है। कथित धर्मनिरपेक्षता अवसरवादी भारतीय राजनीति का 'फास्टफूड' है। चैम्बर्स ट्वेन्टीन्थ सेन्चुरी डिक्शनरी व अंग्रेजी लागमैन डिक्शनरी सहित पश्चिम के सभी शब्दकोशों में इसका अर्थ पंथ-मजहब से असंबद्ध, ईश्वर आस्था से पृथक भौतिक संसार है। लेकिन अल्पसंख्यकवादी भारतीय राजनीति में इसका अर्थ मजहबवाद है। यहां मजहबी आरक्षण भी सेकुलर है और इसका संवैधानिक विरोध भी साम्प्रदायिकता है। हिन्दू होना सेकुलर विरोधी होना है और मजहबी कट्टरपंथ का समर्थन धर्मनिरपेक्षता है। बड़ा हास्यास्पद और हिंसक हथियार है धर्मनिरपेक्षता। 'हम भारत के लोग' प्राचीन धर्म और संस्कृति के कारण ही सर्वपंथ आदरभाव से युक्त हैं। यहां आयातित सेकुलरवाद की कोई जरूरत नहीं है। पंथ निरपेक्षता भारत का स्वभाव है। इसका मूल अर्थ सर्वपंथ समभाव है। अथर्ववेद में माता पृथ्वी की स्तुति है। यह माता भिन्न-भिन्न विचार वाले जनों को पोषण देती है। सारे मत अंततः एक हैं। गीता भी कहती है कि विभक्त दिखाई पड़ने वाले संसार को अविभक्त इकाई देखता है, वही सही देखता है। छद्म 'धर्म-निरपेक्षता' राष्ट्रभाव का अपमान है। रिलीजन-मत या मजहब की आस्था और धर्म एक नहीं है। भारत में प्रत्येक आस्था को आदर मिला। आखिरकार मजहबी बहुमत वाला एक भी मुल्क पंथनिरपेक्ष क्यों नहीं है? भारत के धर्म और संस्कृति ने दयानंद, विवेकानंद, गोखले, तिलक, गांधी, पटेल, डॉ. हेडगेवार, डॉ. लोहिया, विपिन चन्द्र पाल, बंकिम चन्द्र जैसे प्रेरक व्यक्तित्व दिए हैं। सेकुलर का अर्थ भौतिक और सांसारिक ही होता है, धर्मनिरपेक्ष नहीं। मजहबी अल्पसंख्यकपरस्ती तो कतई नहीं। उधार का ज्ञान खतरनाक होता है। उधार के शब्द और भी खतरनाक होते हैं। निरंतर प्रयोग से शब्द भी घिसते हैं। दुरुपयोग से पिटते भी हैं। इस तरह घिसे पिटे शब्द अपनी आभा खो देते हैं। शब्दों का सम्यक ज्ञान सम्यक प्रयोग ही लोकमंगल का मार्ग है। पतंजलि ने महाभाष्य में शब्दों के सम्यक प्रयोग के ही निर्देश दिए हैं।

नहीं रुकेगा नेपाल, चल पड़ा तरक्की की राह पर

हमारे लिए गर्व की बात है कि आज जब दुनिया नफ़रत, हिंसा और भेदभाव की आग में जल रही है, तब नेपाल वैश्विक फलक पर प्रेम, सहिष्णुता और भाईचारे की मिसाल साबित हो रहा है।

यशोदा श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

दुनिया के बाकी देशों में जब उथल-पुथल मची हो, ऐसे में नेपाल के चौमुखी विकास की खबर सकून पहुंचाती है क्योंकि यह भारत का न केवल पड़ोसी बल्कि मित्र राष्ट्र भी है। पिछले महीने एक संस्था की वैश्विक लेवल की रिपोर्ट में नेपाल को विश्व में 76 वां शांति देश बताया गया है जो दक्षिण एशिया में (भूटान) के बाद दूसरे नंबर पर है। अब विश्व बैंक की आई रिपोर्ट में नेपाल को तरक्की वाले देशों की श्रेणी में बताया गया है।

रिपोर्ट के अनुसार, नेपाल ने लंबे सशस्त्र संघर्ष के समाप्त होने के बाद आर्थिक, सामाजिक और मानव विकास के क्षेत्रों में उल्लेखनीय प्रगति हासिल की है, जबकि विश्व के अनेक देशों में लगातार जारी संघर्षों और अस्थिरता के कारण ग़रीबी और खाद्य संकट भयावह रूप ले चुका है।

"नाजुक और संघर्षग्रस्त परिस्थितियां: आपस में जुड़े संकट और बहुआयामी ख़तरे" शीर्षक वाली इस रिपोर्ट में कहा गया है कि माओवादी विद्रोह की समाप्ति और लोकतांत्रिक व्यवस्था की स्थापना के साथ ही नेपाल में सकारात्मक बदलावों का नया दौर शुरू हुआ। संघर्ष के दौरान प्रति व्यक्ति सकल घरेलू उत्पाद की औसत वार्षिक वृद्धि दर 2.4 प्रतिशत थी, जो शांति स्थापना के बाद 3.6 प्रतिशत तक पहुंच गई। इसी अवधि में लगभग दो-तिहाई ग़रीबी भी कम हुई, मानव संसाधन विकास में सुधार आया, औसत आयु में वृद्धि हुई, शिशु मृत्यु दर घटी, और सभी शैक्षिक स्तरों पर छात्र-छात्राओं के नामांकन में बढ़ोतरी दर्ज की गई।

रिपोर्ट में नेपाल को उन देशों की सूची में शामिल किया गया है जो हालिया वर्षों में संघर्षों से उबरकर स्थायित्व, लोकतांत्रिक सुधार और संघीय ढांचे की ओर अग्रसर हुए है। संविधान निर्माण, प्रांतीय और स्थानीय स्तर पर अधिकारों का हस्तांतरण, लोकतांत्रिक संस्थाओं का सुदृढ़ीकरण नेपाल की प्रगति के प्रमुख आधार बताए गए हैं। रिपोर्ट में यह भी खुलासा किया गया है कि वर्ष 2025 में 42 करोड़ से अधिक लोग प्रतिदिन तीन अमेरिकी डॉलर से भी कम आय में जीवन यापन कर रहे हैं। विश्व बैंक के मुख्य अर्थशास्त्री इंदरमित गिल ने कहा कि भले ही वैश्विक ध्यान यूक्रेन और मध्य पूर्व पर केंद्रित है, लेकिन अधिकांश संघर्षग्रस्त देश पिछले 15 वर्षों से अधिक समय से राजनीतिक अस्थिरता और संस्थागत कमज़ोरी का शिकार हैं। नेपाल के प्रमुख राजनीतिक दलों के लोग जैसे पूर्व मंत्री ईश्वर दयाल मिश्रा, हृदयेश त्रिपाठी, मशहूद खां आदि का कहना है कि नेपाल में शांति स्थापना के बाद जो समृद्धि और विकास का नया अध्याय शुरू हुआ, वह केवल सरकारी प्रयासों का परिणाम नहीं बल्कि जनचेतना, धर्मों के बीच सौहार्द, सामाजिक एकता, न्याय और समानता की जीवंत मिसाल है। हमारे लिए गर्व की बात है कि आज जब दुनिया नफ़रत, हिंसा और भेदभाव की आग में जल रही है, तब नेपाल वैश्विक फलक पर प्रेम, सहिष्णुता और भाईचारे की मिसाल साबित हो रहा है।

बिहार चुनाव और पसमांदा समुदाय

डॉ. फैयाज अहमद फैजी
वरिष्ठ लेखक

बिहार चुनाव 2025 पसमांदा मुसलमानों के लिए अपने अधिकारों को मुखर करने और राजनीतिक दलों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

हाल ही में पटना के गांधी मैदान में अशराफवादी संगठन इमारत-ए-शरिया द्वारा 'वक्फ बचाओ-संविधान बचाओ' सम्मेलन आयोजित हुआ। इस सम्मेलन को बिहार के विपक्षी दलों का भी समर्थन और सहयोग प्राप्त था। इन रैलियों का नैरेटिव अक्सर केवल 'धर्मनिरपेक्षता पर खतरा' या 'मुसलमानों के अधिकारों पर हमला' जैसे अमूर्त मुद्दों पर केंद्रित रहता है। महत्वपूर्ण प्रश्न यह है कि क्या इस रैली में पसमांदा मुसलमानों की विशिष्ट चिंताओं, जैसे कि वक्फ बोर्ड में पसमांदा प्रतिनिधित्व, पसमांदा के सशक्तिकरण में वक्फ की भूमिका, पसमांदा हक़ पर सीधा डाका यानी वक्फ कुप्रबंधन, वक्फ की आय का पसमांदा हित में उपयोग, भूमिहीन पसमांदा को वक्फ भूमि का वितरण और जातिगत भेदभाव पर खुलकर बात हुई? नहीं।

यदि ये रैलियां केवल 'मुस्लिम एकजुटता' का संदेश देती हैं, लेकिन समुदाय के भीतर के गहरे जातिगत विभाजन और पसमांदा की समस्याओं को संबोधित नहीं करतीं, तो वे अशराफ मुसलमानों के वर्चस्व को ही मजबूत करती हैं और पसमांदा को हाशिये पर ढकेलती हैं। इस तथ्य को पसमांदा और विपक्षी दलों को संज्ञान में लाना ही पड़ेगा। बिहार की राजनीति में जाति और समुदाय हमेशा से एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाते रहे हैं। पक्ष और विपक्ष दोनों को यह ध्यान देना होगा कि आगामी विधानसभा चुनाव में अब देशज पसमांदा की अनदेखी जोखिम भरा हो सकता है।

भारत में 'मुस्लिम विमर्श' पर अशराफ नेतृत्व का वर्चस्व रहा है। यह विमर्श अक्सर अशराफ के हितों, पहचान और धार्मिक मुद्दों पर केंद्रित रहता है, जबकि पसमांदा मुसलमानों के सामाजिक-आर्थिक पिछड़ेपन, जातिगत भेदभाव और राजनीतिक उपेक्षा जैसे मुद्दों को नजरअंदाज कर दिया जाता रहा है। इसका परिणाम यह होता है कि 'मुस्लिम समुदाय' के नाम पर मिलने वाले लाभ, प्रतिनिधित्व और कल्याणकारी योजनाओं का बड़ा हिस्सा अशराफ वर्ग के पास चला जाता है, जबकि पसमांदा समुदाय वंचित का वंचित ही रह जाता है। बिहार में यह स्थिति और भी गंभीर है, जहां मुस्लिम आबादी का एक बड़ा हिस्सा देशज पसमांदा श्रेणी से आता है और उनकी समस्याएं गहरी हैं।

पसमांदा समाज अब केवल एक 'वोट बैंक' बनकर नहीं रहना चाहता। वे अपने अधिकारों और न्यायसंगत हिस्सेदारी के लिए आवाज उठा रहे हैं। विभिन्न राजनीतिक दलों को पसमांदा समाज से जुड़ने के लिए कुछ ठोस कदम उठाने होंगे जैसे कि वास्तविक राजनीतिक प्रतिनिधित्व यानी चुनाव में टिकटों का आवंटन, आने वाली सरकार में भागेदारी और पार्टी संगठन में महत्वपूर्ण पद देने के साथ-साथ यह सुनिश्चित करना होगा कि वे केवल वोट बटोरने वाले कार्यकर्ता न रहें, बल्कि नीति निर्धारण में भी उनकी आवाज हो। इसके इतर मुस्लिम और अल्पसंख्यक संगठनों में सामाजिक न्याय की बहाली, आर्थिक सशक्तिकरण और आजीविका के साधन, भूमिहीन पसमांदा समुदाय को भूमि अधिकार, सामाजिक सुरक्षा और अशराफ आधारित भेदभाव का उन्मूलन, अल्पसंख्यक कल्याण योजनाओं का पसमांदा समुदाय के हक़ में प्रभावी क्रियान्वयन आदि। वर्तमान बिहार के राजनीतिक परिदृश्य में, विभिन्न दल पसमांदा मुसलमानों को अपनी ओर आकर्षित करने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा ने पिछले दिनों पसमांदा मुसलमानों को 'वोट बैंक की राजनीति का शिकार' बताकर और उच्च वर्ग द्वारा उनके शोषण की बात कहकर उन्हें साधने की सक्रिय कोशिश की है। वे पसमांदा सम्मेलनों का आयोजन कर रहे हैं और वक्फ प्रबंधन में सुधार की बात कर रहे हैं। हालांकि, भाजपा की हिंदुत्व विचारधारा को लेकर पसमांदा समुदाय में संशय बना हुआ है। जिस पर भाजपा को गहन, गंभीर और सकारात्मक कार्य की आवश्यकता है। जदयू का कालांतर में पसमांदा हितैषी कार्य एनडीए के लिए अति लाभकारी साबित हो सकता है।

वही राष्ट्रीय जनता दल (राजद) और कांग्रेस नित महागठबंधन परंपरागत रूप से मुस्लिम समुदाय का समर्थन पाती रही हैं। वे खुद को धर्मनिरपेक्षता का पैरोकार बताती हैं। हालांकि, पसमांदा बुद्धिजीवियों का आरोप है कि इन पार्टियों ने भी पसमांदा के लिए कुछ खास नहीं किया और केवल अशराफ नेतृत्व को बढ़ावा दिया, जिससे पसमांदा की राजनीतिक उपेक्षा जारी रही। हालांकि राजद पसमांदा विमर्श को अनदेखा करने के डायरेक्ट नीति से बचता दिख रहा है। पसमांदा समाज को किसी एक पार्टी का आंख मूंदकर समर्थन करने के बजाय, सभी पार्टियों के वादों, उनके अतीत के वास्तविक कार्यों और पसमांदा के प्रति उनकी भविष्य की प्रतिबद्धता का गहन मूल्यांकन करना चाहिए। जिस पार्टी का एजेंडा पसमांदा मुसलमानों के सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक सशक्तिकरण के लिए सबसे अधिक ठोस, विश्वसनीय और कार्यान्वयन योग्य लगे, उसी की तरफ पसमांदा समाज को रुख करना चाहिए। यह निर्णय केवल भावनात्मक या पारंपरिक जुड़ाव पर आधारित नहीं होना चाहिए, बल्कि विवेकपूर्ण, तथ्यात्मक और भविष्योन्मुखी होना चाहिए।

बिहार चुनाव 2025 में पसमांदा मुसलमानों का मुद्दा अब महज एक हाशिए का विषय नहीं रह सकता। यह स्पष्ट है कि परंपरागत 'मुस्लिम विमर्श' और वर्षों की राजनीतिक उपेक्षा ने पसमांदा समुदाय को गहरे सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक पिछड़ेपन में धकेल दिया है। यह चुनाव राजनीतिक दलों के लिए एक अग्निपरीक्षा है। उन्हें केवल 'मुस्लिम' वोट बैंक के रूप में देखने की पुरानी परिपाटी को छोड़ना होगा और पसमांदा समाज की विशिष्ट पहचान, चुनौतियों और आकांक्षाओं को स्वीकार करना होगा। पसमांदा समुदाय को भी अब अपने विवेक का इस्तेमाल करना होगा। उन्हें उन नारों और वादों से परे देखना होगा जो केवल वोट बटोरने के लिए दिए जाते हैं। एक जागरूक पसमांदा समाज अब अपनी मांगों को मजबूती से रखेगा और केवल उसी दल का समर्थन करेगा जो उनके सामाजिक न्याय, आर्थिक सशक्तिकरण और वास्तविक राजनीतिक भागीदारी को सुनिश्चित करने की दिशा में गंभीर और ठोस कदम उठाएगा। बिहार चुनाव 2025 पसमांदा मुसलमानों के लिए अपने अधिकारों को मुखर करने और राजनीतिक दलों को अपनी जिम्मेदारियों का एहसास कराने का एक महत्वपूर्ण अवसर है।

धनः दुनिया का सबसे बड़ा पुरुषार्थ

डॉ. अरविंद मिश्र
वरिष्ठ विज्ञान संचारक

बचपन में पढ़ाई के दौरान पढ़े गए हाईस्कूल में संस्कृत के एक श्लोक ने मन पर गहरा प्रभाव (आघात भी कह सकते हैं) डाला था। वह अर्थ सहित वह श्लोक-यस्यास्ति वित्तं स नरः कुलीनः स पण्डितः स श्रुतवान् गुणज्ञः।/ स एव वक्ता स च दर्शनीयः सर्वे गुणाः काञ्चनमाश्रयन्ति॥

अर्थात जो धनाढ्य है वही सुसभ्य है, ज्ञानी है, अच्छा श्रोता है, गुणी है, वही श्रेष्ठ वक्ता भी है और सुदर्शनीय है। क्योंकि सभी गुण स्वर्णाश्रित हैं।

जाहिर है यह आत्मानुभूत पीड़ा से उत्पन्न एक कटाक्ष है जो इंगित करता है कि भारत भूमि में विद्वान अन्य अध्यवसायों या कार्यक्षेत्रों के लोगों से सदा हेय/उपेक्षित ही रहा है। असली सर्वगुण संपन्न तो संपत्तिवान/धनवान ही है। और यही विद्वानों की सर्वकालिक पीड़ा रही है जो प्रायः व्यंजना में अभिव्यक्त होती रही है। महाभारत में ऐसे कई दृष्टांत हैं। द्रोणाचार्य की विपन्नता से उनकी पत्नी क्षुब्ध है, बच्चे घास की रोटी पर पलते हैं। भीष्म जैसा पुरुषार्थी युधिष्ठिर के बजाय दुर्योधन का पक्षधर है। वे एक जगह कहते भी हैं कि अर्थस्य पुरुषो दासः।

धन संपत्ति की अधिष्ठात्री देवी लक्ष्मी के द्वारा अपनी चिरकालिक उपेक्षा देखकर/भोगकर ही विद्वतजनों ने उन्हें वाहन के रुप में निरे उल्लू को एलाट कर दिया। प्रकारांतर से जिन पर लक्ष्मी की कृपा है वे उल्लू हुए। रोचक बात यह है कि विद्वानों को यह पता था कि उल्लू वास्तव में एक सजग और चपल पक्षी है मगर उसे मूर्खता के अर्थ में रुढ़ बनाने की व्यंजना गढ़ ली गई। हलांकि उल्लू का रात्रिचर होना, मांसाहारी होना आदि सभी आसुरी शक्तियों ने भी लक्ष्मी के वाहन के रुप में इसे चुने जाने के लिए उपयुक्त बनाया। और वहीं सरस्वती को विद्वानों ने ऐसा पक्षी वाहन के रुप में चुना जिसमें नीर क्षीर विवेक हो, और वह मानसरोवर का मोती ही चुंगता हो। हंस हर दृष्टि से सात्विक जबकि उल्लू हर दृष्टि से तामसी और पातकी।

स्थिति आज भी वैसी ही है बल्कि और गहन हो गई है। समाज में तूती उसी की बोलती दिखती है जो धनपशु है। हां अब पद और पावर के सामने भी बहुजन सिर नवाते हैं। मगर पद और पावर के पीछे भी कहीं लक्ष्मी का रोल है। यह एक दुष्चक्र है। एक विद्वान इन स्थितियों को निर्निमेष देखता है मगर मौन है, उसके वश में कुछ है भी नहीं। उसकी सर्वसमाज सुनता नहीं। वह आज भी उपेक्षित है। सच है और शाश्वत है कि 'सर्वगुणाः कांचन माश्रयंते।

बच्चों को क्या सिखा रहे हैं

प्रवीण त्रिवेदी
फतेहपुर

क्या हम बच्चों को सीखने दे रहे हैं, या उन्हें सिर्फ ढाल रहे हैं? क्या हम उन्हें वो बनने दे रहे हैं, जो वे हैं-या बना रहे हैं वो, जो हम चाहते हैं? शायद ये सवाल इतने सीधे हैं कि हमारी शिक्षा व्यवस्था के सारे खोखलेपन को नंगा कर देते हैं। आज के समाज और अधिकांश विद्यालयों में ज्ञान नहीं, आज्ञाकारिता सिखाई जा रही है। रचनात्मकता नहीं, अनुशासन के नाम पर नियंत्रण थोपा जा रहा है। बच्चों की आवाज़ नहीं सुनी जा रही, उन्हें एक तय ढांचे में चुपचाप बैठा देने और ढाल देने की होड़ मची है।

ज्यादातर कक्षाएं आज भी उसी फैक्ट्री मॉडल पर चल रही हैं जो औद्योगिक क्रांति के जमाने में बनाई गई थीं-जहां हर बच्चा एक 'यूनिट' है, जिसे एक जैसे पाठ्यक्रम, एक जैसे मूल्यांकन और एक जैसे व्यवहार में ढाला जाना है। वह बच्चा जो सवाल पूछता है, वह 'व्यवधान' है। वह जो गाता है, नाचता है, चित्र बनाता है-वह 'कमज़ोर छात्र' माना जाता है। और जो चुपचाप रट लेता है, वह 'प्रतिभाशाली' घोषित हो जाता है। क्या इसे शिक्षा कहा जा सकता है? हमने मान लिया है कि अच्छा विद्यार्थी वही है जो हमसे सहमत हो, विरोध न करे, जो किताब में दिए उत्तर को हूबहू दोहराए। सोचने की छूट नहीं, चुनने की अनुमति नहीं, गलती करने की स्वतंत्रता नहीं। आखिर कब तक हम बच्चों से उम्मीद करते रहेंगे कि वे अपनी आंखें बंद कर हमारी कल्पनाओं को जीएं?

कभी गौर कीजिए-जब एक बच्चा चित्र बनाता है, वह सिर्फ रंग नहीं भरता, वह अपनी आत्मा का हिस्सा उस पन्ने पर उकेरता है। जब वह मिट्टी से कुछ गढ़ता है, वह अपने हाथों से एक विचार को जन्म देता है। लेकिन हमारी व्यवस्था उस विचार को महत्व नहीं देती, क्योंकि वह पाठ्यक्रम में नहीं है, बोर्ड की परीक्षा में नहीं आएगा, प्रतियोगिता में नंबर नहीं दिलाएगा। क्या यह अन्याय नहीं है? और सबसे बड़ा पाखंड तो तब होता है जब हम एक जैसे ढांचे में ढले बच्चों से उम्मीद करते हैं कि वे दुनिया में कुछ नया करें, नवाचार करें, नेतृत्व करें। कैसे करेंगे? जब हमने उनकी सोचने, समझने, महसूस करने और बनने की सभी स्वतंत्रताओं को बचपन में ही छीन लिया?

समस्या केवल नीति की नहीं है, सामाजिक सोच की भी है। जब तक हम इस सोच से बाहर नहीं निकलते कि 'हमें बच्चों को नियंत्रित करना है,' तब तक शिक्षा एक आज्ञाकारी समाज की फैक्ट्री ही बनी रहेगी-न कि एक बेहतर, विविधतापूर्ण, सजीव और स्वतंत्र समाज की प्रयोगशाला।

हमें यह मानना होगा कि हर बच्चा अपने साथ एक ब्रह्मांड लेकर आता है। उसे समझने, जानने, और फलने-फूलने के लिए एक ऐसे माहौल की ज़रूरत है जहां उसे बनने दिया जाए-न कि ढाला जाए। जो बच्चा पंछी बनना चाहता है, उसे उड़ने देना चाहिए-न कि यह सिखाना कि मछलियों की तरह कैसे तैरा जाता है। शिक्षा का उद्देश्य यह नहीं होना चाहिए कि हर बच्चा एक जैसी परीक्षा पास कर ले। उद्देश्य यह होना चाहिए कि हर बच्चा अपने भीतर छिपे 'स्व' को खोजे, पहचाने, और उस राह पर चले जहां उसका मन है, न कि हमारा आदेश। शायद तब हम यह कह सकेंगे कि हमने बच्चों को सिर्फ सिखाया नहीं, उन्हें सीखने दिया। और यही शिक्षा का असली अर्थ है।

शैक्षिक परिवेश को आहत करती रैगिंग

शिशिर शुक्ला
असिस्टेंट प्रोफेसर

रैगिंग के नाम पर अश्लील हरकतें, शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, अनावश्यक हास परिहास इत्यादि को अंजाम दिया जाता है। ये सभी घटनाएं संवेदनशील विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का स्तर गिरने में कोई कसर नहीं छोड़ती।

हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा रैगिंग जैसे गंभीर मुद्दे को लेकर अनेक शैक्षणिक संस्थानों के खिलाफ बड़ी कार्यवाही की गई है। खास बात यह है कि ये कोई ऐरे गैरे संस्थान नहीं हैं बल्कि इन शैक्षणिक संस्थानों में आईआईटी, आईआईएम एवं एम्स जैसे उच्च स्तरीय संस्थान शामिल हैं। यूजीसी ने चार आईआईटी, तीन आईआईएम, एम्स, इग्नू एवं अलीगढ़ मुस्लिम विश्वविद्यालय समेत देश के 89 संस्थानों को अपनी डिफाल्टर सूची में शामिल किया है। कारण यह है कि ये सभी संस्थान रैगिंग की कुप्रथा को रोकने में नाकाम रहे हैं। यूजीसी के अनुसार आईआईटी बॉम्बे, आईआईटी खड़गपुर, आईआईटी हैदराबाद, आईआईटी पलक्कड़, एम्स रायबरेली, आईआईएम रोहतक, आईआईएम बॉम्बे, आईआईएम तिरुचिरापल्ली, एएमयू, नालंदा विश्वविद्यालय, इग्नू एवं कोलकाता स्थित भारतीय संख्यिकी संस्थान जैसे 89 शिक्षण संस्थानों के द्वारा एंटी रैगिंग दिशानिर्देशों का समुचित पालन नहीं किया गया।

इन संस्थानों के द्वारा रैगिंग विरोधी विनियम 2009 के अंतर्गत एंटी रैगिंग घोषणाओं को अभी तक जमा नहीं किया गया है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के द्वारा इन सभी संस्थानों को रैगिंग विरोधी मानदंडों के अनुपालन का अनिवार्य आश्वासन प्रस्तुत न करने पर कारण बताओ नोटिस जारी किया गया है। रैगिंग विरोधी कानून के अनुसार प्रत्येक छात्र को किसी संस्थान में प्रवेश लेते समय प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष के आरंभ में एंटी रैगिंग अंडरटेकिंग जमा करनी होती है। इसके साथ ही संस्थान के द्वारा यह सुनिश्चित किया जाना चाहिए कि सभी छात्रों से यह घोषणाएं ले ली गई हैं एवं रिकॉर्ड में दर्ज हैं। एक बेहद चिंताजनक सवाल यह उठता है कि भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान एवं आईआईएम, जोकि भारत ही नहीं अपितु संपूर्ण विश्व में अपनी एक अद्वितीय पहचान रखते हैं, रैगिंग जैसे दुष्कृत्य की चपेट में कैसे आ रहे हैं। रैगिंग को लेकर यह कोई पहली घटना नहीं है। इससे पहले भी अनेक बार रैगिंग एवं उसके भयावह दुष्परिणाम प्रकाश में आ चुके हैं। इंजीनियरिंग से लेकर मेडिकल कॉलेज एवं विश्वविद्यालयों तक में रैगिंग के नाम पर उत्पीड़न की सीमा को लांघने की घटनाएं आए दिन घटती ही रहती हैं। अनेक स्थितियों में तो ऐसा भी हुआ है कि रैगिंग का शिकार हुए विद्यार्थियों ने शारीरिक एवं मानसिक उत्पीड़न से परेशान होकर आत्मघाती कदम तक उठा लिए। हाल ही में बनारस हिंदू विश्वविद्यालय में डिजिटल रैगिंग का मामला सामने आया है। मेडिकल के सीनियर छात्रों के द्वारा टेलीग्राम पर एंटी रैगिंग स्क्वायड नाम से फर्जी ऐप बनाकर जूनियर छात्रों को वीडियो कॉल की गई। वीडियो कॉल पर ही उनसे कपड़े उतरवा लिए गए एवं अनेक ऐसी हरकतें करने को कहा गया जो पूर्णतया अनपेक्षित हैं। सवाल यह उठता है कि हमारा शैक्षिक परिदृश्य किस दिशा में भटकता चला जा रहा है।

इंटरमीडिएट की परीक्षा को उत्तीर्ण करने के उपरांत उच्च शिक्षण संस्थानों में विद्यार्थी अपने मन मस्तिष्क में भविष्य को लेकर विभिन्न उज्ज्वल स्वप्न संजोकर प्रवेश लेते हैं। यहां पर एक बात विशेष रूप से उल्लेखनीय है कि प्रतिभा का किसी क्षेत्र अथवा परिवेश से कोई खास लेना देना नहीं होता। प्रतिभावान विद्यार्थी शहरों में भी होते हैं और गांवों में भी। हां, परिवेश के कारण इतना अंतर अवश्य आ जाता है कि शहर के विद्यार्थी व्यक्तित्व विकास एवं उन्मुक्तता के पैमाने पर गांव के विद्यार्थियों से कहीं आगे होते हैं। बहिर्मुखी एवं अंतर्मुखी स्वभाव के पीछे कहीं न कहीं वह परिवेश ही उत्तरदायी होता है जहां विद्यार्थी रहते एवं शिक्षा दीक्षा ग्रहण करते हैं। अंतर्मुखी स्वभाव के प्रतिभावान विद्यार्थी जब उच्च शिक्षण संस्थानों में कदम रखते हैं तो निस्संदेह उन्हें एक परिवर्तित परिवेश का सामना करना पड़ता है एवं उस समय उनके पास स्वयं को उस परिवेश में ढालने के अतिरिक्त अन्य कोई विकल्प नहीं होता क्योंकि उनकी शिक्षा, भविष्य एवं कैरियर प्राथमिकता के रूप में उनके सामने खड़ा होता है। वरिष्ठ छात्रों के द्वारा परिचय की आड़ लेकर जूनियर विद्यार्थियों को रैगिंग के पाश में फंसाना उन विद्यार्थियों पर विशेष रूप से भारी पड़ जाता है जोकि नवीन वातावरण में स्वयं को ढालने के साथ-साथ अपने परिवार की अपेक्षाओं को पूरा करने के लिए कठिन मानसिक संघर्ष की स्थिति से गुजर रहे होते हैं।

रैगिंग के नाम पर अश्लील हरकतें, शारीरिक व मानसिक प्रताड़ना, अनावश्यक हास परिहास इत्यादि को अंजाम दिया जाता है। ये सभी घटनाएं संवेदनशील विद्यार्थियों के आत्मविश्वास का स्तर गिरने में कोई कसर नहीं छोड़ती। दुष्परिणाम यह होता है कि विद्यार्थी पढ़ाई छोड़कर घर वापस आ जाने जैसे कदम उठाने को विवश हो जाते हैं। कुछ विद्यार्थी तो इस हद तक आहत हो जाते हैं कि वह आत्महत्या का रास्ता चुन लेते हैं। निश्चित रूप से यह एक गंभीर चिंता का विषय है इस मुद्दे पर अभिभावकों, शिक्षण संस्थानों, प्रशासन एवं सरकार, प्रत्येक स्तर पर जागरूकता, सतर्कता एवं सख्ती की महती आवश्यकता है। अभिभावकों को प्रत्येक स्तर पर विद्यार्थी के साथ खड़े रहना चाहिए। उच्च शिक्षण संस्थानो को संयुक्त रूप से एक ऐसे कार्यक्रम का आयोजन किया जाना चाहिए जिसमें रैगिंग को कठोरता के साथ दंडनीय बताते हुए विद्यार्थियों में इसके परिणाम को लेकर भय की भावना उत्पन्न करने का प्रयत्न किया जाए। उल्लंघन करने वाले विद्यार्थियों के खिलाफ संस्था से निष्कासन जैसे सख्त कदम उठाए जाने चाहिए।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक त्रिनाथ शुक्ला द्वारा 25/16-ए, जाप्लिंग रोड, लखनऊ-226001 (उ.प्र.) से प्रकाशित एवं प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, कार्यकारी संपादक- अनिल त्रिगुणायत***
0522-4008111 (कार्यालय), ईमेल-amritvicharlucknow@gmail.com आर.एन.आई नं0-50986/1989 *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा)।

प्राचार्य ने पकड़ी दवा चोरी, फार्मासिस्ट निलंबित

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। मेडिकल कालेज से सरकारी दवाएं चोरी हो रही हैं। ऐसा कोई और नहीं बल्कि खुद वहां के प्राचार्य डा.जेबी गोगोई बातों-बातों में न सिर्फ बोले, बल्कि उसके ज़िम्मेदार फार्मासिस्ट को फिलहाल 30 दिनों के लिए निलंबित कर दिया है। पूरा मामला मेडिकल कालेज के दवा काउंटर का बताया गया है।

मेडिकल कॉलेज में जांच करती पुलिस व पकड़ा गया युवक (बैग टांगे हुए) ।

दरअसल हुआ यूं कि साल 2023 में डी-फार्मा का कोर्स कर चुके नेमपाल और एक दूसरा युवक मेडिकल कालेज में इंटर्नशिप कर रहा था, उसी बीच दोनों के बीच दोस्ती हो गई। नेमपाल को आउट सोर्सिंग के तहत फार्मासिस्ट की नौकरी मिल गई, वह दवा काउंटर पर ड्यूटी करता है। शनिवार को उसका वही दोस्त पहुंचा और दवा काउंटर का दरवाज़ा खुला देख अंदर चला गया। उसने नेमपाल से कुछ दवाएं ली, उसी बीच प्राचार्य डा. गोगोई वहां पहुंचे और दवा काउंटर में मौजूद लोगों से पूछताछ करने लगे। जब उस युवक की बारी आई तो वह प्राचार्य को देखकर घबरा गया। प्रिंसीपल ने भी शक की बिना पर उसके बैग की तलाशी ली। जिसमें सरकारी दवाई निकली।

प्राचार्य, युवक को पकड़ कर सीएमएस आफिस ले गए। पुलिस बुला ली गई, हालाकि माफी-तलाफी कर युवक को छोड़ दिया गया, लेकिन फार्मासिस्ट नेमपाल को 30 दिन के लिए निलंबित कर दिया। प्राचार्य बातों-बातों में बोल गए कि वे बराबर देख रहें है कि इसी तरह से सरकारी दवाइयां चोरी की जा रहीं हैं।

लखनऊ के अस्पताल में इलाज के दौरान महिला की मौत

अमृत विचार, उन्नाव : झांसी जिले की नई पाली पहाड़ी निवासी लक्ष्मी (31) ने एक महीने पहले बांगरमऊ कोतवाली क्षेत्र के आसत मोहिनुद्दीनपुर गांव निवासी मो . अली से कोर्ट मैरिज की थी। बताते है कि करीब एक सप्ताह पूर्व लक्ष्मी की हालत अचानक बिगड़ गई। इसपर उसे लखनऊ के निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां शनिवार सुबह इलाज के दौरान उसकी मौत हो गई। शव लेकर घर लौट पति ने मौत का सही कारण पता चले इसलिए पोस्टमार्टम कराने के लिए पुलिस को तहरीर दी। चर्चा है कि लक्ष्मी का पहले पति से संबंध विच्छेद हो गया था। इसपर उसने मो . अली से दूसरी शादी की थी। कोतवाली प्रभारी चंद्रकांत सिंह ने बताया कि शव मोर्चरी भेजने के साथ मायके वालों को सूचना दी है।

लखीमपुर के मजदूर की अचानक बिगड़ी तबीयत, मौत

अमृत विचार, उन्नाव : फतेहपुर चौरासी थाना अंतर्गत शहीद गुलाब सिंह लोधी पुलिस प्रशिक्षण केंद्र में चल रहे निर्माण कार्य में लगे मजदूर की शुक्रवार शाम अचानक हालत बिगड़ गई। साथी मजदूरों ने उसे सीएचसी लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। अस्पताल के मेमो पर पुलिस शव मोर्चरी भेजा और शनिवार को परिजनों के पहुंचने पर शव का पोस्टमार्टम कराया। बता दे कि वेंसा कंपनी पीटीसी में निर्माण कार्य करा रही है। मजदूर रंजीत ने बताया कि उसके साथ लखीमपुर खीरी जिला के पलिया कोतवाली क्षेत्र के सुभाष नगर निवासी श्रवण कुमार (32) पुत्र स्व . प्यारेलाल भी मजदूरी करता था। शुक्रवार शाम करीब छह अचानक उसकी हालत बिगड़ी। इसपर उसे सीएचसी लाया गया। जहां डाक्टर ने जांच के बाद उसे मृत घोषित कर दिया। चर्चा रही कि श्रवण शराब का लती था। वह कई दिनों से बीमार था लेकिन वह लगातार शराब पी रहा था। पहले वह मुंबई में मजदूरी करता था।

कार्यालय नगर पंचायत महराजगंज, रायबरेली।

पत्रांक : 184/ न0प0मह0 / ना0सू0प्र0/2025–2026 दिनांक : 03/07/2025

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि नगर पंचायत महराजगंज, रायबरेली अपने कर निर्धारण सूची/गृह रजिस्टर में पंजीकृत विक्रय पत्र/ दानपत्र/वसीयत के आधार पर निम्न प्रकार से परिवर्तन करना चाहती है। अतः नगर पालिका अधिनियम 1916 की धारा 147 (2) के अन्तर्गत प्रस्तावित परिवर्तन से जिस किसी भी व्यक्ति पर प्रभाव/हानि होने की सम्भावना हो वह व्यक्ति प्रकाशन की तिथि से 30 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति मय साक्ष्यों सहित कार्यालय दिवस में कार्यालय नगर पंचायत महराजगंज में प्रस्तुत कर सकता है। निर्धारित अवधि के उपरान्त प्राप्त आपत्तियों को स्वीकार नहीं किया जायेगा, और नियमानुसार नामान्तरण/नाम परिवर्तन की कार्यवाही प्रारम्भ कर दी जायेगी। जिसका विवरण निम्नवत है :–

क्र0 सं0	सम्पत्ति के विक्रेता/वसीयतकर्ता /दानकर्ता का नाम	प्रस्तावित परिवर्तन क्रेता का नाम	सम्पत्ति का स्थान	भूमि/भवन का विवरण	आधार	सम्पत्ति का क्षेत्रफल
1	मो. इरशाद पुत्र मो. हबीब पता– वारसी नगर महराजगंज, रायबरेली व मो. अलीम पुत्र रमजानी निवासी पैगम्बर नगर महराजगंज रायबरेली	मो. आरिफ पुत्र नूर मोहम्मद पता– वार्ड सं0 08 पैगम्बर नगर महराजगंज, रायबरेली	ग्राम अतरेहटा समायोजित टा0ए0महराजगंज ,	प्लाट	पंजीकृत बैनामा	गाटा–319/132 .527 वर्गमीटर
2	सुरेश कुमार पुत्र रमेश प्रसाद, पता– वार्ड सं03 शान्ति नगर महराजगंज, रायबरेली	मो. आरिफ पुत्र नूर मोहम्मद पता– वार्ड सं0 08 पैगम्बर नगर महराजगंज, रायबरेली	ग्राम अतरेहटा समायोजित टा0ए0महराजगंज	प्लाट	पंजीकृत बैनामा	गाटा– 1216 /74.349 वर्गमीटर
3	रामसिंह पुत्र गया प्रसाद पता– वार्ड सं0 03 गांधी नगर महराजगंज, रायबरेली	राम किशन पुत्र स्व0 राम सिंह, पता– वार्ड सं0 03 गांधी नगर महराजगंज, रायबरेली	मोहल्ला– गांधी नगर	मकान	वरासत	मकान
4	राकेश कुमार पुत्र सत्यनरायन पता– वार्ड सं0 01 गांधी नगर महराजगंज, रायबरेली	आशा गुप्ता पत्नी ओम प्रकाश गुप्ता, पता– वार्ड सं0 07 प्रकाश नगर महराजगंज, रायबरेली	ग्राम अतरेहटा समायोजित टा0ए0महराजगंज	प्लाट	पंजीकृत बैनामा	गाटा– 183/171.933 वर्गमीटर
5	असगर अली आदि पुत्र मो. इशहाक पता– बावन बुजुर्ग बल्ला, रायबरेली	निसार अहमद, इशरार अहमद, इरफान अहमद पुत्र मो0 अहमद व हजरा बानो पत्नी इरशाद, पता– बावन बुजुर्ग बल्ला, रायबरेली	मोहल्ला– शान्ती नगर	दुकान/मकान	वरासत	दुकान/मकान

अधिशाषी अधिकारी
नगर पंचायत महराजगंज,
रायबरेली।

अध्यक्ष
नगर पंचायत महराजगंज,
रायबरेली।

घर लौट रहे युवक की रन-थ्रू ट्रेन की चपेट में आकर मौत

संवाददाता, हरदोई

अमृत विचार। लकड़ी बेंच कर घर रहा युवक अपने गांव के पास रेलवे ट्रैक के पास अचानक रन-थ्रू ट्रेन की चपेट में आ गया, जिससे उसकी वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई। पुलिस ने शव कब्ज़े में लेते हुए उसका पोस्टमार्टम कराया है।

बताया गया है कि कोतवाली देहात के भूड़पुरवा कोढ़वा मजरा अब्दुलपुर निवासी 40 वर्षीय प्रताप पुत्र बाबूराम शुक्रवार को लकड़ी बेंचने लाल पालपुर गया था, देर रात में वहीं से घर लौट रहा था, बताते है कि प्रताप जैसे ही भूड़पुरवा रेलवे ट्रैक के पास पहुंचा, उसी बीच रन-थ्रू ट्रेन की चपेट में आ गया और उसकी वहीं पर दर्दनाक मौत हो गई। इसका पता होते ही वहां काफी लोग पहुंच गए, कोतवाली देहात पुलिस ने शव को कब्ज़े में लेते हुए जांच-पड़ताल शुरु कर दी है। प्रताप अपने मां-बाप का इकलौता बेटा था, उसकी दो बहनें सुशीला और मालती है, दोनों की शादी हो चुकी है।

प्रताप की पत्नी रेनू की करीब 15 साल पहले इसी तरह ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई थी, उसके एक बेटा लल्लन और बेटी लल्ली है। हादसे से मां कुसुमलता और पिता बाबूराम का रोते-रोते बुरा हाल है।

पत्नी की भी ट्रेन से कटकर हुई थी मौत

ट्रेन की चपेट में जान गंवाने वाले प्रताप की पत्नी रेनू की करीब 15 साल पहले गांव के बगल से निकले रेलवे ट्रैक के किनारे जा रही थी, उसी बीच ट्रेन की चपेट में आने से उसकी मौत हो गई थी। घर वालों का कहना है कि उसी तरह ठीक उसी जगह पर उसके पति प्रताप की भी ट्रेन की चपेट में आने से मौत हुई।

सांड़ से टकराकर पलटा ट्रैक्टर, एक की मौत, दो घायल

अमृत विचार, हरदोई : खेत की जोताई कर लौट रहे ट्रैक्टर के सामने अचानक सांड आ गया, उसे बचाने में ट्रैक्टर पलट गया, उस पर सवार तीन युवक नीचे दब गए, जिन्हें बमुश्किल उसके नीचे से निकाल कर सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया गया, जहां ट्रैक्टर चलाने वाले युवक की मौत हो गई। पुलिस ने शव को अपने कब्ज़े में लेते हुए उसका पपोस्टमार्टम कराया है। टड़ियावां थाने के पाठक पुरवा मजरा थोक खाला निवासी 18 वर्षीय मिथिलेश पुत्र रामविलास अपना ही ट्रैक्टर चलाता था। शुक्रवार को वह ट्रैक्टर लेकर खेत की जोताई करने निबुआई गया था। उसके साथ गांव निवासी महेंद्र (35) पुत्र महिपाल और 18 वर्षीय सोनू पुत्र सोबरन भी थे। जोताई करने के बाद मिथिलेश दोनों साथियों के साथ ट्रैक्टर लेकर घर लौट रहा था। सड़क पर पहुंचते ही अचानक सामने से सांड़ आ गया, उसे बचाने की कोशिश में मिथिलेश का ट्रैक्टर पलट गया। मिथिलेश और उसके दोनों साथी नीचे दब गए। आसपास मौजूद लोगों ने तत्काल ट्रैक्टर के नीचे दबे तीनों युवकों को बाहर निकाला और उन्हे सीएचसी टड़ियावां पहुंचाया।

कीटनाशक निगल कर महिला ने दी जान

अमृत विचार, उन्नाव: बारासगवर थानाक्षेत्र के नसीरपुर गांव निवासी विपिन कुमार की करीब 13 साल पहले प्रीती (35) से अंतरजातीय शादी हुई थी। शादी के बाद उसके तीन बच्चे हुए लेकिन घर में पुस्तैनी सामान के बंटवारे को लेकर विवाद चल रहा था। पति ने बताया कि वह मुंबई में नौकरी करता था, लेकिन चार महीने पहले गांव लौटा था तब से वह यहीं रहता था। शुक्रवार को घरेलू कलह से ऊबकर प्रीती ने कीटनाशक निगल लिया। हालत बिगड़ने पर उसे उल्टियां होना शुरू हुई तब परिजनों को इसकी जानकारी हुई। इसपर वह उसे एक निजी अस्पताल लाए। जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पति के मुताबिक ऐसा कोई विवाद भी नहीं हुआ था।

अदालती नोटिस

हेतु संदर्भित करने की सूचना / साधारण प्रारूप
बअदालत न्यायालय श्रीमान् जनपद न्यायाधीश, लखनऊ
प्रकीर्ण वाद संख्या–1105 / 2024
ता0पेशी–14.07.2025

श्री दुर्गा शिक्षा निकेतन समिति द्वारा प्रबन्धक कृष्ण मुरारी पुत्र श्री जगजीवन प्रसाद निवासी–ग्राम देवरी, रूरवारा, पो0 बक्शी का तालाब, जिला–लखनऊ
–प्रार्थी / वादी

बनाम

1–रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटीज एवं चिट्स, उ0प्र0 पता–छितवापुर, हुसैनगंज, जिला–लखनऊ
2–राज्य उ0प्र0 – विपक्षीगण

जन सामान्य हेतु सूचनार्थ :–चूंकि उपरोक्त नामांकित–वादी / प्रार्थी ने इस न्यायालय में यह आवेदन किया है कि आवेदन पत्र अन्तर्गत धारा–5 क सोसाइटी रजिस्ट्रीकरण (उ0प्र0 संशोधन) अधिनियम –2021 हेतु। अतएव आपको एतद्द्वारा चेतावनी दी जाती है कि आप इस आवेदन के खिलाफ हेतु संदर्भित करने के लिए 14.07.2025 के दिवस को 10.00 बजे पूर्वान्ह में स्वयं या सम्यक रूपेण अनविष्ट अपने अधिवक्ता द्वारा उपसंजाता हो और ऐसा करने में असफल रहने पर उक्त आवेदन एक पक्षीय रूप से सुना जायेगा और अवधारित किया जायेगा। मेरे हस्ताक्षर और मोहर न्यायालय की मुद्रा सहित आज दिनांक 04.12.2024 के दिवस को दिखायी गयी।

दस्तखत हाकिम–मोहर अदालत

भाई के घर पर रह रही बहन ने लगाया फंदा

अमृत विचार, हरदोई : पति की मौत के बाद महिला अपने बेटे के साथ मायके आ गई और वहीं भाई के घर में रहने लगी। शुक्रवार को वह लापता हो गई। शनिवार की सुबह उसका शव गांव के बाहर पेड़ पर फंदे से लटका मिला। शाहजहांपुर जिले के नेवादा थाना मिर्ज़ापुर निवासी लाल सिंह की कुछ साल पहले मौत हो चुकी थी। उसकी पत्नी महारानी (50) अपने बेटे मुरली के साथ मायके सवायजपुर आ गई और भाई कुनेंद्र के घर में रहने लगी। मुरली ने बताया कि शुक्रवार को अचानक मां लापता हो गई। उनकी तलाश की जा रही थी, उसी बीच शनिवार की सुबह मां का शव गांव के बाहर एक पेड़ में फांसी पर लटका देखा गया।

फंदे से लटका मिला युवती का शव, हत्या का आरोप

अमृत विचार, हरदोई: युवती की संदिग्ध हालत में मौत होने के मामले में उसकी मां ने पुलिस को दी तहरीर में पति और सास-ससुर के खिलाफ हत्या कर शव लटकाने का आरोप लगाया है। साण्डी थाने के रसूलपुर गोवा निवासी विजय की 27 वर्षीय पत्नी शिवानी शनिवार की सुबह छत से नीचे उतरी, उसने साफ-सफाई की और उसके बाद अपनी साड़ी से बरामदे में फांसी लगा ली, उसी बीच पति विजय अपने बेटे हर्षित को ले कर छत से नीचे आया, पत्नी शिवानी को लटका हुआ देख कर शोर मचाने लगा, उसकी आवाज़ सुन कर आस-पड़ोसी आ गए। आनन-फानन में शिवानी को फंदे से उतार कर झोलाछाप के पास ले जाया गया, जहां से मेडिकल कालेज भेजा गया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले उसकी मौत हो गई। शिवानी की मां सावित्री पत्नी सर्वेश निवासी तिथिगांव थाना हरपालपुर ने आरोप लगाया कि करीब 7 साल पहले बेटी की शादी की थी। पति विजय, ससुर रघुवीर और सास सीता उसे लगातार प्रताड़ित करने लगे, आरोप है कि पति व सास-ससुर ने उसकी बेटी की हत्या कर शव लटका दिया। पुलिस का कहना है कि जांच की जा रही है।

शराब पीकर लौट रहे अधेड़ की गड्ढे में गिरने से मौत

अमृत विचार, उन्नाव: अचलगंज थाना क्षेत्र के कोलुहागाढ़ा गांव में शुक्रवार शाम ठेके से शराब पीकर लौट रहा अधेड़ नशे की हालत में गड्ढे में गिर कर घायल हो गया। जानकारी पर परिजन उसे अस्पताल लाए जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजने के साथ पुलिस मामले की जांच कर रही है। अचलगंज थानाक्षेत्र के कोलुहागाड़ा गांव निवासी गजराज (52) पुत्र हीरालाल मजदूरी कर अपना परिवार पालता था। वह शराब का लती था। बेटे विनोद कुमार ने पुलिस को दिए प्रार्थना पत्र में बताया कि शुक्रवार शाम को उसके पिता गांव के बाहर स्थित ठेके पर शराब पीने गए थे। जहां से लौटने पर अचानक उनका पैर फिसल गया और सड़क किनारे गड्ढे में गिरने से उनके सिर पर गंभीर चोट लग गई। जानकारी पर परिजन उसे लोहचा सीएचसी लाए। जहां इलाज के दौरान गजराज की मौत हो गई।

सार्वजनिक सूचना

सूचित हो कि मैंने अपने पुत्र अनिल व उसकी पत्नी के व्यवहार व आचरण परिवार के प्रति ठीक न होने से तंग आकर अपने पुत्र अनिल व उसकी पत्नी से अपने सारे सम्बन्ध विच्छेद कर लिये हैं। अब इनसे शपथी व परिवार वालों से कोई सम्बन्ध नहीं रह गया है। इनके द्वारा किये गये किसी भी कृत्य के लिए शपथी व उसके परिवार का कोई वास्ता व सरोकार नहीं होगा, वे स्वयं जिम्मेदार होंगे।

–राजेन्द्र पाल ओझा
पुत्र स्व0 माखन लाल ओझा
निवासी–म0नं0–548 / वी–269, विक्रम नगर, पो0 मानकनगर, लखनऊ

पूर्वोत्तर रेलवे

निविदा सूचना

राष्ट्रपति भारत सरकार की ओर से मण्डल इंजीनियर/यांत्रिक कारखाना वास्ते मुख्य कारखाना प्रबन्धक यांत्रिक कारखाना गोरखपुर द्वारा नीचे लिखे कार्य के लिए ऑनलाईन (ई–टेण्डरिंग) के माध्यम से खुली निविदा आमंत्रित की जाती है। **क्रम सं० (1) ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण** : DEN-MWS-2025-08 यॉत्रिक कारखाना– कैरिंग आउट जोन नं०–9 ए यॉत्रिक कारखाना एरिया सी.डब्ल्यू.एम. कम्पलीट बिल्डिंग, सी.एम.टी. आफिस, मोटर सेक्शन, बी.टी.सी. आफिस कम्पलीट बिल्डिंग, शताब्दी गेट, आई.सी. गेट, मॉडल रूम, पी.आर.एस. आफिस, स्टेशनरी रूम, सभी यूनियनों का आफिस, सीआई.बी. आफिस, मेन आर.पी.एफ. पोस्ट गेट, पम्प नं०–8, पावर हाउस, आन्ध्रा बैंक, को–आपरेटिव बैंक, सॉ मिल शाप, न्यू पेन्ट शाप, न्यू फर्निशिंग शाप, ट्रीमिंग सेक्सन, पेन्ट शाप, ए.सी. कोच रिपेयर शाप, फर्निशिंग–I शाप, जी.ई.आर. शाप, बैटरी सेक्सन, मैनुफैक्चरिंग शाप, कोच वायरिंग, ट्रेन लाइटिंग शाप एवं वेस्ट ट्रावर्सर, आर.सी.सी. टैंक, सी०से०ई०/ कार्य, जनरल शौचालय संख्या– 01 से 05 एवं 11 से 14, हेल्थ यूनिट, प्लानिंग बिल्डिंग (छाजन के अतिरिक्त) सभी सिविल इंजीनियरिग कार्य से सम्बन्धित मरम्मत कार्य। फार पी.ई. 30.06.2026. **अनुमानित लागत :** रू० 1,43,35,204.05, **धरोहर राशि :** रू० 2,21,700.00, **निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय :** 04.08.2025, 11.00 बजे। **क्रम सं० (2) ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण** : DEN-MWS-2025-09 यॉत्रिक कारखाना– कैरिंग आउट जोन नं०–9 बी एरिया पूर्वी ट्रैवर्सर एवं पूर्वी ट्रैवर्सर के पूरब पड़ने वाले शाप– पावर मेन्टीनेन्स शाप, मशीन शाप, हीट– ट्रीटमेन्ट शाप, स्मिथी शाप, कैरेज कम्पोनेन्ट शाप, मिलराईट शाप, मिलराईट शाप के पास स्थित मिटिंग हाल, गैस गोदाम, नलकूप संख्या–07, सेन्ट्रल पार्क, ह्वील शाप, वेल्डिंग शाप, स्प्रिंग शाप, बोगी शाप, सेल शाप, इनकमिंग शेड, डब्लू.टी.डब्लू.एस. सेक्शन, मेसोनरी टैंक, इ.टी.पी. जनरल शौचालय संख्या–06, 07, 08, 09, 10 एवं भण्डार डिपो में स्थित वाड्र्स एवं सविंस भवन, रे.सु.ब. पोस्ट / भ.डि. आदि (छाजन के अतिरिक्त) सभी सिविल इंजीनियरिंग कार्य से सम्बन्धित मरम्मत कार्य। पी.ई. 30.06.2026. **अनुमानित लागत :** रू० 1,26,04,785.70, **धरोहर राशि :** रू० 2,13,000.00, **निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय :** 04.08.2025, 11.00 बजे। **क्रम सं० (3) ई–निविदा सूचना सं० एवं निविदा कार्य का विवरण** : DEN-MWS-2025-10 यॉत्रिक कारखाना– कैरिंग आउट जोन नं०–9 सी एरिया यॉत्रिक कारखाना एवं भंडार डिपो में स्थित सभी प्रकार के छाजन का मरम्मत सम्बन्धी कार्य। पी.ई. 30.06.2026. **अनुमानित लागत :** रू० 1,14,53,864.00, **धरोहर राशि :** रू० 2,07,300.00, **निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि एवं समय** : 04.08.2025, 11.00 बजे। इस ई–निविदा का पूर्ण विवरण एवं निविदा में भाग लेने हेतु भारतीय रेल की वेबसाइट संख्या **www.ireps.gov.in** पर देखे।

मुख्य कारखाना प्रबन्धक/ गोरखपुर
मुजाधि/यॉत्रिक – 39

गाड़ियों की छतों व पायदान पर कदापि यात्रा न करें।

कार्यालय सहायक निदेशक मत्स्य, गोंडा।

पत्रांक :– 69/नदी–आवंटन/नीलामी/2025–26 दिनॉक :–02.07.2025

विज्ञप्ति

सर्वसाधरण को सूचित किया जाता है कि जनपद की सीमान्तर्गत बहने वाली सरयू नदी, टेढ़ी नदी एवं बिसुही नदी में मत्स्याखेट हेतु आवंटन/नीलामी जिलाधिकारी महोदया द्वारा नामित आवंटन/नीलम अधिकारी (नदी-जलधारा) महोदय की अध्यक्ष्यता में किया जायेगा| विवरण निम्नवत है-

1- आवंटन/नीलाम की तिथि- 24.07.2025
2- स्थान व समय तहसील सभागार, गोंडा पूर्वाह्न 11.00 बजे

क्र0सं0	नदी/नाला जल प्रणाली का नाम	खण्ड/लाट का विवरण	लम्बाई किमी	आरक्षित न्यूनतम मूल्य
1- तहसील- करनैलगंज				
1	टेढ़ी नदी	मथुरा से नेवादा हासिमपुर तक	8	44785
2	टेढ़ी नदी	नेवादा हासिमपुर से बाबूपुर तक	8	44785
3	टेढ़ी नदी	धोबहाराय से अशोक पुर तक	8	44785
4	टेढ़ी नदी	कैथोला से बालपुर हजारी तक	8	44785
5	टेढ़ी नदी	बालपुर हजारी से ठकुरापुर तक	8	44785
6	टेढ़ी नदी	नरायनपुर मर्दन से दुल्लापुर तरहर तक	8	44785
1	सरयू नदी	हीरापुर कमियार के उसरा घाट से नरायनपुर मांझा बसेहिया सीमा तक 4 किमी0 व बकियन नाला 416 मी0(रेलवे पुल से गोंडा लखनऊ मार्ग के पुल से 200 मी० पूर्व तक कछुआ संवर्धन एवं संरक्षण हेतु आरक्षित 1.2 कि०मी०)	3.3	18473
2	सरयू नदी	कचनापुर से कचनापुर तक	5	27990
3	सरयू नदी	कचनापुर से फत्तेपुर कोटहना तक	5	27990
4	सरयू नदी	फत्तेपुर कोटहना से सरैया पाठक तक	5	27990
5	सरयू नदी	सरैया से नरायनपुर साल तक	5	27990
6	सरयू नदी	नरायनपुर सालसे चरसडी तक	5	27990
7	सरयू नदी	चरसडी से नन्दौर (महादेवा घाट)तक	5	27990
8	सरयू नदी	महादेवा घाट से पसका आंशिक तक	5	25367
9	सरयू नदी	पसका आंशिक से चन्दापुर कितौली तक	5	25367
2- तहसील- गोंडा (सदर)				
1	बिसुही नदी	सहजनवा से परसोहनी पुल तक	8	22390
2	बिसुही नदी	परसोहनी से सरहरा तक	8	22390
3	बिसुही नदी	सराहरा से मोहनापुर अस्था तक	8	22390
4	टेढ़ी नदी	बालपुर जाट (पवनपुर) दक्षिण बलुआघट तक	2	11196
5	टेढ़ी नदी	गोसाईपुरवा से कटहा घाट तक	2	11196
6	टेढ़ी नदी	नवनिर्मित शवदाह गृह से बरदही व बड़ेताल चौकहा तक	4	22392
7	टेढ़ी नदी	पथरी पुल से शिवाला घाट तक(नौखान)	2	18205
8	टेढ़ी नदी	कंसापुर से चौबेपुर तक	1.8	10076
3- तहसील- तरबगंज				
1	टेढ़ी नदी	चौबेपुर से नरायनपुर तक	7	42764
2	टेढ़ी नदी	नरायनपुर से रामपुर टेगरहा गौहानी थाक तक	8	44785
3	टेढ़ी नदी	गौहानी से खरगूपुर घाट तक	8	44785
4	टेढ़ी नदी	खरगूपुर घाट से महेशपुर तक	8	44785
5	टेढ़ी नदी	दत्तनगर से माझाराढ़ तक	8	44785
6	घाघरा नदी की छोड़ान	परासपट्टी मझवार से भौदा माझा तक	1.2	6731

आवंटन/नीलाम की शर्तें-

1- आवंटन/नीलामी शासनादेश संख्या- 1/2019/33/एक-2-2019-19(रिट)/2018 राजस्व अनुभाग-2 लखनऊ दिनांक 10.जनवरी,2019 व शासनादेश संख्या- 97/सत्रह-म-2024-17-1099/9/2024 दिनांक 19.01.2024 में निहित प्राविधानों के तहत किया जायेगा|

2- आवंटन प्राप्त करने हेतु पंजीकृत मत्स्य जीवी सहकारी समितियों की पात्रता का वरीयता क्रम उपरोक्त शासनादेश के क्रम में किया जायेगा|

3- सहकारी समितियां अपने आवेदन के साथ उपविधि, निबन्धन प्रमाण पत्र, संचालक मण्डल बैठक कार्यवाही, विगत निर्वाचन का परिणाम, सदस्यों की सूची, आर्थिक/क्रियाशील पूंजी का विवरण, आडिट रिपोर्ट,वैलेन्श सीट, बैंक पासबुक, अदेय प्रमाण पत्र, आवंटन प्राप्त के पूर्व दिनांक 21.07.2025 तक मत्स्य विभाग से प्राप्त कर लें|

4- आवंटी/नीलामी प्राप्तकर्ता मत्स्य जीवी सहकारी समिति को ठेके की सम्पूर्ण धनराशि का ½ भाग तुरन्त एवं ½ भाग धनराशि तीन दिवस के अन्दर जमा करना होगा|

5- नदी/नालों जलप्रणालियों के ठेके "जहाँ है जिस अवस्था में है" के आधार पर दिये जायेंगे|

6- आवंटन/नीलामी स्वीकृत/अस्वीकृत करने का अधिकार जिलाधिकारी महोदया गोंडा में निहित है|

7- ठेके की अवधि आवंटन/नीलामी तिथि से 30 मई,2026 तक रहेगी|

8- पट्टाधारक/नीलामी प्राप्तकर्ता द्वारा 2000 मत्स्य अंगुलिका (70 से 100 मि0 आकार) प्रति किमी० की दर से भारतीय मेजर कार्प मत्स्य प्रजातियों को नदियों में पुनर्स्थापित करने के लिए रिवर रैन्चिंग कराया जाना अनिवार्य होगा।

9- आवंटन/नीलामी के सम्बन्ध में विस्तृत जानकारी के लिए किसी भी कार्य दिवस में अधोहस्ताक्षरी कार्यालय से सम्पर्क किया जा सकता है|

UP-235647 दिनांक 04.07.2025 विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(इंद्रजीत सिंह)
सहायक निदेशक मत्स्य गोंडा

BAREILLY INTERNATIONAL UNIVERSITY

Accreditations, Affiliations & Approvals

University Grants Commission of India · Medical Council Of India · Dental Council of India · Pharmacy Council of India · Indian Nursing Council · Uttar Pradesh Nursing & Midwives Council · Association of Indian Universities · Uttar Pradesh State Medical Faculty

ADMISSION OPEN FOR FOLLOWING COURSES SESSION 2025-26
CUET (UG)-2025 Registered/Score Accepted

ROHILKHAND MEDICAL COLLEGE & HOSPITAL

Course	Eligibility	Duration
M.Sc.Medical (Anatomy/ Biochemistry/Microbiology/ Pharmacology/Physiology)	MBBS/BDS/B.Sc Nursing/ /B.Sc (PCB)	3 Year
Diploma Medical Lab Technician (DMLT)	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma X-Ray Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma Radiotherapy Technology	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

INSTITUTE OF DENTAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Dental Hygienist (DH)	10+2 (PCB with English)	2 Year
Dental Mechanics (DM)	10+2 (PCB with English)	2 Year

BIU COLLEGE OF PHARMACY/ROHILKHAND COLLEGE OF PHARMACY/ KESHLATA COLLEGE OF PHARMACY

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Pharmacy (B.Pharm)	10+2 (PCB/PCM)	4 Year
Master of Pharmacy (Pharmaceutics/Pharmacology/ Pharmaceutical Chemistry/Pharmacognosy)	B.Pharm	2 Year
Diploma in Pharmacy	10+2 (PCB/PCM)	2 Year

FACULTY OF PARAMEDICAL SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
Bachelor of Physiotherapy (BPT)	10+2 (PCB)	4.5 Year
B.Sc. Medical Laboratory Technician (BMLT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
B.Sc. Optometry	10+2 (PCB)	4 Year
B.Sc. in Radiological imaging Techniques (BRIT)	10+2 (PCB)	3.5 Year
Bachelor in Operation Theatre Technician	10+2 (PCB)	3.5 Year
Diploma in Dialysis Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in MRI Technician	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
Diploma in Sanitation	10+2 (PCB/PCM)	1 Year
Diploma in Emergency & Trauma Care	10+2 (PCB/PCM)	2 Year
M.Sc. Clinical Embryology	B.Sc. (PCB)	2 Year
Master Physiotherapy	BPT	2 Year
Master in Medical Laboratory Sciences (MMLS)	BMLS	2 Year

ROHILKHAND COLLEGE OF NURSING

Course	Eligibility	Duration
M.Sc. Nursing in Child Health Nursing/Mental Health Nursing/Community Health Nursing/Surgical Nursing/ Obstetric & Gynaecological Nursing	B.Sc. (Nursing)	2 Year
B.Sc. Nursing	10+2 (PCB)	4 Year
GNM	10+2 Any Stream	3 Year
ANM	10+2 Any Stream	2 Year
Post Basic B.Sc. Nursing	GNM	2 Year
Nurse Practitioner in Critical Care (NPCC)	B.Sc. Nursing	2 Year

BIU COLLEGE OF HUMANITIES & JOURNALISM

Course	Eligibility	Duration
BA (Hons.) in Journalism/ Mass Communication	10+2 in Any Stream	4 Years
BA (Hons.) in Eng./ Pol. Sc./ Socio./Eco. / Psychology	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Lib.(Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MA (Journalism/ Mass Comm./ Public Rel./Electronic Media/ Adv.)	UG in Any Stream	2 Years
MA (English/ Pol. Science/ Sociology/ Economics/ Hindi)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Translation Studies)	UG in Respective Stream	2 Years
MA (Applied & Clinical Psychology)	UG in Respective Stream	2 Years
M.Lib.	UG in Respective Stream	2 Years

BIU COLLEGE OF MANAGEMENT

Course	Eligibility	Duration
BBA (Hons.) in Finance & Taxation	10+2 in Any Stream	4 Years
BCA (Hons.) in IT & Multimedia/ AI & Machine Learning	10+2 in Any Stream	4 Years
B.Com (Hons.)	10+2 in Any Stream	4 Years
MBA (Finance & Taxation / Healthcare Management / Sales & Marketing / HR / IT / Business Analytics)	UG in Any Stream	2 Years
M.Com	UG in Respective Stream	2 Years
MCA	UG in Respective Stream	2 Years
MHA	UG in Any Stream	2 Years
MPH	UG in Any Stream	2 Years

FACULTY OF FORENSIC SCIENCES

Course	Eligibility	Duration
B.Sc. Forensic Sciences	10+2 (PCB/PCM)	3 Year
M.Sc. Forensic Sciences	Graduation in Science (ZBC)	2 Year

For More Information : 9105500202, 9105500404, Ph.: 0581-2526153, 051, 053

Admission Cell, Administrative Block, Bareilly International University, Rohilkhand Medical College Campus, Bareilly PIN Code : 243006 (U.P.)

Website : www.biu.edu.in, E-mail : admission@biu.edu.in

एक नजर

रंजिश में चाचा ने भतीजे को मारी गोली, रेफर

बल्दीराय, सुलतानपुर, अमृत विचार : रंजिश में चाचा ने अपने भतीजे को गोली मार दी। गंभीर हालत में उसे कुड़वार प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया। जहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने जिला अस्पताल रेफर कर दिया। जिला अस्पताल से चिकित्सक ने ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। शनिवार शाम को बाजार से घर जा रहे अजय कुमार(25)पुत्र सुभाष यादव निवासी ढबीया थाना बल्दीराय को परसपुर ढबीया मार्ग पर चाचा गिरदावल ने गोली मार दी। जिला अस्पताल से अजय को ट्रामा सेंटर लखनऊ रेफर कर दिया। घायल अजय के बाएं पैर में गोली लगी है। प्रभारी निरीक्षक बल्दीराय नारद मुनि सिंह ने बताया कि पारिवारिक विवाद में गोलीकांड की घटना हुई है। मौके पर पहुंच कर जांच-पड़ताल की जा रही है।

सरयू घाट पर जल पुलिस और एसडीआरएफ तैनात

अयोध्या, अमृत विचार : अयोध्या में सावन झूला मेले की तैयारियां जोरों पर हैं। इस पवित्र माह में लाखों श्रद्धालु सरयू में स्नान के बाद नागेश्वर नाथ मंदिर में भोलेनाथ का अभिषेक करते हैं। मेले की सुरक्षा और व्यवस्था को सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन ने व्यापक इंतजाम किए हैं। सरयू घाट पर जल पुलिस, स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स (एसडीआरएफ) व पीएससी बाढ़ राहत दल को तैनात किया गया है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से निपटा जा सके। इसके साथ ही, भीड़ नियंत्रण और यातायात प्रबंधन के लिए विशेष उपाय किए जा रहे हैं। यातायात नियंत्रण के लिए श्रीराम अस्पताल से लता चौक तक नो व्हीकल जोन बनाने की तैयारी है। सावन माह की 11 जुलाई से शुरूआत हो रही है। यह माह भगवान शिव की भक्ति के लिए विशेष महत्व रखता है।

अमेठी : डंपर की टक्कर से दो की मौत

जगदीशपुर थाना क्षेत्र में हुई सड़क दुर्घटना, हादसे के बाद चालक फरार

संवाददाता, जगदीशपुर अमेठी

अमृत विचार। जनपद के जगदीशपुर थाना क्षेत्र में तेज़ रफ्तार डंपर ने आगे जा रहे बाइक सवार दो युवकों को कुचल दिया, जिससे दोनों की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद डंपर चालक वाहन समेत मौके से फरार हो गया।

मृतकों की पहचान साहिल (20) पुत्र जुबेर उर्फ जिदउ और फैजान (15) पुत्र इस्तखार के रूप में हुई है, जो थाना कमरौली क्षेत्र के मंगरौरा गांव के निवासी थे। शनिवार को दोनों बाइक से जगदीशपुर से रानीगंज जा रहे थे। टक्कर इतनी भीषण थी कि मोटरसाइकिल के परखच्चे उड़ गए। साहिल मुंबई में काम करता था और मोहर्रम के मौके पर ही अपने घर आया था। पांच साल पहले उसके पिता की भी सऊदी में सड़क हादसे में मौत हो चुकी है। अब बड़े बेटे साहिल की भी असमय मौत ने मां को गहरे सदमे में डाल दिया है। फैजान, कक्षा 7 का छात्र था और माता-पिता का इकलौता बेटा था। उसके पिता खेती-किसानी करते हैं। घटना की सूचना मिलते ही जगदीशपुर के उप निरीक्षक राघवेन्द्र यादव पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और दोनों शवों को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। जगदीशपुर कोतवाल धीरेन्द्र यादव ने बताया कि परिजन के तहरीर पर अज्ञात डंपर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। डंपर की तलाश की जा रही है। वाहन के मिलने पर उचित कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

साहिल व फैजान की फाइल फोटो।

सड़क दुर्घटनाओं में युवक की मौत, दो घायल

सुलतानपुर, अमृत विचार : नगर कोतवाली क्षेत्र में सड़क दुर्घटना में युवक की मौत हो गई। घटना गोराबारिक-अमहट मार्ग की है, जहां गनी देव (30) पुत्र रामेश्वर निवासी आरडीह थाना कोतवाली देहात को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। हादसे में बाइक ई-रिक्शा से जा टकराई, जिससे रिक्शा चालक राजेंद्र (30) पुत्र राम बहाल निवासी जयसिंहपुर भी घायल हो गया। दोनों को जिला अस्पताल लाया गया, जहां गनी देव को डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। राजेंद्र का इलाज चल रहा है। एक अन्य घटना में कोतवाली नगर के ही लखनऊ-वाराणसी मार्ग स्थित पयागीपुर चौराहे पर अतरु (30) पत्नी नथई निवासी जगदीशपुर को अनियंत्रित ट्रक ने टक्कर मार दी, जिससे उनके दोनों पैरों पर ट्रक का पहिया चढ़ गया।

सिद्धार्थनगर में महिला ने दो बच्चों के साथ नदी में कूदकर की आत्महत्या

संवाददाता, सिद्धार्थनगर

अमृत विचार। कठेला समय माता थाना क्षेत्र के बड़ुइया में बूढ़ी राप्ती नदी में एक महिला और दो बच्चों का शव बरामद हुआ है। घटना से क्षेत्र में हड़कंप मचा हुआ है। पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

पुलिस ने बताया कि औरहवा ग्राम पंचायत के बड़ुइया टोले की रहने वाली 28 वर्षीया माया पत्नी सचिन अपनी छह साल की पुत्री मोनिका और नौ साल के पुत्र शिवांश के साथ शुक्रवार की देर रात बूढ़ी राप्ती नदी में कूद गई। शनिवार की सुबह करीब छह बजे गांव के कुछ लोगों ने पुलिस को सूचना दी। सीओ सुजीत राय व एसओ शेषनाथ यादव के साथ मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पीएम के लिए भेज दिया।

निराशा

▸▸ **घरेलू कलह में जान देने की बात, पति दिल्ली में रहता है**

मायके पक्ष के लोगों के मुताबिक मृतका का पति सचिन दिल्ली में रहता है। घटना का कारण घरेलू विवाद बताया जा रहा है। इस संबंध में सीओ सुजीत राय ने बताया कि गृहकलह के कारण महिला ने यह कदम उठाया है। शव को पीएम के लिए भेज दिया गया है। जांच कर उचित कार्रवाई की जाएगी।

गड्ढे में डूबकर पांच साल के बालक की मौत

सिद्धार्थनगर, अमृत विचार। सदर थाना क्षेत्र स्थित नवीन मंडी में बनाये गये गड्ढे में डूबकर पांच साल के बालक की मौत हो गयी। बच्चे की मां नवीन मंडी में सब्जी बेचने का काम करती है। बालक की मौत की खबर मिलते ही मौके पर लोगों की भारी भीड़ एकत्र हो गयी। मृत बालक का नाम सोहराब है और वह बुद्धनगर निवासी सलीम का पुत्र बताया जाता है। प्रशासन द्वारा नवीन सब्जी मंडी परिसर में कूड़ा निस्तारण के लिए तीन गड्ढे खुदवाए गये थे। कूड़े से उर्वरक बनाने के लिए लाखों की मशीन लगवायी गयी थी। मगर मंडी के व्यापारियों के मुताबिक आज तक मशीनों का उपयोग नहीं हुआ।

आतंकी हमले की बरसी पर कड़ी रही सुरक्षा

अयोध्या, अमृत विचार : राम जन्मभूमि परिसर में पांच जुलाई 2005 पर हुए आतंकी हमले के 20 वर्ष पूरा होने के बाद शनिवार को अयोध्या में सब कुछ सामान्य रहा। रोज की तरह सुबह 6:30 बजे राम मंदिर में दर्शन प्रारम्भ हुआ, सुरक्षा मानकों के तहत आने वाले श्रद्धालुओं को समुचित जांच पड़ताल कर दर्शन के लिए प्रवेश मिला। शनिवार को अयोध्या में चाक चौबंद व्यवस्था रही। सभी प्रवेश मार्गों पर आने वाले वाहन की जांच के बाद ही प्रवेश दिया गया। सीसीटीवी से चप्पे चप्पे पर नजर रखी गई। वरिष्ठ अधिकारी लता चौक, टेढ़ी बाजार चौराहा, श्रृंगार घाट बैरियर, राम मंदिर प्रवेश द्वार, रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन के अलावा हनुमानगढ़ी मंदिर आदि पर कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही।

हनुमानगढ़ी मंदिर में दर्शन-पूजन करते जापान के राजदूत ओनो केइची व परिवार के सदस्य।

जापान के राजदूत ओनो केइची ने रामलला के किए दर्शन

अयोध्या, अमृत विचार : राममंदिर में रामलला की प्राण प्रतिष्ठा के बाद से वीवीआईपी के भी आने का क्रम जारी है। कड़ी सुरक्षा के बीच शनिवार को जापान के राजदूत ओनो केइची ने परिवार के साथ हनुमानगढ़ी में बजरंगबली की आराधना की। राम मंदिर में रामलला का दर्शन-पूजन किया। लगभग 15 मिनट तक मंदिर की भव्यता को निहारते रहे, जिसके बाद सड़क मार्ग से लखनऊ रवाना हुए। मिली जानकारी के मुताबिक वह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से भी मुलाकात करेंगे।

गवाह के हत्यारोपी को मुठभेड़ में लगी गोली, साथी भी दबोचा

कानपुर, अमृत विचार। सेन पश्चिम पारा के बिनगवां में गवाह विमल कुमार गौतम की हत्या में मुख्य आरोपी इरफान को पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दबोच लिया। इरफान के पैर में गोली लगी। पुलिस ने उसकी निशानदेही पर छह में पांच आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। फरार हत्यारोपी कानपुर देहात निवासी अंकित की गिरफ्तारी के लिए पुलिस दबिश दे रही है। आरोपियों ने कबूल किया कि पीटने और गला कसने के बाद विमल को नहर में फेंका था। बिनगवां गांव निवासी गवाह ट्रैक्टर चालक 55 वर्षीय विमल कुमार गौतम को बुधवार रात घर के पास से एसयूवी सवार आधा दर्जन हत्यारोपियों ने अगवा किया था। विमल को कार में मारापीटा, इसके बाद लाठियों व हथौड़ा से पीटकर, अगौंछा से गला कसकर डांडेपुरवा गांव के पास पनकी नहर में शव फेंक दिया था। सेनपश्चिम थाना प्रभारी कुशलपाल सिंह ने बताया कि मुठभेड़ के बाद मुख्य हत्यारोपी रमईपुर निवासी इरफान और उसके साथी कानपुर देहात का रोहित उर्फ बबलू को गिरफ्तार कर लिया। उनकी निशानदेही पर हत्याकांड में शामिल बिनगवां निवासी करन वर्मा, राजा और आलोक को दबोच लिया। फरार आरोपी कानपुर देहात निवासी अंकित फरार है।

असहायों का साथ देते रहे छेदनलाल: तनुज

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : वरिष्ठ कांग्रेसी एवं शिक्षक नेता छेदनलाल शुक्ल की 11वीं पुण्यतिथि पर श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया गया। सांसद तनुज पुनिया ने कार्यक्रम में श्रद्धांजलि अर्पित की। सांसद पुनिया ने स्व. शुक्ल को कांग्रेस का पर्याय बताया। उन्होंने कहा कि शुक्लजी आजीवन गरीबों और असहायों के साथ खड़े रहे। उनकी राजनीति और सामाजिक कार्य आने वाली पीढ़ियों को मार्गदर्शन दे रहे हैं। कोआपरेटिव बैंक के पूर्व चेयरमैन धीरेन्द्र कुमार वर्मा ने कहा कि शुक्लजी का शिक्षा के क्षेत्र में अभूतपूर्व योगदान रहा। डीसीडीएफ के पूर्व चेयरमैन शिवशंकर शुक्ला ने बताया कि स्व. शुक्ल राजनीति में पवित्रता और नैतिकता चाहते थे। इस मौके पर जिला सहकारी विकास संघ के चेयरमैन प्रशान्त शुक्ला, सईद अहमद, आद्या शुक्ला, ओपी सिंह, इजहार अहमद, धीरेन्द्र यादव, राकेश तिवारी, अशोक कुमार वर्मा, सुरेंद्र मिश्रा, धुन्नी सिंह, अतुल वर्मा, संजय यादव, अजय सिंह, वीरेंद्र शुक्ला, सुरेंद्र कुमार तिवारी, इरफान कुरैशी, छोटे बाबा गोस्वामी, डॉ तेज कुमार शुक्ला, रमेश वर्मा, अवधेश मिश्रा, राजेश पांडे, कमलाकांत शुक्ला, नन्हे लाल वर्मा, शिव कुमार आदि थे।

कार्यक्रम को संबोधित करते सांसद तनुज पुनिया।

डीजी ने किया जेल का औचक निरीक्षण

कार्यालय संवाददाता, बाराबंकी

अमृत विचार : शनिवार को महानिदेशक (कारागार प्रशासन एवं सुधार सेवाएं) पीसी मीणा तथा अयोध्या परिक्षेत्र के उपमहानिरीक्षक शैलेन्द्र कुमार मैत्रेय ने जिला कारागार का औचक निरीक्षण किया।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने उच्च सुरक्षा बैरक, पाकशाला, कारागार चिकित्सालय, महिला बैरक सहित अन्य सभी बैरकों एवं कार्यालयों का गहन निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया। इस दौरान कारागार अधीक्षक कुन्दन कुमार, अधीक्षक जितेन्द्र प्रताप तिवारी, कारापाल राजेन्द्र सिंह, उप जेलर श्यामा वरण, रंजू शुक्ला, कुसुम, अनिल कुमार सहित कारागार के अन्य अधिकारी व कर्मचारी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान महानिदेशक ने साफ-सफाई, सुरक्षा व्यवस्था एवं बंदियों के लिए उपलब्ध सुविधाओं की सराहना की तथा कुछ निर्देश भी दिए। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि बंदियों के पुनर्वास एवं सुधार के लिए चल रही योजनाओं को और प्रभावी ढंग से लागू किया जाए।

जेल का निरीक्षण करते पुलिस अधिकारी। अमृत विचार

मोहर्रम जुलूस में बिगड़े हालात, एक समुदाय के लोगों पर हमला, तोड़फोड़

रायबरेली/अमेठी, अमृत विचार। नसीराबाद थाना क्षेत्र में शुक्रवार की रात मोहर्रम के जुलूस के दौरान दो समुदायों के बीच विवाद हो गया। जिसमें आधा दर्जन से अधिक वाहनों में तोड़फोड़ की गई। नसीराबाद थाना व अमेठी के गौरीगंज थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर हालात काबू में किए। पुलिस ने छह नामजद समेत 100 से 150 अज्ञात के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया है।

अमेठी जिले के पूरे फाजिल से शुक्रवार की शाम मोहर्रम का जुलूस निकला था। जुलूस जब आड़ी मजरे कुढ़ा गांव पहुंचा तो तेज नारो व शोर का स्थानीय ग्रामीणों ने विरोध किया। इसी को लेकर आक्रोशित भीड़ ने उपद्रव शुरू कर दिया। देखते ही देखते भीड़ ने लगभग एक दर्जन वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पूरा मामला नसीराबाद थाना क्षेत्र के अंतर्गत कूढा गांव से जुड़ा हुआ है। जानकारी के मुताबिक बताया जा रहा है कि कल शाम तकरीबन सात से आठ के बीच में मोहर्रम का जुलूस निकाला जा रहा था, जिस दौरान जुलूस में शामिल कुछ लोगों ने भानु प्रताप तिवारी के घर के सामने विवाद उत्पन्न कर दिया। घटना की जानकारी मिलने के बाद घटनास्थल पर नसीराबाद थाना व गौरीगंज की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर मामले को शांत कराया।

गरीब रथ की एसी बोगी में शॉर्ट-सर्किट

मनकापुर, गोंडा

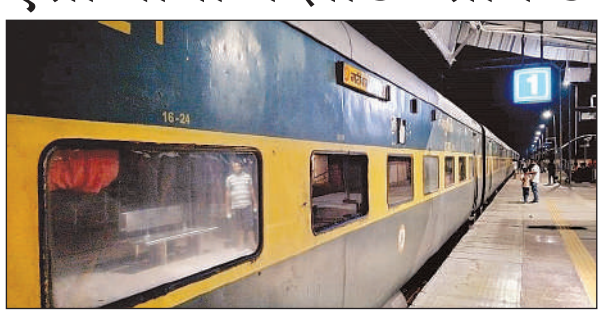

अमृत विचार: शनिवार की शाम बिहार के सहरसा से आनंद विहार जा रही सहरसा आनंद विहार स्पेशल ट्रेन की एसी बोगी से अचानक धुंआ निकलता देख यात्रियों में हड़कंप मच गया।

बिहार के सहरसा से आनंद विहार जाने वाली सहरसा आनंद विहार स्पेशल ट्रेन शनिवार को सहरसा से रवाना हुई थी। शाम करीब सात बजे जब ट्रेन बस्ती से निकली तो स्थिति सामान्य थी लेकिन छपिया रेलवे स्टेशन से दो किमी पहले ट्रेन के एसी कोच से अचानक धुंआ निकलने लगा। धुंआ निकलता देख यात्रियों में अफरा तफरी मच गयी। गनीमत रही कि जिस वक्त घटना हुई उस वक्त ट्रेन की गति काफी धीमी थी और यात्रियों को मामूली चोटें आईं। वहीं इसकी सूचना मिलते ही रेलवे अधिकारियों ने ट्रेन को छपिया स्टेशन पर रोका और जांच पड़ताल की। प्रारंभिक जांच में एसी कोच में तकनीकी खराबी के चलते शॉर्ट सर्किट की बात सामने आई है। हालांकि खामी को दूर कर ट्रेन को आगे के लिए रवाना कर दिया गया है। स्टेशन अधीक्षक रुस्तम ने बताया की स्वामीनारायण छपिया रेलवे स्टेशन के पहले माड़ा चौराहे के पास एक एसी बोगी में शॉर्ट सर्किट होने की सूचना मिली थी।

छपिया रेलवे स्टेशन पर खड़ी गरीब रथ ट्रेन। अमृत विचार

फर्जीवाड़े में आरोपी शिक्षक तीन साल बाद गिरफ्तार, अन्य फरार

अमेठी, अमृत विचार। शिक्षा विभाग में हुए फर्जीवाड़े के मामले में तीन साल बाद अमेठी क्राइम ब्रांच को बड़ी सफलता मिली है। फर्जी दस्तावेज़ों के आधार पर नौकरी पाने के एक आरोपी शिक्षक को ऊंचगांव टोल प्लाज़ा के पास गिरफ्तार कर लिया गया है। आरोपी की पहचान भोला (30), निवासी ग्राम ओढ़मपुर, थाना जसराना फिरोजाबाद के रूप में हुई है।

मामला 25 मार्च 2022 को सामने आया था, जब शुकुल बाज़ार क्षेत्र में तैनात चार सहायक अध्यापकों द्वारा फर्जी दस्तावेज़ों के ज़रिए शिक्षक पद पर नियुक्ति पाने की बात उजागर हुई थी। इन शिक्षकों ने या तो दूसरों के शैक्षिक प्रमाणपत्रों का दुरुपयोग किया था या खुद के नाम से फर्जी टीईटी प्रमाणपत्र तैयार कर सहायक अध्यापक की नौकरी हासिल की थी। मामला सामने आया, खंड शिक्षा अधिकारी, शुकुल बाज़ार ने तत्काल संबंधित थाने को एफआईआर दर्ज कराने के लिए पत्र भेजा। पुलिस ने तत्काल रिपोर्ट दर्ज कर क्राइम ब्रांच में जांच शुरू की थी।

सोनिया से एक महीने तक चली जिरह

कुशाग्र हत्याकांड

▸▸ **अगली सुनवाई 11 जुलाई को, अब अगले गवाह की होगी पेशी**

कानपुर, अमृत विचार। रायपुरवा थाना के चर्चित कुशाग्र हत्याकांड में मां सोनिया कनोडिया की जिरह शनिवार को पूरी हो गई है। उनकी गवाही और जिरह करीब एक महीना तक चली। इस दौरान वह लगातार सूरत से आकर गवाही और जिरह करा रही थी। जिरह में मां ने कोर्ट को बताया कि आरोपी प्रभात के घर से रचिता निकलते हुए सीसीटीवी फुटेज में दिखी है। कोर्ट में अब चौथा गवाह की जिरह व गवाही 11 जुलाई को होगी। बता दें कि कपड़ा कारोबारी मनीष कनोडिया के बेटे कुशाग्र की 30 अक्तूबर 2023 को बेरहमी से अपहरण करके हत्या कर दी गई थी। मामले में पुलिस ने ट्यूशन टीचर रचिता वत्स, प्रभात शुक्ला और शिवा गुप्ता को दोषी मानकर उनको जेल भेजा था। तीनों को शनिवार को जेल से लाकर एडीजे 11 की कोर्ट में पेश किया गया। एडीजीसी भास्कर मिश्रा ने बताया कि रचिता के अधिवक्ता श्रीकांत दीक्षित ने कुशाग्र की मां सोनिया कनोडिया से जिरह करते हुए कई सवाल पूछे। रचिता को बेकसूर बताने पर मां सोनिया ने कड़ी आपत्ति दर्ज कराई। बोली सीसीटीवी फुटेज में आरोपी प्रभात के घर से रचिता उसके साथ निकलते हुए दिखी है। यह सीसीटीवी पुलिस ने हमें दिखाया है। कोर्ट में कई और प्रश्न भी पूछे गए। कोर्ट में मां से 36 पेज की जिरह को पूरा करते हुए अगले गवाह की गवाही के लिए 11 जुलाई की तारीख तय की है। इससे पहले कुशाग्र के चाचा और चौकीदार की गवाही हो चुकी है। अब चौथे गवाह की गवाही होगी।

वर्ग पहेली-23

बाएं से दाएं

1. 1. जो दिखाई न दिया हो 2. जो देखा न गया हो।
3. 1. पिशाच का,पिशाच संबंधी 2. क्रूरतापूर्ण, घोर।
5. जनता के सामने, खुले बाज़ार में, लोगों के सामने।
6. 1. पानी में रहने वाला 2. जिसमें पानी मिला हो।
7. 1. प्रकट करने वाला 2. जताने वाला 3. भेद खोलने वाला 4. समझाने-बुझाने वाला, कहने या सुनने वाला 5. डांटने-डपटने वाला।

ऊपर से नीचे

1. अधिकमास।
2. रात्रि में विचरण करने वाला, रात में निकलने वाला।
4. 1. जिसका भरोसा न किया जा सके, बात का कच्चा 2. निष्ठाहीन, विचलनशील 3. कच्ची तली या पेंदी का 4. ओछा, ढुलमुल।

वर्ग पहेली -22 का हल

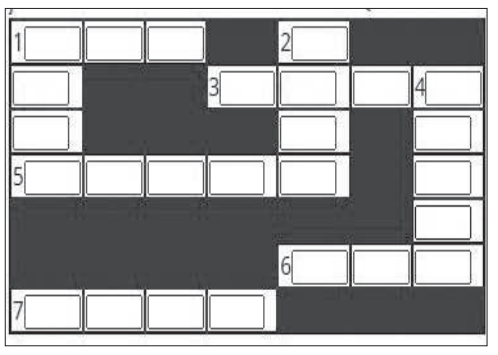

		1 उ	2 प	गि	रि	
	3 ख़ि		र			4 सों
5 ज़	रा	सी	म			टा
	जी		6 पु	लि	या	
	भू		रु			7 टे
	मि		ष			नि
				8 पा	र	स

सुडोकू -30

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

			9				7	8
	8			1		2	4	
6		2	3					1
		6		5			8	
4		8				7		5
	9		7		8		6	
	5							6
8				9		5	1	
	7		8				3	

सुडोकू - 29 का हल

1	4	6	9	8	3	2	7	5
3	8	5	7	6	2	9	1	4
9	2	7	4	5	1	3	8	6
4	6	2	3	9	8	1	5	7
8	7	9	2	1	5	4	6	3
5	3	1	6	4	7	8	9	2
6	1	8	5	2	4	7	3	9
2	5	3	8	7	9	6	4	1
7	9	4	1	3	6	5	2	8

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 6 जुलाई, रविवार 2025 संवत-2082, शक संवत 1947 मास-आषाढ़, पक्ष-शुक्ल पक्ष,एकादशी-22.14 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

दिशाशूल- पश्चिम, **ऋतु**- ग्रीष्म।

चन्द्रबल-मेष, वृषभ, सिंह, तुला, धनु, मकर।

ताराबल-भरणी, रोहिणी, आर्द्रा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, पूर्वा फाल्गुनी, हस्त, स्वाति, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, पूर्वाषाढ़ा, श्रवण, शतभिषा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती।

नक्षत्र-विशाखा 10.42 तक तत्पश्चात अनुराधा।

मेष — आज आय के नए स्रोत निर्मित होने की संभावना है। धन से जुड़ी हुई समस्याओं का निवारण होगा। साहित्य से जुड़े लोगों को सम्मान प्राप्त हो सकता है। जीवनसाथी से अपने मन की बातें शेयर कर सकते हैं। संतान के लिए पूर्व में किए गए निवेश से लाभ प्राप्त होगा।

वृष — आज आपकी मान-प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। राजनीति में आपको सफलता मिल सकती है। समाज में आपकी प्रशंसा हो सकती है। स्वादिष्ट भोजन का आनंद लेंगे। बढ़ते हुए खर्चों को नियंत्रित करने में सफलता मिलेगी। महिलाओं के लिए दिन बहुत अच्छा रहेगा।

मिथुन — आज व्यवसाय में क्लाइन्ट्स के साथ संबंध मजबूत होंगे। प्रतियोगी परीक्षाओं में अनुकूल सफलता मिल सकती है। काम के बोझ में कमी आयेगी। परिवार को लेकर आप कुछ महत्वपूर्ण निर्णय ले सकते हैं। कला जगत से जुड़े लोगों को बड़ा मंच मिल सकता है।

कर्क — आज आर्थिक मामलों को लेकर लापरवाही करना उचित नहीं है। आपके व्यवहार में अहंकार और अधिकार जताने की प्रवृत्ति हो सकती है। जिसके कारण लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। अपनी मेहनत और योग्यता पर संदेह न करें। दोपहर को आपके काम बिगड़ सकते हैं।

सिंह — आज दिन की शुरुआत किसी शुभ समाचार से हो सकती है। विद्यार्थियों के लिए आज का दिन बहुत शुभ रहेगा। परिश्रम का सार्थक परिणाम प्राप्त होगा। शाम को परिजनों की चिंता हो सकती है। अनावश्यक बातों का तनाव न लें। आपकी नेतृत्व क्षमता की लोग प्रशंसा करेंगे।

कन्या — आज आप किसी कठिन प्रकल्प को चुन सकते हैं। निर्माण कार्यों में प्रगति होगी। परिवार के वरिष्ठ सदस्य आपको जिम्मेदारी वाला कार्य सौंप सकते हैं। प्रेम संबंधों में निकटता का अनुभव करेंगे। दैनिक कार्यों के प्रति थोड़ी अरुचि हो सकती है।

तुला — आज किसी सामाजिक समारोह में भाग ले सकते हैं। आपके सौन्दर्य और व्यक्तित्व की प्रशंसा होगी। दूर के रिश्तेदारों से आज मुलाकात होगी। घर में उत्सव जैसा वातावरण रहेगा। वैवाहिक जीवन काफी रोमान्टिक रहने वाला है। शाम को शरीर में थकावट महसूस हो सकती है।

वृश्चिक — आज अपने करियर को लेकर चिन्तित हो सकते हैं। आज आपको पेटदर्द की शिकायत हो सकती है। परिवार में लोग आपसे नाराज हो सकते हैं। युवा करियर को लेकर थोड़े विचलित हो सकते हैं। लम्बी यात्रा पर जाने से बचें। घरेलू खर्चों में वृद्धि होगी।

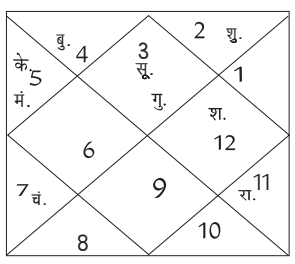

धनु — आज परिस्थितियां आपके लिए अत्यन्त अनुकूल रहेंगी। जीवनसाथी के प्रति प्रेम भाव में वृद्धि होगी। काम का दबाव कम होने से मन हल्का रहेगा। आपको पुराने अनुभवों का लाभ मिलेगा। प्रेमी जन को प्रपोज कर सकते हैं।

मकर — आज शोध कार्यों में बड़ी सफलता मिलने की संभावना है। आवश्यक कार्य विलम्ब के साथ पूर्ण होंगे। नए लक्ष्यों को निर्धारित व क्रियान्वित कर सकते हैं। नए विचारों के प्रभाव में आयेंगे। साझेदारी वाले कार्यों में सफलता मिलेगी।

कुंभ — आज नई तकनीक का प्रयोग सीख सकते हैं। घर में सौभाग्य का वातावरण रहेगा। व्यवसाय में बिक्री बढ़ने से मन प्रसन्न होगा। धन के लेन-देन की बाधा दूर होगी। अध्ययन और अध्यापन में सफलता मिलेगी। लंबी यात्राओं के लिए समय शुभ है।

मीन — आज कुछ नया सीखने की योजना बना सकते हैं। किसी वादे को पूरा न कर पाने के कारण आपको अपमानित होना पड़ सकता है। घर के सदस्यों के व्यवहार से आप थोड़े निराश हो सकते हैं। पैतृक कारोबार में परेशानियों का सामना करना पड़ेगा।

एक नजर

दो दिन भारी बारिश के आसार उमस से मिलेगी राहत

बरेली : जिले में तीन दिन उमस के बाद लोगों को गर्मी से राहत मिलने वाली है। मौसम वैज्ञानिकों के अनुसार आगामी दो दिन भारी बारिश होने के आसार हैं। आंचलिक मौसम केंद्र लखनऊ के वरिष्ठ मौसम वैज्ञानिक डॉ. अतुल कुमार सिंह ने बताया कि रविवार और सोमवार को भारी बारिश का अलर्ट जारी किया गया है। इस दौरान सुबह 30 प्रतिशत और शाम को 26 डिग्री सेल्सियस दर्ज हो सकता है।

युवती से की छेड़छाड़, विरोध पर भाई और मां को पीटा

बरेली : इज्जतनगर थाना क्षेत्र में युवकों ने युवती से छेड़छाड़ की। विरोध करने पर युवकों ने युवती के भाई और मां को लाठी डंडों से पीटा। पुलिस ने चार नामजद समेत छह आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाले व्यक्ति ने बताया कि वह शुक्रवार दोपहर 3 बजे बहन और मां के साथ गांव के पूर्व प्रधान के यहां नियाज में जा रहा था। आरोप है कि रास्ते में चार युवक रास्ता रोक कर बहन के साथ छेड़छाड़ करने लगे। विरोध किया तो युवकों ने उसे पकड़ लिया और लाठी-डंडों से हमला शुरू कर दिया। पुलिस ने आजम, आजाद और दो भाई इमरान व इरफान समेत दो अज्ञात के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है।

संयुक्त आयुक्त करेंगे जीएसटी की प्रथम-द्वितीय अपील में पैरवी

बरेली : वस्तु एवं सेवा कर (जीएसटी) के तहत प्रथम और द्वितीय अपील दाखिल करने में लगातार लापरवाही सामने आने के बाद अब बड़े मामलों में अपील अधिकारी के समक्ष विभागीय पक्ष की रखने के लिए संयुक्त आयुक्त को निर्देश दिए गए हैं। यह निर्णय शासन स्तर से हुई जांच में द्वितीय अपील के प्रकरणों में कर निर्धारण अधिकारी की ओर से प्रभावी पैरवी नहीं किए जाने से विभाग को होनी वाली राजस्व की क्षति को देखते हुए लिया गया है।

रिश्वत लेते सहायक मंडलीय अभियंता व ट्रैकमैन गिरफ्तार

34 हजार रुपये की रिश्वत लेते रंगेहाथ पकड़े गए दोनों आरोपी

कार्यालय संवाददाता, चन्दौसी

अमृत विचार : सीबीआई ने शुक्रवार की रात सहायक मंडल अभियंता कार्यालय पर छापा मारकर सहायक मंडलीय अभियंता (एडीईएन) और ट्रैकमैन को 34 हजार रुपये की रिश्वत लेते गिरफ्तार कर लिया। पूरी रात दोनों से पूछताछ की गई। शनिवार को सीबीआई दोनों को अपने साथ गाजियाबाद ले गई। एक ठेकेदार की शिकायत पर यह कार्रवाई की गई।

रेलवे के एक ठेकेदार ने सीबीआई से शिकायत की थी कि उनकी फर्म को 19 जनवरी 2024 को उत्तर रेलवे के मुरादाबाद डिवीजन द्वारा रेलवे ट्रैक फिटिंग के लिए एक टेंडर दिया गया था। सहायक मंडलीय इंजीनियर संजीव सक्सेना और उनके अधीनस्थ ट्रैकमैन आकाश कुमार द्वारा 17,57,605 रुपये के लंबित बिलों के निपटान के लिए

ईडीईएन संजीव सक्सेना को ले जाती सीबीआई की टीम। अमृत विचार

ट्रैकमैन आकाश कुमार को ले जाती सीबीआई की टीम। अमृत विचार

शनिवार की सुबह दोनों को गाजियाबाद ले गई सीबीआई

2 प्रतिशत कमीशन के रूप में 34 हजार रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है।

शिकायत के बाद सीबीआई के अधिकारी शुक्रवार रात चन्दौसी आए और योजना बनाकर एडीईएन व ट्रैकमैन को शिकायतकर्ता से 34 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। शनिवार की सुबह सीबीआई दोनों को अपने साथ ले गई। दोनों आरोपियों को गाजियाबाद की सीबीआई कोर्ट नंबर 1 के विशेष न्यायाधीश के समक्ष पेश किया जाएगा। सीबीआई छापे को लेकर विभाग के कर्मचारियों में हड़कंप की स्थिति बनी रही। वे घटना को लेकर एक-दूसरे से जानकारी करते रहे।

मौत के 6 माह बाद हड़पा बीमा क्लेम, पांच गिरफ्तार

संवाददाता, बहजोई (बरेली)

अमृत विचार : एक युवक की मौत के बाद फर्जी तरीके से बीमा कर 6 महीने के बाद दिल्ली के जीबी पंत अस्पताल में भर्ती कराने और फिर मृत दिखाकर बीमा की रकम हड़पने के मामले में पुलिस ने एक महिला सहित पांच लोगों को गिरफ्तार किया है। इसमें अस्पताल का गार्ड, चतुर्थ श्रेणी कर्मी, दो युवक व एक महिला शामिल है। आरोपियों ने अस्पताल के चिकित्सकों की मोहर और हस्ताक्षर समिति फाइल का डाटा चोरी किया और फर्जी दस्तावेज बनाकर दिल्ली एमसीडी से मृत्यु प्रमाण पत्र भी बनवाया था।

पुलिस अधीक्षक दफ्तर पर एसपी कृष्ण कुमार बिश्नोई ने खुलासा करते हुए बताया कि 15 फरवरी को इस पूरे गिरोह का खुलासा हुआ था। नई दिल्ली के शक्तिनगर निवासी त्रिलोक कुमार को मौत के 6 महीने बाद जीबी पंत अस्पताल में भर्ती और फिर वहीं हार्ट अटैक से मौत दिखाकर एमसीडी से फर्जी मृत्यु प्रमाण पत्र बनवाया गया। दिल्ली के त्रिलोक कुमार की मौत के बाद पत्नी सपना का डाटा हासिल हुआ। जांच में पाया गया कि त्रिलोक कुमार के दो मृत्यु प्रमाण पत्र जारी किए थे। जिसमें एक प्रमाण पत्र अस्पताल की फर्जी रिपोर्ट से तैयार किया गया था। इसमें जीबी पंत अस्पताल में गार्ड और ईसीजी रूम में रहने वाले युवक ने गिरोह के सदस्यों का सहयोग किया था। फर्जी कागजात बनाकर 20 लाख रुपये का बीमा हड़प लिया गया।

पुलिस की गिरफ्त में आरोपी, जानकारी देते एसपी केके विश्नोई व एएसपी अनुकृति शर्मा।

जीबी पंत अस्पताल में मौत के 6 महीने बाद फर्जी तरीके से दिखाया भर्ती

पुलिस ने दिल्ली निवासी संजय, नवाज अहमद, कल्पना, सुलेमान, प्रेम, बस्ती निवासी वीरेंद्र कुमार, गाजियाबाद निवासी रविंद्र गुप्ता को गिरफ्तार किया है। एसपी ने बताया कि प्रेम दिल्ली की एमसीडी में दलाल के रूप में काम करता था। वहीं रविंद्र गुप्ता इन्वेस्टिगेटिंग ऑफिसर के रूप में, कल्पना बैंकों में खाता खुलवाती थी। वीरेंद्र 2 वर्ष तक जीबी पंत अस्पताल में गार्ड की नौकरी कर चुका था। नमाज अहमद ने ईसीजी फर्जी तरीके से उपलब्ध कराई थी।

रेलवे में नौकरी लगवाने के नाम पर 15 से 3 लाख की ठगी

अमरोहा : अमरोहा देहात थाना के गांव ईमली वाली मढैया निवासी सतपाल सिंह ने डीआईजी को शिकायती पत्र देकर बताया कि वह रेलवे में ठेकेदार के अंडर में वेंडर का काम करता है। सतपाल के अनुसार बीती 5 अगस्त 2024 को मझोला के मनोहरपुर निवासी रोहताश और गाजियाबाद के सेवानगर निवासी राजेश मिले और कहा कि उनकी रेलवे में अच्छी जान पहचान है। सतपाल के अनुसार आरोपियों पर विश्वास करके 15 युवक और युवतियों से 20 हजार रुपये लेकर बैंक खाते में दिए। लेकन पैसे देने के बाद भी किसी भी बच्चे की नौकरी नहीं लगी।

छात्रवृत्ति घोटाले का आरोपी प्रबंधक गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : हाथरस के 62 निजी स्कूलों के प्रबंधकों ने 2011 से 2013 के बीच 24 करोड़ रुपये की छात्रवृत्ति फर्जी तरीके से हड़प ली। इसमें जिला अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी व बैंकों के अधिकारी भी शामिल थे। इस मामले में 11 वर्ष से फरार चल रहे दो निजी विद्यालयों के प्रबंधक पवन कुमार उर्फ बंटी को आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शनिवार को गिरफ्तार किया।

ईओडब्ल्यू टीम के मुताबिक हाथरस के 62 निजी विद्यालयों के प्रबंधकों द्वारा 2011 से 2013 के बीच अल्प संख्यक कल्याण अधिकारी व बैंकों के अधिकारियों की मिली भगत से केंद्र सरकार द्वारा दी जाने वाली प्री मैट्रिक अल्प संख्यक छात्रों की

ईओडब्ल्यू द्वारा गिरफ्तार किया गया विद्यालय प्रबंधक पवन कुमार। अमृत विचार

24 करोड़ रुपये का किया था घोटाला, ईओडब्ल्यू की टीम ने हाथरस से पकड़ा

छात्रवृत्ति की 24 करोड़ रुपये की रकम हड़प ली। इस मामले में हाथरस के मुरसान थाने में 2014 में रिपोर्ट दर्ज कराई गई। मामले को 2016 में ईओडब्ल्यू को ट्रांसफर कर दी गई। जांच में 81 आरोपी छात्रवृत्ति के गबन में दोषी पाये गये। दोषी पाए गये जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी हाथरस को गिरफ्तार कर जेल भेजा जा चुका है। ईओडब्लयू की टीम ने फरार चल रहे दो विद्यालयों बाबा जाहर पीर मदरसा अर्जुनपुर भटेला व शिव चरण इंटर कॉलेज के प्रबंधक पवन कुमार उर्फ बंटी को शनिवार को टीम ने गिरफ्तार किया है। आरोपी को ईओडब्ल्यू की टीम ने पूछताछ के बाद जेल भेज दिया।

रामबन में काफिले की 5 बसों में टक्कर, 36 श्रद्धालु घायल

रामबन / जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के रामबन जिले में शनिवार को एक बस के चार अन्य बसों को टक्कर मारने से अमरनाथ यात्रा पर जा रहे 36 श्रद्धालु मामूली रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने बताया कि ये बसें जम्मू के भगवती नगर से दक्षिण कश्मीर के पहलगाम आधार शिविर की ओर जा रहे काफिले का हिस्सा थीं।

दुर्घटना सुबह 8 बजे जम्मू-श्रीनगर राष्ट्रीय राजमार्ग पर चंद्रकूट के पास एक बस के ब्रेक फेल होने के कारण हुई, जिसने बाद में चार अन्य वाहनों को टक्कर मार दी।

जम्मू आधार शिविर से 6,900 से अधिक श्रद्धालु रवाना

दक्षिण कश्मीर हिमालय में स्थित अमरनाथ गुफा मंदिर के दर्शन के लिए भारी बारिश के बीच शनिवार तड़के 6,900 से अधिक श्रद्धालुओं का नया जत्था जम्मू के भगवती नगर आधार शिविर से रवाना हुआ। अधिकारियों ने बताया कि 2 जुलाई को 38 दिवसीय वार्षिक यात्रा शुरू होने के बाद से अब तक करीब 30,000 श्रद्धालु 3,880 मीटर ऊंचाई पर स्थित गुफा मंदिर में दर्शन कर चुके हैं।

प्रयागराज में भारी बारिश के बाद संगम रेलवे स्टेशन परिसर में भरा पानी। ● एजेंसी

आम तोड़ते समय एचटी लाइन की चपेट में आया किसान, मौत

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर/जैतीपुर

अमृत विचार : जैतीपुर क्षेत्र में पेड़ पर चढ़कर आम तोड़ रहा किसान हाईटेंशन (एचटी) लाइन की चपेट में आकर झुलस गया। गंभीर हालत में उसे सीएचसी से डॉक्टरों ने मेडिकल कॉलेज रेफर किया, लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया।

हवासपुर ग्राम निवासी किसान दिलबाग सिंह (38) अपने घर के बाहर लगे पेड़ पर आम तोड़ने के लिए चढ़े थे। इसी दौरान उनका हाथ पेड़ के पास से गुजर रही हाईटेंशन लाइन से छू गया और वह करंट लगने से बुरी तरह झुलस

दिलबाग सिंह

गए। परिजन आनन-फानन में उन्हें लेकर सीएचसी पहुंचे। यहां डॉक्टरों ने हालत गंभीर देख मेडिकल कॉलेज रेफर कर दिया, लेकिन वहां पहुंचने से पहले ही उनकी मौत हो चुकी थी। परिजनों ने बताया कि हादसे से कुछ ही समय पहले क्षेत्र में बारिश हुई थी। पेड़ की जड़ों के पास पानी जमा था, जिससे पेड़ पूरी तरह गीला हो चुका था। दिलबाग सिंह के परिवार में उनकी पत्नी हरदीप कौर और तीन साल का बेटा गुरमन दीप सिंह है।

संभल हादसा पीड़ितों के लिए मदद राशि की घोषणा

नई दिल्ली : प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तर प्रदेश के संभल में कार दुर्घटना में लोगों की मृत्यु पर शोक व्यक्त किया है और प्रत्येक मृतक के निकट परिजन को प्रधानमंत्री राष्ट्रीय राहत कोष से दो-दो लाख रुपये तथा प्रत्येक घायल को 50-50 हजार रुपये की अनुग्रह राशि देने की घोषणा की है। प्रधानमंत्री कार्यालय ने शनिवार को सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में कहा कि उत्तर प्रदेश के संभल में दुर्घटना में लोगों की मौत से बहुत दुख हुआ। उल्लेखनीय है कि संभल जिले के जुनावई क्षेत्र में शुक्रवार देर रात एक कार के दीवार से टकराने से उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और कई घायल हो गए।

सीबीगंज के तीन एसी मैकेनिकों की दिल्ली में मौत, एक गंभीर

कार्यालय संवाददाता, बरेली

अमृत विचार : दिल्ली में रहकर एसी का काम करने वाले चार युवक शनिवार की सुबह कमरे में बेसुध हालत मिले। पुलिस ने चारों को उपचार के लिए अस्पताल में भेजा। जहां पर डॉक्टरों ने तीन लोगों को मृत घोषित कर दिया, जबकि एक ही हालत गंभीर होने पर एम्स में उपचार चल रहा है।

सीबीगंज थाना क्षेत्र के बंडिया गांव निवासी मोसीम (22), हसीब (27), सनइया रानी मेवाकुंवर निवासी इमरान (25) और यहीं के अंकित रस्तोगी उर्फ कपिल दक्षिण दिल्ली के आंबेडकर नगर थाना क्षेत्र के

दक्षिणी दिल्ली इलाके में घर के अंदर मिले तीनों शव, गैस लीक होने से हादसे की आशंका

दक्षिणपुरी इलाके में किराये के कमरे में रहकर एसी संभालने का काम करते हैं। मोसीम के भांजे जीशान ने शुक्रवार की रात उन्हें कई बार कॉल किया, लेकिन किसी का फोन नहीं उठा। जवाब नहीं मिलने पर वह उनके कमरे पर पहुंचा। काफी देर तक दरवाजा खटखटाने के बाद भी जब अंदर कोई हरकत नहीं हुई तो उनसे पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने चारों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा, जहां पर डॉक्टरों ने अंकित और इमरान को मृत घोषित कर दिया, जबकि हसीब और मोसीम को गंभीर हालत में भर्ती कर लिया।

शाखा प्रबंधक समेत 25 पर करोड़ों के गबन में मुकदमा दर्ज

संवाददाता, पाकबड़ा (मुरादाबाद)

अमृत विचार : प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक के पूर्व शाखा प्रबंधक समेत 25 लोगों पर दो करोड़ से ज्यादा के गबन में मुकदमा दर्ज कराया गया है। मुकदमा वर्तमान में वरिष्ठ प्रबंधक ने दर्ज कराया है। पूर्व शाखा प्रबंधक समेत 25 लोगों पर 2 करोड़ 62 लाख का गबन का आरोप लगाते हुए एसएसपी के आदेश पर मुकदमा पंजीकृत किया गया है।

कस्बे में स्थित प्रथमा यूपी ग्रामीण बैंक में 2022 से लेकर 2024 साजिद अली शाखा प्रबंधक थे। शाखा प्रबंधक साजिद अली के

ऑडिट में सामने आया कि जिस काम के लिए लोन दिया उन्होंने वह काम दिखाया ही नहीं

वर्तमान वरिष्ठ प्रबंधक की तहरीर पर एसएसपी के आदेश के बाद दर्ज हुई रिपोर्ट

समय में बाकी 24 लोगों को करीब 2 करोड़ 62 लख रुपये का लोन दिया गया था। उसके बाद बैंक की सीनियर टीम ने ऑडिट किया था। जिसमें पाया गया कि जिस काम के लिए 24 लोगों को 2 करोड़ 62 लाख रुपये का लोन दिया गया था। उन्होंने वह काम नहीं दिखाया गया। उसके अलावा अभी तक कोई भी रुपया बैंक में नहीं जमा किया गया। जब यह बात ऑडिट में सामने आई तो बैंक के अधिकारियों ने इसका संज्ञान लिया। पता किया कि इसमें दो करोड़ 62 लाख रुपये का जो गबन किया गया है। उसमें पूर्व शाखा प्रबंधक साजिद अली भी शामिल है।

वर्तमान वरिष्ठ प्रबंधक योगेश कुमार की ओर से मुकदमा पंजीकृत कराया गया कि पूर्व में रहे शाखा प्रबंधक की मिली भगत से 2 करोड़ 62 लाख रुपये का गबन लोगों के साथ मिलकर लोन देने के बहाने से किया गया है। जिसमें लोक शिकायत उत्तर प्रदेश के यहां शिकायत करने के बाद एसएसपी के आदेश के बाद मुकदमा पूर्व शाखा प्रबंधक के खिलाफ के समेत 25 लोगों पर पंजीकृत किया गया है। लोन लेने वाले मोहम्मद शाहरुन हारून, मोहम्मद फैज, मोहम्मद अनस, मोहम्मद इरफान, मोहम्मद शरीफ, मोहम्मद यामीन, नाजिम इलेक्ट्रॉनिक स्कूटर, मोहम्मद आबिदस सुभान, शाहिदा बेगम, एमएस एम ए कंस्ट्रक्शन एंड सप्लाई, मोहम्मद आकिल, परवीन जहां, मुजस्सिम अली, इरशाद, नौशाद हुसैन, आकाशदीप, निसार अली, एन एम फर्नीचर हाउस, अमान कंस्ट्रक्शन, मोहम्मद साहिल, रमेश सिंह, मोहम्मद इमरान, राशिद हुसैन, मोहम्मद जर्रार के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत कराया गया है।

महिला को घर से घसीट कर पीटा, बेटी के साथ की अश्लील हरकत

बरेली : इज्जतनगर क्षेत्र में दबंगों ने घर में घुसकर महिला से मारपीट की। आरोप है कि उसके व उसकी बेटी के साथ अश्लील हरकतें की गईं। पुलिस ने मामले में पांच आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली है। थाना क्षेत्र की रहने वाली महिला ने बताया कि जरीना, फरमीन, इसराइल खान और जरीना के माता-पिता शुक्रवार सुबह आठ बजे उसके घर में घुस गए। सभी ने पहले तो उसकी पिटाई की, उसके बाद बाल पकड़ कर घर से बाहर घसीट लाए। जब बेटियों ने बचाने की कोशिश की तो आरोपियों ने उन्हें भी नहीं बख्शा।

कैंटर पलटने से लगी आग, हेल्पर जिंदा जला

संवाददाता, गजरौला (अमरोहा)

अमृत विचार : बदायूं-बिजनौर स्टेट हाईवे पर अनियंत्रित होकर पलटे केमिकल से भरे कैंटर में भीषण आग लग गई। कैंटर के हेल्पर की जिंदा जलकर मौत हो गई।

बछरायूं के शेख जादान गांव निवासी जमाल कैंटर में केमिकल भरकर लाया था। उसके कैंटर पर मोहल्ले का ही अरबाज (26) पुत्र रशीद हेल्पर था। दोनों ने शुक्रवार की शाम अमरोहा में केमिकल उतारा और अपने घर कैंटर लेकर आ गए। शनिवार को तड़के चंदौसी में केमिकल उतरना था। रात करीब एक बजे जमाल व अरबाज कैंटर लेकर चंदौसी

कैंटर में लगी आग को बुझाते दमकलकर्मी। अमृत विचार

हाईटेंशन लाइन से टकराने के बाद हुआ हादसा

के लिए चल पड़े। बदायूं-बिजनौर स्टेट हाईवे पर कुमराला चौकी के पास जमाल ने यू-टर्न लिया। जिस वजह से कैंटर अनियंत्रित होकर पलट गया और हाईटेंशन लाइन के खंभे से टकरा गया। कैंटर से केमिकल का रिसाव शुरू हो गया। तारों की चिंगारी से केमिकल में आग लग गई जिसकी चपेट में आकर अरबाज की जिंदा जलकर मौत हो गई। वहीं जमाल भगाने में कामयाब रहा। दमकल की टीम ने किसी तरह आग पर काबू पाया।

उत्तराखंड

कैलाश मानसरोवर यात्रा के हर पड़ाव पर मिलेंगी सुविधाएं

संवाददाता, टनकपुर

अमृत विचार : उत्तराखंड में कैलाश-मानसरोवर यात्रा का शनिवार से विधिवत शुभारंभ हो गया। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने टनकपुर स्थित पर्यटन आवास गृह से यात्रा के पहले दल को पिथौरागढ़ के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना करते हुए कहा कि यात्रियों को हर पड़ाव पर आवश्यक सुविधाएं मिलेंगी। उन्होंने यात्रियों का पारंपरिक रूप से स्वागत कर उत्तराखंड की सांस्कृतिक धरोहर से जुड़े स्मृति चिह्न भी भेंट किए।

मुख्यमंत्री ने 11 राज्यों से आए सभी श्रद्धालुओं से संवाद कर उनका देवभूमि उत्तराखंड में स्वागत किया। कहा कि कैलाश मानसरोवर की यात्रा करने का सौभाग्य हर किसी

शनिवार को पिथौरागढ़ के लिए रवाना किया गया कैलाश मानसरोवर यात्रियों का पहला

को नहीं मिलता, यह केवल धार्मिक अनुष्ठान नहीं, बल्कि आत्मिक और आध्यात्मिक जागरण का मार्ग है। श्रद्धालु इस अद्वितीय यात्रा के सहभागी बनकर केवल यात्रा नहीं, बल्कि समर्पण की अनुभूति लेकर जा रहे हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड की पवित्र धरती के कण-कण में भगवान शिव का वास है। यह यात्रा

मुख्यमंत्री ने टनकपुर से पहले यात्रा दल को हरी झंडी दिखाकर किया रवाना

कहां से कितने यात्री

पहले दल में 45 यात्री शामिल हैं, जिनमें 32 पुरुष एवं 13 महिलाएं हैं। इनमें उत्तर प्रदेश के 4, दिल्ली के 7, गुजरात के 11, राजस्थान के 6, महाराष्ट्र के 5, मध्यप्रदेश के 3, जम्मू एवं कश्मीर, तमिलनाडु और उत्तराखंड के 2-2 जबकि छत्तीसगढ़, तेलंगाना और पश्चिम बंगाल के 1-1 यात्री हैं।

अब केवल भौगोलिक मार्ग नहीं रही, बल्कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व और दृढ़ संकल्प से यह सीमाओं को लांघते हुए शिव से साक्षात्कार का सशक्त माध्यम बन गई है। पहले जिस यात्रा में सात दिन या उससे अधिक का समय लगता था, अब वह कुछ ही घंटों में संभव हो सकी है। मुख्यमंत्री ने कहा कि उत्तराखंड सरकार इस यात्रा को सुगम, सुरक्षित और सुविधाजनक बनाने के लिए पूरी तरह समर्पित है। प्रत्येक पड़ाव पर स्वास्थ्य, आवास, भोजन, सुरक्षा और अन्य आवश्यक सुविधाएं सुदृढ़ की गई हैं। यहां आयुक्त कुमाऊं दीपक रावत, आईजी आईटीबीपी और पीआरओ कैलाश मानसरोवर यात्रा संजय गुंजियाल, आईजी कुमाऊं रिद्धिम अग्रवाल, एमडी केएमवीएन विनीत तोमर, डीएम चम्पावत मनीष कुमार, डीएम पिथौरागढ़ विनोद गोस्वामी, एसपी चम्पावत अजय गणपति मौजूद रहे।

फर्जी राशन व आयुष्मान कार्ड का खुलासा

मुख्य संवाददाता, देहरादून

अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सरकारी योजनाओं का गलत तरीके से लाभ उठाने के मामले में कड़ा रुख अपनाया है। इस मामले में मुख्यमंत्री के निर्देश पर कोतवाली नगर और थाना राजपुर में दो अलग-अलग अभियोग दर्ज कराए गए हैं। संबंधित अधिकारियों को ऐसे अपात्र लोगों पर कठोरतम कार्रवाई के निर्देश दिए हैं।

इन मामलों में डीएसओ देहरादून और आयुष्मान विभाग की ओर से एसएसपी देहरादून को दी तहरीर में बताया गया कि सरकार द्वारा पांच लाख रुपये से कम सालाना आय वाले लोगों के राशन कार्ड बनाए जाते हैं। अपात्र लोगों के राशन कार्ड बनने

मुख्यमंत्री के निर्देश पर राजधानी देहरादून के दो थानों में अभियोग दर्ज

की शिकायत मिलने पर पूर्ति विभाग ने राशन कार्डों की जांच की तो तीन हजार से ज्यादा लोगों के राशन कार्ड फर्जी पाए गए। इसी आधार पर यह लोग अपने आयुष्मान कार्ड बनाते हुए अनुचित रूप से स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ ले रहे थे। मुख्यमंत्री के निर्देश पर एसएसपी देहरादून अजय सिंह ने कोतवाली नगर तथा थाना राजपुर में तत्काल अभियोग दर्ज कराए। एसएसपी के अनुसार, ऐसे सभी लोगों को चिन्हित किया जा रहा है, जिन्होंने फर्जी दस्तावेज तैयार कर सरकारी योजनाओं का लाभ लिया है।

जिला सूचना अधिकारी बद्री चन्द ने डीएम के हवाले से बताया कि जनता दरबार में अपात्र राशन एवं आष्युमान कार्ड की शिकायतों पर संज्ञान लेते हुए सत्यापन की कार्रवाई शुरू की गई, जिसमें पाया गया कि एक लाख 36 हजार 676 निष्क्रिय राशन कार्डों से नौ हजार 428 आष्युमान कार्ड बनाए गए हैं। उन्होंने बताया कि इसके बाद प्रशासन ने 3323 राशन कार्ड तथा 9428 आयुष्मान कार्ड को निरस्त किया।

12,751 कार्ड कराए गए गए निरस्त

देहरादून के जिलाधिकारी सविन बंसल ने जनता दरबार में मिली एक शिकायत के बाद राशन कार्ड और आयुष्मान कार्ड की तस्दीक कराई, जिसके बाद शनिवार को 3323 राशन कार्ड तथा 9428 आयुष्मान कार्ड निरस्त कराए।

अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है भारत

राहुल गांधी के लगाए आरोपों पर केंद्रीय मंत्री गोयल ने कहा- कांग्रेस ने ऐसे समझौतों पर हस्ताक्षर किए जो देश हित में नहीं थे

बेंगलुरू, एजेंसी

केंद्रीय वाणिज्य मंत्री पीयूष गोयल ने शनिवार को कहा कि भारत समयसीमा के तहत नहीं, बल्कि अपनी ताकत के दम पर बातचीत करता है। उन्होंने कांग्रेस पर संप्रग सरकार के दौरान ऐसे समझौतों पर बातचीत और हस्ताक्षर करने का आरोप लगाया, जो राष्ट्रीय हित में नहीं थे। गोयल ने राहुल गांधी के लगाए आरोपों पर यह बात कही।

बेंगलुरु में कर्नाटक के मंत्री एमबी पाटिल के साथ केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल।

कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने भारत-अमेरिका व्यापार सौदे पर प्रधानमंत्री मोदी पर दावा किया कि प्रधानमंत्री ट्रंप प्रशासन द्वारा निर्धारित शुल्क समयसीमा के आगे विनम्रतापूर्वक झुकेंगे। गोयल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत-अमेरिका के साथ प्रस्तावित व्यापार समझौते को तभी स्वीकार करेगा, जब यह अंतिम रूप ले लेगा और राष्ट्रीय हित में होगा। गोयल ने कहा, भारत समयसीमा के तहत बातचीत नहीं करता। मोदी सरकार के सत्ता में आने के बाद, हमने मॉरीशस, संयुक्त अरब अमीरात, ऑस्ट्रेलिया और चार देशों के समूह ईएफटीए (यूरोपीय मुक्त व्यापार संघ) के साथ मुक्त व्यापार समझौते पर हस्ताक्षर किए हैं और पिछले महीने ब्रिटेन के साथ भी समझौता किया गया। उनके अनुसार भारत 27 देशों के यूरोपीय संघ, अमेरिका, ओमान, पेरू और चिली सहित अन्य विकसित देशों के साथ घनिष्ठ रूप से जुड़ना चाहता है। उन्होंने कहा कि आज कांग्रेस और संप्रग के समय की तरह कमजोर भारत नहीं है, जिसने ऐसे समझौते किए जो राष्ट्रीय हित में नहीं थे।

वहीं, बेंगलुरु में आयोजित भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान (आईआईटी) मद्रास एलुमनाई एसोसिएशन के 'संगम 2025' में केंद्रीय मंत्री ने कहा कि नयी प्रौद्योगिकियां आने वाले वर्षों में भारत की विकास गाथा को परिभाषित करेंगी। गोयल ने कहा, आपका विज्ञान, आपकी प्रौद्योगिकी, इस जीवंत स्टार्टअप पारिस्थितिकी, अनुसंधान एवं विकास तथा नवाचार के साथ मिलकर भारत के भविष्य की विकास गाथा को आकार देंगे।

ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने झुक जाएंगे प्रधानमंत्री मोदी: राहुल

नई दिल्ली। कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पीयूष गोयल की टिप्पणी को लेकर शनिवार को दावा किया कि अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की व्यापार शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने प्रधानमंत्री मोदी आसानी से झुक जाएंगे। गोयल ने शुक्रवार को कहा था कि भारत समयसीमा के आधार पर व्यापार समझौता नहीं करता है और अमेरिका के साथ प्रस्तावित समझौते को तभी स्वीकार करेगा जब अंतिम रूप ले लेगा और राष्ट्रहित में होगा। राहुल गांधी ने उनके इस बयान पर एक्स पर कहा, पीयूष गोयल जितना चाहें छाती पीट सकते हैं, मेरे शब्दों पर गौर करें, ट्रंप की शुल्क संबंधी समयसीमा के सामने मोदी आसानी से झुक जाएंगे।

बिहार में व्यवसायी की गोली मारकर हत्या मुख्यमंत्री नीतीश ने बुलाई समीक्षा बैठक

पटना, एजेंसी

बिहार के व्यवसायी गोपाल खेमका की यहां उनके आवास के पास बाइक सवार हमलावर ने गोली मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। सात साल पहले हाजीपुर में बदमाशों ने उनके बेटे की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

गोपाल खेमका

- **सीएम ने गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच का दिया निर्देश**

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार रात 11.40 बजे गांधी मैदान इलाके में खेमका की हत्या हुई है। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने शनिवार को राज्य में कानून-व्यवस्था की स्थिति की समीक्षा के लिए एक बैठक की और उस दौरान उन्होंने संबंधित अधिकारियों को गोपाल खेमका हत्याकांड की जांच शीघ्र पूरी करने का निर्देश दिया। एसपी (पटना मध्य) दीक्षा ने कहा, स्थानीय थाने के अधिकारी एवं गश्ती वाहनों में सवार पुलिसकर्मी तुरंत मौके पर पहुंचे। फॉरेंसिक विशेषज्ञ साक्ष्य एकत्र कर रहे हैं। जांच जारी है। सीसीटीवी फुटेज खंगाली जा रही हैं। प्रारंभिक जांच से पता चला है कि गोपाल खेमका को बाइक सवार एक अज्ञात हमलावर ने गोली मारी है। उपमुख्यमंत्री विजय कुमार सिन्हा ने व्यवसायी के शोकाकुल परिजनों से मुलाकात की।

गोपाल खेमका के परिजनों ने आरोप लगाया कि पुलिसकर्मी घटना के दो घंटे बाद मौके पर पहुंचे। हालांकि, पुलिस महानिदेशक विनय कुमार ने इस आरोप से इनकार किया। कुमार ने कहा, घटना की जानकारी शुक्रवार देर रात 12.30 बजे पुलिस तक पहुंची। शुक्रवार रात 11.40 बजे गोलीबारी के बाद परिजन खेमका को कंकड़बाग में निजी अस्पताल ले गए। अस्पताल के अधिकारियों ने ही पुलिस को सूचना दी। वरिष्ठ अधिकारी रात 12.40 बजे मौके पर पहुंचे। पुलिस महानिदेशक ने बताया कि व्यवसायी की हत्या की जांच की निगरानी के लिए एसआईटी का गठन हुआ है, जिसमें विशेष कार्य बल और मध्य पुलिस जिले के अधिकारी हैं। हत्या के पीछे पुरानी रंजिश से इनकार नहीं किया जा सकता। खेमका के बेटे की भी 2018 में हाजीपुर में जमीन से जुड़े विवाद के कारण हत्या हुई थी। इसके मद्देनजर गोपाल को सुरक्षा दी गई थी। अप्रैल 2024 में इसे वापस ले लिया गया और उसके बाद उन्होंने कभी सुरक्षा की मांग नहीं की।

एक नजर

छत्तीसगढ़ में मुठभेड़ में एक नक्सली ढेर

बीजापुर। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में सुरक्षाबलों ने मुठभेड़ में एक नक्सली को मार गिराया है। पुलिस अधिकारियों ने शनिवार को बताया कि बीजापुर के नेशनल पार्क क्षेत्र में माओवादियों की उपस्थिति की सूचना पर सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच रुक-रुक कर मुठभेड़ जारी है। सुरक्षाबलों ने घटनास्थल से एक माओवादी का शव और हथियार बरामद किया है।

तेलंगाना विस्फोट: मृतकों की संख्या बढ़कर हुई 40

हैदराबाद। तेलंगना के संगारेड्डी जिले में अस्पताल में उपचाराधीन घायल व्यक्ति की शनिवार को मौत हो गई। इसी के साथ 'सिगाची इंडस्ट्रीज' के दवा विनिर्माण संयंत्र में विस्फोट की घटना में जान गंवाने वालों की संख्या बढ़कर 40 हो गई। अधिकारियों ने बताया कि उत्तर प्रदेश निवासी व्यक्ति 30 जून को हुए विस्फोट में 70 प्रतिशत से अधिक झलस गया था और शनिवार को अस्पताल में उसकी मौत हो गई।

आतंकवादी गतिविधियों से अर्जित संपत्ति कुर्क

श्रीनगर। जम्मू कश्मीर पुलिस ने शनिवार को आतंकवादी गतिविधियों से जुड़ी कमाई से अर्जित संपत्ति को कुर्क किया। पुलिस के अनुसार, खानयार पुलिस थाने में दर्ज प्राथमिकी के संबंध में यूएपीए के तहत कुर्की की गई। इस संपत्ती की अनुमानित कीमत लगभग डेढ़ करोड़ है। यह संपत्ति मोहम्मद यूसुफ शाह के नाम पर पंजीकृत है।

कोविड-19 के टीके व हृदयाघात के बीच कोई संबंध नहीं: विशेषज्ञ

बेंगलुरु, एजेंसी

कर्नाटक में हृदयाघात से हुई मौतों के मामलों की जांच करने वाली विशेषज्ञ समिति ने ये निष्कर्ष निकाला कि किसी व्यक्ति में हृदय रोग (प्रिमेच्योर कार्डियोवैस्कुलर डिजीज) का कोविड-19 संक्रमण या कोविड टीकाकरण से कोई संबंध नहीं है। पैनल की रिपोर्ट के अनुसार, कोविड-19 टीकाकरण दीर्घकालिक रूप से हृदयाघात की घटनाओं के खिलाफ सुरक्षात्मक साबित हुआ है।

- **कर्नाटक में हुई मौतों की जांच को सरकार ने बनाई थी समिति**

राज्य सरकार ने हसन जिले में हृदयाघात से हुई 20 से अधिक लोगों की मौत की जांच के लिए जयदेव हृदय विज्ञान एवं अनुसंधान संस्थान के निदेशक डॉ. रविन्द्रनाथ की अध्यक्षता में विशेषज्ञ समिति गठित की है। रिपोर्ट के अनुसार, युवाओं में हृदयाघात की घटनाओं में हुई वृद्धि के लिए लंबे समय तक हुआ कोविड जिम्मेदार है। बल्कि, हृदय रोग के कारकों की बढ़ती संख्या ही हृदयाघात का कारण हो सकता है।

भाषा विवाद: कार्यालय पर हमले के बाद निवेशक केडिया ने मांगी माफी, 5 मनसे समर्थक हिरासत में

मुंबई, एजेंसी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के 5 समर्थकों को शनिवार को निवेशक सुशील केडिया के वर्ली स्थित कार्यालय पर हमला करने के आरोप में हिरासत में लिया गया। इसके पहले केडिया ने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट में मराठी न सीखने के बारे में लिखा और राज ठाकरे को चेतवावनी दी कि क्या करना है बोल?, जिसके बाद यह हमला किया गया।

हमले के कुछ घंटों बाद केडिया ने सोशल मीडिया पोस्ट के लिए माफी मांगी और कहा कि उन्होंने जरूरत से ज्यादा प्रतिक्रिया व्यक्त की थी। केडिया ने ठाकरे की सराहना भी की। केडिया ने कहा कि उन्होंने दबाव और तनाव से गलत पोस्ट अपलोड किया था और एहसास होने पर वे गलती सुधारना चाहते थे। वहीं, राज्य के स्कूलों में त्रिभाषा नीति को थोपने से जुड़े विवाद पर मराठी का उपयोग न करने पर लोगों की पिटाई की घटनाओं के बाद, केडिया ने ठाकरे पर निशाना साधा था।

पुंछ में आतंकी ठिकाना ध्वस्त हथियारों का जखीरा बरामद

मेंढर/जम्मू, एजेंसी

जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले में सुरक्षा बलों ने शनिवार को एक आतंकवादी ठिकाने का भंडाफोड़ किया और हथियार एवं गोला-बारूद बरामद किया। अधिकारियों ने बताया कि सुरनकोट के जंगलों में पुलिस और सेना के संयुक्त तलाशी अभियान के दौरान इस ठिकाने का पता चला।

अधिकारियों ने बताया कि अभियान में किसी की गिरफ्तारी नहीं हुई। सुरक्षा बलों ने ठिकाने से तीन हथगोले (हैंड ग्रेनेड), एके असॉल्ट राइफल की 14 गोलियां, पिस्तौल की 6 गोलियां और अन्य सामग्री बरामद की। किश्तवाड़ जिले के चतरू के वन क्षेत्र में आतंकवाद रोधी अभियान शनिवार को चौथे दिन भी जारी रहा। सुरक्षा बलों ने बुधवार शाम जंगल में छिपे आतंकियों को घेरने का अभियान शुरू किया था। कई घंटों तक सुरक्षा बलों और आतंकियों के बीच मुठभेड़ भी हुई थी, लेकिन आतंकी भाग गए थे।

- **किश्तवाड़ जिले में सुरक्षाबलों का आतंकवादरोधी अभियान जारी**

नेशनल हेराल्ड : एजेएल को फिर से सक्रिय करने के लिए प्रयासरत कांग्रेस

नई दिल्ली। नेशनल हेराल्ड धनशोधन मामले में राहुल गांधी का पक्ष रख रहे वकील आरएस चीमा ने शनिवार को दलील दी कि अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी, एसोसिएटेड जर्नल्स लिमिटेड (एजेएल) की संपत्ति को बचाने का प्रयास कर रही है। चीमा ने विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने के समक्ष बात रखी। ईडी ने सोनिया, उनके बेटे राहुल गांधी सहित कई नेताओं व निजी कंपनी यंग इंडियन पर नेशनल हेराल्ड अखबार प्रकाशित करने वाली एजेएल की 2,000 करोड़ की संपत्तियों के अधिग्रहण की साजिश आरोप लगाया है।

सुखबीर सिंह बादल को घोषित किया तनखैया

चंडीगढ़। बिहार की राजधानी पटना में स्थित तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदारों ने शनिवार को शिरोमणि अकाली दल के प्रमुख सुखबीर सिंह बादल को उनके समक्ष उपस्थित न होने और निर्देशों की अनदेखी करने के लिए 'तनखैया' (धार्मिक दंड का दोषी) घोषित किया। तख्त श्री पटना साहिब सिख धर्म की पांच प्रमुख धार्मिक तख्त में से एक है। अमृतसर में अकाल तख्त सर्वोच्च धार्मिक तख्त है। पिछले साल अगस्त में अकाल तख्त ने बादल को 'तनखैया' घोषित किया था।

उन्हें दिसंबर में पंजाब में शिरोमणि अकाली दल सरकार द्वारा 2007 से 2017 तक की गई 'गलतियों' के लिए धार्मिक सजा (तनखाह) दी गई थी। तख्त श्री पटना साहिब के जत्थेदार और मुख्य 'ग्रंथी' ज्ञानी बलदेव सिंह ने शनिवार को बिहार के पटना में बादल को तनखैया घोषित करने का फैसला सुनाया।

आग से तबाह हुए मार्ट से दो शव बरामद

नई दिल्ली। मध्य दिल्ली के करोल बाग स्थित विशाल मेगा मार्ट में शुक्रवार शाम लगी आग में दो लोगों की मौत हो गई। पुलिस ने शनिवार को यह जानकारी दी। पुलिस के अनुसार, कुमार धीरेंद्र प्रताप (25) का शव लिफ्ट के अंदर मिला। पुलिस ने आशंका जताई कि आग के दौरान फंस जाने से उसकी मौत दम घुटने से हुई। दूसरे मृतक की पहचान उत्तर प्रदेश के अलीगढ़ निवासी 30 वर्षीय पवन गौतम के रूप में हुई है। वह लैब टेस्टिंग एमटी के रूप में काम करता था और राजेंद्र नगर में पत्नी के साथ किराए के मकान में रहता था।

ओडिशा : भगवान जगन्नाथ की बहुड़ा यात्रा शुरू

पुरी, एजेंसी

मौसी के घर श्री गुंडिचा मंदिर गए भगवान जगन्नाथ शनिवार को बड़े भाई बलभद्र और बहन देवी सुभद्रा के साथ वापसी के लिए 'बहुड़ा यात्रा' पर रवाना हुए। वापसी यात्रा में हजारों भक्तों ने पोहंडी के बाद बलभद्र के तलध्वज के रथ को खींचा और गजपति महाराजा दिव्यसिंह देब ने छेरा पोहरा (बुहारना) अनुष्ठान किया।

रथ खींचने की शुरुआत शाम चार बजे होनी थी, लेकिन यह तय समय से पहले अपराह्न 2.45 बजे जय जगन्नाथ, हरिबोल के जयघोष और झांझ-मंजीरों के बीच शुरू हुई। सुभद्रा और जगन्नाथ के रथ बलभद्र के तालध्वज के पीछे चलेंगे। इससे पहले, बलभद्र, सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ के विग्रहों को क्रमशः तालध्वज, दर्पदलन और नंदीघोष रथों पर ले जाया गया, जिसे पोहंडी कहा जाता है। पोहंडी शब्द संस्कृत शब्द पदमुंडनम से आया है, जिसका अर्थ है पैर फैलाकर धीमी गति से चलना। पोहंडी की शुरुआत चक्रराज सुदर्शन से हुई, उसके बाद बलभद्र, सुभद्रा और भगवान जगन्नाथ की 'पोहंडी' की रस्म हुई।

बहुदा यात्रा से पहले भगवान जगन्नाथ, बलभद्र और देवी सुभद्रा के रथ।

कारोबार/कृषि

जीएम आयात से कृषि निर्यात होगा प्रभावित

जीटीआरआई ने अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित कृषि उत्पादों के आयात पर किया आगाह

नई दिल्ली, एजेंसी

आर्थिक शोध संस्थान ग्लोबल ट्रेड रिसर्च इनिशिएटिव (जीटीआरआई) ने शनिवार को आगाह किया कि प्रस्तावित व्यापार समझौते के तहत अमेरिका से आनुवंशिक रूप से संशोधित (जीएम) कृषि उत्पादों को अनुमति देने से भारत पर प्रभाव पड़ेगा क्योंकि इससे यूरोपीय संघ (ईयू) जैसे क्षेत्रों में देश के कृषि निर्यात पर असर पड़ सकता है।

भारत और अमेरिका एक अंतरिम व्यापार समझौते पर बातचीत कर रहे हैं, जिसकी घोषणा नौ जुलाई से पहले होने की उम्मीद है। जीटीआरआई ने कहा कि पशु आहार के लिए सोयाबीन भोजन और डिस्टिलर्स सूखे अनाज के साथ घुलनशील (डीडीजीएस) जैसे जीएम उत्पादों के आयात की अनुमति देने से ईयू को भारत के कृषि निर्यात प्रभावित होंगे, जो भारतीय निर्यातकों के लिए एक प्रमुख गंतव्य है। डीडीजीएस एथनॉल उत्पादन के दौरान बनाया गया एक उप-उत्पाद है, जो आमतौर पर मकई या अन्य अनाज से बनता है। यूरोपीय संघ में जीएम लेबलिंग के सख्त नियम हैं और जीएम से जुड़े उत्पादों के प्रति उपभोक्ताओं में सख्त प्रतिरोध है। भले ही जीएम फ़ीड की अनुमति है, लेकिन यूरोपीय खरीदार पूरी तरह से जीएम-मुक्त आपूर्ति शृंखलाओं को प्राथमिकता देते हैं।

- **आर्थिक शोध संस्थान ने प्रस्तावित व्यापार समझौते पर रख अपना नजरिया**

जीटीआरआई के संस्थापक अजय श्रीवास्तव ने कहा कि भारत की खंडित कृषि-लॉजिस्टिक्स और पृथक्करण बुनियादी ढांचे की कमी क्रॉस-संदूषण की संभावना को बढ़ाती है, जिससे निर्यात खेपों में जीएम की मौजूदगी का खतरा है। उन्होंने कहा, इससे निर्यात रद्द हो सकता है, जांच की लागत बढ़ सकती है और भारत की जीएमओ-मुक्त छवि को नुकसान पहुंच सकता है, खास तौर पर चावल, चाय, शहद, मसाले और जैविक खाद्य पदार्थों जैसे संवेदनशील क्षेत्रों में। मजबूत 'ट्रेसेबिलिटी' और 'लेबलिंग सिस्टम' के बिना जीएम फ़ीड आयात ईयू में भारत की निर्यात प्रतिस्पर्धात्मकता को नुकसान पहुंचा सकता है। आनुवंशिक रूप से संशोधित फसलें, पौधे के डीएनए में विशिष्ट जीनों को सम्मिलित करके बनाई जाती हैं, जो अक्सर बैक्टीरिया, विषाणु, अन्य पौधों या जानवरों से प्राप्त होते हैं, ताकि नए गुण, जैसे कीट प्रतिरोध या शाकनाशी सहिष्णुता, उत्पन्न किए जा सकें। उदाहरण के लिए, बैसिलस थुरिंजिएंसिस नामक जीवाणु से प्राप्त बीटी जीन पौधे को कुछ कीटों के लिए विषैला प्रोटीन बनाने में सक्षम बनाता है। मिट्टी के जीवाणुओं सहित अन्य जीनों का उपयोग फसलों को शाकनाशियों के प्रति प्रतिरोधी बनाने के लिए किया गया है। जीएम फसलें पौधों पर आधारित हैं, तथ्य यह है कि उनमें से कुछ में पशु मूल के जीन होते हैं, वे उनको स्वीकार्य नहीं हो सकते हैं जो शाकाहार का पालन करते हैं।

जवाबी शुल्क पर 10-12 देशों को ट्रंप ने भेजेंगे पत्र

वॉशिंगटन। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने शनिवार को कहा कि उनका प्रशासन 10-12 देशों को पत्र भेजकर जवाबी शुल्क (रेसिप्रोकल टैरिफ) की दरों का विवरण साझा कर रहा है और पूरी प्रक्रिया नौ जुलाई तक पूरी हो सकती है। ट्रंप ने यह टिप्पणी ऐसे समय में दी है जब भारत में इस बात को लेकर संशय बढ़ रहा है कि क्या नई दिल्ली और वाशिंगटन, ट्रंप द्वारा तय की शुल्क की समयसीमा खत्म होने से पहले बहुप्रतीक्षित व्यापार समझौते को अंतिम रूप दे पाएंगे। ट्रंप ने आयोवा के लिए रवाना होने से पहले मैरीलैंड स्थित ज्वाइंट बेस एंड्रयूज एयर बेस पर कहा, हम कल से कई देशों को पत्र भेजना शुरू करेंगे। अमेरिकी राष्ट्रपति ने कहा कि 10 से 12 देशों को पत्र भेजे जा रहे हैं और यह प्रक्रिया नौ जुलाई तक पूरी हो सकती है। हालांकि, अमेरिकी राष्ट्रपति ने उन देशों के नाम नहीं बताए।

बिटकॉइन: डिजिटल संपत्ति में निवेश

बात काम की

बिटकॉइन डिजिटल मुद्रा है, जिसे किसी सरकार या बैंक के बजाय ब्लॉकचेन तकनीक से नियंत्रित किया जाता है। यह विकेंद्रीकृत प्रणाली पर आधारित है और ऑनलाइन लेनदेन के लिए प्रयोग होता है। निवेशक बिटकॉइन को डिजिटल संपत्ति मानकर इसमें निवेश करते हैं। इसके मूल्य में तेज़ी से उतार-चढ़ाव होता है, जिससे उच्च लाभ की संभावना तो होती है, पर जोखिम भी अधिक रहता है। निवेश से पहले तकनीकी समझ, सुरक्षा उपाय और बाज़ार की जानकारी आवश्यक है। यह निवेश पारंपरिक निवेश से भिन्न है, इसलिए सतर्क रहना जरूरी है।

बिटकॉइन क्या है

बिटकॉइन एक क्रिप्टोकरेंसी है, जिसे 2009 में अज्ञात समूह ने सातोशी नाकामोटो नाम से बनाया था। इसका उपयोग वस्तुओं, सेवाओं की खरीद और निवेश में होता है।

कैसे करें निवेश

बिटकॉइन में निवेश करने के लिए आपको किसी क्रिप्टो एक्सचेंज प्लेटफॉर्म (जैसे वज़ीरएक्स, कॉइनडीसीएक्स, बाइनेंस आदि) पर खाता बनाना होता है। फिर केवाईसी पूरा कर आप बिटकॉइन खरीद सकते हैं। इसे डिजिटल वॉलेट में स्टोर किया जाता है। लॉन्ग टर्म या शॉर्ट टर्म दोनों तरह से निवेश संभव है।

निवेश के लाभ

बिटकॉइन में मूल्य वृद्धि की संभावना अधिक होती है, जिससे कम समय में अधिक रिटर्न मिल सकता है। यह वैश्विक संपत्ति है, जिससे किसी देश की आर्थिक स्थिति का इस पर सीधा प्रभाव नहीं पड़ता।

जोखिम का रखें ध्यान

- **अत्यधिक अस्थिरता:** कीमतें बहुत तेजी से ऊपर-नीचे होती हैं।
- **कानूनी अनिश्चितता:** कई देशों में इसके नियम स्पष्ट नहीं हैं।
- हैकिंग और साइबर चोरी का खतरा रहता है। अगर पासवर्ड या प्राइवेट की खो जाए तो बिटकॉइन रिकवर नहीं किया जा सकता।

अन्य महत्वपूर्ण बातें

- निवेश से पहले क्रिप्टो मार्केट की पूरी जानकारी लें।
- छोटी राशि से शुरुआत करें और विविधता बनाए रखें।
- मजबूत पासवर्ड और टू-फैक्टर ऑथेंटिकेशन का उपयोग करें।

घटिया हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं पर कार्रवाई करे राज्य सरकार : केंद्र

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्र ने राज्यों से दोपहिया वाहन चालकों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए घटिया हेलमेट बेचने वाले विनिर्माताओं और खुदरा विक्रेताओं के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने को कहा है। शनिवार को जारी आधिकारिक बयान के अनुसार, उपभोक्ता मामलों के विभाग और भारतीय मानक ब्यूरो (बीआईएस) देश भर के उपभोक्ताओं से केवल बीआईएस-प्रमाणित हेलमेट का उपयोग करने की अपील करते हैं।

विभाग ने बीआईएस प्रमाणीकरण के बिना हेलमेट के विनिर्माण या बिक्री के खिलाफ सख्त कार्रवाई करने का भी आह्वान किया। विभाग ने कहा, भारतीय सड़कों पर 21 करोड़ से अधिक दोपहिया वाहन हैं, इसलिए सवार की सुरक्षा सर्वोपरि है। मोटर वाहन अधिनियम, 1988 के तहत हेलमेट पहनना अनिवार्य है। घटिया हेलमेट की बिक्री सुरक्षा से समझौता करती है। 2021 से गुणवत्ता नियंत्रण आदेश लागू है, जिसके तहत सभी दोपहिया वाहन चालकों के लिए बीआईएस मानकों के तहत प्रमाणित आईएसआई-चिह्नित हेलमेट अनिवार्य है। जून 2025 तक, देश में 176 विनिर्माता हैं, जिनके पास बीआईएस लाइसेंस हैं। विभाग ने पाया है कि सड़क किनारे बेचे जाने वाले हेलमेट में बीआईएस प्रमाणन का अभाव है, जिससे उपभोक्ताओं को जोखिम होता है और सड़क दुर्घटनाओं में कई लोगों की मौत हो जाती है।

संक्षिप्त सैन्य संघर्ष के बावजूद भारत-पाक व्यापार रहा जारी

इस्लामाबाद, एजेंसी

- **दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार तीसरे देश के माध्यम से जारी**

पाकिस्तान-भारत में संक्षिप्त सैन्य संघर्ष व सीमाओं के बंद होने के बावजूद दोनों देशों का द्विपक्षीय व्यापार मई में, मुख्य रूप से तीसरे देश के माध्यम से जारी रहा।

समाचार पत्र डॉन ने स्टेट बैंक ऑफ पाकिस्तान (एसबीपी) के आंकड़ों का हवाला देते हुए बताया कि भारत से आयात 2024-25 के जुलाई-मई के दौरान 3 साल के उच्च स्तर पर पहुंच गया। गत वित्त वर्ष के पहले 11 महीनों में भारत से आयात कुल 21.15 करोड़ डॉलर रहा, जो 2023-24 में 20.7 करोड़ डॉलर और 2022-23 में 19 करोड़ डॉलर से अधिक था। अकेले मई में जब चार दिवसीय संघर्ष छिड़ा था तब आयात 1.5 करोड़ डॉलर रहा, जो पिछले साल 1.7 करोड़ डॉलर से थोड़ा कम था। भारत को पाकिस्तान का निर्यात नगण्य रहा। 2023-24 और 2022-23 में निर्यात क्रमशः 34.4 व 3.3 लाख डॉलर रहा, जो द्विपक्षीय व्यापार की एकतरफा प्रकृति को उजागर करता है।

एफएमसीजी पर मौसम की मार, राजस्व पर असर

नई दिल्ली, एजेंसी

रोजमर्रा की जरूरत का सामान (एफएमसीजी) बनाने वाली कंपनियों का अनुमान है कि जून तिमाही में उनकी राजस्व वृद्धि प्रभावित होगी। उनका कहना है कि बेमौसम बारिश, गर्मियों की अवधि कम होना और प्रमुख कच्चे माल पर मुद्रास्फीति का दबाव जैसी प्रतिकूल परिस्थितियों के कारण ऐसा हो सकता है।

हालांकि, एफएमसीजी उद्योग ने तिमाही के दौरान मांग में क्रमिक सुधार देखा, जिसमें विशेष रूप से शहरी बाजारों में मात्रा के लिहाज से बिक्री तेजी से बढ़ी। मैरिको, डाबर और गोदरेज कंज्यूमर जैसी प्रमुख एफएमसीजी कंपनियों का मार्जिन मानक स्तर से नीचे रहा, और उनका अनुमान है कि अप्रैल-जून में मात्रा के लिहाज से कम एक अंकों की वृद्धि होगी। गोदरेज कंज्यूमर प्रोडक्ट्स को उम्मीद है कि जून तिमाही में भारत के कारोबार से उसका मार्जिन 'मानक सीमा' से नीचे रहेगा, लेकिन मात्रा के लिहाज से बिक्री बढ़ने से उच्च एक अंकों की मूल्य वृद्धि हो सकती है।

- **बारिश, गर्मियों की अवधि कम होना व कच्चे माल पर मुद्रास्फीति का दबाव मुख्य कारण**

दूसरी ओर डाबर के एकीकृत राजस्व में पेय पदार्थों की बिक्री उम्मीद से कम रहने से एक अंकों की वृद्धि का अनुमान है। पेय पदार्थों की बिक्री बेमौसम बारिश और छोटी गर्मी से प्रभावित हुई। डाबर को घर और निजी देखभाल खंड में अच्छे प्रदर्शन की उम्मीद है। मैरिको को जून तिमाही में मामूली परिचालन लाभ की उम्मीद है, क्योंकि उसके कुछ प्रमुख कच्चे माल जैसे कि कोपरा में क्रमिक मुद्रास्फीति देखने को मिली। मैरिको ने कहा कि जून तिमाही में ग्रामीण बाजार से सुधार के साथ लगातार मांग के रुझान देखे गए।

एक नजर

जसप्रीत बुमराह अपनी पत्नी संजना गणेशन के साथ शनिवार को इंग्लैंड के बर्मिंघम के एजबेस्टन में भारत और इंग्लैंड के बीच दूसरे क्रिकेट टेस्ट मैच के चौथे दिन के खेल से पहले तस्वीर में इस तरह दिखाई दिए। ● एजेंसी

चेल्सी क्लब विश्व कप के सेमीफाइनल में

फिलाडेल्फिया : चेल्सी ने मालो गुस्टो के 83वें मिनट में लगाए गए शॉट पर आत्मघाती गोल होने से पाल्मेरास को 2-1 से हराकर क्लब विश्व कप फुटबॉल प्रतियोगिता के सेमीफाइनल में जगह बना ली। कोल पामर ने शुक्रवार की रात को खेले गए मैच में 16वें मिनट में गोल करके चेल्सी को बढ़त दिला दी, लेकिन 18 वर्षीय एस्टेवाओ ने 53वें मिनट में स्कोर बराबर कर दिया। शॉर्ट कॉर्नर किक के बाद गुस्टो का शॉट डिफेंडर अगस्टिन गिया और गोलकीपर वेवर्टन से टकराकर गोल में चला गया जो आखिर में निर्णायक साबित हुआ। फीफा ने इसे वेवर्टन का आत्मघाती गोल करार दिया। चेल्सी सेमीफाइनल में मंगलवार को ईस्ट रदरफोर्ड, न्यू जर्सी में फ्लूमिनेंस का सामना करेगा। स्थानापन्न खिलाड़ी हरक्यूलिस ने 70वें मिनट में गोल करके शुक्रवार के पहले क्वार्टरफाइनल में फ्लूमिनेंस को अल हिलाल पर 2-1 से जीत दिलाई।

शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत जर्मनी में कट से चूके

म्यूनिख : भारत के शुभंकर शर्मा और वीर अहलावत यहां गोल्फ क्लब म्यूनिख ईचेनरीड में बीएमडब्ल्यू इंटरनेशनल ओपन में कट से चूक गए। शर्मा ने दो राउंड में 74-68 के साथ कुल दो अंडर का स्कोर बनाया, लेकिन एक शॉट से कट में जगह नहीं बना पाए। अहलावत ने भी इतना ही स्कोर बनाया और वह भी एक शॉट से कट से चूक गए। यह लगातार सातवां टूर्नामेंट है जिसमें शर्मा कट में जगह बनाने में नाकाम रहे। अहलावत पिछले छह टूर्नामेंट में तीसरी बार कट में जगह नहीं बना पाए। इस बीच डेविस ब्रायंट ने 63 का शानदार नौ अंडर पार स्कोर बनाकर दो शॉट की बढ़त बना ली।

श्रीकांत शीर्ष वरीयता प्राप्त चोऊ को हराकर सेमीफाइनल में पहुंचे

कैलगरी : भारत के किदाम्बी श्रीकांत ने अपना प्रभावशाली प्रदर्शन जारी रखते हुए यहां कनाडा ओपन सुपर 300 बैडमिंटन टूर्नामेंट में चीनी ताइपे के शीर्ष वरीय चोऊ टिएन चेन पर सीधे गेम में जीत दर्ज करके पुरुष एकल के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। विश्व चैंपियनशिप के पूर्व रजत पदक विजेता और इस साल मलेशिया मास्टर्स के फाइनल में पहुंचने वाले श्रीकांत ने शुक्रवार रात को 43 मिनट तक चले क्वार्टर फाइनल मुकाबले में विश्व के छठे नंबर के खिलाड़ी चेन को 21-18, 21-9 से हराया। वर्तमान में विश्व में 49वें स्थान पर काबिज श्रीकांत का फाइनल में जगह बनाने के लिए अब जापान के तीसरे वरीय केंटा निशिमोटो से मुकाबला होगा।

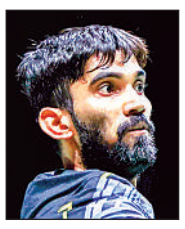

भारत ए के कप्तान संजय ने कहा यूरोप दौरे से बेंच स्ट्रेंथ तैयार होगी

बेंगलुरु : भारत ए पुरुष हॉकी टीम के कप्तान संजय का मानना है कि यूरोप के आगामी दौरे में खिलाड़ियों को खुद को परखने का मौका मिलेगा और इससे सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी। भारत ए' पुरुष टीम आठ से 20 जुलाई तक होने वाले दौरे के लिए शनिवार सुबह नीदरलैंड के आइंडहोवन के लिए रवाना हुई। संजय ने एक विज्ञप्ति में कहा, ''इस दौरे से हमें अपने मजबूत और कमजोर पक्षों को समझने का मौका मिलेगा। हमारे पास अनुभवी और युवा खिलाड़ियों का अच्छा मिश्रण है। इससे हमें यह आकलन करने का मौका मिलेगा कि हमारे खिलाड़ी किस स्थिति में हैं। उन्होंने कहा इस तरह के अंतरराष्ट्रीय अनुभव से हमें टीम को मजबूत बनाने और सीनियर टीम के लिए अच्छी बेंच स्ट्रेंथ तैयार करने में मदद मिलेगी।

गिल की ऐतिहासिक पारी से भारत जीत के करीब

चौथा दिन : भारत ने 427 रन पर दूसरी पारी घोषित की, इंग्लैंड ने 72 रन पर गंवाए तीन विकेट

बर्मिंघम, एजेंसी

कप्तान शुभमन गिल (161 रन) के दूसरे शतक की बदौलत भारत ने शनिवार को यहां दूसरे क्रिकेट टेस्ट के चौथे दिन दूसरी पारी छह विकेट पर 427 रन बनाकर घोषित की और इंग्लैंड को जीत के लिए 608 रन का अंसभव लक्ष्य दिया। पांचवें दिन इंग्लैंड के बल्लेबाज मुश्किल में होंगे क्योंकि टीम ने दूसरी पारी में स्टंप तक 72 रन तक तीन विकेट गंवा दिए। इसमें दो विकेट आकाशदीप और एक विकेट मोहम्मद सिराज ने झटका। आकाशदीप ने खतरनाक बेन डकेट और जो रूट को आउट किया जबकि सिराज ने जाक क्राउले को आउटस्विंगर पर बैकवर्ड प्वाइंट पर कैच कराया। गिल ने चार पारियों में तीसरा शतक जड़कर रन बनाने का सिलसिला जारी रखा। उन्होंने पहली पारी में 269 रन बनाए थे। उनके अलावा दूसरी पारी में रविंद्र जडेजा (नाबाद 69), ऋषभ पंत (65) और केएल राहुल (55) ने अर्धशतक जड़कर योगदान दिया।

पारी घोषित करने के समय पर उठे सवाल

भारत ने चाय के एक घंटे बाद दूसरी पारी घोषित की। हालांकि पारी घोषित करने के समय पर विशेषज्ञों और प्रशंसकों ने सवाल उठाए जिसमें चेतेश्वर पुजारा ने 'ऑन एयर' कहा कि भारत को कम से कम आधे घंटे पहले पारी घोषित कर देनी चाहिए थी। जब गिल के आउट होने के बावजूद पारी घोषित नहीं की गई तो 'होलीज स्टैंड' में इंग्लैंड के प्रशंसकों ने 'बोरिंग बोरिंग' के नारे लगाए। इसके तुरंत बाद हूटिंग शुरू हो गई।

गिल ने गावस्कर को पीछे छोड़ा

गिल की 162 गेंद की पारी में 13 चौके और आठ छक्के शामिल थे जिससे उन्होंने मैच में 430 रन बनाए। गिल और जडेजा ने पांचवें विकेट के लिए 175 रन की भागीदारी निभाई। इस प्रक्रिया में गिल ने किसी भी भारतीय के एक टेस्ट मैच में सबसे ज्यादा रन जुटाने के मामले में महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर को पीछे छोड़ दिया जिन्होंने 1971 में पोर्ट ऑफ स्पेन में वेस्टइंडीज के खिलाफ एक टेस्ट में 344 रन बनाए थे। वह गावस्कर के बाद एक ही टेस्ट में 200 और 100 रन बनाने वाले दूसरे भारतीय भी बने।

भारत सात शतक लगा चुका है सीरीज में

भारत ने अभी तक दौरे में सात शतक बना लिए हैं जो किसी विदेशी सीरीज में अभूतपूर्व है। हालांकि कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम की रणनीति ड्रॉ नहीं बल्कि नतीजों से प्रेरित है। बैजबॉल युग में एकमात्र ड्रॉ एशेज 2023 में ओल्ड ट्रैफर्ड मैच में बारिश के कारण हुआ था। गिल ने लंच ब्रेक के बाद गियर बदलते हुए 'स्कोरिंग' गति बढ़ाई और फिर चाय से तुरंत पहले मैच का अपना दूसरा शतक पूरा किया। अब उनकी निगाहें सीरीज बराबरी करने पर लगी हैं।

बेन डकेट को आउट करने के बाद जश्न मनाते भारतीय गेंदबाज आकाशदीप। ● एजेंसी

भारत दूसरी पारी

427/6 (पारी घोषित) (83 ओवर)

■	यशस्वी जायसवाल पगबाधा टंग	28
■	लोकेश राहुल बो टंग	55
■	करुण नायर का स्मिथ बो कार्स	26
■	शुभमन गिल का एवं बो बशीर	161
■	ऋषभ पंत का डकेट बो बशीर	65
■	रविंद्र जडेजा नाबाद	69
■	नीतिश रेड्डी का क्राउले बो रूट	01
■	वाशिंगटन सुंदर नाबाद	12

गेंदबाजी : क्रिस वोक्स 14-3-61-0, ब्राइडन कार्स 12-2-56-1, जोश टंग 15-2-93-2, शोएब बशीर 26-1-119-2, जो रूट 9-1-65-1

भारत पहली पारी : 587/10

इंग्लैंड पहली पारी : 407/10

इंग्लैंड दूसरी पारी

72/3 (16 ओवर)

■	बेन डकेट बो आकाशदीप	25
■	जाक क्राउली का सब बो सिराज	00
■	ओली पोप खेल रहे हैं	24
■	जो रूट बो आकाशदीप	06
■	हैरी ब्रुक खेल रहे हैं	15

गेंदबाजी : आकाशदीप 8-1-36-2, मोहम्मद सिराज 5-1-29-1, प्रसिद्ध कृष्णा 3-0-6-0

विराट कोहली ने शुभमन गिल की उपलब्धि को सराहा

बर्मिंघम : भारत के पूर्व टेस्ट कप्तान विराट कोहली ने शनिवार को इंग्लैंड के खिलाफ हासिल की गई उपलब्धि के लिए शुभमन गिल की सराहना करते हुए कहा कि वह इस सब के हकदार हैं। गिल ने शनिवार को पांच मैचों की सीरीज की चौथी पारी में कुल 500 से ज्यादा रन बनाते हुए करते हुए इंग्लैंड के मौजूदा दौरे का अपना लगातार दूसरा और तीसरा शतक बनाया। इस 25 वर्षीय कप्तान ने 162 गेंद में 13 चौकों और आठ छक्कों की मदद से 161 रन बनाए। उन्होंने मैच की पहली पारी में 269 रन बनाए थे जिससे वह महान क्रिकेटर सुनील गावस्कर के बाद टेस्ट में दोहरा शतक और शतक बनाने वाले दूसरे भारतीय बन गए। कोहली ने लिखा बहुत बढ़िया खेले 'स्टार बॉय'। इतिहास में नाम लिखवाना शानदार है। आप इस सब के हकदार हैं। कोहली ने इंग्लैंड दौरे से एक महीने पहले टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया था और अब लंदन में बस गए हैं।

161 रन
162 गेंद
13 चौके
8 छक्के

कप्तान शुभमन गिल।

सिराज ने छह विकेट लेने का श्रेय आकाशदीप को दिया

बर्मिंघम, एजेंसी

इंग्लैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट मैच की पहली पारी में छह विकेट लेने वाले भारतीय तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज ने इसका श्रेय साथी तेज गेंदबाज आकाशदीप को दिया और बंगाल के इस तेज गेंदबाज को घोड़े की संज्ञा देते हुए कहा कि वह केवल मौके का इंतजार कर रहा था।

सिराज ने 70 रन देकर छह विकेट जबकि आकाशदीप ने 88 रन देकर चार विकेट लिए। इन दोनों ने एक दूसरे का अच्छी तरह से साथ दिया जिससे भारत ने इंग्लैंड को 407 रन पर आउट करके पहली पारी में 180 रन की मजबूत बढ़त हासिल की। भारत ने अपनी पहली पारी में 587 रन बनाए थे। सिराज ने बीसीसीआई.टीवी से कहा आकाशदीप घोड़े की तरह है। वह मौके का इंतजार कर रहा था और जब उसे मौका मिला तो उसने दिखा दिया कि वह कितना बेताब था।

ईमानदारी से कहूं तो मुझे उसके साथ गेंदबाजी करने में काफी मजा आया। उन्होंने कहा मुझे जब जिम्मेदारी दी जाती है तो मैं खुश रहता हूं। मेरा एकमात्र लक्ष्य अपनी तरफ से रन नहीं देना था। मैंने हरसंभव नियंत्रण के साथ गेंदबाजी करने और बल्लेबाजों को दबाव में रखने की कोशिश की। जसप्रीत बुमराह को विश्राम दिए जाने के कारण अंतिम एकादश में जगह बनाने वाले आकाशदीप ने भी सिराज को श्रेय दिया।

मोहम्मद सिराज। ● एजेंसी

दूसरे टेस्ट मैच में मैं शतक बनाने के लिए बेताब था : हैरी ब्रूक

बर्मिंघम : इंग्लैंड के बल्लेबाज हैरी ब्रूक ने कहा कि वह भारत के खिलाफ यहां चल रहे दूसरे टेस्ट में शतक बनाने के लिए बेताब थे, क्योंकि लीड्स में पहले मैच में अपनी टीम की पांच विकेट की जीत के दौरान वह दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाए थे। दूसरे टेस्ट मैच में भारत के पहली पारी के 587 रन के जवाब में जब इंग्लैंड की टीम 84 रन पर पांच विकेट खोकर संघर्ष कर रही थी, तब ब्रूक (158) और जेमी स्मिथ (184) ने 303 रन की साझेदारी करके उसे संकट से उबारा। ब्रूक ने तीसरे दिन का खेल समाप्त होने के बाद संवाददाताओं से कहा मैं पहले टेस्ट की दूसरी पारी में खाता भी नहीं खोल पाया था और इसलिए मैं अच्छी शुरुआत करना चाहता था। इंग्लैंड का यह युवा बल्लेबाज पहले टेस्ट की पहली पारी में 99 रन पर आउट होने के बाद शतक से चूक गया था।

भारतीय टीम का बांग्लादेश दौरा सितंबर 2026 तक स्थगित

नई दिल्ली : बांग्लादेश क्रिकेट बोर्ड (बीसीबी) और भारतीय क्रिकेट बोर्ड (बीसीसीआई) ने शनिवार को आपसी सहमति से बांग्लादेश और भारत के बीच अगस्त 2025 में प्रस्तावित सफेद गेंद की सीरज को सितंबर 2026 तक स्थगित करने पर सहमति व्यक्त की। पहले से तय कार्यक्रम के मुताबिक भारतीय टीम को चटगांव और ढाका में 17 से 31 अगस्त तक तीन एकदिवसीय और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों को खेलना था। बीसीसीआई ने एक विज्ञप्ति में कहा दोनों बोर्डों के बीच चर्चा के बाद यह निर्णय लिया गया है। इसमें दोनों टीमों की अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट प्रतिबद्धताओं और कार्यक्रम की सुविधा को ध्यान में रखा गया है। बीसीबी ने कहा कि श्रृंखला का नया कार्यक्रम 'उचित समय पर' घोषित किया जाएगा। विज्ञप्ति में कहा गया है बीसीबी इस बहुप्रतीक्षित श्रृंखला के लिए सितंबर 2026 में भारत का स्वागत करने के लिए उत्सुक है। दौरे के लिए संशोधित तारीखों और कार्यक्रमों की घोषणा उचित समय पर की जाएगी। दोनों बोर्डों ने श्रृंखला को टालने का कारण कार्यक्रम में असुविधाओं को कारण बताया लेकिन 'पीटीआई' ने चार जुलाई को रिपोर्ट दी थी कि बीसीसीआई बांग्लादेश में सुरक्षा स्थिति को लेकर आशंकित है और इस श्रृंखला के कार्यक्रम को फिर से निर्धारित करना चाहता है।

सूर्यवंशी युवा वनडे में सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बने

वॉर्सेस्टर (इंग्लैंड), एजेंसी

वैभव सूर्यवंशी ने अपनी दमदार बल्लेबाजी से प्रभावित करना जारी रखते हुए युवा वनडे मैच का सबसे तेज शतक जड़ा जिससे भारत की अंडर-19 टीम ने शनिवार को यहां चौथे मैच में इंग्लैंड को 55 रन से हराकर श्रृंखला जीत ली। भारतीय अंडर-19 टीम ने इस तरह पांच मैचों की श्रृंखला में 3-1 से अजेय बढ़त बना ली।

सूर्यावंशी ने 50 ओवर के प्रारूप में भी अपनी काबिलियत साबित की। उन्होंने सिर्फ 78 गेंदों की पारी में 13 चौके और 10 छक्कों की मदद से 143 रन बनाए। इस दौरान उनका स्ट्राइक रेट 183 का रहा जिससे भारत ने नौ विकेट पर 363 रन बनाये। फिर इंग्लैंड की टीम को 45.3 ओवर में 308 रन पर समेट दिया। नमन पुष्पक ने 63 रन देकर तीन विकेट लिए। सूर्यावंशी ने अपना शतक 52 गेंद में पूरा कर सबसे तेज युवा वनडे शतक का रिकॉर्ड तोड़ दिया है। यह रिकॉर्ड पहले पाकिस्तान के कामरान गुलाम के नाम था। गुलाम ने 2013 में इंग्लैंड के खिलाफ ही 53 गेंदों में यह उपलब्धि हासिल की थी।

वैभव सूर्यवंशी।

महिला टीम का विजय अभियान रुका

लंदन : भारत की बल्लेबाजी अंतिम क्षणों में लड़खड़ा गई, जिससे इंग्लैंड ने तीसरे महिला टी20 अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट मैच में पांच रन से करीबी जीत दर्ज करके पांच मैच की श्रृंखला को जीवंत रखा। किया ओवल में शुक्रवार की रात को खेले गए मैच में इंग्लैंड बल्लेबाजी के पतन और खराब क्षेत्ररक्षण के बावजूद भारत को जीत की हैट्रिक लगाने और श्रृंखला में अजेय बढ़त हासिल करने से रोकने में सफल रहा। इंग्लैंड ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया। टीम ने नौ विकेट पर 171 रन बनाए। इसके जवाब में भारत एक समय अच्छी स्थिति में दिख रहा था। स्मृति मंधाना (56) और शेफाली वर्मा (47) ने कई जीवनदान का फायदा उठाकर पहले विकेट के लिए 85 रन जोड़े, लेकिन इसके बाद भारत की बल्लेबाजी लड़खड़ा गई। भारत को 20 ओवर में पांच विकेट पर 166 रन पर रोक दिया। भारत को अंतिम गेंद पर छह रन की जरूरत थी। कप्तान हरमनप्रीत कौर (23) बेल की गेंद पर बड़ा शॉट लगाने के प्रयास में आउट हो गई।

बेंगलुरु : विजेता भारत के नीरज चोपड़ा (बीच में), उपविजेता केन्या के जूलियस येगो (बाएं) और दूसरे उपविजेता श्रीलंका के रुमेश पथिराज।

चोपड़ा बने एनसी क्लासिक के पहले सत्र के चैंपियन

बेंगलुरु, एजेंसी

भारतीय भाला फेंक सुपरस्टार नीरज चोपड़ा ने शनिवार को विश्व स्तरीय प्रतियोगिता की मेजबानी और उसमें प्रतिस्पर्धा करने के अपने सपने को साकार करते हुए 'एनसी क्लासिक' का खिताब जीत लिया। दो बार के ओलंपिक पदक विजेता 27 साल के चोपड़ा ने अपने माता-पिता की मौजूदगी में श्री कांतीरवा स्टेडियम में अपने तीसरे प्रयास में 86.18 मीटर की दूरी के साथ खिताब अपने नाम किया। चोपड़ा का यह लगातार तीसरा खिताब है। उन्होंने इससे पहले पेरिस डायमंड लीग (20 जून) और पोलैंड के ओस्ट्रावा में गोल्डन स्पाइक (24 जून) में खिताब जीता था। कीनिया के 2025 विश्व चैंपियन जूलियस येगो 84.51 मीटर के साथ दूसरे स्थान पर रहे जबकि श्रीलंका के रुमेश पथिरगे (84.34 मीटर) ने तीसरा स्थान हासिल किया। चोपड़ा ने बाद में कहा कि वह थ्रो की दूरी से खुश नहीं थे लेकिन हवा भरे हालात को देखते हुए वह संतुष्ट थे। उन्होंने मई में दोहा डायमंड लीग में 90.23 मीटर की दूरी हासिल की थी।

> निश्चित रूप से मैं जीतना चाहता था। मेरा लक्ष्य सफलतापूर्वक टूर्नामेंट पूरा करना था। यह आसानी से हो गया। -नीरज चोपड़ा

सबालेंका, अल्काराज और नोरी चौथे दौर में

लंदन, एजेंसी

गत चैंपियन कार्लोस अल्काराज ने जर्मनी के जान-लेनार्ड स्ट्रफ को, स्टार टेनिस खिलाड़ी आर्यना सबालेंका ने एम्मा राडुकानू को तथा कैमरून नोरी ने माटेओ बेलुची को हराकर विंबलडन टूर्नामेंट के चौथे दौर में जगह बना ली हैं। तीसरे दौर के शुक्रवार रात खेले गये मुकाबले में दूसरी वरीयता प्राप्त स्पेनिश खिलाड़ी अल्काराज ने 12 में से पांच ब्रेक पॉइंट को भुनाकर 6-1, 3-6, 6-3, 6-4 से जीत हासिल की। अल्काराज ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 55 में से 34 पॉइंट जीते जो कि उनकी जीत का मुख्य कारण रहा। अल्काराज का अगला मुकाबला 14वीं वरीयता प्राप्त आंद्रेई रुब्लेव से होगा।

रूस के आंद्रेई रुब्लेव ने एड्रियन मानारिनो को 7-5, 6-2, 6-3 से हराकर चौथे दौर में जगह बनाई है। पांचवीं वरीयता प्राप्त अमेरिकी टेलर फ्रिट्ज ने स्पेन के एलेजांद्रो डेविडोविच फोकिना पर 6-4, 6-3, 6-7 (5), 6-1 से जीत हासिल की। थॉम्पसन ने तीसरे दौर में इटली के लुसियानो डार्डेरी को 6-4, 6-4, 3-6, 6-3 से हराया। महिलाओं के ड्रॉ में शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को 7-6 (6), 6-4 से हरा दिया।

शीर्ष वरीयता प्राप्त आर्यना सबालेंका (बाएं) ने ब्रिटेन की एम्मा राडुकानू को हरा दिया। ● एजेंसी

युकी-गैलोवे तीसरे दौर में बालाजी व बोलिपल्ली बाहर

लंदन : युकी भांबरी विंबलडन टेनिस ग्रैंडस्लैम में एकमात्र भारतीय बचे हैं जिन्होंने शनिवार को यहां अपने अमेरिकी जोड़ीदार रॉबर्ट गैलोवे के साथ मिलकर पुरुष युगल के तीसरे दौर में प्रवेश किया। चैंपियनशिप में 16वीं वरीयता प्राप्त युकी-गैलोवे की जोड़ी ने पुर्तगाल के नूनो बोर्गेस और मार्कोस गिरोन को डेढ़ घंटे में 6-3, 7-6 (8-6) से शिकस्त दी। अब प्री क्वार्टर फाइनल में उनका सामना स्पेन के मार्सेलो ग्रैनोलर्स और अर्जेंटीना के होरासियो जेबेलोस से होगा। अन्य नतीजे भारत के पक्ष में नहीं रहे जिसमें एन श्रीराम बालाजी और रित्विक बोलिपल्ली अपनी-अपनी जोड़िदारों के साथ दूसरे दौर में हार कर टूर्नामेंट से बाहर हो गये। बालाजी ने जोड़ीदार के साथ मुकाबले में कड़ी टक्कर दी।

अमरनाथ यात्रा

जम्मू एवं कश्मीर के अनंतनाग जिले में शनिवार को अमरनाथ की पवित्र गुफा की वार्षिक तीर्थयात्रा के दौरान दुर्गम रास्तों से गुजरते हुए तीर्थयात्री। एजेंसी

बरगर डिजीज का बढ़ रहा जोखिम

कुछ हट के

सिगरेट पीना या तंबाकू खाना सिर्फ फेफड़ों और मुंह को नुकसान नहीं पहुंचाते, इसकी वजह से कैंसर जैसी बीमारियां भी हो सकती हैं। स्मोकिंग से एक ऐसी रेयर डिजीज भी हो सकती है, जिसकी वजह से हाथ-पैर काटने तक की नौबत आ सकती है। इस बीमारी का नाम बर्गर डिजीज है। इसे थ्रॉम्बोएंजाइटिस ओब्लिटेरेंस भी कहते हैं। नेशनल लाइब्रेरी ऑफ मेडिसिन में पब्लिश एक रिपोर्ट के मुताबिक, पूरी दुनिया में हर 1 लाख में 12-20 लोगों को यह बीमारी होती है। हालांकि, भारत में अमेरिका और यूरोप के मुकाबले इसके ज्यादा केस सामने आते है। भारत में पेरिफेरल आर्टरी डिजीज (पीएडी) के 45-60% पेशेंट्स को बरगर डिजीज हो जाती है। पीएडी यानी ऐसी बीमारी, जिसमें आर्टरीज के सिकुड़ने से हाथ और पैर में ब्लड फ्लो कम हो जाता है। दुनिया में सबसे अधिक तंबाकू सेवन के मामले में भारत चीन के बाद दूसरे नंबर पर है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के मुताबिक, भारत में 15 वर्ष या उससे अधिक उम्र के 25 .3 करोड़ लोग स्मोकिंग करते हैं। इसलिए बरगर डिजीज का जोखिम भी भारत के लोगों को अन्य देशों के मुकाबले ज्यादा है। इसमें पैरों, हाथों और उंगलियों की ब्लड वेसल्स में सूजन हो जाती है। इससे ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इसके कारण ब्लड वेसल्स में क्लॉटिंग भी हो सकती है।

इन बातों को रखें ध्यान

- बॉडी एक्टिव रखें और ब्लड सर्कुलेशन सुधारने के लिए एक्सरसाइज करें।
- डायबिटीज या हाई ब्लड प्रेशर जैसी बीमारियों को कंट्रोल में रखें।
- पैरों और हाथों को ठंड से बचाएं और अच्छे जूते पहनें।
- स्मोकिंग और तंबाकू का सेवन पूरी तरह छोड़ दें।

इसके लक्षण और कारण

- बरगर डिजीज की शुरुआत में हाथों और पैरों में तेज दर्द होता है। खासतौर पर जब आप आराम करते हैं या सोने जाते हैं तो यह दर्द बढ़ जाता है। इसके लक्षण धीरे-धीरे डेवलप होते हैं। अभी तक बरगर डिजीज की सही वजह नहीं पता चली है। हालांकि, ज्यादातर मामलों में यह बीमारी तंबाकू और सिगरेट का सेवन करने वाले लोगों को होती है। तंबाकू में मौजूद केमिकल्स ब्लड वेसल्स के किनारों (वॉल) को कमजोर कर देते हैं। इससे ब्लड वेसल्स सिकुड़ने लगती हैं और ब्लड फ्लो कम हो जाता है। इसके अलावा जेनेटिक कारणों से या किसी ऑटोइम्यून डिजीज के कारण भी बरगर डिजीज हो सकती है।

डिजीज का इलाज

- बरगर डिजीज का कोई स्थाई इलाज नहीं है। इसके ट्रीटमेंट में लक्षणों को कम करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। वेसोडायलेटर्स दिए जाते हैं, ये ब्लड वेसल्स को चौड़ा करके ब्लड फ्लो बेहतर करते हैं। एंटी इंफ्लेमेटरी दवाएं दी जाती हैं, ये ब्लड वेसल्स में सूजन कम करके ब्लड फ्लो बेहतर करती हैं। एनाल्जेसिक यानी दर्द निवारक दी जाती हैं, ये दर्द कम करके घाव भरने में मदद करती हैं। एंटीकॉएगुलेंट्स दी जाती हैं, ये ब्लड क्लॉटिंग होने से रोकती हैं।एंटीबायोटिक्स दी जाती हैं, ये घाव में संक्रमण को रोकती और कम करती हैं। इसके इलाज में सिर्फ लक्षणों को कंट्रोल करने के लिए दवाएं दी जाती हैं। चूंकि, ज्यादातर मामलों में स्मोकर्स को यह बीमारी होती है, इसलिए इलाज के दौरान स्मोकिंग से दूर रहने की सलाह दी जाती है।

एक नजर

भारतीय की हत्या में किशोर की सजा की होगी समीक्षा

लंदन। ब्रिटेन में 80 वर्षीय भीम सेन कोहली की हत्या के मामले में दोषी करार दिये गये 15 वर्षीय किशोर की सात साल की जेल की सजा की ब्रिटेन की अत्यधिक उदार सजा योजना के तहत समीक्षा की जाएगी। अटॉर्नी जनरल के कार्यालय ने शुक्रवार को कहा कि किशोर की सजा की समीक्षा अपीलीय न्यायालय द्वारा की जाएगी। नाबालिग होने की वजह से किशोर के नाम का खुलासा नहीं किया। यह निर्णय ब्रिटेन के सॉलिसिटर जनरल द्वारा मामले की विस्तृत समीक्षा के बाद लिया गया है।

श्रीनगर में अशांति भड़काने में कई पर मामला दर्ज

श्रीनगर। जम्मू-कश्मीर के श्रीनगर में मुहर्रम जुलूस के दौरान अशांति भड़काने तथा सार्वजनिक व्यवस्था और सांप्रदायिक सद्भाव को बिगाड़ने का प्रयास करने के आरोप में कई व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। पुलिस प्रवक्ता ने कहा, शुक्रवार को एमए रोड पर मुहर्रम जुलूस के दौरान कुछ व्यक्तियों ने निर्धारित शर्तों का उल्लंघन करते हुए जानबूझकर व गैरकानूनी कृत्य किए।

अभिनेता जूलियन मैकमोहन का निधन

लॉस एंजिलिस। फैंटास्टिक फोर फिल्म में प्रसिद्ध मार्वल सुपरविलेन डॉ. डूम का किरदार निभाने वाले ऑस्ट्रेलियाई अभिनेता जूलियन मैकमोहन का कैंसर के कारण निधन हो गया। वह 56 वर्ष के थे। उनकी पत्नी केली मैकमोहन ने अमेरिकी मनोरंजन पोर्टल 'डेडलाइन' को दिए एक बयान में बताया कि जूलियन का निधन बुधवार को फ्लोरिडा के क्लियरवॉटर में हुआ। केली ने बयान में कहा, मैं दुनिया को बताना चाहती हूं कि मेरे प्रिय पति जूलियन मैकमोहन का इस सप्ताह निधन हो गया।

रूस में नौ-दिवसीय भारत उत्सव शुरू हुआ

मॉस्को। कई भारतीय राज्यों की विविध सांस्कृतिक परंपराओं को प्रदर्शित करने वाला नौ-दिवसीय भारत उत्सव शनिवार को यहां क्रेमलिन के निकट शुरू हुआ। इंडिया फेस्ट या भारत उत्सव के तहत भारतीय खाद्य पदार्थों और हस्तशिल्प के स्टॉल लगाए गए हैं। इस उत्सव का आयोजन यहां भारतीय दूतावास और रूस सरकार के पर्यटन विभाग द्वारा स्थानीय अभियान मॉस्को समर के तहत संयुक्त रूप से किया जाता है।

भारत, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के बीच 6 समझौते

पीएम मोदी व उनकी समकक्ष कमला प्रसाद के बीच वार्ता, सुरक्षा परिषद की स्थायी सदस्यता के लिए दिया समर्थन

पोर्ट ऑफ स्पेन, एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी त्रिनिदाद एवं टोबैगो की अपनी समकक्ष कमला प्रसाद से मुलाकात करते हुए। (दाएं) अर्जेंटीना के राष्ट्रपति के साथ प्रधानमंत्री मोदी।

भारत व त्रिनिदाद एवं टोबैगो ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और उनकी समकक्ष कमला प्रसाद बिसेसर के बीच वार्ता के बाद बुनियादी ढांचे और औषधि समेत कई क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के लिए छह समझौतों पर हस्ताक्षर किए। दोनों नेताओं ने कृषि, स्वास्थ्य सेवा और डिजिटल परिवर्तन, एकीकृत भुगतान इंटरफेस (यूपीआई), क्षमता निर्माण और लोगों के बीच संपर्क जैसे क्षेत्रों में संभावित सहयोग पर चर्चा की।

शनिवार को जारी संयुक्त बयान में कहा गया कि त्रिनिदाद और टोबैगो ने विस्तारित संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में स्थायी सदस्यता के लिए भारत को अपना पूर्ण समर्थन देने की पुष्टि की है। वैश्विक मुद्दों पर गहन विचार-विमर्श करते हुए मोदी और बिसेसर ने संयुक्त राष्ट्र में व्यापक सुधारों की आवश्यकता पर बल दिया, जिसमें संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद का विस्तार भी शामिल है ताकि वर्तमान वास्तविकताओं को बेहतर ढंग से प्रतिबिंबित किया जा सके। संयुक्त वक्तव्य में कहा गया, बढ़ते भू-राजनीतिक तनाव और वैश्विक संघर्षों को स्वीकार करते हुए दोनों नेताओं ने बातचीत और कूटनीति को आगे बढ़ने का रास्ता बताया। इस बात पर भी सहमति बनी कि भारत 2027-28 की अवधि के लिए संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में अस्थायी सीट के लिए त्रिनिदाद और टोबैगो की उम्मीदवारी का समर्थन करेगा तथा यह द्वीपीय राष्ट्र 2028-29 की अवधि के लिए नयी दिल्ली की दावेदारी का समर्थन करेगा। विदेश मंत्रालय ने कहा, प्रधानमंत्री की त्रिनिदाद और टोबैगो की ऐतिहासिक यात्रा से दोनों देशों के बीच विशेष संबंधों को बढ़ावा मिला है। मोदी पांच देशों की यात्रा के दूसरे चरण में गुरुपवार को पोर्ट ऑफ स्पेन पहुंचे।

अर्जेंटीना के राष्ट्रपति ने द्विपक्षीय व्यापार में विविधता लाने पर सहमति जताई

ब्यूनस आयर्स। प्रधानमंत्री मोदी और अर्जेंटीना के राष्ट्रपति जेवियर मिलेई ने शनिवार को भारत-अर्जेंटीना व्यापार में विविधता लाने पर सहमति जतायी तथा रक्षा, सुरक्षा, ऊर्जा और खनिज जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने का संकल्प लिया। दोनों नेताओं ने अपनी व्यापक वार्ता में द्विपक्षीय रक्षा सहयोग बढ़ाने पर जोर दिया, क्योंकि इससे एक-दूसरे के सामरिक हितों को पूरा किया जा सके। मोदी पांच देशों की अपनी यात्रा के तीसरे चरण में शुक्रवार को दो-दिवसीय यात्रा पर ब्यूनस आयर्स पहुंचे। वैसे तो मोदी ने 2018 में जी-20 शिखर सम्मेलन में भाग लेने के लिए अर्जेंटीना की यात्रा की थी, लेकिन 57 साल के अंतराल के बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री की यह दक्षिण अमेरिकी देश की पहली द्विपक्षीय यात्रा है। मोदी ने सोशल मीडिया पर पोस्ट किया कि उन्होंने और राष्ट्रपति मिलेई ने व्यापार संबंधों में विविधता लाने तथा कृषि, रक्षा, सुरक्षा और ऊर्जा जैसे क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की। फार्मास्यूटिकल्स और खेल जैसे क्षेत्रों में भी अपार संभावनाएं हैं। प्रधानमंत्री ने मिलेई के साथ बैठक को उत्कृष्ट बताया। मोदी ने एक्स पर पोस्ट किया, हम भारत-अर्जेंटीना राजनयिक संबंधों के 75 वर्ष पूरे होने और अपने संबंधों को रणनीतिक साझेदारी तक बढ़ाने के पांच वर्ष पूरे होने का जश्न मना रहे हैं।

सैन मार्टिन स्मारक पर पुष्पांजलि अर्पित की : प्रधानमंत्री मोदी ने शनिवार को अर्जेंटीना के राष्ट्रीय नायक माने जाने वाले जनरल जोस डी सैन मार्टिन के स्मारक पर यहां पुष्पांजलि अर्पित की। जोस फ्रांसिस्को डी सैन मार्टिन वाई मटोरस को दक्षिण अमेरिकी देशों अर्जेंटीना, चिली और पेरू के मुक्तिदाता के रूप में भी जाना जाता है। मोदी शुक्रवार शाम को दो दिवसीय यात्रा पर अर्जेंटीना पहुंचे।

रूस ने यूक्रेन पर किया भीषण हवाई हमला

- जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति से फोन पर की बात, रूस के प्रमुख एयरबेस पर भी हमले का दावा

कीव, एजेंसी

यूक्रेन ने शनिवार को रूस के एक प्रमुख एयरबेस पर हमला करने का दावा किया। वहीं, रूस ने शुक्रवार रातभर यूक्रेन पर सैकड़ों ड्रोन दागे। यूक्रेन के सैन्य जनरल स्टाफ ने शनिवार को कहा कि यूक्रेनी सेना ने रूस के वोरोनिश क्षेत्र में स्थित बोरिसोग्लबस्क एयरबेस पर हमला किया है, जिसे रूस के एसयू-34, एसयू35एस और एसयू-30एसएम लड़ाकू विमानों का प्रमुख अड्डा माना जाता है।

जनरल स्टाफ ने सोशल मीडिया मंच 'फेसबुक' पर कहा कि सेना ने एक एयरबेस को निशाना बनाया, जहां स्थित डिपो में ग्लाइड बम, एक प्रशिक्षण विमान और संभवतः अन्य विमान भी थे। रूसी अधिकारियों ने हमले पर तत्काल कोई टिप्पणी नहीं की है। यूक्रेनी वायुसेना के मुताबिक, शुक्रवार रात से शनिवार सुबह तक रूस ने यूक्रेन पर 322 ड्रोन छोड़े। इनमें से ज्यादातर ड्रोन को यूक्रेन की रक्षा प्रणाली ने रोक दिया। यूक्रेनी वायुसेना के अनुसार, इस हमले का मुख्य लक्ष्य यूक्रेन का पश्चिमी क्षेत्र खमेलनित्स्की था, जहां कोई नुकसान या किसी के हताहत होने की खबर नहीं मिली है। रूस ने शुक्रवार की रात को यूक्रेन की राजधानी कीव पर ड्रोन और मिसाइलों से अब तक का सबसे बड़ा हवाई हमला किया, जिसमें एक व्यक्ति की मौत हो गई और कम से कम 26 अन्य घायल हो गए। इस बीच, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से फोन पर बात की। जेलेंस्की के बयान के अनुसार, दोनों नेताओं ने यूक्रेन की हवाई सुरक्षा को मजबूत करने, संभावित संयुक्त हथियार निर्माण और युद्ध समाप्ति के प्रयासों पर चर्चा की।

हमले में 14 फलस्तीनियों की मौत, खाने की तलाश में निकले 10 अन्य मारे गए

दीर अल बलाह। इजराइली हवाई हमलों में गाजा पट्टी में 14 लोगों की मौत हो गई, जबकि युद्धग्रस्त क्षेत्र में भोजन की तलाश में निकले 10 अन्य फलस्तीनी भी मारे गए हैं। दक्षिणी गाजा में एक खाद्य वितरण स्थल पर हुए हमले में इजराइल समर्थित गाजा ह्यूमेनिटेरियन फाउंडेशन (जीएचएफ) के दो अमेरिकी सहायता कर्मी भी घायल हो गए।

पोप ने बाल दुर्व्यवहार के खिलाफ लड़ाई जारी रखने का दिया संकेत

- कैथोलिक ईसाई पंथ के सर्वोच्च नेता ने की अपील

रोम, एजेंसी

कैथोलिक ईसाई पंथ के सर्वोच्च नेता पोप लियो 14वें ने शनिवार को फ्रांस के बिशप थिबॉल्ट वर्नी को वेटिकन के बाल संरक्षण सलाहकार आयोग का प्रमुख नियुक्त करके पादरियों द्वारा बाल यौन शोषण के खिलाफ लड़ाई जारी रखने की प्रतिबद्धता का संकेत दिया। वर्नी (59)ने बोस्टन के सेवानिवृत्त आर्कबिशप अमेरिकी कार्डिनल सीन ओमैली की जगह ली है।

ओमैली नाबालिगों की सुरक्षा के लिए पोंटिफिकल कमीशन के संस्थापक अध्यक्ष थे, जो पोप फ्रांसिस द्वारा 2014 में स्थापित एक सलाहकार समूह है। इसका उद्देश्य चर्च को दुर्व्यवहार से लड़ने और बच्चों की सुरक्षा के लिए सर्वोत्तम तरीकों पर सलाह देना है। पोप के तौर पर फ्रांसिस के 12 साल कार्यकाल के दौरान जब बाल उत्पीड़न के मामले वैश्विक स्तर पर आने लगे तो आयोग ने शुरू में अपना प्रभाव खो दिया और इसकी सबसे महत्वपूर्ण सिफारिश आरोपी पादरियों को बचाने वाले बिशप की सुनवाईके लिए एक न्यायाधिकरण गठित करने पर कोई कार्रवाई नहीं हुई। वर्षों के सुधार व नए सदस्यों के बाद, यह एक ऐसा स्थान बन गया है जहां पीड़ितों की सुनवाई हो सकती है और बिशप दुर्व्यवहार से लड़ने के लिए दिशानिर्देश तैयार करने पर सलाह ले सकते हैं।

कर्नाटक में पांच बाघों की मौत, दो अधिकारी किए गए निलंबित

बेंगलुरु। कर्नाटक के वन मंत्री ईश्वर खांडरे ने माले महादेश्वर (एमएम) पहाड़ियों में पांच बाघों की अप्राकृतिक मौत के संबंध में लापरवाही और कर्तव्य निर्वहन में चूक के लिए दो अधिकारियों को निलंबित कर दिया है। अधिकारियों ने बताया कि मंत्री ने इस मामले में उप वन संरक्षक (डीसीएफ) वाई चक्रपाणि को निलंबित करने की भी सिफारिश की है। एमएम हिल्स के हुग्याम रेंज में 26 जून को एक मादा बाघिन और उसके चार शावक मृत पाए गए थे। खांडरे ने चक्रपाणि के आचरण की विभागीय जांच की भी सिफारिश की। घटना के बाद तीन लोगों को गिरफ्तार किया गया था। खांडरे का यह निर्णय अतिरिक्त प्रधान मुख्य वन संरक्षक (एपीसीसीएफ) कुमार पुष्कर की अध्यक्षता वाली उच्च स्तरीय जांच समिति द्वारा प्रस्तुत प्रारंभिक रिपोर्ट की समीक्षा के बाद आया।

जांच के दायरे में आए व्यक्तियों को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं: बिलावल

इस्लामाबाद, एजेंसी

- कहा- नई दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए

पाकिस्तान के पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी ने कहा है कि उनके देश को विश्वास बहाली के उपाय के रूप में जांच के दायरे में आए व्यक्तियों को भारत को प्रत्यर्पित करने में कोई आपत्ति नहीं है बशर्ते नयी दिल्ली इस प्रक्रिया में सहयोग करने की इच्छा दिखाए। पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी के अध्यक्ष बिलावल ने शुक्रवार को अल जजीरा के साथ एक साक्षात्कार में यह टिप्पणी की।

डॉन अखबार में प्रकाशित खबर में कहा गया कि लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) प्रमुख हाफिज सईद और जैश-ए-मोहम्मद (जेईएम) प्रमुख मसूद अजहर को संभावित समझौते और सद्भावनापूर्ण रुख के तहत भारत को प्रत्यर्पित करने के बारे में पूछे गए सवाल का जवाब देते हुए बिलावल ने यह टिप्पणी की। बिलावल ने कहा,पाकिस्तान के साथ एक व्यापक वार्ता के हिस्से के रूप में, जहां आतंकवाद उन मुद्दों में से एक है जिन पर हम चर्चा करते हैं, मुझे यकीन है कि पाकिस्तान इनमें से किसी भी चीज का विरोध नहीं करेगा। राष्ट्रीय आतंकवाद निरोधक प्राधिकरण (नैक्टा) के अनुसार, लश्कर-ए-तैयबा और जैश-ए-मोहम्मद दोनों को पाकिस्तान ने प्रतिबंधित कर रखा है, जबकि 26/11 मुंबई आतंकी हमले का मुख्य षड्यंत्रकारी हाफिज सईद वर्तमान में आतंकवाद के वित्तपोषण के लिए 33 साल की सजा काट रहा है। इसी तरह संयुक्त राष्ट्र द्वारा वैश्विक आतंकवादी घोषित अजहर को भी नैक्टा ने प्रतिबंधित कर रखा है।

बिलावल ने कहा कि इन व्यक्तियों के खिलाफ मुकदमे वाले मामले पाकिस्तान से संबंधित थे, जैसे कि आतंकवादी गतिविधियों का वित्तपोषण। हालांकि, उन्होंने कहा कि सीमा पार आतंकवाद के लिए उन पर मुकदमा चलाना मुश्किल था क्योंकि दिल्ली की ओर से बुनियादी चीजों का अनुपालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा, भारत कुछ बुनियादी चीजों का पालन करने से इनकार कर रहा है जिसकी दोषसिद्धि के लिए आवश्यकता होती है।

झारखंड में कोयला खदान का एक हिस्सा ढहने से चार की मौत

रामगढ़। झारखंड के रामगढ़ जिले में अवैध खनन के दौरान बंद पड़ी कोयला खदान का एक हिस्सा ढह जाने से चार लोगों की मौत हो गई और कुछ लोगों के फंसे होने की आशंका है। पुलिस के मुताबिक, यह घटना जिले के कुजू चौकी के कर्मा इलाके में तड़के घटी।

रामगढ़ के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी (एसडीपीओ) परमेश्वर प्रसाद ने कहा,'दुर्घटना स्थल से चार शव बरामद कर लिये गए हैं। एक अन्य अधिकारी ने बताया कि हालांकि, पुलिस टीम के मौके पर पहुंचने से पहले ही ग्रामीण तीन शव वहां से ले गये। प्रशासनिक टीम सुबह से ही राहत एवं बचाव कार्य में जुटी हुई है। एसपी अजय कुमार ने बताया कि यह घटना सेंट्रल कोलफील्ड्स लिमिटेड की एक बंद पड़ी कोयला खदान में हुई।

सैफ व उनके परिवार को 15,000 करोड़ की पैतृक संपत्ति मामले में झटका, फिर से सुनवाई का आदेश

जबलपुर, एजेंसी

- मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने दो दशक पहले दिए गए अधीनस्थ अदालत के फैसले को किया खारिज

अभिनेता सैफ अली खान व उनके परिवार को झटका देते हुए मध्य प्रदेश हाईकोर्ट ने संपत्ति मामले में दो दशक पहले दिए गए अधीनस्थ अदालत के फैसले को खारिज कर दिया और मामले में फिर से सुनवाई का आदेश दिया है। सैफ अली और उनके परिवार को भोपाल के पूर्व शासकों की 15,000 करोड़ की संपत्ति विरासत में मिली थी।

30 जून को दिये अपने आदेश में, न्यायमूर्ति संजय द्विवेदी की एकल पीठ ने अधीनस्थ अदालत के फैसले और डिक्री को खारिज कर दिया, जिसमें पटौदी (सैफ अली खान, उनकी मां शर्मिला टैगोर और उनकी दो बहनों सोहा और सबा) को संपत्तियों का मालिक माना गया था। इसने निचली अदालत को एक साल के भीतर मामले की सुनवाई पूरी करने और फैसला देने के लिए हर संभव प्रयास करने का निर्देश दिया। नवाब हमीदुल्लाह भोपाल रियासत के अंतिम शासक नवाब थे। उनकी और उनकी पत्नी मैमूना सुल्तान की तीन बेटियां - आबिदा, साजिदा और राबिया - थीं। साजिदा ने इफ्तिखार अली खान पटौदी से शादी की और भोपाल की नवाब बेगम बन गईं। उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी ने शर्मिला टैगोर से शादी की। मंसूर भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान थे। नवाब हमीदुल्लाह की सबसे बड़ी बेटी आबिदा के पाकिस्तान चले जाने के बाद, साजिदा इन संपत्तियों की मालिक बन गईं। बाद में, उनके बेटे मंसूर अली खान पटौदी इन संपत्तियों के उत्तराधिकारी बन गए।

इन संपत्तियों की अनुमानित कीमत लगभग 15,000 करोड़ रुपये है, जो सैफ अली और उनके परिवार को विरासत में मिली। दो अपीलें - एक बेगम सुरैया राशिद एवं अन्य द्वारा और दूसरी नवाब मेहर ताज साजिदा सुल्तान एवं अन्य द्वारा दायर की गईं, जो सभी दिवंगत नवाब हमीदुल्लाह के उत्तराधिकारी हैं। इन अपील में कहा गया कि निचली अदालत ने शाही संपत्ति के अनुचित विभाजन के खिलाफ उनके मुकदमों को खारिज कर दिया।

कार्यक्रम दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर जारी अफवाहों पर लगाया विराम

मुझे उम्मीद है मैं 30-40 साल और जीवित रहूंगा : दलाई लामा

धर्मशाला, एजेंसी

मैकलोडगंज में अपने जन्मदिवस के अवसर पर दलाई लामा।

दलाई लामा ने अपने उत्तराधिकारी की घोषणा को लेकर जारी अफवाहों पर एक प्रकार से विराम लगाते हुए शनिवार को कहा कि उन्हें उम्मीद है कि वह लोगों की सेवा के लिए 30-40 साल और जीवित रहेंगे। मैकलोडगंज में मुख्य दलाई लामा मंदिर त्सुगलागखांग में रविवार को आयोजित होने वाले जन्मदिवस कार्यक्रम से पूर्व दीर्घायु प्रार्थना समारोह में तेनजिन ग्यात्सो ने कहा कि उन्हें स्पष्ट संकेत मिल रहे हैं कि अवलोकितेश्वर का आशीर्वाद उनके साथ है।

तिब्बत के आध्यात्मिक गुरु ने कहा कि आपकी प्रार्थनाएं अब तक फलदायी रही हैं। बचपन से ही उन्हें लगता था कि उनका अवलोकितेश्वर से गहरा नाता है। उन्होंने कहा, मैं अब तक बुद्ध धर्म और तिब्बत के लोगों की अच्छी तरह से सेवा कर पाया हूं और मुझे उम्मीद है कि मैं 130 साल से ज्यादा जीऊंगा। निर्वासित तिब्बती सरकार ने 14वें दलाई लामा का जन्मदिन मनाने के लिए यहां एक सप्ताह तक कार्यक्रम आयोजित किए हैं। समारोह के हिस्से के रूप में मुख्य मंदिर में दीर्घायु प्रार्थना समारोह आयोजित किया गया जिसमें 15,000 से अधिक लोगों ने भाग लिया। केंद्रीय तिब्बती प्रशासन के प्रवक्ता तेनजिन लेक्षय के अनुसार, मंदिर में श्रद्धालुओं, तिब्बती बौद्ध धर्म के विभिन्न संप्रदायों के प्रतिनिधियों, विभिन्न मठों के वरिष्ठ लामाओं की भीड़ उमड़ पड़ी। दलाई लामा ने कहा कि हालांकि तिब्बती लोग अपना देश खो चुके हैं और भारत में निर्वासन में रह रहे हैं, लेकिन वह प्राणियों को काफी लाभ पहुंचाने में सक्षम रहे हैं।

धर्म गुरु बोले- हर कोई खुशी पाने का प्रयास करता है

दलाई लामा ने चीनी नेता माओत्से तुंग से मुलाकात को भी याद किया, जिन्होंने कहा था, धर्म जहर है। दलाई लामा ने कहा, लेकिन मैंने उनकी बात का जवाब नहीं दिया, उन्होंने वास्तव में बहुत बुरी नजर डाली, लेकिन मैंने जवाब नहीं दिया। मुझे दया आई, फिर बाद में मैं नेहरू से मिला। अपने पूरे जीवन में मैं ऐसे लोगों से मिला हूं जिनकी धर्म में रुचि है और ऐसे लोगों से भी मिला जिनकी धर्म में रुचि नहीं है। उन्होंने कहा कि बौद्ध धर्मग्रंथों में लोगों की अलग-अलग मानसिक प्रवृत्तियों और स्वभाव की बात कही गई है लेकिन इसके बावजूद हर कोई खुशी पाने का प्रयास करता है। दलाई लामा के उत्तराधिकारी की घोषणा की अफवाहें उनके 90वें जन्मदिन से कुछ दिन पहले से ही उठ रही थीं, लेकिन चीन के साथ बढ़ते तनाव के मद्देनजर इन अफवाहों का खंडन किया गया। सेंट्रल तिब्बती प्रशासन के अध्यक्ष पेंपा शीरिंग ने ऐसी अफवाहों को खारिज किया है।